Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Scools & Colleges.)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका

अर्थात्

तानालापसह गाने बजाने को सहलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रमिक पुस्तक.

भाग १ ला.

इस प्रथम भाग में १५ प्रचलित आलापयोग्य रागों के १७ चुनीदा हिंदी पदें उन के रागांग विस्तार, स्वरविस्तार, तान और बोलतानों के साथ बहुत गमकदार नोटेशन में दिया है.

लेखक और प्रकाशकः

पंडित फिरोझ फ्रामजी (संगीतशास्त्री)

Research Scholar & Author of 30 Books on Indian Music.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १॥ रुपया.

Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Scools & Colleges.)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका

अर्थात्

तानालापसह गाने बजाने को सहलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रामिक पुस्तक.

भाग १ ला.

इस प्रथम भाग में १५ प्रचलित आलापयोग्य रागों के १७ चुनीदा हिंदी पदें उन के रागांग विस्तार, स्वरविस्तार, तान और बोलतानों के साथ बहुत गमकदार नोटेशन में दिया है.

लेखक और प्रकाशक :

पंडित फिरोझ फ्रामजी (संगीतशास्त्री)

Research Scholar & Author of 30 Books on Indian Music.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य ३॥ रुपया.

OPINION

of G. H. RANADE, Esqr.

Professor of Physics, Willingdon College,

Sangli, 28th March 1936.

Mr. Firoze Framjee of Poona is well known in these parts for his selfless and untiring endeavours in the cause of Indian Music. Till now he has published in three different languages several valuable books illustrating with 'Chijas,' the high traditions of the art of Indian music. In his present publication 'Bharatiya Shruti-Swara-Raga-Shastra' he has succeeded in making a sound presentation of the scientific aspect of Indian music.

The book is bound to be of great help to students of Indian Music especially in understanding the pros and Cons of the Shruti problem. Due to the scanty internal evidence and the great distance of time between, the Shruti problem has always been a matter of controversy. But this does not mean that it need be given up for ever. It is in this spirit that fresh interpretations are always welcome.

Mr. Firoze Framjee is to be congratulated upon having published the present book giving a new and almost convincing interpretation of the Shruti problem.

Yours truly,

Sd/—**G. H. RANADE,**

Professor of Physics,

Willingdon College.

प्रस्तावनिका.

प्राचीन तथा अर्वाचीन संगीतशास्त्र विषयक सब प्रकार की अत्यावश्यक बातें हमारे "**भारतीय श्रुति-स्वर-राग-शास्त्र**" ग्रन्थ में कहीं गई हैं. तदनंतर प्रचलित ११५. रागों का शास्त्रीय वर्णन तथा उनके लक्षण-गीतें हमारे "**राग-लक्षण गीतमालिका**" पुस्तक के दोनों भाग में दिये गये हैं, जिसे संगीत विद्यार्थिओं को राग सम्बन्धी शास्त्रीय ज्ञान का पूरा बोध होगा. अब प्रचार में रागों के पदें जिस रीतिसे आलाप-तान के साथ गाया बजाया जाता है, वह अभ्यास के लिए इस "**सशास्त्र हिन्दुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तक-मालिका**" नामक ग्रन्थ संगीताभिलाषी पाठकों की सेवा में उपस्थित करने का सौभाग्य आज प्राप्त हुवा है.

इस ग्रन्थ में प्रचलित ७० आलापयोग्य रागों के चुनीदा हिंदी ख्याल, ठुमरियां, वगैरह उनके रागांग विस्तार, स्वरविस्तार, तान और किसम २ के बोलतानों के साथ भिन्न २ ताल और लय में बहुत सरल व सुलभ नोटेशन में दिये हैं, जिसे नवसिखों को इस ग्रन्थ द्वारा अभ्यास करने में कुछ तकलीफ न होगी. सब पदों का संग्रह जनता के प्रस्तुत रुची के अनुसारही किया गया है. इस ग्रन्थ का लाभ संगीताभिलाषी स्त्रीओं को भी होवे इस उद्देश से निति-भक्ति वगैरह अध्यात्मिक विषयों के गायनों का चुनाव किया है. इस ग्रन्थ में लिखी हुई कईक पुराणी खान्दानी चीजें अन्य संगीत पुस्तकों में भी छपी है, पर हमारी गायकी उन्ही सब से उमदे ढंग पे गमकदार नोटेशन में लिखी गई है यह इस ग्रन्थ का अध्ययन से स्पष्ट होगा.

गायकी का अभ्यास सुलभ करने के हेतु से सहल और कठिन रागों की व्यवस्था क्रमवार की गई है. जिस किसी को आलाप-तानसह गाना बजाना शीघ्रता से साध्य करना हो तो उस के लिए यह चार भागों का ग्रन्थ बहुत

उपयुक्त सिद्ध होगा. गरीब संगीत जिज्ञासुओं को कम दाम में एक-एक भाग का लाभ उठाना सहज हो इस हेतु से प्रत्येक भाग का मूल्य केवल रु. १॥ रखा है. एकत्र चारों भाग के पुस्तक का मूल्य रु. ४॥ है. डाक खर्च अलग.

आज तक हमने करीब ३० संगीत पुस्तकें प्रकाशित किये हैं. यह हमारे पुस्तकों की लोक–प्रियता का प्रत्यक्ष प्रमाण और संगीत जिज्ञासुओं के प्रेम और सहानुभूति का ही सूचक है. ये पुस्तकों को प्रकाशित करने का मेरा यही अभिप्राय है कि भारतीय संगीतविद्या और कला के उत्साही छात्रों की अभिलाषा पूर्ण होते हुए इस अमृतरूपी नादविद्या की भली प्रकार से उन्नति हो और सज्जन मेरे इस पुरुषार्थ को सफल करें.

अन्तमें इस ग्रन्थ के प्रकाशन में गायनविद्या के आचार्यों से मुझे जो सहायता मिली है उसके लिये कृतज्ञताभाव व्यक्त करते हुए यह प्रास्ताविक निवेदन समाप्त करता हूं.

आपका कृपापात्र,

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप,
पुना, ता. १५-११-३६.

पंडित फिरोझ फ्रामजी,
संगीतशास्त्री.

[इति प्रस्तावनिका समाप्त]

आवश्यक सूचना.

इस ग्रन्थ में हमारे **राग – लक्षण – गीतमालिका** के पुस्तक की स्वर-लिपि का ही अंगीकार किया है. **रागांगविस्तार, स्वरविस्तार** और **तानों** के सम्बन्ध में कुछ अधिक खुलासा नीचे लिखा है.

रागांग विस्तार में जहां कोमा (,) लिखि हो वहां थोडा रूकना और जहां सेमिकोलन (;) लिखा हो वहां इच्छानुसार ज्यादा रूकना.

स्वरविस्तार में जहां २ सेमिकोलन लिखा हो वहां २ प्रत्येक तान का टुकडा खतम हुआ ऐसा समझें.

तानों में कहीं २ कोमा और सेमिकोलन लिखे हैं वे सिर्फ तान के अलग २ टुकडे बताते हैं. **वहां रूकने का मतलब नहीं है,** किन्तु जिस स्वर के आगे कोमा या सेमिकोलन लिखा हो वहां श्वास तोडकर फिर **आकार** कहने को आरम्भ करना चाहिये. यथा:—

निरि गम, रिग मध, | गम धनि, मध निसां, |
आऽ ऽ, आऽ ऽ, | आऽ ऽ, आऽ ऽ, | इ. इ.

उपरोक्त तान में प्रत्येक स्वर को आधी मात्रा के अवकाश में उच्चारकर चार चार स्वर आकार में गाना.

निरि गरि गम गम | धम धनि धनि सांऽ |
आऽ ऽआ ऽ आऽ | ऽआ ऽ आऽ ऽ |

उपरोक्त तान में प्रत्येक स्वर को आधी मात्रा के अवकाश में उच्चारकर तीन तीन स्वर आकार में गाना.

इस ग्रन्थ में दिये हुए पदों की तानों में स्वरों के नीचे **आकार** लिखा नहीं अतएव उपरोक्त सूचना अवश्य ध्यानमें रक्खें.

सारिग रिगप गपध पधसां |
आऽऽ आऽऽ आऽऽ आऽऽ |

जब त्रिताल के प्रत्येक खंड में चार मात्रा में बारह स्वर लिखा हो तब प्रत्येक स्वर को ⅓ मात्रा के अवकाश में उच्चारकर तीन तीन स्वर एक मात्रा में गाना.

सारिग रिगप | गपध पधसां |
आऽऽ आऽऽ | आऽऽ आऽऽ |

जब त्रिताल के प्रत्येक खंड में चार मात्रा में छे स्वर लिखा हो तब प्रत्येक स्वर को ⅔ मात्रा के अवकाश में उच्चारकर तीन तीन स्वर दो मात्रा में गाना.

सारिगम् पधनिसां, सांनिधप मृगरिसा, |
आऽऽऽ ऽ , आऽऽऽ ऽ , |

जब त्रिताल के प्रत्येक खंड में चार मात्रा में १६ स्वर लिखा हो तब प्रत्येक स्वर को ¼ मात्रा के अवकाश में उच्चारकर चार चार स्वर एक मात्रा में गाना. एवं त्रिताल के प्रत्येक खंड में चार मात्रा में २४ स्वर लिखा हो तो प्रत्येक स्वर को ⅙ मात्रा के अवकाश में उच्चारकर छे छे स्वर एक मात्रा में गाना. विलंबित लय के पदों के तानो में त्रिताल के प्रत्येक खंड में १६ किंवा २४ स्वर लिखा जाता है.

इसी प्रकार कोईभी ताल में उस के खंड के मात्रा की संख्या के हिसाब से सब स्वरों को गाना बजाना.

जो पद विलंबित लय से गाने का है वहां **विलंबित** करके लिखा है. इतर सब पदें मध्य लय से गाना बजाना.

[इति आवश्यक सूचना समाप्त]

संगीतलेखन के चिन्ह परिचय.

मंद्र सप्तक के स्वरः— प़, ध़, नि़, इ.

तार सप्तक के स्वरः— सां, रिं, गं, इ०

मध्य सप्तक के स्वरः— सा, रि, ग, म॒, प, ध, नि.

अतिकोमल या कोमल स्वरः– रि॒, ग॒, म॒, ध॒, नि॒.

(राग के नियमानुसार कोमल या अतिकोमल स्वरों का प्रयोग करें.)

तीव्र या तीव्रतर स्वरः– सा, रि, ग, म, प, ध, नि.

लघु काल के स्वरः– सा, सारि, सारिग, सारिगम, इ.

अधिक मात्रा, अवग्रह चिन्हः– ऽ

अधिक मात्रा, विश्रान्ति चिन्हः– ।

सम का तालः– = । सादी तालः–२, ३, ४ । काल (खाली):–०

ताल खंडकी पूर्णतादर्शक चिन्हः– ।

ताल के आवृत्त की पूर्णतादर्शक चिन्हः– ॥

।: :। ये चिन्हों के भितर के स्वर दुबारा गाना बजाना.

प ग अथवा प ग – मींड के राह से स्वरों का गाना बजाना.

रि
सा – मुख्य स्वर पर छोटे टाईप में लिखे हुए स्वर का स्पर्श प्रथम करके मुख्य स्वर गाना बजाना.

(सा) = रिसानि़सा. (रि) = गरिसारि. (राग के नियमानुसार स्वरों का प्रयोग करें.)

*(अंतरा) – अस्ताई पूरी हुये बाद फिर आरम्भ से * यह चिन्ह जहां बीच मे लिखा हो वहां तक गा बजाकर अंतरा शुरु करें.

[इति संगीतलेखन के चिन्हपरिचय समाप्त].

Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Schools & Colleges.)

(आलाप, तान और बोलतानों के साथ)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका.

(भाग १ से ४)

प्रथम भाग के पदों की सूची.

[इति सूचीपत्र समाप्त]

शुद्धिपत्र.

पृष्ठ.	विषय.	लाईन.	अशुद्ध.	शुद्ध.
२०	(रागांग विस्तार नं. २)	२	सा ऽ नि	सा ऽ नि्
२०	(स्वरविस्तार)	२	साधि्	सानि्
३५	(अंतरा)	१	सा ऽ ऽ ऽ।	सां ऽ ऽ ऽ।
३६	(नोटेशन)	३	रि नि सां नि्।	रिं नि सां नि्।
३६	”	७	म् नि् प | री का न्हां ब |	प म् नि् प | री का न्हा ब |
३७	(रागांग विस्तार नं. २)	१	ध नि	ध् नि्
४२	(नोटेशन)	४	सा ऽ ऽ ऽ।	सां ऽ ऽ ऽ।
५०	(नोटेशन)	५	गपम्।	ग्पम्।
५०	(रागांग विस्तार नं. ३)	१	सां ग्	सां गं्
५०	”	२	रि नि् सां	रिं नि् सां
५३	(नोटेशन)	५	गंरिं मंगं।	गंरिं मंगं्।
५७	”	१	प ऽ नि प	। प ऽ नि् प
६०	(रागांग विस्तार नं. २)	१	प ध् सा ऽ;	प ध् सा ऽ;
६७	(रागांग विस्तार नं. ३)	४	रि म् ग ऽ;	रि म् ग् ऽ;
६८	(रागांग विस्तार नं. ५)	२	ध प ऽ;	ध् प ऽ;
७०	(३) जौनपुरीः—	१	रि् म् ऽ,	रि म् ऽ,
९२	(स्थायी)	४		निरिं् सांनि,
९३	(अंतरा)	८	निरिं् साग	निरिं् सांगं

नोट—शुद्धि के मुताबिक उपरोक्त गलतियां प्रथम सुधारकर फिर पढने की बिनंती है. छपे हुए टाईप में और कुछ गलतियां दृश्य हो तो पाथक महाशय अपनी बुद्धि से सुधार लेवे.

[इति शुद्धिपत्र समाप्त]

सशास्त्र

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तक मालिका.

(प्रथम पुस्तक)

राग मांड.

रागांगविस्तार.

(१) सारि ग (सा) ऽ; सारि म् ग ऽ, सारि ग (सा) ऽ ॥

(२) सारि म्प ध ऽ, पनि् धप म् ऽ ग ऽ, सारि ग (सा) ऽ ॥

(३) गम् पध नि पध सां ऽ; सांरिं सांनि ध ऽ, पनि् धप म् ऽ, ग ऽ, सारि ग (सा) ऽ ॥

(४) गप धनि पध सां ऽ निध पध सां ऽ; पध सांरिं गं सां ऽ; पध सांरिं मंगं रिंगं सां ऽ; सांरिं सांनि ध ऽ, पनि् धप म् ऽ ग ऽ, सारि ग (सा) ऽ; रिम् पध म्प सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि म्ग रिग सा ऽ; सारि म्प धप म्ग रिग सा ऽ; सारि म्प नि्प धम् पग म्रि गसा रिग सा ऽ; नि्सा गम् पध सां (अथवा) सारि म्प धनि पध सां ऽ निध पम् गसा रिग सा ऽ; नि्सा गम् पध सांरिं गंगं सांरिं गंम् गंरिं सांनि धप म्ग रिसा, रिम् पध सां ऽ ॥

उपयुक्त सूचना.

उपरोक्त रागांग विस्तार में तानों के जो छोटे २ टुकडे लिखें हैं वे इस राग के कोईभी पद में **उस के तालानुसार** रचाकर गा बजा सकते हैं. यह बात ठीक २ समझने के लिये आगे लिखा हुवा **त्रिताल** का पद का उदाहरण नीचे दिया है.

		म्	
	ग ग सा ऽ	रि रि म् ऽ	प ध प ध
	प्र भु जी ऽ	सु नि यो ऽ	अ र ज ह
	२	०	३
सां ऽ ऽ ऽ	सारि म् ग ऽ,	सारि ग सा ऽ,	सारि म्प ध ऽ,
मा ऽ ऽ ऽर	आऽ ऽ ऽ ऽ,	आऽ ऽ ऽ ऽ,	आऽ ऽ ऽ ऽ,
=	२	०	३
		म्	
पनि् धप म् ऽ	ग ऽ, सारि् ग	सा, रिरि् म् ऽ	प ध प ध
आऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ, आऽ ऽ	ऽ, सुनि यो ऽ	अ र ज ह
सां ऽ ऽ ऽ	गम् पध नि पध	सां ऽ ऽ ऽ,	सांरिं सांनि ध ऽ,
मा ऽ ऽ ऽर	आऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ,	आऽ ऽ ऽ ऽ,
पनि् धप म् ऽ	ग ऽ, सारि ग	सा, रिरि म् ऽ	प ध प ध
आऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ, आऽ ऽ	ऽ, सुनि यो ऽ	अ र ज ह
सां ऽ ऽ सां			
मा ऽ ऽ ऽर	शेष तानें आगे दिये हुए पद में लिखीं हैं सो देखिए.		

इसी प्रकार इस पुस्तक के चारों भाग में लिखे हुए रागांगविस्तार तथा स्वरविस्तार की छोटी २ तानों को कोईभी ताल के पदमें अप - अपनी इच्छानुसार ठीक २ रचाकर गाना बजाना, जो बार बार लिखा नहीं.

मांड – त्रिताल.

प्रभुजी सुनियो अरज हमार,
हम बालक तुझे शरण पडे हैं, लिजियो बेग उबार.– प्रभुजी
हमरी मंद मति शुद्ध होवे तुमसे, माया प्रबल तुमार.– प्रभुजी

```
                 रि              म्
            | ग   ग   सा  ऽ | रि  रि  म्  ऽ | प   ध   प   ध
            | प्र  भु  जी  ऽ | सु  नि  यो  ऽ | अ   र   ज   ह
              २               ०               ३

सां ऽ ऽ सां  | ।   ।   ।   । | म्  म्  म्  ऽ | प   प   प   प
मा ऽ ऽ ऽर   | ।   ।   ।   । | ह   म   बा  ऽ | ल   क   तु  झे
×              २               ०               ३

प  ध  प  म्  | पध  ऽप  धसां ऽ | ध   रिं  सां  नि | ध   ऽ   प   ध
श  र  ण  प   | डेऽ  ऽ   हैंऽ  ऽ | लि  जि  यो  ऽ | बे  ऽ   ग   उ

                                  म्
पध निसां निध पध | म्ग रिग सा ऽ | रि  रि  म्  ऽ | प   ध   प   ध
बाऽ ऽ   ऽ  रऽ  | प्रऽ भुऽ जी ऽ | सु  नि  यो  ऽ | अ   र   ज   ह

                      (अंतरा)
(सां) ऽ ऽ सां | सांनि धप धनि सां | म्  म्  प   ध | सां सां सां सां
मा   ऽ ऽ ऽर  | आऽ   ऽ  ऽ   ऽ   | ह   म   री  ऽ | मं  द   म   ति

प  ध  सां रिं | सांरिं गं (सां) ऽ | ऽ  म्म्  प   ध | सां सां सां सां
शु द्ध हो  वे  | तुऽ   भ  से   ऽ | ऽ  हम  री  ऽ | मं  द   म   ति

प  ध  सां रिं | सांरिं म्गं रिंगं सां | ऽ  म्  म्  ऽ | प   प   ध   रिं
शु द्ध हो  वे  | तुऽ   मऽ  सेऽ  ऽ  | ऽ  मा  या  ऽ | प्र  ब   ल   तु

              ग  रि              म्
सां नि ध ध   | म्  ग   सा  ऽ | रि  रि  म्  ऽ | प   ऽ   प   पध
मा  ऽ  ऽ र   | प्र  भु  जी  ऽ | सु  नि  यो  ऽ | अ   ऽ   जे  हऽ
```

स्थायी.

मार ऽ, गम् पध । सांनि धप म्ग रिसा । सुनियो अरज ह

गम् पध निरिं सांनि । धप म्ग रिसा ऩिसा । सुनियो अरज ह

गम् पध सांरिं गंरिं । सांनि धप म्ग रिसा । सुनियो अरज ह

मा ऽ ऽ र । प्र भु जी ऽ । सारि म्ग रिग सा, । सारि म्प धप म्ग

रिग सा, सारि म्प । ऩिप धम् पग म्रि । गसा रिग सा ऽ, । ऩिसा गम् पध गम्

पध निसां निध पम् । गसा रिग सा ऽ । सुनियो अरज ह

मा ऽ ऽ र । प्र भु जी ऽ । ऩिसा गम् पध, गम् । पध निसां, पध सांरिं

गंगं सांरिं गंम् गंरिं । सांनि धप म्ग रिसा । सुनियो अरज ह

मा ऽ ऽ र । प्र भु जी ऽ । ऩिसा गम् पध सांरिं । गंम् गंरिं सांनि धप

म्म्, गम् पध सांरिं । गंरिं सांनि धप म्म् ,। गम् पध निरिं सांनि । धप म्म् , गम् पध

सांनि धप म्म्, गम् । धप म्ग रिसा ऩिसा । सुनियो अरज ह

मा ऽ ऽ र । ग रिग म्ग रिग । ध पध निध पध । रिं सांरिं गंरिं सांरिं

गं रिंगं म्गं रिंसां,। सांरिं सांनि सांनि धनि। धप धप म्प म्ग । म्ग रिग रिसा रिसा,

ऩिसा गम् पध निसां । निध पम् गरि सा । सुनियो अरज हमार

अंतरा. "हमरी मंद मति"

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । गप धनि पध सां । ऽ ऽ निध पध

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ, पध सांरिं । गं सां ऽ ऽ, । पध सांरिं म्गं रिंगं

सां ऽ ऽ ऽ, । सांरिं सांनिं ध ऽ, । पनि़ धप म़ ऽ । ग ऽ, सारि ग

सा ऽ ऽ ऽ, । रिम़ पध मूप सां । हमरी मंद मति.

सांरिं सांसां रिंसां निध । धनि धध निध पम़ । मूप मूम़ पम़ मूग । सारि गसा रिग सारि,

मूम़ रिम, पप मूप, । धध पध, सांरिं सांसां । हमरी मंद मति

ऽ धध पम़ गरि । सा, रिंरिं सांनि धप । मूग रिसा, मूंमूं गंरिं । सांनि धप मूग रिसा,

रिग सारि, मूप रिम़ , । पध मूप सां ऽ । हमरी मंद मति

सां सांनि धप, नि । निध पम़, ध धप । मूग, प पम़ गरि, । म़ मूग रिसा निसा,

साग रिम़ गप मूध । पनि धसां निरिं सांगं । गंसां रिंनि सांध निप । धम़ पग मूरि गसा,

सारि मूरि मूप मूप । धप धनि धनि सां । हमरी मंद मति

शु द्ध हो वे । तु म से ऽ । गम़ पध सांरिं गं । रिंरिं ऽसां सां, निनि

ऽध ध, पप ऽम़ । म़, गग ऽरि रिसा, । निसा गम़ पध सांरिं । गंगं सांरिं गंम़ं गंरिं

सांनि धप मूग रिसा, । सांरिं सांनि धप मूग । रिसा, सांनि धप मूग । रिसा, धप मूग रिसा,

पम़ गरि सा, निसा । गम़ पध सां ऽ । हमरी मंद मति

सांरिं सांनि सांनि धनि । धप धनि पध निसां, । निसां निध निध पध । पम़ पध मूप धनि,

धनि धप धप मूप । मूग मूप गम़ पध, । पध पम़ पम़ गम़ । गसा रिग सारि गम़,

मूग रिसा, निसा गम़, । साग मूप, [१]गम़ पध । सां सा, [२]गम़ पध । सां सा, [३]गम़ पध

सां ऽ ऽ ऽ । प्रभुजी सुनियो अरज ह

बोलतानें.

पध निसां ऽ सां	नि सां (ध) ऽ	पध प ग ऽ	ऽ म् प ध
माऽ ऽ ऽ र	सु नि यो ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	ऽ अ र्ज ह
(सां) ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नि रिं	सां ऽनि ध ऽ	म् ऽ प ध
मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ सु नि	यो ऽ रे ऽ	अ ऽ र्ज ह
पध निसां ऽ सां	। । ग प	गप धनि् ध ऽ	ग म् प ध
माऽ ऽ ऽ र	। । सु नि	योऽ ऽ रे ऽ	अ र ज ह
सां ऽ ऽ सां	पध पध रिं ऽ	नि सां निध पध	ऽ गम् प ध
मा ऽ ऽ र	रेऽ ऽ ऽ ऽ	सु नि योऽ ऽ	ऽ अर ज ह
सां ऽ ऽ सां	। । । ।	सां नि सां ध	ऽ ऽ ऽ ऽ
मा ऽ ऽ र	। । । ।	सु नि यो ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
गप धनि पध सांनि	सां ध ऽ ऽ	ऽ ऽ पध सांरिं	गं सांरिं गंरिं सां
सुऽ ऽ ऽ ऽनि	यो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ सुऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
निसां निध पध रिं	सां ऽ ऽ ऽ	सां नि सां ध	ऽ म् प ध
निऽ ऽ ऽ ऽ	यो ऽ ऽ ऽ	सु नि यो ऽ	ऽ अ र्ज ह
पध निसां ऽ सां	। । । सां	सां ऽ ध ऽ	म् ऽ रि ऽ
माऽ ऽ ऽ र	। । । ह	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
रि ग ऽ रिग	सा, गम् पध निसां	ऽ निसां (ध) ऽ	म् ऽ प ध
ऽ ऽ ऽ ऽ	र, रेऽ ऽ ऽ	ऽ सुनि यो ऽ	अ ऽ र्ज ह
सारि म्प धनि् पध	सां ऽसां निसां ध	ऽ निसां निध पध	ऽ म् प ध
माऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽर रेऽ ऽ	ऽ सुनि योऽ ऽ	ऽ अ र्ज ह

सां	ऽ	ऽ	सां	निरिं	सांनि	धसां	निध	पनि॒	धप	म॒	ऽ	ग	म॒	प	ध
मा	ऽ	ऽ	है	माऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽर	रे	ऽ	अ	र	ज	ह

सां	ऽ	ऽ	सां
मा	ऽ	ऽ	र

(अधिक बोलतानों के लिए हमारी "**दिलखुश उस्तादी गायकी**" पुस्तक का द्वितीय भाग देखिए.)

राग अलैया बिलावल.

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ रि ऽ सा ऽ, सा रि ऽ सा ऽ; ग रि, ग प म॒ ग म॒ रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा (सा) ध़ नि़॒ प़ ऽ; सासानि़ध़ ऽनि़ सा ऽ; रि सा ऽ; ग प म॒ ग म॒ रि सा ऽ ॥

(३) सा रि ग म॒ रि ऽ सा ऽ; ग रि ग प ऽ, ध नि॒ ध प म॒ ग म॒ रि ऽ सा ऽ ॥

(४) ग प^प ध नि^{नि} सां ऽ; सां (सां) ध नि॒ प ऽ; ध^प ग म॒ रि ऽ; ग प म॒ ग म॒ रि सा ऽ ॥

(५) प प नि^ध नि सां ऽ सां ऽ; सां^{नि} गं गं^{रिं} मं॒ गं रिं सां ऽ; गं पं^{मं॒} मं॒ गं मं॒ रिं सां ऽ; सां (सां) ध नि॒ प ऽ, ध ग म॒ रि ऽ; ग प म॒ ग म॒ रि सा ऽ; ग प^प ध नि^{नि} सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि गरि **सा** ऽ; सारि गप मग रिसा ऽ; सारि गप धनि् धप मग रिसा ऽ; सारि गप धनि **सां** धनि् धप मग रिसा (अथवा) सारि गरि गप धनि सांनि धप मग रिसा ऽ; सारि गप धनि सांरिं सांनि धप मग रिसा ऽ; सारि गप धनि सांरिं गंरिं सांनि धप मग रिसा निसा ऽ; सारि गप धनि सांरिं गंमं् गंरिं सांनि धप मग रिसा (अथवा) सारि गरि गप धनि सांरिं गंमं् रिंसां निसां धनि् धप मग रिसा ऽ; सारि गप धनि सांरिं गंरिं गंपं मंगं रिंसां निध पम् गरि **सा** (अथवा) सारि गप धनि सांरिं गंमं् पंमं् गंरिं सांनि धप मग रिसा निसा, गरि गप धनि **सां** ऽ ॥

अल्हैया बिलावल – त्रिताल.

बिनती सुनो मेरी अब गिरधारी, आया शरण तुमारी.
मेरे अवगुण नाथ बिसारो, लीजियो बेग उबारी. – बिनती

											(प) ग	: प	नि	ऽ	धनि
											बि	: न	ती	ऽ	ऽसु
												३			
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ध	नि्	प	ऽ	ग	रि	प	म्	ग	रि	सा	ऽ
नो	ऽ	ऽ	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	अ	ब	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ
×				२				०				३			
ग	ऽ	म्रि	ग	प	प	नि	(ध) नि	सांनि	धप	मग	रिग :	प	नि	ऽ	धनि
आ	ऽ	याऽ	ऽ	श	र	ण	तु	माऽ	ऽ	रीऽ	बिऽ :	न	ति	ऽ	ऽसु
												(प) (अंतरा)			(नि)
सां	ऽ	ऽ	नि	धनिसां	ऽ	**सां**	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	प	ध	नि
नो	ऽ	ऽ	ऽ	मेऽऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ

सां सां सां सां	नि सां गं गं मं	रिं गं रिं सां ऽ	सां रिं गं रिं
अ व गु ण	ना ऽ थ बि	सा ऽ री ऽ	लि जि यो ऽ

सां (सां) ध प	गप धनि सांरिं सांनि	धप मग रि, ग	प नि ऽ ध नि
बे ऽ ग उ	बाऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री, बि	न ती ऽ सु

स्थायी.

नो ऽ ऽ ऽ । मे ऽ री ऽ । सारि गप मग रिग | बि | नती सु

नो ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ, सारि गप । धनि् धप मग रिबि । नती सु

नो ऽ ऽ ऽ । सारि गप धनि सां । धनि् धप मग रिबि । नती सु

नो ऽ ऽ ऽ । सारि गप धनि सांरिं । सांनि धप मग रिबि । नती सु

नो ऽ, सारि गप । धनि सांरिं गंरिं सांनि । धनि् धप मग रिबि । नती सु

नो ऽ ऽ ऽ । सारि गप धध पम् । ग, धनि् धप धध । पम् ग, धनि सांनि

धप धध पम् ग, । धनि सांरिं सांनि धप । धध पम् गरि, बि । नती सु

नो ऽ ऽ ऽ । गप धनि् धप, गप । धनि सांनि धनि् धप, । गप धनि सांरिं सांनि

धनि् धप, गप धनि । सांरिं गंमं गंरिं सांनि । धनि् धप मग रिबि । नती सु

नो ऽ ऽ ऽ । सारि गरि सा, सांनि । धनि सांनि धप मग । रिसा, गंरिं सांनि धप

मग रिसा, पंमं गंरिं । गंमं गंरिं सांरिं गंरिं । सांनि धप मग रिबि । नती सु

नो ऽ ऽ ऽ । गग रिग, पप गप, । निनि धनि, सांसां निसां, । गंरिं सांनि धप धनि

सांरिं सांसां रिंसां सांरिं । गंरिं गंपं मंगं रिंसां । निध पम् गरि, बि । नती सुनो मेरी

अंतरा "मेरे"

अ व गु ण । सां ऽ ऽ ऽ, । धनि सां ऽ ऽ । मेरे

अ व गु ण । सां रिं सां ऽ, । गं मंरिं ऽ सां । ऽ ऽ, गं पं

मं गं रिं सां । ऽ ऽ, सां रिं । सां ध निप ऽ, । ध ग मरि ऽ,

ग प म् ग । म् रि सा ऽ । गरि गप धनि सां । मेरे

अ व गु ण । धनि सांध निसां धनि । सांरिं सांनि धप धनि । सांरिं गंमं पंमं गंरिं

सांनि धप म्ग रिसा, । सारि गरि गप गप । धप धनि धनि सां । मेरे

अ व गु ण । गप धनि सांरिं गंरिं । सांसां निनि धध पप । मम् गग रिरि सासा,

रिग पप, गप धध, । पध निनि, धनि सांसां, । निसां रिंगं मंगं रिंसां । मेरे

अ व गु ण । रिंगं मंरिं गंमं रिंसां । धनि सांध निसां धप । रिग मरि गम् रिसा,

सारि गरि गप गप । गप धप धनि धनि । धनि सांनि सांगं गंरिं । सांनि धप, सांरिं सांनि

धप, धनि सांनि धप, । धनि धप म्ग रिसा, । गरि गप धनि सां । मेरे

अ व गु ण । सांरिं सांनि सांनि धनि । धप धप मप मग । मग रिग रिसा रिसा

सारि रिग गप पध । धनि निसां सांरिं रिंगं । पंपं मंगं रिंसां निध । पम् गरि गप धनि

सांरिं गंमं गंरिं सांनि । धप मग रिसा, सारि । गप धनि सां, गप । धनि सां, गप धनि

सां ऽ ऽ ऽ	गप धनि सांसां सांसां	सांगं गंमं गंरिं सां	सांरिं गंरिं सांनि धप
	मेऽ रेऽ अव गुण	नाऽ धवि साऽ रो	लिजि योऽ बेऽ गड

१ ध | २ ध | ३ ध

धनि् धप मृग रिग | पनि ऽनि सां ऽ, | ऽग पनि ऽनि सां | ऽ, ऽग पनि ऽनि
बाऽ ऽ रीऽ ऽबि | नती ऽसु नो ऽ, | ऽबि नती ऽसु नो | ऽ, ऽबि नती ऽसु

सां ऽ ऽ नि | धनिसां ऽ सां ऽ | । । । । | । । । ।
नो ऽ ऽ ऽ | मेऽऽ ऽ रीं ऽ | । । । । | । । । ।

बोलतानें.

साग रिग रिप गप | पनि धनि धसां निरिं | निसां निध निृध पध | मृग रिग पनि धनि
बिन ऽती सुनो ऽ | मेऽ रीअ बगि ऽर. | धाऽ रीआ ऽया ऽ | शाऽ र्णबि नती ऽसु

सां ऽ ऽ ऽ | ध नि् प ऽ | । । । । | गं रिंसां ऽरिं सांनि
नो ऽ ऽ ऽ | मे ऽ री ऽ | । । । । | बि नती ऽसु नोऽ

सांध निृध पध पग | पमृ गमृ रिसा रिसा | ग रिप ऽग ध | पनि ऽध सां रिं
ऽमे ऽरी अऽ बगि | ऽर धाऽ रीआ ऽया | श ऽर्ण ऽतु मा | रीबि ऽन ती सु

सां ऽ ऽ ऽ | ध नि् प ऽ | ग रि प मृ | ग रि सा ऽ
नो ऽ ऽ ऽ | मे ऽ री ऽ | अ ब गि र | धा ऽ री ऽ

गरि पग धप निध | सांनि रिंसां गंरिं सांनि | धप मृग रिसा, गप | धनि सां गप धनि
बिन तीसु नोऽ मेरी | अब गिर धारी आया | शर णतु मारी, बिन | तीसु नो बिन तीसु

सां ऽ ऽ ऽ | ध नि् प ऽ | सां ऽरिं सांनि धप | ध ऽनि् धप मृग
नो ऽ ऽ ऽ | मे ऽ री ऽ | बि ऽन तीऽ सुऽ | नो ऽ मेऽ रीऽ

प ऽध मृग रिसा | ग ऽरि प ऽग | ध ऽप निध निरिं | सांनि धप गप धनि
अ ऽब गिऽ रऽ | धा ऽरी आ ऽया | श ऽर णऽ तुऽ | माऽ रीऽ बिन तीसु

सां ऽ ऽ ऽ | सारि गरि गप गप | गप धप धनि धनि | धनि सांनि सांगं गंरिं
नो ऽ ऽ ऽ | त्रिऽ ऽन ऽ तीऽ | सुऽ ऽनो ऽ ऽ | मेऽ ऽरी ऽ अऽ

सांनि धनि् धप धप	मृग रिसा, धप मृग	सांनि धप गंरिं सांनि	धप मृग पनि धनि
बऽ ऽगि ऽ रऽ	धाऽ रीऽ, आऽ ऽया	शऽ ऽर णऽ तुऽ	माऽ रीबि नती ऽसु
सां ऽ ऽ ऽ	ध नि् प ऽ	धनि सांरिं सांनि धनि	ऽरिं सांनि सांध नि्ध
नो ऽ ऽ ऽ	मे ऽ री ऽ	बिन तीसु नोऽ मेरी	ऽअ बगि रधा ऽरी
	१	२	३
पध पग मृरि गप	मृग रिसा, गप धनि	सां ऽ, गप धनि	सां ऽ, गप धनि
आऽ याश ऽर णतु	माऽ रीऽ, बिन तिसु	नो ऽ, बिन तीसु	नो ऽ, बिन तीसु
सां ऽ ऽ ऽ			
नो ऽ ऽ ऽ			

राग झिंझोटी.

रागांग विस्तार.

(१) सा रि ग मृ ग रि सा ऽ, रि सा नि् ध्, नि् ध प् ऽ; ध् सा ऽ; रि मृ ग ऽ ॥

(२) सा रि मृ ग ऽ; गम् प ऽ ग मृ ग ऽ; ध नि् ध प ऽ मृ प मृ ग ऽ; रि रि प मृ ग ऽ; सा रि ग मृ ग रि सा ऽ नि् ध् प् ऽ, ध् सा रि मृ ग ऽ ॥

स्वरविस्तार.

पध् सारि गम् गरि सानि् धप् धसा ऽ; पध् सारि गम् पध पम् गरि सानि् धप् धसा ऽ; पध् सारि गम् पध सांसां नि्ध पम् गरि सानि् धप् धसा ऽ; पध् सारि गम् पध नि्सां रिंगं मंपं मंगं रिंसां नि्ध पम् गरि सानि् धप् धसा ऽ ॥

झिंझोटी – त्रिताल.

रे मन समझ समझ पग धरिये,
इस जग में नाहिं अपना कोई, परछाये सों डरिये. – रे
दौलत दुनिया कुटुम कबीला, इन सों नेह न करिये,
राम नाम सुख धाम जगतपति, सुमर बेग अब जासों तरिये. – रे

प़ | धृ सा रि ग
अ | रे ऽ म न
   ३

प म् ग रि | म् ग सा रि | म् ग रिनि़ सा : | सा सा ग ग
स म झ स | म झ प ग | ध रि येऽ ऽ | इ स ज ग
= | २ | ० | ३

पम् गम् ग रि | सा नि़ सा रि | ध़ नि़ ध़ ऽ | प़ ध सारि ग
मेंऽ ऽ न हिं | अ प ना ऽ | को ऽ ई ऽ | प र छाऽ ऽ

गम् प मप ध | मग म् ग रि | सा नि़ ध़, प़ | ध़ सा रि ग
येऽ ऽ ऽ ऽ | सोंऽ ऽ ड री | ये ऽ ऽ, अ | रे ऽ म न

(अंतरा)

प म् ग रि | म् ग सा रि | सा ऽ ग ग | म् प प ऽ
स म झ स | म झ प ग | दौ ऽ ल त | दु नि या ऽ

ग म् प ध | ग प मग रिग | ग म् पध सां | नि् ध प ध
कु टु म क | बी ऽ ला ऽ | इ न सोंऽ ऽ | ने ऽ ह न

ग म् ग ऽ | सारि गप म् ग | ग ऽ रि गम् | पध म् ग रि
क रि ये ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रा ऽ म नाऽ | ऽ म सु ख

नि़ ऽ सा रि | नि सा नि़ ध | प़ प़ ध़ सा | ऽ रि ग रि
धा ऽ म ज | ग त प ति | सु म र बे | ऽ ग अ ब

गम् प मप ध	मग म ग रि	सा नि् ध्, प्	ध् सा रि ग
जाऽ ऽ ऽ ऽ	सोंऽ ऽ त रि	ये ऽ ऽ, अ	रे ऽ म न

तानें.

धसा रिरि, सारि गग, । रिग मम, गम पप, । पम् गरि सानि् धप् । रे मन

पध् सारि गम् पध । निध पम् गरि गम् । पम् गरि सानि् धप् । रे मन

मनि् धनि् पध् पसा। साम् गम् रिग रिप । सानि् सारि सानि् धप् । रे मन

मप ऽध पम् गरि । गरि ऽप मग रिग । निसा ऽरि सानि् धप् । रे मन

स म झ स । सारि गम्, रिग मप, । गम् पध, मप धनि, । पध निसां, धनि सांरिं,

सांरिं गंमं, रिंगं मंपं, । पंमं गंरिं सांनि् धप । मग रिसा निध् प् । रे मन

मप मध पनि् धसा । निरि साग रिम् गप । मध पनि् धसां निरिं । सांगं रिंमं गंपं गंमं

रिंगं सांरिं निसां धनि् । पध मप गम् रिग । सारि निसा धनि् प् । रे मन

१

निध ऽसां निध पम् । पम् ऽध पम् गरि । गरि ऽम् गरि सानि् । सानि् ऽरि सानि् धप्

२ ३

धसा रिग प, सानि् । ऽरि सानि् धप् धसा । रिग प, सानि् ऽरि । सानि् धप् धसा रिग

प ऽ ऽ ऽ ॥

राग खमाज.

रागांग विस्तार.

(१) सा नि़ सा ग ऽ म्‌ ग ऽ; ग म्‌ म् नि् ध ऽ, म्‌ प ध ऽ म्‌ ग ऽ;

म्‌ ग रि सा ऽ ॥

(२) नि़ सा ग म्‌ ऽ; प ग ऽ म्‌ ऽ; प ध ऽ म्‌ प ध ग ऽ म्‌ ऽ;

नि् ध ऽ, प म्‌ प ध ग ऽ; म्‌ ग रि सा ऽ ॥

(३) ग ऽ, म्‌ ग रि.सा ऽ; नि् ध म्‌ प ध ग ऽ, म्‌ ग रि सा ऽ;

ग म्‌ नि् ध ऽ; ग म्‌ सां ऽ नि् ध ऽ, म्‌ प ध ऽ म्‌

ग ऽ; प ऽ, म्‌ ग रि सा ऽ ॥

(४) ग म् म्‌ नि् ध नि सां ऽ नि सां ऽ, प नि सां रिं सां नि् ध ऽ;

नि सां ऽ गं मं गं रिं सां ऽ; नि ऽ सां सां सां ध सां सां नि् ध ऽ,

प म्‌ प ध ऽ म्‌ ग ऽ; म्‌ ग रि सा ऽ ॥

स्वर विस्तार.

(१) निसा ग म्ग रिसा ऽ; निसा गम् पम् गरि सा ऽ; निसा गम् पध पम् गरि सा ऽ; निसा गम् पध निध पम् गरि सा (अथवा) निसा गम् पनि निध पम् गरि सा ऽ; निसा गम् पध निसां निध पम् गरि सा ऽ; निसा गम् पनि

सांरिं सांनि॒ धप म॒ग रिसा ऽ; नि॒सा गम॒ पनि सांगं गंरिं सांनि॒ धप म॒ग रिसा नि॒सा (अथवा) गम॒ पध निसां गंरिं सांनि॒ धप म॒ग रिसा ऽ; नि॒सा गम॒ पनि सांगं मं॒पं मं॒गं रिंसां नि॒ध पम॒ गरि **सा** (अथवा) नि॒सा गम॒ पध निसां गंमं॒ पंमं॒ गंरिं सांनि॒ धप म॒ग रिसा नि॒सा ऽ ॥

(२) नि॒सा गम॒ धनि सांरिं सांनि॒ धप म॒ग रिसा ऽ; गम॒ धनि सांगं रिंसां नि॒ध पम॒ गरि **सा** ऽ; नि॒सा गम॒ धनि सांरिं गंमं॒ गंरिं सांनि॒ धप म॒ग रिसा ऽ ॥

(३) नि॒सा गम॒ पध सांरिं गंगं रिंसां नि॒ध पम॒ गरि सा ऽ; नि॒सा गम॒ पध सांरिं गंमं॒ गंरिं सांनि॒ धप म॒ग रिसा (अथवा) गम॒ पध निसां रिंगं मं॒गं रिंसां नि॒ध पम॒ गरि सा ऽ ॥

नोट— इस राग के आरोह की स्वर रचना अनेक प्रकार से होती है. यथा :–

(१) नि॒सा गम॒ पध निसां, (२) नि॒सा गम॒ पध **सां**, (३) नि॒सा गम॒ पनि **सां**, (४) नि॒सा गम॒ धनि **सां**.

जलद तानें लेनेमें सवलता हो इस लिये आरोह में केवल **तार सप्तक में ऋषभ** स्वर कभी २ लगातें हैं. उपरोक्त तीसरा प्रकार देखिए.

खमाज – त्रिताल.

अरे मोरे सैयां खता का हमार,
बोलत नाहीं ऐको बार, बिनति करत गई हार. – अरे
और जुलूम जो पिया करो नहीं, देना न दिल से उतार. -- अरे

प | प ऽ प ध | ग प म् ग | सा ग रि ग
अ | रे ऽ मो रे | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह
२ ० ३

प ऽ प प | प ऽ पध पध | ग प म् ग | सा ग रि ग
मा ऽ र अ | रे ऽ मोऽ रेऽ | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह
× २ ० ३

प ऽ ऽ ऽ | ऽ म्ग प । |: । सा गम् रिग | प ऽ प ऽ
मा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ आर । |: । बो लऽ तऽ | ना ऽ हीं ऽ

प ऽ पध पध | ग प म्ग रिग :| ऽ निनि नि नि | नि नि सां नि
ए ऽ कोऽ ऽ | बा ऽ ऽ रऽ :| ऽ बिन त क | र त ग ई

सांरिं निसां ऽ नि् | नि्ध पध प ऽ | ऽ निनि नि नि | नि नि सां नि
हाऽ ऽ ऽ र | प्याऽ ऽ रे ऽ | ऽ बिन त क | र त ग ई

सांरिं निसां ऽ :| नि् | ध प गम् पध | ग प म् ग | सा ग रि ग
हाऽ ऽ ऽ :| र | रे ऽ मोऽ रेऽ | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

(अंतरा)

म् नि्
प ऽ ऽ :| ऽ | ऽ म्ग प । | ग म् ध नि | सां ऽ ऽ ऽ
मा ऽ ऽ :| ऽ | ऽ ऽ आर । | औ ऽ र जु | लू ऽ ऽ ऽ

ऽ ऽ ऽ निध | सां ऽ ऽ ऽ | ऽ नि नि नि | पध निसां ऽ ऽ
ऽ ऽ ऽ ऽ | म्जो ऽ ऽ ऽ | ऽ पि या क | रोऽ ऽ ऽ ऽ

निसां निध प ध | प ऽ ऽ ऽ | ऽ नि नि नि | नि नि सां नि
ऽ ऽ ऽ न | हीं ऽ ऽ ऽ | ऽ दे ना न | दि ल से उ

रिं
सांरिं निसां ऽ नि् | नि्ध पध प ऽ | ऽ नि नि नि | नि नि सां नि
ताऽ ऽ ऽ र | प्याऽ ऽ रे ऽ | ऽ दे ना न | दि ल से उ

सांरिं निसां ऽ नि् | ध प गम् पध | ग प म् ग | सा ग रि ग
ताऽ ऽ ऽ र | रे ऽ मोऽ रेऽ | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

स्थायी.

प ऽ प प	**प** ऽ पध पध	**ग प म् ग**	ऩिसा गम् ग,ग म्प
मा ऽ र अ	रे ऽ मोऽ रेऽ	सै ऽ यां ऽ	आऽ ऽ ऽ ऽ

धम् ग,ग म्प ऩिऩि । धप म्ग, गम् धनि । सांरिं सांऩि धप म्ग,। गम् धनि सांगं रिंसां

ऩिध पम् गरि **ग** । रे मोरे....ह

प ऽ **प प**	**प** ऽ पध पध	**ग प म्** ऽ	गम् पध ऩिध पम्,
मा ऽ र अ	रे ऽ मोऽ रेऽ	सै ऽ यां ऽ	आऽ ऽ ऽ ऽ

गम् पध निसां ऩिध । पम्, गम् पध निसां । रिंसां ऩिध पम्, गम्। पनि सांगं रिंसां ऩिध

पम्, गम् पनि सांगं । म्ंपं मंगं रिंसां ऩिध । पम् गप म्ग साग । रिग प, साग रिग

प ऽ प प	
मा ऽ र अ	रे मोरे....ह

मा ऽ ऽ **र** । ऩिसा गम् प, गम् । पध म्प, गम् पध । निसां धऩि पध म्प,

१ २ ३

गम् पध निसां सांरिं । निसां धऩि पध म्प । गम् रिग प, गम् । रिग प, गम् रिग

प ऽ प प	
मा ऽ र अ	रे मोरे....ह

मार ऽ, ऩिसा गम् । **प**, गम् ध, गम् । धनि **सां**, निसां **गं**। म्ंगं रिंसां सांरिं सांनि

सांऩि धऩि धप धप। म्प म्ग म्ग रिग । रिसा ऩिसा, गम् पध ।निसां गंमं गंरिं सांऩि

धप म्ग साग रिग । रे मोरे····ह

गम् गग म्ग रिसा, । धऩि धध ऩिध पम् । गरि **सा**, गंमं गंगं । मंगं रिंसां ऩिध पम्

गरि **सा**, ऩिसा गम् । पप, गम् पध ऩिध,। पध निसां गंगं सांरिं । गंमं गंरिं सांऩि धप

म्ग रिसा साग रिग । रे गोरे हमार

अंतरा. "और जुलू"

सांनि सां, धनि् पध । सांनि सां, नि्ध पम् । गम् पध सांनि सां, । नि्ध पम् गरि सानि्

सा गम् पध निसां । गम् पध निसां ऽ । और जुलू

निसां निरिं सांनि्, धनि् । धसां नि्ध, पध पनि् । धप, म्प म्ध पम्, । गम् गप म्ग रिसा,

नि्सा गसा गम् गम् । पम् पध पध निसां । और जुलू

ऽ ऽ ऽ ऽ । म्जो ऽ ऽ ऽ । धनि सांध निसां धनि । सांरिं सांनि् धप म्ग

रिसा नि्सा, गम् गग, । म्प म्म्, पध पप, । धनि् धध, निसां निनि, । सांरिं सांसां, गंमं् गंरिं

सांनि् धप म्ग रिसा, । नि्सा गम् पध निसां । और जुलू

सांध नि्प धम् पग । म्ग रिसा, साम् गप । म्ध पनि् धसां निरिं । सांमं् गंपं मं्गं रिंसां

नि्ध पम् गरि सा । गम् धनि सांध निसां । और जुलू

निसां रिंनि सांरिं निसां । रिंसां नि्ध पम् गरि, । गम् पग म्प गम् । पम् गरि सानि् सा,

नि्सा गम् ध, धप । म्प नि्, नि्ध पध । सां, सांनि् धनि् रिं, । रिंसां निसां मं्, मं्गं

रिंसां नि्ध पम् गरि । सा, गम् धनि सां । और जुलूम इ. इ.

बोलतानें, "अरे मोरे....ह"

प	ऽ	गम्	पध	नि्	ध	प	ध	ग	प	म्	ग	सा	ग	रि	ग
मा	ऽर	रेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	रे	सै	ऽ	यां	ख	ता	ऽ	का	ह

प	ऽ,	पध	सांनि्	ध	प	गम्	पध	ग	प	म्	ग	सा	ग	रि	ग
मा	ऽर,	रेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मोऽ	रेऽ	सै	ऽ	यां	ख	ता	ऽ	का	ह

प ऽ, सां नि् | ध प प ध | ग प म् ग | सा ग रि ग
मार ऽ, मो ऽ | ऽ ऽ रे ऽ | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

गम् पध निसां रिंसां | नि् ध प प | ग प म् ग | सा ग रि ग
माऽ ऽ ऽ ऽर | रे ऽ मो रे | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

प ऽ, निसां रिंसां | नि् ध पध पध | ग प म् ग | सा ग रि ग
मार ऽ, रेऽ ऽ | ऽ ऽ मोऽ रेऽ | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

पनि सांगं रिंसां निसां | नि् ध प ध | ग प म् ग | सा ग रि ग
माऽ ऽ ऽ ऽर | रे ऽ मो रे | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

गम् पधं निसां, प | प ऽ पध पध | ग प म् ग | सा ग रि ग
माऽ ऽ ऽर, अ | रे ऽ मोऽ रेऽ | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

प ऽ ऽ प | गम् पध नि्ऽ धप | धप गप म्ग रिग | पऽ गम् गरि गम्
मा ऽ ऽ र | अरे मोरे सैऽ याख | ऽता काऽ हमा ऽर | सैऽ यांख ताऽ काह

प ऽ ऽ प | साग ऽग म्प ऽध | पनि सांरिं सांनि् धप | गप गम् गरि गम्
मा ऽ ऽ र | अरे ऽमो रेसै ऽयां | खता काऽ हमा ऽर | मोरे सैयां खता काह

प ऽ प, पम् | गम्, धप म्प, नि्ध | पध, सांनि सांनि् धनि् | धप धप म्प म्ग
मा ऽ र, अरे | मोरे सैयां खता काह | मार बोल तना ऽहि | एऽ काबा ऽर अऽ

१ २ ३
म्ग रिग प गम् | गरि गम् प, प | गम् गरि गम् प, | प गम् गरि गम्
रेमो ऽरे सै यांख | ताऽ कांह मार, सै | यांख ताऽ काह मार, | सै यांख ताऽ काह

प ऽ ऽ प | गम् पम् पध पध | सांनि सांनि् पध सांरिं | गंसां निसां सांनि सांनि्
मा ऽ ऽ र | अरे मोरे सैयां खता | काऽ हमा ऽर बोल | तना ऽहिं एऽ कबा

पध सांरिं सांनि् धप | गम् पध प गम् | रिग, प गम् रिग, | प गम् गरि गम्
ऽर बिन तिक रत | गई हार सै यांख | ताऽ, सै यांख ताऽ, | से यांख ताऽ काह

प ऽ ऽ प | गम् पप म्ग, म्प | धध पम्, पध नि्नि् | धप, धनि् सांसां नि्ध,
मा ऽ ऽ र | मोऽ ऽरे ऽ, सैऽ | ऽयां ऽ खऽ ऽता | ऽ काऽ ऽ ऽ

पध सांरिं गंमं् गंरिं | सांनि् धनि् पध सांरिं | सांनि् धप म्ग रिग | प गम् गरि गम्
हऽ ऽ ऽ ऽ | माऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽर | सै यांख ताऽ काह

प ऽ प प | प ऽ पध पध | ग प म् ग | सा ग रि ग
मा ऽ र अ | रे ऽ मोऽ रेऽ | सै ऽ यां ख | ता ऽ का ह

गम् धप म्ग, पध | सांनि् धप, पध सांरिं | गंनि सांरिं धनि् सांप | धनि् म्प धप म्ग
मोऽ ऽ रेऽ, सैऽ | ऽ यांऽ, खऽ ऽ | ऽता ऽ काऽ ऽह | ऽ माऽ ऽ ऽर

गम् पप म्ग रिसा | गरि गम् गम् पम् | पध पध पध नि्ध | प गम् गरि गम्
बोऽ ऽ लऽ तऽ | नाऽ ऽहिं ऽ एऽ | ऽको ऽ बाऽ ऽर | सै यांख ताऽ काह

गम् पध निसां ऽसां | प गम् गरि गम् | प पम् गरि गम् | प पम् गरि गम्
माऽ ऽ ऽ ऽर | सै यांख ताऽ काह | मा रख ताऽ काह | मा रख ताऽ काह

खमाज - त्रिताल.

अरे मन काहे करे तुं गुमान,
दौलत दुनिया माल खजाना, दो दिन का महिमान.- अरे
यह संसारा झूट पसारा, धर प्रभु का नित ध्यान.-अरे

नोट — "अरे मोरे सैयां" के नोटेशन में गाना बजाना.

---*---

खमाज - त्रिताल (विलंबित)

ए छब दिखला जा बांके सावरियां, ध्यान लगो मोहे तोरा रे.
बांकी रे चीत्रबन अरू नैनवा रसीले, चाल चलत मोहन बनवारी,
कारे करूं कित जाऊं सजनी, ना माने जिया मोरा रे.

सां

ऽ ऽ ऽऽगम् पधनिसां | नि नि नि नि | सां ऽ धनिधनिसांऽ निधपध ‖ प ऽ ऽ ऽ |
ऽ ऽ ऽऽए ऽ | छ ब दि ख | ला ऽ ऽ ऽ ‖ जा ऽ ऽ ऽ |
२ ० ३ =

ऽ ऽ म्ग ऽ | म् ध ऽ धध | पधपध निरिंसांऽ ऽ ऽ ‖ धसांनि् ऽ ध प |
ऽ ऽ ऽ ऽ | बा के ऽ साव | रीऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ‖ ऽ ऽ या ऽ |
२ ० ३ =

ऽ ऽ ऽ ऽ | गम्पध निसांऽऽ पनि्धपधऽ पम् | गपम्ग रिगऽऽ ऽ सारि ‖
ऽ ऽ ऽ ऽ | ध्याऽऽ ऽ ऽ नल | गोऽऽऽ ऽ ऽ मोहे ‖
२ ० ३

सारिग ऽऽरि रिगम् ऽ | गपम्गरिग ऽऽसाऽ गम्पधनिसां पनि्धपधऽ |
तोऽऽ ऽ राऽऽ ऽ | रेऽऽऽऽऽ ऽ हाऽऽऽऽऽ ऽ |
= २

गप धप ऽ म्म् | गपम्ग रिग ऽ सारि ‖ रिप ध गप म् |
ध्याऽ ऽ ऽ नल | गोऽऽऽ ऽ ऽ मोहे ‖ तोऽ ऽ राऽ ऽ |
० ३ =

गपम्ग रिगऽऽ पनिसांरिं निसांऽऽ | धसां ऽ नि् नि्धपऽ |
रेऽऽऽ ऽ हांऽऽऽ ऽ | ध्याऽ ऽ न लऽऽऽ |
२ ०

गपम्ग रिगऽऽ ऽ सारि ‖ सारिगरि ऽ रिगम्ऽ ऽ |
गोऽऽऽ ऽ ऽ मोहे ‖ तोऽऽऽ ऽ राऽऽऽ ऽ |
३ =

गपम्ग रिगऽऽ पधसांरिं गंसांऽऽ | धसां ऽ नि् नि्धपऽ |
रेऽऽऽ ऽ हांऽऽऽ ऽ | ध्याऽ ऽ न लऽऽऽ |
२ ०

गपम्ग रिगऽऽ ऽ सारि ‖ सारिगरि ऽ रिगम्ऽ ऽ | गपम्ग रि गम्पध पधऽऽ |
गोऽऽऽ ऽ ऽ मोहे ‖ तोऽऽऽ ऽ राऽऽऽ ऽ | रेऽऽऽ ऽ हांऽऽऽ ऽ |
३ = २

ग प ऽ म्म् | गपम्ग रिगऽऽ ऽ साऽसारि ‖ सारिग ऽ रिगम् ऽ |
ध्या ऽ ऽ नल | गोऽऽऽ ऽ ऽ मोऽहेऽ ‖ तोऽऽ ऽ राऽऽ ऽ |
० ३ =

रिगपम् गरिगऽ साऽ,गम् पधनिसां |
रेऽऽऽ ऽ ऽऽए़ऽ ऽ | छब....तोरा रे
२

(अंतरा)

पप पधपध पम्गऽ म् | ऽ गम्पध निसांऽऽ निनि ||
बांकी रेऽऽऽ ऽ ची | ऽ त्रऽऽऽ ऽ बन ||
० ३

गम्पधनिसां ऽऽसांसां सां सां | धनिधनिरिंऽ ऽ सां ऽ |
एऽऽऽऽऽ ऽऽनैंन वा र | सीऽऽऽऽऽ ऽ ले ऽ |
= २

निसांनिधपऽ ऽऽपध पम्गऽ म् | ऽ पसां ऽ निनि ||
बांऽऽऽकीऽ ऽऽरेऽ ऽ ची | ऽ त्रऽ ऽ बन ||
० ३

ऽ ऽऽसांसां सांसां सांसां | निसांगंरिं सांनिधनिरिंऽ ऽऽसांऽ ऽ |
ऽ ऽऽअरु नैंन वार | सीऽऽऽ ऽ ऽऽलेऽ ऽ |
= २

ऽ नि नि नि | नि निरिंसांनि धनिऽऽ ऽऽनिऽ || ध सां ऽ निसां |
ऽ चा ल च | ल तऽऽऽ ऽ ऽऽमोऽ || ह न ऽ बन |
० ३ =

निसांनिध पधऽऽ ऽऽपऽ ऽ | ऽ नि नि नि | निरिंसांनिसांऽ ऽधसांनि् ऽधपऽ ऽऽम्ग ||
बाऽऽऽ ऽ ऽऽरीऽ ऽ | ऽ का रे क | रुंऽऽऽऽऽ ऽ ऽ ऽऽकित ||
२ ० ३

म् ध ऽ धध | पधसांरिं गंसांऽऽ धसांनि्ऽ धपऽऽ | प ध ग प |
जा ऊं ऽ सज | नीऽऽऽ ऽ ऽ ऽ | ना ऽ मा ऽ |
= २ ०

गपम्ग रिगऽऽ सा रि || सारिग ऽ रिगम् ऽ | गपम्ग रिगऽऽ साऽ,गम् पधनिसां |
नेऽऽऽ ऽ जि या || मोऽऽ ऽ राऽऽ ऽ | रेऽऽऽ ऽ ऽऽए़ऽ ऽ |
३ = २

नि नि नि नि | सां ऽ धनिधनिसांऽ निधपध || सां
छ ब दि ल | ला ऽ ऽ ऽ || जा
० ३ =

राग तिलंग.

रागांग विस्तार.

(१) नि सा ग ऽ सा ऽ; नि सा ग म् ऽ, ग ऽ सा ऽ; नि सा ग म् प ऽ, म् ग ऽ सा ऽ ॥

(२) निसा गम् पनि् ऽ, पम् ग ऽ; गम् पसां ऽ; नि् प म् ग ऽ; प म् ग सा ऽ ॥

(३) गम् पनि सां ऽ पानि सां ऽ; पनि सांगं ऽ, मं मं गं सां ऽ, नि् प म् ग ऽ; गम् पनि् पसां निप ऽग ऽम् ग ऽ, सा ऽ; गम् पनि सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

गम् पनि् पम् गसा ऽ; गम् पनि सांनि् पम् गसा निसा ऽ; गम् पनि सांरिं सांनि् पम् गसा ऽ; निसा गम् पनि सांगं सांनि् पम् गसा निसा ऽ; निसा गम् पनि सांगं मंगं सांनि् पम् गसा ऽ ॥

तिलंग – त्रिताल.

बाँसुरी कान्हा बजाई जमुना तट में, ब्रज जन मन हर्षाई.
राग तिलंग के सूर सुनाई, सुधबुध सब बिसराई.

						ग	म्	प	सां	नि्	प	ऽ	म् ग	ऽ	म्
						बाँ	ऽ	सु	री	ऽ	का	ऽ	न्हा	ऽ	ब
								०				३			
ग	ऽ	ऽ	ग	साग	म्प	म्ग	म्	प	सां	नि्	प	ऽ	म् ग	ऽ	म्
जा	ऽ	ऽ	ई	रेऽ	ऽ	बाऽ	ऽ	सु	री	ऽ	का	ऽ	न्हा	ऽ	ब
×				२				०				३			

								म्							
ग	ऽ	ऽ	ऽ	गम्	पनि्	पम्	गसा	ग	म्	प	नि	सां	नि	सां	ऽ
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ईऽ	ज	मु	ना	ऽ	त	ट	में	ऽ
												सां			
ऽ	ऽ	ऽ	नि्	पनि	सांरिं	सां	ऽ	नि	नि	नि	नि	सां	नि	सां	सां
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब्र	ज	ज	न	म	न	ह	र
												म्			
नि्नि्	पनि्	पनि	सांरिं	सांनि्	पम्	ग	म्	प	सां	नि्	प	ऽ	ग	ऽ	म्
षाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	बों	ऽ	सु	री	ऽ	का	ऽ	न्हा	ऽ	ब

(अंतरा)

ग	ऽ	ऽ	ऽ	गम्	पनि्	पम्	गसा	प	ऽ	नि	नि	सां	ऽ	सां	सां
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ईऽ	रा	ऽ	ग	ति	लं	ऽ	ग	के
नि		रिं													
सां	गं	गं	मं्	गं	रिं	सां	ऽ	प	प	नि	नि	सां	सां	पनि्	पसां
सू	ऽ	र	सु	ना	ऽ	ई	ऽ	सु	ध	बु	ध	स	ब	त्रिऽ	सऽ
												म्			
नि्नि्	पनि्	पनि	सांरिं	सांनि्	पम्	ग	म्	प	सां	नि्	प	ऽ	ग	ऽ	म्
राऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	बों	ऽ	सु	री	ऽ	का	ऽ	न्हा	ऽ	ब

स्थायी.

जा ऽ, नि्सा गम् । पनि सांनि् पम् गम् । सुरी कान्हा ब

जा ऽ, गम् पनि । सांरिं सांनि् पम् गम् । सुरी कान्हा ब

गम् पनि सांगं सांनि् । सांनि् पनि् पम् गम् । सुरी कान्हा ब

गम् पनि सांगं मंगं । सांनि् सांनि् पम् गम् । सुरी कान्हा ब

जा ऽ ई ऽ । नि्सा गम् पनि सांगं । मंगं मंगं मंगं सांनि् । पम् गम् पनि सांरिं

सांरिं सांरिं सांनि पम् । गम् पनि सांनि् सांनि् । सांनि् पम् गम् पनि् । पनि् पनि् पम् गम्

गसा ऩिसा, ऩिसा गम् । पनि् पसां ऩिप गम् । मुरी सान्हा ब

जा ऽ ऽ ई । रे ऽ ऽ, म् । गम् पम् गम् प । म्प ऩिप म्प सां

निसां रिंसां निसां गं । सांगं मंगं सांगं सांनि् । पम् गम्, गग गम् । म्म् पप पनि निनि

सांसां सां, पनि सांरिं । सांनि् पम्, बौं ऽ । मुरी कान्हा ब

जा ऽ ई ऽ । ऽ ऽ, गम् पनि । सांगं सांनि सांनि् पनि् । पम् पम् गम् गसा

ऩिसा, गम् पनि सांरिं । सांनि् पम्, बौं ऽ । मुरी कान्हा ब

जा ऽ ई ऽ । गम् गप म्ग, म्प । म्नि् पम् , पनि् पसां । ऩिप, निसां निरिं सांनि्,

पनि् पसां ऩिप, म्प । म्नि् पम्, बौं ऽ । मुरी कान्हा ब

जा ऽ ई ऽ । म्ग गप म्म्, ऩिप । पसां निनि, रिंसां सांगं । सांसां, रिंनि निसां पप,

ऩिम् म्प गग, म्ग । गसा सासा, बौं ऽ । मुरी कान्हा ब

जा ऽ ई ऽ । म्म् गम् गग, पप । म्प म्म्, ऩिनि् पनि् । पप, सांसां निसां निनि,

गंगं सांगं सांसां ऽ, । गंमं् गंग मंगं सांसां, । निसां ऩिनि् सांनि् पप, । पनि् पप ऩिप म्म्,

गम् गग म्ग सासा, । ऩिसा गम् पम् गम् । मुरी कान्हा ब

जा ऽ ई ऽ । ऩिसा गम् पनि् ऩिनि् । ऩिनि् पम् गग सा, । ऩिसा गम् पनि सांसां

सांसां ऩिनि् पम् गम् । गसा ऩिसा, गम् प, । म्प नि, पनि सां, । निसां गं, मंग मंगं

मंसां सांनि् पनि् ऩिनि् । ऩिनि् पम्, बौं ऽ । मुरी कान्हा बजाई

अंतरा "राग तिलंग के"

सू ऽ र सु । ना ऽ ई ऽ । **सां** ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ नि॒प

निसां ऽ ऽ ऽ, । सांरिं निसां ऽ ऽ । राग तिलंग के

गम् पनि **सां** ऽ । पनि **सां** ऽ ऽ, । **सां गं** ऽ ऽ, । सांरिं निसां ऽ ऽ,

गं मं॒ गं सां । **रिं नि सां** ऽ । राग तिलंग के

निसां ऽसां नि॒प नि॒प । पनि॒ ऽनि॒ पम् पम् । मू॒प ऽप मू॒ग मू॒ग । **सा**, पम् **ग**, नि॒प

मू॒, सांनि॒**प**, रिंसां । नि॒, गंसां निसां ऽ । राग तिलंग के

निसां गंगं गंगं सांसां । निनि सांसां सांसां नि॒नि॒ । पप नि॒नि॒ नि॒नि॒ पप । मू॒मू॒ पप पप **मू॒म्**

गग मू॒म् गग **सा**, । नि॒सा गम् पनि **सां** । राग तिलंग के

ऽ पम् गम्, नि॒प । मू॒प, सांनि॒ पनि॒, रिंसां । निसां, सांगं मं॒नि सांगं । पनि सांम् पनि॒ गम्

साग मू॒प निसां, गम् । पनि सांग मू॒प निसां । राग तिलंग के

पनि सांप निसां, पनि । सांनि॒ पम् गम् गसा, । मू॒ग पम् नि॒प सांनि । रिंसां मं॒गं पंमं गंसां,

सांरिं सांनि॒ पम् गम् । गसा नि॒सा, गम् पनि (१) । **सां सा**, गम् पनि (२) । **सां सा**, गम् पनि (३)

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ, **बौं** ऽ । **सु री** ऽ **का** । ऽ **न्हा** ऽ **ब**

बोलतानें.

ग ऽ ग ऽ	ऽ ऽ ग म्	प सां ऽ, ग	म् प नि सां
जा ऽ ई ऽ	ऽ ऽ बौं ऽ	सु री ऽ, बौं	सु री का न्हा
र नि सां नि्	प ऽ, ग म्	प सां ऽ ऽ	निसां निरिं सां नि्
ब जा ऽ ई	रे ऽ, बौं ऽ	सु री ऽ ऽ	बौंऽ ऽसु री का
पनि् पसां नि् प	म् ग, ग म्	प सां नि् प	ऽ ग म् ग
न्हाऽ ऽब जा ई	रे ऽ, बौं ऽ	सु री ऽ का	ऽ न्हा बौं सु
प म् नि् प	सां नि रिं सां	ग सां रिं नि	सां ऽ ग म्
री का न्हा ब	जा ई रे ज	मु ना त ट	में ऽ बौं ऽ
प सां ऽ नि्	ऽ प, ग म्	प सां नि् प	ऽ ग ऽ म्
सु री ऽ का	ऽ न्हा, बौं ऽ	सु री ऽ का	ऽ न्हा ऽ ब
ग ऽ ग ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	गम् प म्प नि	पनि सां निसां गं
जा ऽ ई ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	बौंऽ ऽ सुऽ ऽ	रीऽ ऽ काऽ ऽ
सांगं मृं गंमं् गंरिं	सांनि् प, ग म्	प सां नि् प	ऽ ग ऽ म्
न्हा ऽ बऽ जाऽ	ऽ ई, बौं ऽ	सु री का ऽ	ऽ न्हा ऽ ब
ग ऽ ऽ ग	साग म्प गम् पनि्	नि् नि् नि् नि्	ऽ नि् ऽ नि्
जा ऽ ऽ ई	रेऽ ऽ ऽ ऽ	बौं सु री का	ऽ न्हा ऽ ब
पनि सांरिं सांरिं सांनि्	पनि् पम्, ग म्	प सां नि् प	ऽ ग ऽ म्
जाऽ ऽ ईऽ ऽ	रेऽ ऽ, बौं ऽ	सु री ऽ का	ऽ न्हा ऽ ब
ग ऽ ग, प	ऽ ग ऽ म्	ग ऽ ग, प	ऽ ग ऽ म्
जा ऽ ई, का	ऽ न्हा ऽ ब	जा ऽ ई, का	ऽ न्हा ऽ ब

ग	ऽ	ग	ऽ	गम्	गप	म्	गम्	पनि्	पसां	नि्	प	निसां	निरिं	सां	नि्
जा	ऽ	ई	ऽ	बौंऽ	ऽसु	री	काऽ	न्हाऽ	ऽब	जा	ई	रेऽ	ऽज	मु	ना

पनि् पसां नि्प, गम्	पसां ऽनि् ऽप, गम्	पसां ऽनि् ऽप, गम्	पसां ऽनि् पग ऽम्
तऽ ऽट मेंऽ, बौं	सुरी ऽका ऽन्हा, बौंऽ	सुरी ऽका ऽन्हा, बौंऽ	सुरी ऽका ऽन्हा ऽब

ग ऽ ग ऽ	नि्सा गम् गम् गम्	गम् पनि् पनि् पनि्	मूप निसां निसां निसां
जा ऽ ई ऽ	बौंऽ सुऽ रीऽ काऽ	न्हाऽ बऽ जाऽ ईऽ	जमु नाऽ तट मेंऽ

पनि सांरिं सांरिं सांरिं	निसां नि्प, गम् पनि	१ सांनि् पम् ग, २ साग	मूप ग, ३ सांनि् पम्
ब्रज जन मन हर	पाऽ ईऽ, बौंऽसुरी	काऽ न्हाब जा, काऽ	न्हाब जा, काऽ न्हाब

ग ऽ ग ऽ
जा ऽ ई ऽ

राग यमन.

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ रि ऽ सा ऽ, (सा) नि़ रि ऽ सा; (सा) नि़ ऽ, रि नि़ ग ऽ;

(रि) ग ऽ रि ऽ, (सा) नि़ रि सा ऽ ॥

(२) (सा) नि़ ऽ, रि ऽ नि़ ध़ ऽ, नि़ ध़ प़ ऽ; म़ (ध) ध़ नि़ ऽ; (नि) ध नि़

रि ऽ; (सा) नि़ रि ग ऽ; (ग) रि ग ऽ रि ऽ; (म) ग म (रि) ग ऽ, रि ऽ;

(नि़) ध नि़ रि सा ऽ ॥

सा ग म प म प
(३) नि़ रि ग म प ऽ; पग प ध प ऽ; म ध नि ध प ऽ;

सां (सां) नि ध ऽ, म ध म नि ध प ऽ; प (प) म ग ऽ,

सा
रि ग रि ऽ; नि़रि गम प ऽ, रि ऽ सा ऽ; नि़ रि सा ऽ ॥

ग प सां प नि सां
(४) प ग ऽ प धप सां ऽ सां ऽ, नि रिं सां ऽ; म ध नि रिं

सां सां गं मं पं
गं ऽ रिं ऽ, नि रिं सां ऽ; नि रिं गं मं पं रिं ऽ, सां ऽ;

सां (सां) नि ध ऽ, मध नि ध प ऽ, प (प) म ग रि ग ऽ

सा
रि, नि़ रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) सारि सा ऽ; सारि गरि सा ऽ; सारि गम गरि सा; सारि गम पम गरि सा ऽ; इसी प्रकार तार सप्तक के पंचम स्वर तक एक एक स्वर बढाते जाना.

(२) नि़रि सा ऽ; नि़रि गरि सा ऽ; नि़रि गम गरि सा ऽ; नि़रि गम पम गरि सा ऽ; नि़रि गम पध पम गरि सा; नि़रि गम धनि निध पम गरि सा ऽ; नि़रि गम धनि सां निध पम गरि सा ऽ; नि़रि गम धनि रिंसां निध पम गरि सा ऽ; नि़रि गम धनि रिंगं रिंसां निध पमं गरि सा ऽ; नि़रि गम धनि रिंगं मंमं गंरिं सांनि धप मग रिसा ऽ; नि़रि गम धनि रिंगं मंपं मंगं रिंसां निध पम गरि सा (अथवा) नि़रि गम पध निसां रिंगं पंपं गंरिं सांनि धप मग रिसा नि़सा ऽ ॥

नोट-अवरोह में गांधार के जोड में मृदु मध्यम स्वर का अल्पसा प्रयोग करनेसे **यमन कल्याण** राग होगा. यथाः—

गम् गरि गम पध निसां निध पम गम् गरि **सा**, इ.

यमन राग के स्वरों में लौकिक तीव्र **रि** के बदले कोमल **रि॒** का व्यवहार करनेसे " **दिन की पूरिया (पूर्व कल्याण)** " राग होगा.

राग – यमन.

तुम गावो प्यारे रब गुण, और न पालक तेरो उन बिन.
भक्तजनों के है रखवारे, दास उन्हीं के सब ऋषिमुनि गण.

		ध	ग
		नि ऽ मपधम प	रि ऽ **सा** ऽ
		गा ऽ वोऽऽऽ ऽ	प्या ऽ रे ऽ
		०	३
रि म	ध		
ग रि ग ग	गम धनि म ध	निध निध मप ऽम	रि ऽ सा ऽ
र ब गु ण	ऽ ऽ तु म	गाऽ ऽ वोऽ ऽ	प्या ऽ रे ऽ
=	२	०	३
रि म	ग		
ग रि ग ग	नि़रि गम रि ग	गप धनि (प) म	पध पम गरिं **सा**
र ब गु ण	ऽ ऽ तु म	गाऽ ऽ वो ऽ	प्या ऽ रेऽ ऽ
रि म		ध म	रि
ग रि ग ग	मध पम ग प	नि ऽध प ऽम	ग ऽरि (**सा**) ऽ
र ब गु ण	ऽ ऽ तु म	गा ऽ वो ऽ	प्या ऽ रे ऽ
रि म			
ग रि ग ग	। । । ।	ग़ म ग प	म ध म प
र ब गु ण	। । । ।	औ ऽ र न	पा ऽ ल क

ध नि सां नि	ध (प) म ग	ग प म ध (प प)	म नि म प (ध ध ध)
ते ऽ रो ऽ	उ न बि न	औ ऽ र न	पा ऽ ल क
धनि निध धप पम	ग रि सा सा (रि नि़)	गम पध निसां रिंसां	निध पम गरि सा
तेऽ ऽ रोऽ ऽ	उ न बि न	गाऽ ऽ वोऽ ऽ	प्याऽ ऽ रेऽ ऽ

(अंतरा)

ग रि ग ग (रि म)	। । । ।	ग ऽ प प (प)	प ऽ धनि ऽध
र ब गु ण	। । । ।	भ ऽ क्त ज	नो ऽ केऽ ऽ
(सां) ऽ सां सां	सांनिधनि रिं (सां) ऽ	धनि रिंगं मंरिं गंरिं	(सां) ऽनि (प) ऽम
है ऽ र ख	वाऽऽऽ ऽ रे ऽ	आऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
(ग) ऽरि (सा) ऽ	सारि गप गरि सा	ग ऽ ग प (प)	गम ध (प) ऽ
ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	भ ऽ क्त ज	नोऽ ऽ के ऽ
नि ध सां निध	नि रिं सां ऽ	नि रिं गं रिं (सां)	(सां) ऽ नि ध
है ऽ र खऽ	वा ऽ रे ऽ	दा ऽ स उ	न्हीं ऽ के ऽ
म ध (प) पम (ध)	ग रि नि़ सा (रि सा)	नि ऽ मपधम प (ध)	ग रि सा ऽ (रि)
स ब ऋ षिऽ	मु नि ग ण	गा ऽ वोऽऽऽ ऽ	प्या ऽ रे ऽ

स्थायी.

(१)

र ब गु ण । ऽ नि़रि सा, नि़रि । गरि सा, नि़रि गम । गरि सा, नि़रि गम पम गरि गम प । रि सा, नि़रि गम । पध निध पम गरि । गम प रि सा, नि़रि गम पध निसां । निध पम गरि सा । गावो प्यारे

नि़ रिनि़ गरि मग ।परि गसा रिनि़ सा,।नि़ रिनि़ गरि मग । पम धप धम परि गसा रिनि़ सा,। नि़ रिनि़ गरि मग।पम धप निध निम । परि गसा रिनि़ सा,

नि़ं रिनि़ गरि मग । पम धप निध सां । गा ऽ वो ऽ । प्या ऽ, गम गरि,

गम पध पम गरि,।गम पध निध पम।गरि, गम पध निसां।निध पम गरि,गम

पध निसां रिंगं रिंसां । निध पम गरि सा । गावो प्यारे

र ब गु ण । गम पम ग ऽ, । गम धप मग ऽ, । गम धनि मध निध

पम ग ऽ ऽ, । गम धनि मध निसां । धनि रिंसां निध पम । ग ऽ, गम धनि

मध निरिं गंरिं सांनि । धप मग रिसा नि़सा। गावो प्यारे

र ब गु ण । ऽ ऽ ऽ ऽ । नि़रि नि़ग रिग रिम । गम गप मप मध

पध पनि धनि रिंसां । निध पम गरि सा । गावो प्यारे

र ब गु ण । साग रिसा, रिम गरि, । गप मग, मध पम, । पनि धप, धसां निध,

निरिं सांनि, सांगं रिंसां । निध पम गरि सा । गावो प्यारे

मंग मंग रिसा, पम । पम गरि, धप धप । मग, निध निध पम, । सांनि सांनि धप, रिंसां

रिंसां निध, गंरिं गंरिं । सांनि धप मग रिसा । गावो प्यारे

र ब गु ण । ऽ ऽ ऽ ऽ । नि़रि गम पध निसां । रिंगं मंपं ऽमं गंरिं

सांनि धप, मग मध । निसां रिंगं ऽरिं सांनि । धप, मग मध निरिं ।ऽसां निध पम गम

पध निसां ऽनि धप । मग रिसा, नि़रि गम । गावो प्यारे रब गुण

अंतरा "भक्तजनों के"

सांनि धप मग रिसा । नि़रि गम धनि सां । भक्तजनों के

सांरिं सांनि धप मग । मध निरिं धनि सां । भक्तजनों के

सांरिं गंरिं सांनि धप । मग मप धनि सां । भक्तजनों के

है ऽ र ख । वा ऽ रे ऽ । गंरिं सांनि धनि रिंसां । निध पम गम धप

मग रिग मप धनि । सांनि धप मग रिसा । भक्तजनों के

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ, सांनि सां, सांनि । धनि सां, सांनि धप । धनि सां, सांनि धप

मप धनि सां, सांनि । धप मग मप धनि । सां, सांनि धप मग । रिग मप धनि सां,

सांनि धप मग रिसा । रिग मप धनि सां । भक्तजनों के

है ऽ र ख । वा ऽ रे ऽ । निसां रिं, सांनि धनि । सां, निध पध नि,

धप मप ध, पम । गम प, मग रिसा; । गरि मग पम धप । निध सांनि रिंसां गंरिं

मंगं रिंसां निध पम । गम धनि सां ऽ । भक्तजनों के

सांनि धप मग रिसा, । गंगं रिंसां निध पम । गरि सा, पंमं गंरिं । सांनि धप मग रिसा,

निरि गरि गम गम । धम धनि धनि सां । भक्तजनों के

है ऽ र ख । वा ऽ रे ऽ । सांरिं सांनि धनि मध । निरिं सांनि धनि मध

निरिं गंरिं सांनि धनि । मध निरिं धनि सां, । धनि सांरिं गंमं गंरिं । सांनि धप मग रिसा,

१ २ ३

। निरि गम, गम धनि, । मध निरिं सां, गम । धनि मध निरिं सां, । गम धनि मध निरिं

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । गावो प्यारे

बोलतानें.

ध

नि रि ग म | ध नि रिं सां | नि ध म प | रि रि सा सा

तु म गा वो | प्या रे र ब | गु ण तु म | गा वो प्या रे

रे म

ग रि ग ग | ा ा ा ा | नि रि नि रि | ग रि ग म

र ब गु ण | ा ा ा ा | तु ऽ म गा | ऽ वो प्या ऽ

ग ऽ म ध | नि रिं नि गं | रिं गं नि सां | ध नि रिं सां

रे ऽ र ब | गु ण ऽ औ | ऽ र न ऽ | पा ऽ ऽ ल

ध ध म रि

नि ध म प | ग रि सा सा | नि ऽध प ऽम | ग ऽरि सा ऽ

क ते ऽ रो | उ न बि न | गा ऽ वो ऽ | प्या ऽ रे ऽ

रि म

ग रि ग ग | ा ा ा ा | ग रि सा, नि | ध प, गं रिं

र ब गु ण | ा ा ा ा | तु ऽ म, गा | ऽ वो, प्या ऽ

सां ऽ नि ध | म ध म प | मध नि म ऽ | रि ऽ सा ऽ

रे ऽ र ब | गु ण तु म | गाऽ ऽ वो ऽ | प्या ऽ रे ऽ

नि रि नि ग | रि म ग प | म ध प नि | ध रिं नि सां

तु म गा वो | प्या रे र ब | गु ण औ र | न पा ल क

गं रिं नि रिं | नि ध म प | नि ऽ धम म | रि ऽ सा ऽ

ते रो उ न | बि न तु म | गा ऽ वोऽ ऽ | प्या ऽ रे ऽ

ग रि सा सा | नि ध प प | गं रिं सां सां | नि ध म प

तु म गा वो | प्या रे र ब | गु ण औ र | न पा ल क

ग रि ग प | रि सा ग प | गप धनि पध मप | रि ऽ सा ऽ

ते रो उ न | बि न तु म | गाऽ ऽ वोऽ ऽ | प्या ऽ रे ऽ

रि म ध ध
ग रि ग ग | गम धनि म ध | मध नि म ऽ | रि ऽ सा ऽ
र ब गु ण | रेऽ ऽ तु म | गाऽ ऽ वो ऽ | प्या ऽ रे ऽ

रि म प प ध ध ध
ग रि ग ग | । । । । | ग प म ध | म नि म प
र ब गु ण | । । । । | औ ऽ र न | पा ऽ ल क

रि नि
धनि निध धप पम | ग रि सा सा | निरि गम धनि रिंसां | निध मप रि सा
तेऽ ऽ रोऽ ऽ | उ न बि न | गाऽ ऽ वोऽ ऽ | प्याऽ ऽ रे ऽ

ग रि ग ग | । । । । | । गम धप मग | मध निध मप धनि
र ब गु ण | । । । । | । गाऽ ऽ वोऽ | प्याऽ ऽ रेऽ रऽ

ध
रिंसां निध निरिं गंरिं | सांनि धनि म प | गप धनि पध निध | पम रि ऽ सा
ऽ बऽ गुऽ ऽ | णऽ ऽ तु म | गाऽ ऽ ऽ ऽ | वोऽ प्या ऽ रे

रिंगं रिंनि रिंनि धनि | धम धम गम गरि | गरि सासा, निरि निरि | गरि गम गम धनि
तुऽ मगा ऽवो प्याऽ | रेर ऽब गुऽ णऽ | औऽ रन, पाऽ ऽल | ऽक तेऽ ऽरो ऽउ

१ २ ३
धम धप मप मप | नि प, मप नि | प, मप नि प | ऽ रि ऽ सा
नऽ ऽबि ऽन तुम | गा वो, तुम गा | वो, तुम गा वो | ऽ प्या ऽ रे

ग रि ग ग | । । । । | निरि निरि गम गम | धनि धनि रिंनि गंरिं
र ब गु ण | । । । । | गावो गावो प्यारे प्यारे | रब गुण और नपा

ध १ २ ३
सांनि धनि मध मप | निध पम गरि सासा | निध पम गरि सासा | निध पम गरि सासा
लक तेरो उन बिन | गाऽ वोऽ प्याऽ रेऽ | गाऽ वोऽ प्याऽ रेऽ | गाऽ वोऽ प्याऽ रेऽ

ग रि ग ग |
र ब गु ण |

राग – काफी

रागांग बिस्तार.

(१) ऩि् सा रि ग् ऽ, सा ऽ रि प ऽ; प म्प ग्(म्) रि ऽ; म् ऽ ग् रि सा ऽ; साग् रिग् ऽ, सा ऽ रिप ऽ ॥

(२) सा ऽ रि सा ऽ; ऩि् ध़ ऩि् सा ऽ; ध़(ऩि्) ऩि् सा ऽ, रि ग् रि ऽ; म् प ग्(म्) ऽ रि ऽ; ध प म् प ग्(म्) ऽ रि ऽ; धनि् पध म्प ग्(म्) ऽ रि ऽ; रि ग् रि म् ग् रि सा ऽ; सारि रिग् ऽ, सा ऽ रि प ऽ ॥

(३) सा ऽ रि प ऽ; म्ग म्, ग्रि सारि प ऽ; धम् प गम् ग् रि ऽ, सारि प ऽ; नि्ध नि्ध प, धप म्ग् रि, सारि प ऽ; म्प धनि् सांनि् धप ऽ, म्पध म्प ग्(म्) रि ऽ; सा ऽ रि प ऽ ॥

(४) म् म् प ध नि ऽ सां ऽ; म् प नि सां ग्ं रिं ऽ, मं ग्ं रिं सां ऽ; ग्ं रिंसां नि्ध ऽ, नि् धप म्प ग्(म्) रि ऽ; ध(प) ग्(म्) रि ऽ; ग्(रि) रि ऽ, म् ऽ ग् रि सा ऽ; सारि रिग् ऽ, सा ऽ रि प ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) ऩिसा रिग् रिसा ऽ; ऩिसा रिग् मग् रिसा ऽ; ऩिसा रिग् मप मग् रिसा ऽ; इसी प्रकार तार सप्तक के पंचम स्वर तक एक-एक स्वर बढाते जाना.

(२) सारि ग्रि सा ऽ; सारि गम् ग्रि सा ऽ; सारि गम् पम् ग्रि सा ऽ; सारि गम् पध पम् ग्रि सा ऽ; गम् पध निध पम् ग्रि सा ऽ; सारि गम् पध निसां निध पम् ग्रि सा, इ. इ.

काफी – त्रिताल.

साखियन संग बिहरे मुरारी बनवारी.
निरखत द्रुम द्रुम लागे फुलफल,
हरियल झुक रही डारी अत प्यारी. – सखियन

ग रि सा म्
|: म् प | ग म् ग् रि | रि ग म् म्
स खि | य न सं ग | बि ह रे मु
० ३

ग म्
प प ध म् | प ग :| म् प | गम् गम् रिग् सारि | रि ग म् म्
रा री ब न | वा री स खि | यऽ नऽ संऽ गऽ | बि ह रे मु
= २ ० ३

(अंतरा)

पध नि् प ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | म् म् प ध | नि नि सां सां
राऽ ऽ री ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | नि र ख त | द्रु म द्रु म

सां सां
सां ध सां ऽ | नि् नि् ध प | म् म् म् प नि नि सां सां
का ऽ गे ऽ | फु ल फ ल | नि र ख त द्रु म द्रु म

सां सां			
रिं गं॒ रिं सां	नि॒ नि॒ ध प	प नि सां सां	निसां निरिं सां नि॒
ला ऽ गे ऽ	फु ल फ ल	ह रि य ल	झुऽ कऽ र हि

	ग	रि सा	
ध प ध म॒	प ग, म॒ प	ग म॒ ग॒ रि	रि ग म॒ म॒
डा री अ त	प्या री, स खि	य न सं ग	बि ह रे मु

स्थायी.

रा री ब न । वा री स खि । य न सं ग । गम् ग॒रि, गम् पध

नि॒ध पम् ग॒रि, गम् । पध निसां नि॒ध पम् । ग॒रि, गम् पध निसां । रिंग॒ रिंसां नि॒ध पम्

ग॒रि सा, रिग म॒म॒ । पप धप म॒ग म॒प |
सखि | यन संग बिहरे मु

पध नि॒ प ऽ | ग॒म् प ऽ, म॒प । धप, म॒प धनि॒ धप, । म॒प धनि॒ सानि॒ धप,
राऽ ऽ री ऽ |

म॒प धनि॒ सांरिं गं॒रिं ।सांनि॒ धप, म॒प धनि॒ ।सांरिं गं॒मं गं॒रिं सांनि॒।धप म॒ग॒ रिसा नि॒सा,

रिरि ग॒ग॒ म॒म॒ पप । धध पप म॒ग म॒प |
सखि | यन संग बिहरे मु

रा ऽ री ऽ । साग॒ रिम् ग॒प म॒ध । पनि॒ धसां नि॒रिं सांमं । रिंगं॒ सांरिं निसां धनि॒

पध म॒प ग॒म् रिग॒ । सारि नि॒सा, रिग॒ म॒प । यन संग बिहरे मु

रा ऽ, सारि ग॒म् । पम् गरि, ग॒म् पध । नि॒ध पम्, पध नि॒सां । रिंसां नि॒ध, नि॒सां रिंगं॒

मंगं॒ रिंसां नि॒ध पम् । ग॒रि सा, रिग॒ म॒प । यन संग बिहरे मु

रा ऽ, रिग॒ रिरि, ।ग॒म् ग॒ग॒, म॒प म॒म॒, ।पध पप, धनि॒ धध, । नि॒सां नि॒नि॒, सांरिं सांसां,

रिंगं़ रिंरिं, गंमं़ गंरिं । सांनि़ धप म़ग म़प |
साखि | यन संग बिहरे मु

रा ऽ, सारि गम़् । पध नि़सां रिंगं़ रिंरिं । सांसां नि़नि़ धध पप । म़म़ ग़ग़ रिरि सासा,

सारि गम़ प, म़ग़ । ऽम़ प, सारि गम़ । प म़ग़ ऽम़ प, । सारि गम़ पम़ गम़

प प ध म़	प ग, म़ प	गम़ गम़ रिग़ सारि	रि म़ग म़ म़
रा री ब न	वा री, स खि	यऽ नऽ संऽ गऽ	बि हऽ रे मु

पध नि़ प ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
राऽ ऽ री ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अंतरा. " निरखत द्रुम द्रुम "

सां सांनि़ धप, नि़ । नि़ध पम़, ध धप । म़ग़, प पम़ गरि, । म़ म़ग़ रिसा ़नि़सा,

रिग़ म़प ध, म़प । धनि़ सां धनि़ सां । निरखत द्रुम द्रुम

सांनि़ रिंसां नि़ध, नि़ध । सांनि़ धप म़ग़ रिसा, । ग़रि साम़ ग़रि पम़ । ग़ध पम़ नि़ध पसां

नि़ध रिंसां नि़गं़ रिंसां । नि़ध पम़ पध निसां । निरखत द्रुम द्रुम

धनि़ सांरिं सांनि़ धनि़ । सां, नि़ध पध नि़, । धप म़प ध, पम़ । ग़रि, म़ग़ रिसा ़नि़सा,

रिग़ म़ग़ म़प म़प । धप धनि़ धनि़ सां । निरखत द्रुम द्रुम

गंमं़ गंरिं गंरिं सांरिं । सांनि़ सांनि़ धनि़ धप । धप म़प म़ग़ म़ग़ । रिग़ रिसा रिसा ़नि़सा,

ग़रि सारि, म़ग़ रिग़,	पम़ ग़म़, धप म़प	गम़ गम़ रिग़ सारि	रि म़ग म़ म़
यन संग, बिह रेमु,	रारी बन, वारी सखि	यऽ नऽ संऽ गऽ	बि हऽ रे मु

बोलतानें.

प प ध म् | प ग, म् प | ग म् ऽ, धप | गम् ग॒रि रिग् पम्
रा री ब न | वा री, स खि | य न ऽ, सखि | यन संग बिह रेमु

प प ध म् | प ग, म् प | रिग् रिग् म्ग् म्प | म्प धप धनि् धनि्
रा री ब न | वा री, स खि | सऽ ऽखि ऽ यऽ | ऽन ऽ संऽ ऽग

सांनि् रिंरिं सांनि् सां | नि्सां नि्ध प, धप | गम्, धप गम्, धप | गम् ग॒रि रिग् पम्
ऽ बिऽ हऽ रे | मुरा ऽ री, सखि | यन, सखि यन, सखि | यन संग बिह रेमु

प प ध म् | प ग, म् प | म्प निसां रिंग् रिंसां | रिंसां निसां नि्ध नि्ध
रा री ब न | वा री, स खि | सखि यन संऽ गबि | ऽह रेऽ मुरा ऽरी

पध पम् पम् ग॒म् | ग॒रि ग॒रि ऽसा रिसा | ऽनि् ऽप म्ग म्रि | ग॒रि रि गम् पम्
बऽ नवा ऽरी सऽ | खिय ऽन ऽसं ऽग | ऽस ऽखि यऽ नसं | ऽग बि हरे ऽमु

प प ध म् | प ग, म् प | गम् गम् रिग् सारि | साग् रिग्, रिम् गम्,
रा री ब न | वा री. स खि | यऽ नऽ संऽ गऽ | सखि ऽय, नसं ऽग,

ग॒प म्प, म्ध पध, | पनि् धनि्, धसां नि्सां, | रिंग् रिसां रिंसां नि्सां | नि्सां नि्ध नि्ध पध
बिह ऽरे, मुरा ऽरी, | बन ऽवा, ऽरी सखि, | यऽ नसं ऽग बिह | रेऽ मुरा ऽरी बन

पध पम् पम् गम् | ग॒ऽ रिम् पम् गम् | ग॒ऽ रिम् पम् गम् | ग॒ऽ रिरि ग॒म् पम्
बाऽ रीस ऽखि यन | संऽ गस ऽखि यन | संऽ गस ऽखि यन | संऽ गबि हरे ऽमु

प प ध म् | प ग, म् प | रिऽ ऽग् ऽ म्ऽ | ऽप ऽ धऽ ऽनि्
रा री ब न | वा री, स खि | सऽ ऽखि ऽ यऽ | ऽन ऽ संऽ ऽग

रिंऽ ऽगं् ऽ रिंऽ | सांऽ ऽनि् ऽ धऽ | सांऽ ऽरिं सांनि् धप | नि्ऽ ऽध पम् ग॒रि
बिऽ ऽह ऽ रेऽ | मुऽ ऽरा ऽ रीऽ | सऽ ऽखि यन संग | बिऽ ऽह रेमु रारी

१		२	३	
धऽ ऽप म्प धप	म्म् ग्रि ऽ, धप	म्म् ग्रि ऽ, धप	म्म् ग्रि रिग् पम्
चऽ ऽन वारी साखि	यन संग ऽ, साखि	यन संग ऽ, साखि	यन संग बिह रेमु

प प ध म्	प ग, ऽसाग्	रिम्ग पम्ध	पनि्ध सांनि्रिं
रा री ब न	वा री, ऽसाखि	यनसं गबिह	रेमुरा रीबन

	१	२	३
नि्सांनि् पगम्	ग्रिरि ग्पम्	पपरि ग्पम्	पपरि ग्पम्
वारीस खियन	संगबि हरेमु	रारीबि हरेमु	रारीबि हरेमु

		१	२ ३	
प प ध म्	पग म्प गम् ग्रि	रिग म्म् प, रिग	म्म् प, रिग म्म् ‖	प
रा री ब न	वारी साखि यन संग	बिह रेमु रा, बिह	रेमु रा, बिह रेमु ‖	रा

राग धानी.

रागांग विस्तार.

(१) सा रि नि् सा ग् ऽ सा ऽ; सा ग् म् प (ग्) ऽ;

रि नि् सा ऽ ॥

(२) सा ग् म् प ऽ, ग् म् प ऽ; ग् म् प नि् ऽ प ऽ; ग् म् प

नि् ऽ प नि् सां ऽ, नि् प ग् ऽ; सा ग् म् प (ग्) ऽ;

रिनि् सा ॥

(३) म् प ग् म् प प नि् नि् सां ऽ सां ऽ; सां गं् सां ऽ; सां ग्

मं् पं गं् ऽ रिं नि् सां ऽ; सां नि् प म् ग् ऽ; साग् म्प

गम् नि्प ग् ऽ; रि नि् सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

ऩि॒सा ग॒ग॒ रिऩि॒ सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म् ग॒रि ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म् पम् ग॒म् ग॒रि ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म् पनि॒ पम् ग॒रि ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म् पनि॒ सांनि॒ पनि पम् ग॒रि ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म् पनि॒ सांरिं सांनि॒ पम् ग॒रि ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म् पनि॒ सांगं॒ रिंनि॒ सांनि॒ पनि॒ पम् ग॒रि ऩि॒सा ऽ ॥

धानी – त्रिताल

सुनिये मुरारि बिनती हमारी, अब तो दया कर लिजिये उबारी.
तुमरा पसारा यह विश्व सारा, प्राणो से प्यारा रसिया बिहारी.

|: नि॒ | प (ग॒) ऩि॒ सा
सु | नि ये ऽ मु
३

(म्)
ग॒ ऽ सा ग॒ | म् पनि॒ सांरिं नि॒सां | नि॒प ग॒ म् :| ग॒ | म् प नि॒ नि॒
रा ऽ रि बि | न तीऽ ऽ हऽ | माऽ ऽ रि अ | ब तो ऽ द
= २ ० ३

सां ऽ सां प | नि॒ सां ऽ गं॒ | सांगं॒ सांनि॒ प, नि॒ | प (ग॒) ऩि॒ सा
या ऽ क लिं | जि ये ऽ उ | बाऽ ऽ रि, सु | नि ये ऽ मु

(अंतरा)

ग॒ ऽ सा ग॒ | म पनि॒ सांरिं नि॒सां | नि॒प ग॒ म्, |: ग॒ | म् प नि॒ नि॒
रा ऽ रि बि | न तीऽ ऽ हऽ | माऽ ऽ रि, तु | म. रा ऽ प

सां ऽसां ऽ प | नि॒ सां ऽ गं॒ | रिं ऽसां ऽ :| नि॒ | सां नि॒ रिं सां
सा ऽरा ऽ य | ह वि ऽ श्व | सा ऽरा ऽ प्रा | ऽ णो ऽ से

(म्)
नि॒ ऽप ऽ नि॒ | प ग॒ ऽ म् | रिं ऽसां ऽ, नि॒ | प (ग॒) ऩि॒ सा
प्या ऽरा ऽ र | सि या ऽ बि | हा ऽरी ऽ, सु | नि ये ऽ मु

स्थायी.

ग् ऽ सा ऽ	ऩिसा गम् पम् गम्	पनि् पम् पनि् सांनि्	प (ग्) ऩि सा
रा ऽ री ऽ	आऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽसु	नि ये ऽ मु

रा ऽ री ऽ । ऩिसा गम् पनि् सांनि् । पनि् सांगं रिंसां ऽसु । नियेमु

रा ऽ री ऽ । साग् गम् मप पनि् । ऩिसां सांगं रिंसां ऽसु । नियेमु

रा ऽ री ऽ । ऩिसा मग पम् निप । सांनि् रिंसां गंरिं सांसु । नियेमु

रा ऽ री ऽ । ऩिसा गसा ग, साग् । मग् म, गम् पम् । प, मप निप नि,

पनि् सांनि् सां, ऩिसां । रिंसां रिं, ऩिसां गंरिं । सांरिं सांरिं ऩिसां पनि् । नियेमु

रा ऽ री ऽ । ऩिसा गम् ग् सा, । ऩिसा गम् पनि् पम् । ग् सा, ऩिसा गम्

पनि् सांरिं सांनि् पम् । ग् सा, ऩिसा गम् । पनि् सां गंमं पमं | गंरिं सांनि् पग् ऩिसा
| ऽ ऽसु निये ऽमु

रा ऽ, ऩिसा गम् । पनि् मप ऩिसां गं । गं सांनि् पम् गम् । पनि् सां सां निनि

पम् गम् नि् नि् । पम् गम् प प । मग् सा, गम् पसु । नियेमु

रा ऽ री ऽ । ऩिसा गसा गम् गम् । पम् पनि् पनि् सांनि् । सांगं सांगं मंगं मंगं

सांरिं सांनि् सांनि् पनि् । पम् पम् गम् गसा । ऩिसा, ऩिसा गम् पसु । नियेमु

रा ऽ, ऩिसा गम् । पनि् मप मनि् ऽप, । मग् मप ऩिसां पनि् । पसां ऽनि्, पम् गम्

पनि् सांरिं ऩिरिं ऽसां । पनि् पसां ऽनि्, मप । मनि् ऽप, गम् पसु । नियेमु....हमारे

अंतरा " तुमरा प "

सां ऽ सां ऽ	पनि् सांप नि्सां पनि्	सांरिं सांनि् पम् गम्	गरि नि्सा, नि्सा निग्
सा ऽ रा ऽ	आऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

साग् साम्, गम् गप, । मप मनि्, पनि् पसां, । निनि् पम् गम्, तु । मरा प

सा ऽ रा ऽ । सांरिं नि्सां पनि् मप । गम् रिग् सारि नि्सा, । नि्सा मग् पम् नि्प

सांनि् रिंसां गंरिं मंगं । पंमं गंरिं सांरिं नि्सां । पनि् मप गम्, तु । मरा प

सा ऽ रा ऽ । नि्सां नि्रिं सांनि्, पनि् । पसां नि्प, मप मनि् । पम्, गम् गप मग्,

साग् मप, गम् पनि्, । मप नि्सां, पनि् सांगं, । सांनि् पम् गम्, तु । मरा प

सा ऽ, गम् पनि् । सांरिं नि्सां नि्प नि्प । मप मग् मग् सा, । पम् गम्, नि्प मप,

सांनि् पानि्, रिंसां नि्सां, । गंगं सांरिं सांनि् सांनि् । पनि् पम् गम्, तु । मरा पसारा, इ.

बोलतानें. " सुनिये मु "

गम् गम् पम् पनि्	पनि् पनि् सांनि् सांगं	सांगं सांनि् सांनि् पनि्	पनि् पम् पम् गम्
सुऽ ऽनि ऽ येऽ	बिऽ ऽन ऽ तीऽ	हऽ ऽमा ऽ रीऽ	अऽ ऽब ऽ तोऽ
गम् गसा गरि नि्सा	गम् गम् पम् परिं	नि्सां नि्प नि्प, नि्	प (ग्) नि् सा
दऽ ऽया ऽ कर	लींऽ ऽजे ऽ उऽ	बाऽ ऽरी ऽ, सु	नि ये ऽ मु
ग् ऽ सा ऽ	नि्सां नि्रिं सांऽ नि्प	पनि् पसां नि्ऽ पऽ	मप मनि् पऽ गऽ
रा ऽ री ऽ	सुऽ ऽनि येऽ मुऽ	राऽ ऽरी बिऽ नऽ	तीऽ ऽह माऽ रीऽ
गम् पनि् सांरिं नि्सां	सांगं ऽसां नि्सां नि्नि्	पनि् पग् ऽम्, नि्	प (ग्) नि् सा
अब तीऽ ऽ ऽद	याऽ ऽक लींऽ जेऽ	उऽ ऽबा ऽरी, सु	नि ये ऽ मु

ऽ म्ऽ ग्प ऽम् | नि्ऽ पसां ऽनि् रिंऽ | मंगं् ऽरिं नि्ऽ सांनि | ऽप ग्ऽ म्नि् ऽप
ऽ सुऽ निये ऽमु | राऽ रिबि ऽन तीऽ | हमा ऽरी अऽ बतो | ऽद् याऽ कर्ली ऽजे

१ २ ३
ग्ऽ रिनि् ऽसा, नि् | पग् नि्सा ग् सा, | नि् पग् नि्सा ग् | सा, नि् पग् नि्सा
उऽ बाऽ ऽरी, सु | निये ऽमु रा री, | सु निये ऽमु रा | री, सु निये ऽमु

ग् ऽ सा ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ग्मग् म्रम् | पनि्प नि्सांनि्
रा ऽ री ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | सुनिये मुरारी | बिनत हमारी

सांरिंसां नि्सांनि् | गंरिंसां रिंनि्तां | नि् प ऽ, नि् | प (ग्) नि् सा
अबतो दयाक | लींजिये उबाऽ | री ऽ ऽ, सु | नि ये ऽ मु

ग् ऽ सा ग् | म् पनि् सांरिं नि्सां | नि्प ग् म् ऽ | साम् ग्प म्नि् पसां
रा ऽ रि बि | न तीऽ ऽ हऽ | माऽ ऽ री ऽ | सुनि येमु रारि बिन

१ २
नि्रिं सांगं् सांरिं नि्सां | नि्प ग्म् ग्रि नि्सा, | परिं संरिं नि्सां पनि् |
तिह मारि अब तोद | याक लींजि येउ बारी, | सुनि येमु रारी सुनि |
= २ ०

३
म्प ग्म् ग्रि नि्सा ‖ ग् ऽ सा ऽ |
येमु रारी सुनि येमु ‖ रा ऽ री ऽ |
३ =

राग सारंग.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, नि॒ सा रि ऽ; म॒ रि ऽ; प म॒ रि ऽ; म॒ प ऽ नि॒ प म॒ रि ऽ; प रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि॒ सा ऽ; नि॒ प॒ ऽ नि॒ सा ऽ; रि म॒ रि सा ऽ; रि म॒ प म॒ रि ऽ, सा ऽ; नि॒ नि॒ प ऽ, म॒ प ऽ नि॒ प म॒ रि ऽ; प ऽ रि ऽ, सा ऽ ॥

(३) नि॒सा रिम॒ प ऽ; नि॒ नि॒ प ऽ; सां ऽ नि॒नि॒ प ऽ; म॒ प ऽ नि॒नि॒ पम॒ रि ऽ; प रि ऽ, नि॒सा ऽ ॥

(४) म॒ प ऽ नि नि ऽ सां ऽ, निसां ऽ; नि सां रिं मं॒ रिं ऽ नि सां ऽ; रिं नि ऽ सांरिं निसां ऽ, नि॒नि॒ प ऽ; रिम॒ पनि॒ म॒प सां ऽ, नि॒ प म॒ रि ऽ; प म॒ रि ऽ, नि॒सा ऽ; नि॒सा रि ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि॒सा रिम॒ रिसा ऽ; नि॒सा रिम॒ पम॒ रिसा ऽ; नि॒सा रिम॒ पनि॒ पम॒ रिसा ऽ; नि॒सा रिम॒ पनि सांनि॒ पम॒ रिसा ऽ; नि॒सा रिम॒ पनि सांरिं सांनि॒ पम॒ रिसा नि॒सा ऽ; नि॒सा रिम॒ पनि सांरिं मं॒मं॒ रिंसां नि॒प म॒रि परि ऽसा ऽ ॥

नोट – लोक व्यवहार में **मधमाद** और **बिंद्राबनी** ये दोनों **सारंग** के प्रकार केवल **सारंग** नामसे ही पयछाने जाते हैं. क्वचित् **बिंद्राबनी** के अवरोह में धैवत स्वर अल्पसा लगाया जाता है. यथा:—

निसा रिम् पनि **सां** नि्ध नि्प म्रि **सा** ऽ; अथवा

निसा रिम् पनि् **सां** नि्नि् म्प धप म्रि परि ऽ **सा** ॥

इस की आरोह में लौंकिक तीव्र मध्यम भी लगानेसे **शुद्ध सारंग** राग होगा. बाकी सब बात एकसमान है. यथा :–

म्प निसा **रि** ऽ; मप धप म्रि ऽ; नि्प मप धप म्रि, परि ऽसा ॥

अवरोह में धैवत का अल्पसा प्रयोग जो उपर दिखाया गया है वह खुब ध्यान में रखना अवश्य हैं, क्यौंकि आगे लिखे हुए **कानडा** और **मल्हार** के विविध भेदो में इसी प्रकार अवरोह में धैवत स्वर का अल्पसा व्यवहार किया जाता है.

सारंग – त्रिताल.

मोरि गुय्यां नजरियां लागी, मन बिबस भयो बिरागी.
रैन दिना गिरधारि लाल के रंग में रहूं अनुरागी.—मोरि

(म् above रि)
|: सां सां | नि् प म् रि | रि म् पनि् पम्
मो रि | गु य्यां ऽ न | ज रि यांऽ ऽ
० ३

(सा above नि, म् above रि)
रि ऽ ऽ ऽ | सा ऽ :| नि सा | रि म् रि म् | प ऽ ऽ पनि्
ला ऽ ऽ ऽ | गी ऽ म न | बि ब स भ | यो ऽ ऽ बिऽ
= २ ० ३

(म् above रि)
म्प निसां रिं ऽ | नि् प, सां सां | नि् प म् रि | रि म् पनि् पम्
राऽ ऽ ऽ ऽ | गी ऽ, मो रि | गु य्यां ऽ न | ज रि यांऽ ऽ

(अंतरा)

रिं ऽ ऽ ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	मृ ऽ मृ मृ	प ऽ नि प
ला ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ	रै ऽ न दि	ना ऽ ग र

नि सां सां, नि	सां सां, नि सां	सां रिं रिं मृं	रिं सां सां सां
धाऽ ऽ रि ला	ऽ ल के ऽ	रं ग में र	हूं ऽ अ नु

सांरिं सांनि सांनि़ पानि़	पम् रि, सां सां	नि़ प मृ रि	रि मृ पानि़ पम्
राऽ ऽ ऽ ऽ	गीऽ ऽ, मो रि	गु य्यां ऽ न	ज रि यांऽ ऽ

स्थायी.

रि ऽसा ऽ	पारि मृप, रिम् पनि़,	मृप निसां, पनि सांरिं,	निसां रिंमृं रिंरिं सांसां
ला ऽगी ऽ	आऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

नि़नि़ पम् रिसा नि़सा । रिम् पनि, मो रि । गुय्यां नजरियां

ला ऽ गी ऽ । सारि रिम् मृप पानि । निसां सांरिं रिंसां सांनि़ । नि़प पम् मृरि रिसा,

नि़सा रिम् पनि सांरिं । निसां नि़प, मो रि । गुय्यां नजरिया

ला ऽ गी ऽ । रिसा मृरि पम् नि़प । सांनि रिंनि सांप नि़म् । परि मृसा रिनि़ सा,

साम् रिप मृनि़ पसां । नि़प मृप, मो रि । गुय्यां नजरियां

ला ऽ गी ऽ । प़ऽनि़ साऽरि मृऽप निऽसां । रिंऽमृं रिंऽसां नि़ऽप मृऽरि ।
= ३ ०

साऽरि नि़ऽसा, प़नि़सा रिमृप ॥ निसांरिं मृंरिंसां नि़पम् रिसारि ।
३ =

नि़सारि मृपनि, मो रि । गुय्यां नजरियां लागी
२

अंतरा. "रैन दिना गिर"

धा ऽ रि ला । ऽ ल के ऽ । पनि सांप निसां पनि । सांरिं निसां पनि् म्प

रिम् सारि नि़सा ऽ, । निसां रिंनि सांरिं निसां । रिंमं सांरिं निसां पनि् । म्प रिम् सारि नि़सा,

नि़स। रिसा रिम् रिम् । पम् पनि पनि सां । रैन दिना गिर

धा ऽ रि ला । ऽ ल क ऽ । रिंपं मंरिं, सांमं रिंसां, । निरिं सांनि्, पसां नि्प,

रिप म्रि, साम् रिसा, । नि़सा रिम् ऽम् प, । पनि ऽनि सां, सांरिं । ऽरिं मं, मंपं ऽमं

रिं, निसां ऽनि् प, । म्प ऽम् रि, नि़सा । रैन दिना गिर

धा ऽ रि ला । ऽ ल के ऽ । रिंरिं सांरिं रिंसां रिंरिं । सांनि् पम् रिसा नि़सा,

रिरि सारि, म्म् रिम्, । पप म्प, नि्नि् पनि, । सांसां निसां, रिंरिं सांरिं, । मंमं रिंमं रिंसां निसां

नि्नि् पम्, पप म्रि, । म्म् रिसा, नि़सा रिम् । पनि् म्प सां, पनि् । म्प सां, पनि् म्प
(१, २, ३)

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । रैन दिना, इ. इ.

बोलतानें. "मोरि गुय्यां नजरियां"

रि ऽ ऽ ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	म्रि म् रि, पम्	प म्, प नि
ला ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ	मोऽ ऽ रि, गुऽ	ऽ य्यां, न ज
सांरिं सांरिं ऽसां नि्	प प, सां सां	नि् प म् रि	रि म् पनि् पम्
रिऽ य्यांऽ ऽ ला	ऽ गि, मो रि	गु य्यां ऽ न	ज रि यांऽ ऽ
रि ऽ ऽ ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	नि़सा रिम् पनि् पम्	म्प निसां रिंमं रिंसां
ला ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ	मोऽ ऽ ऽ रिऽ	गुई ऽ ऽ यांऽ

सांरिं सांनि सांनि़ पनि़ | पनि़ पम़ पम़ रिम़ | रिम़ रिसा रिसा नि़सा | म़रि पम़ नि़प सां
नऽ ऽज ऽ रीऽ | यांऽ ऽला ऽ गीऽ | मऽ ऽन ऽ बिऽ | बऽ सऽ भऽ यो

निसां रिंरिं सांनि़ पनि | सांसां नि़प, सां सां | नि़ प म़ रि | रि म़ पनि़ पम़
बिऽ ऽ राऽ गीऽ | ऽ ऽ, मो रि | गु य्यां ऽ न | ज रि यांऽ ऽ

रि ऽ ऽ ऽ | सा ऽ, म़ऽ रिप | ऽम़ नि़ऽ पसां ऽनि़ | रिंऽ सांऽ निसां नि़प
ला ऽ ऽ ऽ | गी ऽ, मोऽ रिगु | ऽय्यां नऽ जरि ऽयां | लाऽ गीऽ मऽ नबि

नि़प म़प म़रि म़रि | सारि सा, सां सां | नि़ प म़ रि | रि म़ पनि़ पम़
ऽब सऽ भयो ऽबि | राऽ गी, मो रि | गु य्यां ऽ न | ज रि यांऽ ऽ

रि ऽ ऽ ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | निसां निरिं सांसां नि़नि़ | पनि़ पसां नि़नि़ पप
ला ऽ ऽ ऽ | गी ऽ ऽ ऽ | मोरि ऽगु य्यांन जरि | याला ऽगी मन बिब

म़प म़नि़ पप नि़नि़ | पप ऽम़ रिम़ पम़ | रि सासा, रिम़ पम़ | रि सासा, रिम़ पम़
सभ योबि रागी मोरि | गुय्यां ऽन जरि यांऽ | ला गिन, जरि यांऽ | ला गिन, जरि यांऽ

रि ऽ ऽ ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | साम़ रिम़, रिप म़प, | म़नि़ पनि़, पसां निसां,
ला ऽ ऽ ऽ | गी ऽ ऽ ऽ | मोरि ऽगु, यांन ऽज | रियां ऽला गिम ऽन

निरिं सांरिं, निसां निसां | नि़ऽ प, सां सां | नि़ प म़ रि | रि म़ पनि़ पम़
बिब ऽस भयो ऽबि | राऽ गी, मो रि | गु य्यां ऽ न | ज रि यांऽ ऽ

रि ऽ ऽ ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | रिम़रि म़पम़ पनि़प निसांनि |
ला ऽ ऽ ऽ | गी ऽ ऽ ऽ | माऽरि गुऽय्यां नऽज रिऽयां |

= २ ०

सांरिंसां निसांनि़ पनि़प म़पम़ || रिम़रि सारिसा, सांऽसां नि़ऽप |
लाऽगि मऽन बिऽब सऽभ || योऽबि राऽगी, मोऽरि गुऽय्यां |

३ = १

		२					
रिऽम्	नि्ऽप	रिऽसा,	सांऽसां	नि्ऽप	रिऽम्	नि्ऽप	रिऽसा,
नऽज	रिऽयां	लाऽगि,	मोऽरि	गुऽय्यां	नऽज	रिऽयां	लाऽगि,
२				०			

३							
सांऽसां	नि्ऽप	रिऽम्	नि्ऽप	रि	ऽ	सा	ऽ
मोऽरि	गुऽय्यां	नऽज	रिऽयां	ला	ऽ	गी	ऽ
३				=			

राग–जौनपुरी.

नोट – **आसावरी** राग के आरोह में निषाद स्वर यदपि वर्ज्य है तथापि जलद तानों लेनेमें सुगमता हो इस लिये **आसावरी** राग के आरोह में लोंग निशाद स्वर लगाते हैं, अतएव लोक व्यवहार में **आसावरी** और **जौनपूरी** राग में कुछ फरक नहीं माना जाता, और **जौनपूरी** राग को ही **आसावरी** राग कहने का रिवाज है.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि म् ऽ, म् प ऽ, नि् ध् ऽ, प ऽ; म्पध्म्प ग् ऽ, रि रि ऽ, सा ॥

(२) सा ऽ, नि् सा ऽ; नि्सारिनि्सा ध् ऽ; प ध् सा ऽ; रि म् प ऽ; म्पध्म्प ग् ऽ; सा रि प ग् ऽ; रि ऽ, सा ऽ; नि् नि् सा ऽ, रि ऽ सा ऽ ॥

(३) सारि मृप नि॒ ध॒ ऽ, प ऽ; मृपधृमृप ध॒ नि॒ ध॒ प ऽ; म॒ ऽ, प

नि॒ नि॒ नि॒

प ऽ, ध॒ ध॒ ऽ, नि॒ ध॒ ऽ, प ऽ; मृप ध॒ ऽ, पधृ नि॒ ऽ, ध॒ ऽ,

म॒ नि॒ नि॒

प ऽ; रिम॒ प ऽ, मृप ध॒ ऽ, पधृ नि॒ ऽ, ध॒ ऽ, प ऽ; मृपधृमृप

म॒ म॒ सा सा सा

ग॒ ऽ; सा रि प ग॒ ऽ; रि रि ऽ, सा ऽ; नि॒ नि॒ सा ऽ, रि

ऽ सा ऽ ॥

नि॒ सां सां नि॒

(४) म॒ म॒ ऽ, प ध॒ सां ऽ; नि॒ नि॒ सां ऽ, ध॒ ऽ, प ऽ; म॒ म॒ प

नि॒ नि॒

ध॒ ऽ, सांरिं नि॒सां ध॒ ऽ प ऽ; मृप धृनि॒ सांरिं गं॒ ऽरिं नि॒ सां

नि॒ नि॒ नि॒

ध॒ ऽ, प ऽ; सां ऽ धं॒ ऽ प ऽ; सारि मृप सां ऽ ध॒ ऽ प ऽ;

म॒ म॒ प ध॒ नि॒

रिं नि॒सां ऽ, पधृ ग॒ ऽ, रि ऽ, सा ऽ; रि म॒ प सां ध॒ ऽ,

प ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि मृग॒ रिसा ऽ; सारि मृप मृग॒ रिसा ऽ; सारि मृप नि॒नि॒ धृप मृग॒ रिसा; सारि मृप धृप सां (अथवा) रिम॒ पधृ मृप सां नि॒नि॒ धृप मृग॒ रिसा ऽ; सारि मृप नि॒सां रिंरिं सांनि॒ धृप मृग॒ रिसा ऽ; मृप नि॒सां रिंगं॒ रिंसां नि॒ध॒ पम॒ गृरि सा (अथवा) रिम॒ पधृ सांरिं गृंरिं सांनि॒ धृप मृग॒ रिसा ऽ; मृप नि॒सां रिंमं॒ गृंरिं (अथवा) पधृ सांरिं मृंमं॒ गृंरिं सांनि॒ धृप मृग॒ रिसा ऽ; रिम॒ पधृ मृप सां रिंमं॒ पंपं मृंगृं रिंसां नि॒ध॒ पम॒ गृरि सा ऽ ॥

———

जौनपुरी – त्रिताल.

सांई मेरी नैयां पार उतारो, डूबत मझ धारो.
भवसागर जल दुस्तर भारी, तुमरे चरण जहाज हमारो. – राम

ऽ प ऽ सां
ऽ सां ऽ ई
३

नि़		म़ म़	
ध़ ऽ प ऽ	ऽ म़ ऽ प	पध़ म़प ग़ ग़	रि ऽ सा ऽ
मे ऽ री ऽ	ऽ नै ऽ यां	पाऽ ऽ र उ	ता ऽ रो ऽ
=	२	०	३

	म़	म़	
(ग़) ऽ रि सा	रि म़ प ऽ	ध़ ध़प म़प रि	म़ प ऽ सां
डू ऽ ब त	म झ धा ऽ	रो ऽ ऽ ऽ	ऽ सां ऽ ई

नि़			प (अंतरा) नि़ नि़
ध़ ऽ प ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	म़ प ध़ ध़
मे ऽ री ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	भ व सा ऽ

			नि़
सां सां सां सां	नि़सां रिंगं़ रिं सां	नि़ रिंसां नि़ध़ पम़	ऽ म़म़ प ध़
ग र ज ल	दुऽ ऽस्त र	भा ऽ रीऽ ऽ	ऽ भव सा ऽ

		नि़	
सां सां सां सां	सांरिं म़ंगं़ रिं सां	नि़सां रिंसां ध़ म़	प गं़ रिं सां
ग र ज ल	दुऽ ऽ स्त र	भाऽ ऽ री ऽ	तु म रे ऽ

रिं नि़ ध़ प	म़ प ध़ म़	म़प ध़सां रिंसां नि़ध़	पम़ प ऽ सां
च र ण ज	हा ऽ ज ह	माऽ ऽ ऽ रोऽ	ऽ सां ऽ ई

स्थायी.

मे ऽ री ऽ । ऽ ऽ, सारि म़प । नि़नि़ ध़प म़ग़ रि । म़, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । ऽ ऽ, रिम़ पध़ । सांनि़ ध़प म़ग़ रि । म़, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । सारि म्प नि्सां रिंरिं। सांनि् ध्प म्ग् रि । म्, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । सारि म्प नि्सां रिंगं्। रिंसां नि्ध् पम् ग्रि । म्, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । ध् प, ग्रि म्प । नि्ध् ऽप, ग्रि म्प । सांनि् ध्प, ग्रि म्प

रिंरिं सांनि् ध्प, ग्रि । म्प गंगं् रिंसां रिंरिं । सांनि् ध्प, ग्रि म्प । पं गं् रिं सां

रिं नि् ध् प, । ग्रि म्प निध् ऽप । म्प ध्म् पग् रिसा । रिम्, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । सारि म्ग् रिसा, रिम् । पम् ग्रि, म्प नि्ध् । पम्, पध् सांनि् ध्प,

सांरिं मंगं् रिंसां, रिंमं् । पंमं् गं्रिं सांनि् ध्प । म्ग् रिसा, रिम् पध् । म्, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । म्प ध्म् पध् म्प । ध्प म्ग् रिसा, पध् । नि्प ध्नि् पध् नि्ध्

पम् ग्रि सा, सांरिं । गं्सां रिंगं् सांरिं गं्रिं । सांनि् ध्प म्ग् रिसा । रिम्, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । सारि म्प नि्नि् ध्प । म्प नि्सां रिंगं् रिंसां । नि्सां रिंमं् पंमं् गं्रिं

सांनि् सांरिं गं्रिं सांनि्। धप म्प नि्नि् ध्प । म्ग् रिसा, रिम् पध् । म्, सां ऽ ई

मे ऽ री ऽ । साग् रिसा, रिम् ग्रि, । मध् पम्, पसां नि्ध्, । सांगं् रिंसां, रिंमं् गं्रिं

सांनि् ध्प म्ग् रिसा, । रिरि सानि् ध्प म्प । सा, सारि म्प ध् । म्, सां ऽ ई
मेरी

अंतरा "भवसा"

नि् नि्
ग र ज ल । सारि म्प ध् म्प । सां ऽ, ध् प । सां ऽ, पध् रिं
सां
नि् सां ऽध् ऽप । सां ऽ, पध् सांरिं । गं् ऽरिं नि् सां । ऽध् ऽप सां ऽ,

सां सा
नि् सां ऽध् ऽप । ऽ, म्प ध् ग् । ऽ, रि ऽ, सा । भवसा

ग र ज ल । रिंरिं सांनि्, सांसां नि्ध्, । नि्नि् ध्प, ध्ध् पम्, पप म्ग्, म्म् ग्रि,

नि् नि्
ग्ग् रिसा, सारि म्प । ध् म्प सां ऽ, । ध् म्प सां ऽ । भवसा

ग र ज ल । गंरिं गंरिं सांनि्, रिंसां । रिंसां निध्, सांनि् सांनि् । ध्प, नि्ध् नि्ध् पम्,

ध्प ध्प म्ग्, पम् । पम् ग्रि, म्ग् रिसा, । रिम् पध् म्प सां । भवसा

ग र ज ल । गंगं रिंगं गंरिं सांसां । ध्ध् पध् ध्प म्प । ग्ग् रिग् ग्रि सासा,

सारि म्प ध् म्प । सांरिं मंपं मंगं रिंसां । नि्ध् पम् ग्रि सासा । भवसा

ग र ज ल । दु ऽ स्त र । भा ऽ री ऽ । रिंरिं सांरिं रिंसां रिंरिं

सांनि् ध्प म्ग् रिसा, । गंगं रिंगं गंरिं गंगं । रिंसां नि्ध् पम् ग्रि । सा, मंमं गंमं मंगं

मंमं गंरिं सांनि् ध्प । म्ग् रिसा, रिम् पध् । म्प सां, रिम् पध् । म्प सां, पध् म्प

सां ऽ ऽ ऽ ।

बोलतानें.

			प
ऽ	प	ऽ	सां
ऽ	सां	ऽ	ई

नि्

ध्	ऽ	प	ऽ	ऽ	म्प	नि्	ध्प	म्	प	रि	म्	प	पं	ऽ	सां
मे	ऽ	री	ऽ	ऽ	सांऽ	ऽ	ईऽ	मे	ऽ	री	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ई

(म above रि in third group)

नि्

ध्	ऽ	प	ऽ	म्प	नि्सां	रिं	सां	रिं	नि्	ध्	प	म्	प	ऽ	सां
मे	ऽ	री	ऽ	सांऽ	ऽ	ऽ	ई	मे	ऽ	री	ऽ	ऽ	सां	ऽ	ई

नि॒
ध॒ ऽ प ऽ | म॒प नि॒सां रिंगं॒ रिंसां | नि॒सां रिंसां नि॒ध॒ पम॒ | रिम॒ प ऽ सां
मे ऽ री ऽ | सांऽ ऽ ऽ ईऽ | मेऽ ऽ ऽ रीऽ | ऽ सां ऽ ई

नि॒
ध॒ ऽ प ऽ | म॒प नि॒सां रिंमं॒ गं॒रिं | सांनि॒ ध॒प म॒ग॒ रिसा | रिम॒ प ऽ सां
मे ऽ री ऽ | सांऽ ऽ ऽ ईऽ | मेऽ ऽ रीऽ ऽ | ऽ सां ऽ ई

नि॒
ध॒ ऽ प ऽ | । । । । | पम॒ पम॒ ग॒रि, नि॒ध॒ | नि॒ध॒ पम॒, रिंसां रिंसां
मे ऽ री ऽ | । । । । | सांऽ ऽ ईऽ, मेऽ | ऽ रीऽ, नैऽ ऽ

नि॒ध॒, गं॒रिं गं॒रिं सांरिं | मं॒मं॒ गं॒रिं सांनि॒ ध॒प | म॒ग॒ रिसा रिम॒ पध | म॒ प ऽ सां
यांऽ, पाऽ ऽ रउ | ताऽ ऽ रोऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ सां ऽ ई

नि॒ रि म॒ प ध॒ नि॒ नि॒
ध॒ ऽ प ऽ | । । । । | सा रि म॒ प | ध॒ ध॒ सां ऽ
मे ऽ री ऽ | । । । । | सां ई मे रा | नै ऽ यां ऽ

ध॒
ध॒ गं॒ रिं सां | रिं नि॒ ध॒ प | म॒ग॒ रिसा, रिम॒ पध॒ | म॒ प ऽ सां
पा ऽ र उ | ता ऽ रो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ सां ऽ ई

नि॒ म॒ सा म॒ प ध॒
ध॒ ऽ प ऽ | ध॒ म॒ पध॒ म॒प | ग॒ ऽ रि सा | रि म॒ प सां
मे ऽ री ऽ | नै ऽ ऽ ऽ | यां ऽ ऽ ऽ | सां ऽ ऽ ई

नि॒ नि॒ प ध॒ नि॒
ध॒ सां सां ऽ | ऽ नि॒सां रिंगं॒ रिंसां | नि॒सां रिंसां ध॒ प | म॒ प ध॒ सां
मे ऽ री ऽ | ऽ नैऽ ऽ यांऽ | पाऽ ऽ र उ | ता ऽ रो ऽ

म॒
ऽ नि॒ ध॒ प | म॒ प रि म॒ | पध॒ सांरिं गं॒रिं सांनि॒ | ध॒म॒ प ऽ सां
ऽ डू ब त | म झ धा ऽ | रोऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ सां ऽ ई

नि॒ म॒
ध॒ प पध॒ म॒प | ग॒ ऽ रि सा | रि ऽ सा ऽ | म॒ प ऽ सां
मे री नैऽ यांऽ | पा ऽ र उ | ता ऽ रो ऽ | ऽ सां ऽ ई

सारि मृप धृनि् सांरिं | र्गृरं गृरिं, गृगं रिसां, | रिंरिं सांनि, सांसां नि्धृ, | नि्नि् धृप, धृधृ पम्,
सांऽ ऽ ऽ ईऽ | रऽ ऽ, रीऽ ऽ, | नैऽ ऽ, यांऽ ऽ, | पाऽ ऽ, रऽ उऽ,

मृम् गृरि, गृग् रिसा, | सारि मारि मृप मृप | धृप धानि् धानि् सांनि् | सांरिं सांनि् धृप मृग्
ताऽ ऽ, रोऽ ऽ, | ढूऽ ऽब ऽ तऽ | ऽम ऽ झऽ ऽधा | ऽ रोऽ ऽ ऽ

१ नि् २ नि् ३
रिसा, नि्सा रिम् पध् | मृप ऽसां धृ प | ऽ, मृप ऽसां धृ | प ऽ, मृप ऽसां
ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽसां ऽई मे री | ऽ, ऽसां ऽई मे | री ऽ, ऽसां ऽई

नि्
धृ ऽ प ऽ | । । । । | । । । । |
मे ऽ री ऽ | । । । । | । । । । |

म्
रिंऽसां रिंऽनि् सांऽरिं नि्धृप ‖ पधृप गृऽम् रिसाग् रिऽसा
सांऽई मेऽरी नैऽऽ यांऽऽ ‖ पाऽऽ रऽउ ताऽऽ रोऽऽ
३ =

नि् १
मृऽप धृऽधृ सांऽसां रिंसांगं | रिंऽसां सांरिंनि् धृमृम् पऽसां |
ढूऽऽ बऽत मऽझ धाऽऽ | रोऽऽ ऽ ऽ सांऽई |
२ ०

२ ३ नि्
धृऽप, पऽसां धृऽप, पऽसां ‖ धृ ऽ प ऽ |
मेऽरी, सांऽई मेऽरी, सांऽई ‖ मे ऽ री ऽ |
३ =

राग भैरवी.

—×—

रागांग विस्तार.

नि॒
(१) नि॒ध॒ नि॒ ऽ; ध॒ ऽ, प ऽ; ध॒ ऽ सा ऽ; रि॒, रि॒रि॒ ऽ;
सा नि॒
नि॒ सा ऽ, नि॒सारि॒ ऽ सा ऽ; ध॒ सा ऽ, रि ग॒ ऽ; सा ग॒ ऽ,
रि॒ ऽ, सा ऽ; (ग॒) ऽ रि ग॒ ऽ; रि नि॒ सा ऽ; रि ग॒ ऽ,
सा रि॒ सा ऽ, नि॒ सा ऽ ॥

(२) सा ग॒ म॒ रि॒ ऽ; ग॒ म॒ ऽ सा ऽ; सा ऽ रि॒ ऽ, पम॒ ग॒म॒ ऽ;
सा रि॒ म॒ ऽ, ग॒म॒ ऽ; प म॒ रि॒ ऽ, सा ऽ; प ऽ ध॒ ऽ; पम॒ग॒सा
ग॒म॒पम॒ ऽ; ग॒म॒पम॒ ग॒म॒रि॒ऽ ऽ; सा ऽ; प ऽ, ध॒ नि॒ ऽ, म ऽम॒
नि॒
ग॒ ऽ; रि॒ सा ऽ; ध॒ सा ऽ, रि॒ म॒ ग॒ ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ;
सा सा
नि॒ नि॒ सा ऽ, रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(३) नि॒सा ग॒म॒ ध॒ऽ ऽ, म॒ ऽ; सा ऽ, ग॒ रि॒ सा ऽ; ग॒म॒ पध॒ म॒ ऽ,
नि॒
ध॒ नि॒ सां ऽ; रिं॒ ऽ; ध॒नि॒ सांरिं॒ सां ऽ, रिं॒ सां नि॒ ध॒ प;
म॒ग॒ म॒ म॒ नि॒
रि प ध॒ म॒ ऽ, ग ग म॒ ऽ; सा ऽ, ग॒ रि॒ सा ऽ; ध॒ सा ऽ,
सा सा
रि म॒ ग ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ; नि॒ नि॒ सा ऽ, रि॒ ऽ सा ऽ ॥

नि॒ नि॒ ध॒ नि॒ ग॒ म॒ ध॒

(४) ध॒ म॒ ऽ ध॒ नि॒ सां ऽ; ध॒ ऽ सां ऽ; म॒ ध॒ सां ऽ; सा ग॒ म॒

नि॒ म॒ ध॒ नि॒ सां

ध॒ सां ऽ; रिं॒ ऽ; ध॒नि॒ सांरिं॒ सां ऽ; ग॒ म॒ ध॒ नि॒ सां ऽ;

ध॒नि॒ सांरिं गं॒ ऽ; रिं नि॒ सां ऽ; रिं गं॒ ऽ; सां रिं॒ सां ऽ;

सां सां गं॒ नि॒

नि नि ऽ, सां रिं॒ गं॒ ऽ; रिं॒ गं॒ ऽ; रिं॒ ऽ सां ऽ; निसां ध॒ ऽ,

प ऽ; पध॒ सां ऽ, नि॒ ध॒ प; मप मप नि॒ ध॒ प म॒ ऽ; ग॒म॒

ग॒म॒ पम॒ रि॒ ऽ; सा ऽ; प ऽ, ध॒ नि॒ ऽ; म ऽम॒ (ग॒) ऽ; रि॒ ऽ

नि॒ म॒ सा सा

सा ऽ; ध॒ सा ऽ, रि॒ म॒ ऽ ग॒ ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ; नि॒ नि॒

सा ऽ, रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(५) नि॒सा ग॒म॒ प ऽ; ध॒प म॒ग॒ म॒प ध॒ऽ प ऽ; म॒प ध॒नि॒ ध॒ ऽ, नि॒ प ऽ,

ध प ऽ; म॒प ध॒नि॒ सांरिं॒ सांनि॒ ध॒ ऽ नि॒ प ऽ; म॒प ध॒नि॒ सांरिं

गं॒रिं सां ऽ; नि॒ ऽसां ध॒ ऽनि॒ प ऽ; म॒प ध॒नि॒ प ऽ, ग॒म॒ पध॒

नि॒

म॒ ऽ, रिग॒ म॒प ग॒ ऽ, साग॒ पऽम म॒ ग॒ रि॒ सा ऽ; ध॒ सा ऽ,

म॒ सा सा

रि॒ म॒ ऽ ग॒ ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ; नि॒ नि॒ सा ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(६) प प ध॒ ऽ, प ऽ; मप मप नि॒ ध॒ प ऽ; ग॒ प ध नि॒ ऽ;

म॒ नि॒

ध म॒ ऽ; रि म॒, म॒ प ऽ, प ध॒ ऽ, ध॒ सां ऽ, ध॒ ऽ प ऽ;

नि॒ ऽ; धप नि॒ ऽ; पध सांऽ नि॒ ऽ; पध पनि॒ ऽ; ध म॒ ऽ;

नि॒
म॒ प ऽ, प सां ऽ ध॒ ऽ, प ऽ; ग॒ प म॒ ध॒ ऽ; पम॒ ग॒सा ग॒म॒

नि॒
पम॒ ऽ; ग॒म॒पम॒ ग॒म॒रि॒ऽ ऽ; सा ऽ; ध॒ सा ऽ, रि॒ म॒ ऽ (ग॒) ऽ;

सा सा
सा रि॒ सा ऽ; नि॒ नि॒ सा ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) सारि॒ सा ऽ; सारि॒ ग॒रि॒ सा ऽ; सारि॒ ग॒म॒ ग॒रि॒ सा ऽ; सारि॒ ग॒म॒ पम॒ ग॒रि॒ सा ऽ; इसी प्रकार एक-एक स्वर बढाते जाना.

(२) नि॒सा रि॒सा ऽ; नि॒सा ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ पम॒ ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ पध॒ पम॒ ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ ध॒नि॒ नि॒ध॒ पम॒ ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ ध॒नि॒ सां नि॒ध॒ पम॒ ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ ध॒नि॒ सांरिं॒ सांनि॒ ध॒प म॒ग॒ रि॒सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ ध॒नि॒ सांरिं॒ गं॒गं॒ रिं॒सां नि॒ध॒ पम॒ ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ ध॒नि॒ सांरिं॒ गं॒मं॒ गं॒रिं॒ सांनि॒ ध॒प म॒ग॒ रि॒सा ऽ ॥

नोट—उपरोक्त रागांग विस्तार में सबी प्रकार के स्वरों का प्रयोग दिखाया है. ये विस्तार बीन या सितार पर बहोत उमदा तौर से बजेगा. इस का और भी अनेक चलन हमारी पास है, परंतु ग्रंथविस्तार के भय से यहां पर सब नहीं लिखा. यदि सब रागों के रागांग विस्तार याने जोडकाम विस्तार से लिखा जाय तो वह पृथक् पुस्तक रुप से प्रसिद्ध होना चाहिए.

उपरोक्त रागांग विस्तार में **सिंध भैरवी, तोडी, जौनपुरी, मालकौंस, भीमपलासी, खमाज** इत्यादि रागों की छाया दृष्य होगी. **तोडी और जौनपुरी**

राग की छाया गाते बजाते वक्त लौकिक अति कोमल स्वरों का व्यवहार करना. ये सब रागों की छाया नीचे मुजब :—

(१) सिंध भैरवी :– ग् ऽ रि ग् ऽ; रि नि् सा; रि ग् ऽ, सा रि् सा ऽ ॥

(२) तोडी :– नि नि ऽ, सां रिं् गं् ऽ; रिं् गं् ऽ; रिं् ऽ सां ऽ, निसां ऽ ॥ (ऊपर: सां सां)

(३) जौनपुरी अथवा आसावरी :– रि् म् ऽ, म् प ऽ, प सां ऽ, ध् ऽ प ऽ ॥ (ऊपर: म्, नि्)
जिस २ जगह ध् ऽ, प ऽ ऐसी स्वर रचना होगी वहां जौनपुरी अथवा आसावरी की छाया समझना. (ऊपर: नि्)

(४) मालकौंस :– ग् म् ध् नि् सां ऽ ॥ (ऊपर: म् ध् नि् सां)

(५) भीमपलासी :– नि्सा ग्म् प ऽ ॥

(६) खमाज :– पध नि् ऽ; पध सांऽ नि् ऽ; पध पनि् ऽ; ध म् ऽ ॥

उपरोक्त रागों के सिवाय इस राग को और रंगीन करनेके लिए तीव्र मध्यम स्वर का भी अल्पसा व्यवहार किया जाता है.

भैरवी – दादरा.

रचा प्रभू तूनें यह ब्रह्मांड सारा,
प्रानों से प्यारा तूं है सब से न्यारा. – रचा
तूंहि भाई बंधु तूंहि जगत जननी,
सकल जगत में एक तेरा पसारा. – रचा

न्‍ म्

|: सा प | ऽ ध् | (प) ऽ || पध् नि्सां | ध् प | ग् म्
र चा | ऽ प्र | भू ऽ || तुंऽ ऽ | ने ऽ | य ह
= २ ० = २ ०

गम् पध् | पम् रि् | ग् म् || (रि्) ऽ | ऽ नि् | सा ऽ :||
ब्रऽ ऽ | ऽ ह्मां | ऽ ड || सा ऽ | ऽ रा | ऽ ऽ
*

सा म्
नि् सा | सा ग् | (ग्) ऽ || सा ग् | म् प | ग् (म्)
प्रा ऽ | नो ऽ | से ऽ || प्या ऽ | ऽ ऽ | रा ऽ

पध् नि्सां | ध् प | म् ग् || (म्) ऽ | (रि्) ऽ | नि् सा
तुंऽ ऽ | ही ऽ | स ब || से ऽ | न्या ऽ | रा ऽ

नि् *(अंतरा)
|: ध् ऽ | म् (ध्) | ऽ नि || धनि् सां | नि्सां रि्ं | सां ऽ
तूं ऽ | हि भा | ऽ ई || बंऽ ऽ | ऽ ऽ | धु ऽ

(नि्) ऽ | नि् सां | सां नि् || रि्ं सां | (ध्) ऽ | प ऽ :||
तूं ऽ | हि ज | ग त || ज न | नी ऽ | ऽ ऽ

सां रि्ं | सां नि् | सां नि् || ध नि् | ध् प | ध् प
स क | ल ज | ग त || में ऽ | ऽ ए | ऽ क

म् म | म् रि | ग् म् || (रि्) ऽ | ऽ सा | ऽ ऽ
ते ऽ | ऽ रा | ऽ प || सा ऽ | ऽ रा | ऽ ऽ

स्थायी. " रचा प्रभू "

नि्सा गम् । पध् पम् । ग्रि् सा ॥ रचा प्रभू

पध् नि्सां । नि्ध् पम् । ग्रि् सा ॥ र चा, । नि्सा गम् । पध् नि्सां

गंगं रिंसां । निध् पम् । गरि सा ॥ र चा, । गम् पध् । निसां रिंगं

मंगं रिंसां । निध् पम् । गरि सा ॥ रचा....सारा

निसा गम् । पध् निसां । रिंगं मंपं ॥ मंगं रिंसां । निध् पम् । गरि सा ॥ रचा..सारा

निरि साग् । रिम् गप । मध् पनि ॥ धसां निरिं । सांगं रिंमं । गंपं मंगं

रिंसां निध् । पम् गरि । सानि सा ॥ र चा । ऽ, निसा । गसा गम्

गम् धम् । धनि धनि । सांरिं गंरिं ॥ सांरिं सांनि । सांनि धनि । धप धप

मप मग् । मग् रिग् । रिसा रिसा ॥ रचा....सारा

निसा गम् । धनि सांरिं । गंमं पंमं ॥ गंरिं सांनि । धप मग् । रिसा निसा,

म् गरि । सारि, प । मग् रिग्, ॥ ध् पम् । गम्, नि । धप मप,

सां निध् । पध, रिं । सांनि धनि, ॥ गं रिंसां । निसां, रिंगं । मंगं रिंसां,

निसां गंरिं । सांनि, धनि । रिंसां निध्, ॥ पध् सांनि । धप, मप । निध् पम्,

गम् धप । मग्, रिग् । पम् गरि, ॥ सारि मग् । रिसा, निसा । गम् पध्

निसां निध् । पम् गरि । सानि सा ॥ रचा....सारा

अंतरा. " तूंहि भाई बंधु "

सांरिं गंरिं । सांनि, धनि । सांनि धप, ॥ मप धप । मग्, रिग् । मग् रिसा,

निसा गम् । प, गम् । पध् नि, ॥ मप धनि । सां, पध् । निसां रिं,

सांनि धप । मग् रिसा, । निसा गम् ॥ तूंहि भाई बंधु

सांरिं सांगं । रिंसां, निंसां । निंरिं सांनिं, ॥ धनि धसां । निध, पध । पनि धप,
मप मध । पम, गम । गप मग, ॥ रिग रिम । गरि सा, । निसा गम ॥
तूंहि भाई बंधु

धनि सांध ।निसां धनि । सांनि धप ॥ मग रिसा, । निसा गम । साग मध
गम धनि । मध निसां । धनि सांरिं ॥ निसां गंमं । पंपं मंगं । रिंसां निध
पम गरि । सानि सा, । निसा गम ॥ तूंहि भाई बंधु

पध निसां । रिंगं सांरिं । निसां ऽगं ॥ रिंसां निध, । पध ऽसां । निध पम,
गम ऽध । पम गरि, । सारि ऽम ॥ गरि सानि । सा, निसा । गम पध,
गम पध । निसां, धनि । सांरिं गंमं ॥ गंरिं सांनि । धनि सांध ।निसां धनि
सां ऽ ।

भैरवी–दीपचंदी

सावरिया रे नाहिं परत मै का चैन.
दरस तुमारो बेग दिखावो, मानत ना दिन रैन.

सा नि	सा	ऽ	रि	सा	रि	रि सारि	प	म	ग	रि	सा	रि	निसानि
ना	हिं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	र	त	मै	ऽ	काऽऽ
=			२				०			३			

सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	धनि	साग	रिसा	निसा	ऽ	ऽ	ऽ
चै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	एऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

सा
नि् सा ऽ | रि् सारि् गम् पध् | ऽ मपम् गमग् | रि् सा रि् नि्
ना हिं ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ पऽऽ रऽऽ | त मैं ऽ का

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | धनि् साग् साग् | मग् सा ऽ ऽ
चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

सा
नि् सा ऽ | रि् सारि् गम् पनि् | धध् मपम् ग् | रि् सा रि् नि
ना हिं ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ पऽऽ र | त मैं ऽ का

सा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | निध् सानि् रिसा | ग् सा ऽ ऽ
चै ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ रे ऽ ऽ

निसा निसा गम् | पध् मप गम् गम् | प म् ग् | रि् सा रि् नि
नाऽ हिंऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ प र | त मैं ऽ का

सा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | धनि् साग् रिसा | निसा ऽ ऽ ऽ
चै ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

ग् ग् ग् | ग् ऽ ऽ रिसा | सारि गरि गरि | सानि् ऽ ऽ ऽ
सा व रि | या ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

प ध् पध् | सा ऽ ऽ निसा | रि ऽ ऽ | सारि ग् ऽ ऽ
ना ऽ हिंऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

रिग् म् ऽ | ऽ गम् प ऽ | ऽ म् ग् | रि् सा रि् नि्
ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ प र | त मैं ऽ का

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | सारि् गरि् गरि् | सानि् सा ऽ ऽ
चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

सा रि् म् | म् ऽ ऽ ग् | गम् पम् पम् | गरि् सा ऽ
सा व रि | या ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ

नि॒सा ग॒म॒ पध॒ | ऽम॒ प ग॒म॒ ऽग॒ पम॒ पम॒ ग॒रि॒ | सा ऽ ऽ ऽ
एऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

प प ध॒ | प ऽ ऽ ऽ | ध॒प म॒ग॒ प | ऽ ऽ ऽ ऽ
सा व रि | या ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

ध॒ ध॒ ध॒ | ध॒ ऽ ऽ ऽ | म॒ध॒ म॒ध॒ म॒ग॒ | सा ऽ ऽ ऽ
सा व रि | या ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | र ऽ ऽ ऽ

सारि॒ नि॒सा ग॒म॒ | पनि॒ ध॒ध॒ ऽनि॒ ध॒ध॒ | ऽप म॒ ग॒ | रि॒ सा रि॒ नि॒
नाऽ हिंऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ प र. | त मै ऽ का

म॒(अंतरा)

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | नि॒ध॒ सा ऽ | ग॒ म॒ ध॒ नि॒
चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | द र स तु

म॒ ध॒ नि॒ सां

सां ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | सां ऽ ऽ | ग॒ म॒ ध॒ नि॒
मा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रो ऽ ऽ | द र स तु

सां ऽ ऽ | ध॒नि॒ सांग॒ रिं॒सां नि॒सां | सां ऽ ऽ | नि॒ ऽ सां सां
मा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रो ऽ ऽ | बे ऽ ग दि

ध॒नि॒ सांरिं॒ सांरिं॒ | सांनि॒ ध॒ प ऽ | ध॒प म॒ग॒ ऽ | म॒ग॒ ध॒प नि॒ध॒ नि॒
खाऽ ऽ ऽ | ऽ वो ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | दऽ रऽ सऽ तु

सां

सां ऽ ऽ | ध॒नि॒ सांगं॒ सांगं॒ मं॒गं॒ | सां ऽ ऽ | नि॒ ऽ सां सां
मा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रो ऽ ऽ | बे ऽ ग दि

ध॒नि॒ सांरिं॒ गं॒ | ऽ ऽ सांगं॒ सांनि॒ | ध॒ प ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ
खाऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वो ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

सा ऽ ऽ | ध॒ ऽ प ध॒ | प ऽ ऽ | ऽ ऽ ध॒ सां
मा ऽ ऽ | ऽ ऽ न त | ना ऽ ऽ | ऽ ऽ दि न

नि् ध् नि् | ऽ ध् प ध् | ऽ पम् गम् | ऽ म् म् प
रैं ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ न ऽ | ऽ सा व रि

मप धम् पध् | मप नि् ऽ ऽ | निध् पम् गरि् | सा ऽ ऽ ऽ
याऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

सा रि्
नि् सा ऽ | रि् सा रि् सारि् | प म् ग् | रि् सा रि् निसानि्
ना हिं ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ प र | त मै ऽ काऽऽ

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | ग् ग् ग् | ग् ग् रिग् पम्
चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | ना हिं प | र त मैऽ काऽ

रिम् गरि साग् | रिसा नि् पध् सारि् | सारि् प म् | गमग् रिगरि् सारि्सा निसानि्
चैऽ ऽ ऽ | ऽ ऽन नाऽ हिंऽ | ऽ ऽ प | रऽऽ तऽऽ मैऽऽ काऽऽ

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | धनि् साग् रिसा | निसा ऽ ऽ ऽ
चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

पप ऽप पप | पध् पम् ऽम् मप | मप निध् पम् | पम् ऽग् सारि् सानि्
नाहिं ऽप रत | मैऽ काचै ऽन्सा वरि | याऽ ऽना हिंऽ | पर ऽत मैऽ काऽ

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | धनि् साग् साग् | मग् सा ऽ ऽ
चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

साग् साग् मग् | मप मध् पनि् धप | पध् परिं सांनि | धप ऽम् गरि् सानि्
नाऽ ऽहिं ऽ | मैऽ ऽका ऽप रत | चैऽ ऽन्सा वरि | याऽ ऽप रत मैका

सा ऽ सा | रिसा निध् पध् निसा | रिग् ऽरि् सारि् | सा, सारि् निसा गम्
चै ऽ न | साऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ वरि | या, साऽ ऽ ऽ

म्
पध् निम ऽम् | ग् सारि् सा ऽ | निसा गम् पध् | ऽप ग् रिसा रिनि्
ऽ ऽ ऽ | ऽ वरि या ऽ | नाऽ हिंऽ ऽ | ऽप र तमै ऽका

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | नि॒ध॒ सानि॒ रि॒सा | ग॒ सा ऽ ऽ

चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ रे ऽ ऽ

ग॒सा ऽम् ग॒प | म॒प ध॒प ऽनि॒ ध॒सां | नि॒सां ऽगं॒ रिं॒सां | ध॒प ऽम् ग॒रि॒ सानि॒

नाऽ ऽहिं ऽप | रत मैंऽ ऽका ऽचै | ऽएन ऽसा वरि | याऽ ऽप रत मैका

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | नि॒सा ग॒म् पप | मग॒ रि॒सा नि॒सा ऽ

चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | नाऽ हिंऽ ऽ | पऽ रऽ तऽ ऽ

ऽप पध॒ प, | रिग॒ पध॒ नि॒ पध॒ | प, गंगं॒ सांनि॒ | ध॒ध॒ नि॒सां रिंगं॒ ऽ

ऽसा वरि या, | साऽ ऽ ऽ वरि | या, नाऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

नि॒

रिं॒सां ध॒प ऽ | पध॒ नि॒सां नि॒रिं॒ सांनि॒ | ध॒प ऽध॒ पम् | ग॒मग॒ रि॒ग॒रि॒ सारि॒सा नि॒सानि॒

हिंप रत ऽ | मैका चैऽ ऽन्सा वरि | याऽ ऽना हिंप | रऽऽ तऽऽ मैऽऽ काऽऽ

सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ सा | ध॒नि॒ साग॒ रि॒सा | नि॒सा ऽ ऽ ऽ

चै ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ न | हांऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

गं॒ऽ ऽरिं ऽ | रिं॒ऽ ऽसां ऽ नि॒ | ध॒ऽ ऽप ऽ | मऽ ऽम् ऽ म॒

नाऽ ऽहिं ऽ | पऽ ऽर ऽ त | मैंऽ ऽका ऽ | चैऽ ऽन्सा ऽ व

१

ग॒ऽ ऽरि ऽ | रि॒ऽ ऽसा ऽ नि॒ | सा रि॒ प | मग॒ ऽरि॒ ऽसा ऽनि॒

रिऽ ऽया ऽ | साऽ ऽव ऽ रि | या ना हि | पर ऽत ऽमै ऽका

२ ३

सा, ग॒म् पध॒ | ऽप मग॒ रि॒सा रि॒नि॒ | सा, ग॒म् पध॒ | ऽप मग॒ रि॒सा रि॒नि॒

चै ऽ ऽ | ऽन्प ऽर तमैं ऽका | चै ऽ ऽ | ऽन्प ऽर तमैं ऽका

सा ऽ ऽ |

चै ऽ न |

राग भैरव.

—*—

रागांग विस्तार.

नि़ म् म् नि़ म्
(१) सा ऽ, रि् रि् सा ऽ, ध़् ऽ सा ऽ, रि् ऽ सा ऽ; ग रि् ऽ;

म्
म्ग रि् ऽ; पम् गरि् ऽ; रि् ऽ, सा ऽ ॥

नि़ म् म् नि़ प़
(२) सा ऽ, रि् रि् सा ऽ, नि़सा ध़् ऽ, नि़ ध़् ऽ प़ ऽ; म़् प़

नि़ नि़
ध़् ऽ, नि़ सा ऽ; सा म् ऽ, म् (म्) रि् ऽ; रि् ग म् प

म्
म् ग रि् ऽ; रि् ऽ सा ऽ ॥

नि़ ग म् नि नि प ग
(३) सा म् ऽ गम्, म् प ऽ, प ध् ध् प ऽ; ध्ऽध्प पम्गम् ऽ; म्

म्
(म्) रि् ऽ; ग म् प म् ग रि् ऽ; रि् सा ऽ ॥

नि़ ग म् नि म् प
(४) सा म् ऽ गम्, म् प म्प; प ध् ऽ, प ऽ; प नि् ध् ऽ, प ऽ;

प म्
ध्ऽध्प पम्गम् ऽ; म् (म्) रि् ऽ; गम् पम् गम् रि् ऽ; रि्

ऽ सा ऽ ॥

प नि म् नि
(५) म् प, ध् ऽ, नि सां ऽ सां (किंवा) ग म् ध् नि सां ऽ सां ऽ;

मं मं मं नि
रिं रिं सां ऽ; मं गं म् रिं रिं सां ऽ; निसां ध् ऽ प ऽ;

म् ध् नि् ग म्
प नि् ध् ऽ प ऽ, ध्ऽध्प पम्गम् ऽ; म् (म्) रि् ऽ; रि् ऽ;

म् नि नि
सा ऽ; ग ऽ, म् प ऽ प, ध् ध् ऽ, प ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) निसा मग रिरि सासा ऽ; निसा गम पप मग रिरि सासा ऽ; निसा गम पध धप मप मग रिरि सासा ऽ; निसा गम पनि निध धप मग रिरि सासा ऽ; निसा गम पध निसां रिंरिं सांनि धप मग रिरि सासा ऽ; निसा गम पध निसां गंगं रिंसां निध पम गरि सासा ऽ; निसा गम पध निसां मंमं रिंसां निध पम गरि सासा ऽ; निसा गम पध निसां गंमं पंमं गंरिं सांनि धप मग रिरि सासा (अथवा) निसा गम पध निसां गंमं पंपं मंगं रिंसां निध पम गरि सासा ऽ ॥

(२) गम पध धप मग रिरि सासा ऽ; गम पध सांनि धप मप मग रिरि सासा ऽ; सारि गम निध **सां** रिंरिं सांनि धप मग मप मग रिरि सासा ऽ; सारि गम निध **सां** मंपं मंगं रिंरिं सांसां, सांरिं सांनि धप मग मप मग रिरि सासा ऽ ॥

नोट—इस राग के स्वरविस्तार में **कालिंगडा** राग कि छाया दूर करनेके लिये ऋषभ स्वर का बहोत चमकाते रहना चाहिये.

उपरोक्त स्वर विस्तार के आरोह में पंचम के जोड में तीव्र मध्यम, और अवरोह में धैवत के जोड में अतिकोमल निषाद अल्पसा लगाने से **रामकली** राग की स्वर रचना होगी. यथाः—

निसा गम पध निसां रिंरिं सांनि धप मप धनि धप मग रिसा ऽ ॥

भैरव – त्रिताल

अब आयो शरन तुमारे,
शरनग्रहे की लाज रखो तुम तारन तरन हमारे. – अब
जाल जग बीच जाके पड्यो मैं, सूझत साधन नहिं तरने को,
विफल मनोरथ होके जासे, घडि घडि आन पुकारे. – अब

								म्		नि्					
								ग	म्	ध्	ऽ	प	प	ध्	म्
								आ	ऽ	यो	ऽ	श	र	न	तु
								०				३			
										नि्					
ध्ध्	पम्	प	ऽ	म्	ऽ	म्	ग	म्	ऽ	ध्	ऽ	प	प	ध्	म्
माऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	अ	ब	आ	ऽ	यो	ऽ	श	र	न	तु
=				२				०				३			
								म्							
ध्ध्	पम्	प	ऽ	म्	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ग	म्	रि्	ग	म्	प	ऽ
माऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	श	र	न	ग्र	हे	ऽ	की	ऽ
								*							
								नि							
म्	ग	म्	म्	रि्	ऽ	सा	सा	सा	ऽ	ग	म्	प	प	प	ध्
ल	ऽ	ज	र	खो	ऽ	तु	म	ता	ऽ	र	न	त	र	न	ह

* (अंतरा)

														नि्	नि्
पध्	निसां	रिंसां	निसां	ध्प	म्प	म्	ग	म्	ऽ	म्	म्	प	प	ध्	ध्
माऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रेऽ	ऽ	अ	ब	जा	ऽ	ल	ज	ग	बी	ऽ	च
								नि्		नि्					
सां	ऽ	सां	सां	नि	सां	सां	ऽ	ध्	ऽ	ध्	सां	सां	ऽ	सां	सां
जा	ऽ	के	प	ड्यो	ऽ	मैं	ऽ	सू	ऽ	झ	त	सा	ऽ	ध	न
					सां	नि्		नि्				नि्			
रिं	रिं	सां	सां	नि	सां	ध्	प	ध्	ध्	सां	सां	ध्	नि्	ध्	प
न	हिं	त	र	ने	ऽ	को	ऽ	वि	फ	ल	म	नो	ऽ	र	थ

								सा							नि्
ग	ऽ	म्	म्ग	रि्	ऽ	सा	ऽ	नि्	सा	ग	म्	प	ऽ	प	ध्
हो	ऽ	के	ऽ	जा	ऽ	से	ऽ	घ	डि	घ	डि	आ	ऽ	न	पु

									नि्						
पध्	निसां	रिं्रिं्	सांनि	ध्प	म्प	म्	ग	म्	ऽ	ध्	ऽ	प	प	ध्	म्
काऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रेऽ	ऽ	अ	ब	आ	ऽ	यो	ऽ	श	र	न	तु

स्थायी.

गम् पध् ध्प म्ग । रि्रि् सासा, अ ब । आयो शरन तु

गम् पध् सांनि ध्प । म्प म्ग रि्रि् सासा । आयो शरन तु

गम् पध् सांरिं् सांनि । ध्प म्ग रि्रि् सासा । आयो शरन तु

मा ऽ ऽ ऽ । रे ऽ ऽ ऽ । सारि् गम् पध् निसां । सांरिं गंमं् मंगं रिंसां

सांरिं् सांनि ध्प म्ग । म्प म्ग रि्रि् सासा । आयो शरन तु

ध्ध् पध् ध्प ध्ध् । पम् गरि्, रिंरिं् सांरिं् । रिंसां रिंरिं् सांनि ध्प, । गंगं रिंगं गंरिं् गंगं

रिंरिं् सांनि ध्प म्ग । म्प म्ग रि्रि् सासा । आयो शरन तु

मा ऽ ऽ ऽ । रे ऽ ऽ ऽ । रि्रि् रि्रि् सासा, ध्ध् । ध्ध् पम्, रिंरिं् रिंरिं्

सांसां, सांनि ध्प म्ग । म्प म्ग रि्रि् सासा । आयो शरन तु

मा ऽ ऽ ऽ । रे ऽ ऽ ऽ । निसा गम्, पध् पम्, । गम् पनि् निध् पम्,

गम् पध् निसां निध् । पम्, गम् पध् निसां । रिंसां निध् पम्, गम् । पध् निसां मंमं रिंसां

निध् पम्, म्प म्म् । रि्रि् सासा, अ ब । आयो शरन तु

मा ऽ ऽ ऽ । रे ऽ ऽ ऽ । ऩिसा रि॒रि॒ सासा, रि॒ग । म॒म॒ गरि॒, गम॒ पप
म॒ग, म॒प ध॒ध॒ पम॒, । पध॒ निनि ध॒प, ध॒नि । सांसां निध॒, निसां रिं॒रिं॒ । सांनि, सांरिं॒ गंगं रिं॒सां,
रिं॒रिं॒ सांनि ध॒प म॒ग । म॒प म॒ग रि॒रि॒ सासा । आयो शरन तुमारे

अंतरा. " जाल जग बीच "

सांनि ध॒प म॒ग रि॒ । सारि॒ गम॒ निध॒ **सां** । जाल जग बीच
सांरिं॒ सांनि ध॒प म॒ग । रि॒ गम॒ निध॒ **सां** । जाल जग बीच
जा ऽ के प । डयो ऽ मैं ऽ । सांरिं॒ गंमं॒ मं॒गं रिं॒सां । सांरिं॒ सांनि ध॒प म॒ग
म॒प म॒ग रि॒रि॒ सासा । ऩिसा गम॒ पध॒ **सां** । जाल जग बीच
जा ऽ के प । डयो ऽ मैं ऽ । रिं॒रिं॒ सांरिं॒ रिं॒सां निसां । ध॒ध॒ पध॒ ध॒प म॒प
म॒प म॒म॒ पम॒ गम॒ । रि॒रि॒ सारि॒ रि॒सा ऩिसा, । सारि॒ सासा, रि॒ग रिरि॒, । गम॒ गग, म॒प म॒म॒
पध॒ पप, ध॒नि ध॒ध॒, । निसां निनि, रिं॒रिं॒ सांसां । जाल जग बीच
जा ऽ के प । डयो ऽ मैं ऽ । सांरिं॒ गंमं॒ रिं॒रिं॒ सांसां । ध॒प गम॒ रि॒रि॒ सासा
ऩिसा रि॒रि॒ सारि॒ सासा । रि॒ग म॒म॒ गम॒ रि॒रि॒ । गम॒ पप म॒प म॒ग । म॒प ध॒ध॒ पध॒ पम॒
ध॒नि सांसां निसां निध॒ । निसां रिं॒रिं॒ सांरिं॒ सांसां, । सांनि निध॒ ध॒प पम॒ । म॒ग गरि॒ **सा**, सारि॒ [१]
गम॒ पम॒ गम॒ निध॒ । **सां**, [२] सारि॒ गम॒ पम॒ । गम॒ निध॒ **सां**, [३] सारि॒ । गम॒ पम॒ गम॒ निध॒

सां ऽ ऽ ऽ	म॒ म॒म॒ पप ध॒ध॒	**सां** सांसां निसां **सां**	ध॒ ध॒सां **सां** सांसां
	जा लज गबी ऽच	जा केप डयोऽ मैं	सू झत सा घन

रिंरिं सांसां निसां ध्प | ध्ध् सांसां ध्नि् ध्प | ग म्ग रि्रि् सासा | नि्सा गम् प पध्
नहिं तर नेऽ कोऽ | विफ लम नोऽ रथ | हो केऽ जाऽ सेऽ | घडि घडि आ नपु

१ नि् २ नि् ३ नि्
पध् सांनि ध्प म्ग | म् ध् पप ध्म् | म् ध् पप ध्म् | म् ध् पप ध्म्
काऽ ऽ रेऽ ऽ | आ यो शर नऽ | आ यो शर नऽ | आ यो शर नतु

बोलतानें.

ध्ध् पम् प ऽ | म् ऽ नि ध् | सां नि ध् प | ऽ प ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ अ ब | आ ऽ यो ऽ | ऽ श न तु

नि्
म्प ध्प म्प ध्प | म् ग ध्नि सांनि | ध् सां निध् प | ऽ पप ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ अऽ बऽ | आ ऽ योऽ ऽ | ऽ शर न तु

गम् निध् सांनि ध्प | म् ग ध्नि सांरिं | निसां नि ध्सां निध्पऽ | ऽ पप ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ अऽ बऽ | आऽ ऽ योऽ ऽ | ऽ शर न तु

गम् पध् निसां निध् | पम् ग म् ग | म् नि ध् प | ऽ पप ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ अ ब | आ ऽ यो ऽ | ऽ शर न तु

नि्
नि्सा गम् पध् निसां | निध् प म् ग | म् ऽ ध् ऽ | प प ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ अ ब | आ ऽ यो ऽ | श र न तु

नि् नि्
ध्सां रिंगं रिंसां निसां | ध् प म् ग | म् ऽ ध् ऽ | प प ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ अ ब | आ ऽ यो ऽ | श र न तु

नि्
गम् पध् निसां ध्नि | सांरिं सांनि ध्प म्ग | रि्सा नि्सा गम् ध् | ऽ पप ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ आऽ यो | ऽ शर न तु

नि्
गम् पध् पम् गम् | पम् गरि् सानि् सा | ऽ गम् ध् ऽ | प प ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ रे | ऽ आऽ यो ऽ | श र न तु

नि् नि्

ध्ध् पम् प ऽ | म् ऽ म् ग | म् नि ध् ध् | ऽ सां सां सां
माऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ अ ब | आ ऽ यो ऽ | ऽ श र्न तु

नि्

ध्नि सांरिं् ऽ ऽ | सां ऽ ऽ ऽ | सां गं रिं् सां | सां (सां) ध् प
माऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | श र न म्र | हे ऽ कीऽ

नि्

ध् सां निध् प | म्प म्म् रि् सा | ऽ गम् प ध् | सां सां सां सां
ला ऽ जऽ र | खोऽ ऽ तु म | ऽ ताऽ र न | त र न ह

नि्

ध्नि सांगं रिंसां निध् | पम् गरि् सानि् सा | ऽ गम् ध् ऽ | प प ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ रेऽ ऽ | ऽ आऽ यो ऽ | श र न ऽ

ग म् गम् पध् | निसां ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ सांसां सां सां
आ ऽ यो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ शर न तु

नि् नि्

पध् निसां रिं् ऽ | सांरिं् निसां ऽ ऽ | सांरिं् निसां ऽ नि | ध् ध् प म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ ऽ ऽ | शऽ रऽ ऽ न | म्र हे ऽ कि

नि्

ऽ ग रि् म्ग | पम् रि् ऽ सा | सारि् निसा ऽ ध्नि | ध्सा सा सा सा
ऽ ला ज रऽ | खोऽ तु ऽ म | ताऽ ऽ ऽ रन | तऽ र न ह

नि्

सारि् गम् पध् निसां | रिंरिं् सांनि ध्प म्ग | ऽ गम् ध् ऽ | प प ध् म्
माऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ रेऽ ऽ ऽ | ऽ आऽ यो ऽ | श र न तु

गम् पध् ध्प म्ग | रि्सा नि्सा म् ग | सांऽरिं् सांरिंसां ध्निध् पध्प
माऽ ऽ ऽ ऽ | रेऽ ऽ अ ब | आऽयो शरन तुमाऽ रेऽऽ
= २ ०

म्पम् गम्ग रि्ऽरि् साऽसा || साम्ग म्पप म्निध् सांऽसां |
शऽर नऽम्र हेऽऽ ऽऽकि || लाऽऽ जऽर खोऽऽ तुऽम |
३ =

मृंमृंरिं सांसांसां धृसांनि धृपप	ऽ गम् धृ ऽ	ऽ पप धृ (नि्) मृ ‖
तारन तरन हमाऽ रेऽऽ	ऽ आऽ यो ऽ	ऽ शर न तु ‖

२ ऽ ऽ गम् पप	मृग रि्सा गम् पधृ	० धृप मृग गम् पधृ	३ निसां रिंरिं सांनि धृप
ऽ ऽ आऽ ऽ	योऽ ऽ शऽ ऽ	नेऽ तुऽ माऽ ऽ	ऽ ऽ रेऽ ऽ

धृनि धृरिं सांनि धृप	गम् गप मृग रि्सा	सारि् गम् मृरि् गम्	धृ धृ (नि् नि्) पधृ निसां
शऽ ऽर नऽ अऽ	हेऽ ऽ कीऽ ऽ	लाऽ ऽ जऽ रऽ	खो ऽ तुऽ ऽ

रिंसां सांरिं गंमं पंपं	मृंगं रिंसां सांरिं सांनि	धृनि सांनि धृप मृग	रिरि् सासा, निसा गम्
ऽम ताऽ ऽ ऽ	रऽ नऽ तऽ रऽ	नऽ ऽ ऽ हऽ	माऽ ऽ रेऽ ऽ

पधृ सांनि धृप मृग	१ मृ धृ (नि्) पप धृमृ	२ मृ धृ (नि्) पप धृमृ	३ मृ धृ (नि्) पप धृमृ
ऽ ऽ ऽ ऽ	आ यो शर नऽ	आ यो शर नऽ	आ यो शर नतु

धृधृ पमृ प ऽ	मृ ऽ ऽ ऽ
माऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ

राग–पूर्वी.

रागांग विस्तार.

(१) (सा) नि़ नि़ ऽ सा रि् ग ऽ, मृ ग ऽ; ग मृ म ग मृ ग ऽ;
(ग) रि् ग ऽ म ग ऽ, रि् सा ऽ ‖

(२) (सा) नि़ रि् ग रि् सा ऽ; नि़ रि् नि़ धृ़ प़ ऽ; म़ धृ़ नि़ धृ़ प़ ऽ;
म़ प़ धृ़ नि़ ऽ; प़ धृ़ नि़ ऽ, धृ़ नि़ सा ऽ; नि़ ऽ, (सा) सा रि्
ग ऽ; रि् ग मृ ग ऽ, (ग) रि् ग ऽ; रि् सा ऽ; नि़ रि् ऽ, सा ऽ ‖

सा ग म प

(३) ऩि रि॒ ग म प ऽ, ग म प ऽ; ध॒ प ऽ; नि ध॒ ऽ प ऽ;

सा

मपध॒ मप म ग म॒ ग ऽ; ऩि रि॒ ग ऽ, ध॒ म ग ऽ; रि॒ ग ऽ,

रि॒ ऽ, सा ऽ; ऩि रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

ध॒ सां सां

(४) म ग ऽ, म ध॒ म सां ऽ सां, नि रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ गं रिं॒

सां ऽ; रिं॒ सां ऽ, नि ध॒ प ऽ; मपध॒ मप म ग म॒ ग ऽ;

सा ध॒

ऩि रि॒ ग ऽ, मध॒ मग ऽ; रि॒ ग ऽ, रि॒ ऽ सा ऽ; ऩि रि॒ ऽ,

सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) ऩिरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गम गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गम पम गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गम पध॒ पम गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गम पध॒ निध॒ पम गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गम पध॒ निसां निध॒ पम गरि॒ सा ऽ ॥ इ. इ.

(२) ऩिरि॒ गम ध॒नि निध॒ पम गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गम ध॒नि सांरिं॒ सांनि ध॒प मग रि॒सा ऽ; ऩिरि॒ गम ध॒नि रिं॒गं रिं॒सां निध॒ पम गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गम ध॒नि रिं॒गं मंमं गंरिं॒ सांनि ध॒प मग रि॒सा ऽ ॥

मृदु मध्यम के साथ स्वरविस्तार:—

ऩिरि॒ गम॒ ग ऽ; गम॒ मग म॒ग ऽ; मध॒ पम गम॒ ग; मध॒ निध॒ पम गम॒ ग ऽ; मध॒ निसां रिं॒सां निध॒ पम गरि॒ सा, ऩिरि॒ गम॒ ग ऽ ॥

ध्यान में रक्खें कि "सांनि ध॒प मग म॒ग रि॒सा" इस प्रकार तान लेनेसे "परज" राग हो जायगा.

पूर्वी – त्रिताल.

मथुरा न जावो मोरा कान्ह, मना करे गोपियो.
गोकुल तेरी मथुरा तेरी, ब्रिज में मची धुमधाम.

												सा			
								म	ग	रि॒	सा	नि॒	रि॒	ग	म
								म	थु	रा	न	जा	वो	मो	रा
								०				३			
												सा			
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ग	रि॒	सा	नि॒	रि॒	ग	म
का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्ह	म	थु	रा	न	जा	वो	मो	रा
=				२			*	०				३			
प	ऽ	ऽ	ऽ	ध॒	म	प	म	ग	म॒	ग	ऽ	म	रि॒	ग	ग
का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्ह

*(अंतरा)

								ध॒		ध॒					
ध॒	म	ग	रि॒	ग	रि॒	सा	ऽ	म	ग	म	ध॒	सां	ऽ	सां	ऽ
म	ना	क	रे	गो	पि	यो	ऽ	गो	ऽ	कु	ल	ते	ऽ	री	ऽ
								ग		ध॒		ध॒			
नि	रिं॒	गं	रिं॒सां	निसां	रिं॒नि	ध॒	प	म	ग	म	ध॒	रिं॒	नि	ध॒	प
म	थु	रा	ऽ	तेऽ	ऽ	री	ऽ	ब्रि	ज	में	म	ची	ऽ	धु	म
म												सा			
प	ध॒	म	पम	ग	म॒	ग,	म	ग	रि॒	सा	सा	नि॒	रि॒	ग	म
धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽम,	म	थु	रा	ऽ	न	जा	वो	मो	रा

स्थायी.

का ऽन्ह । । । नि॒रि॒ गम ध॒नि सांरिं॒ । सांनि ध॒प म॒ग रि॒सा, । नि॒रि॒ गम धनि रिं॒गं

मंमं गंरिं॒ सांनि ध॒प । मग रि॒सा, नि॒नि॒ रि॒ग । मथुरा न जावो मोरा

का ऽन्ह, पम गरि॒ । गम प, पध॒ पम । गम॒ गरि॒ गम प, । मध॒ निनि ध॒प मध॒

पम गम् गरि् गम । प, मध् निसां निरिं् । सांनि धप मध् पम । गम् गरि् गम प,

मध् निसां गंगं रिं्सां । निध् पम गरि् सा । मथुरा न जावो मोरा

का ऽन्ह । । । निरि् गग, रि्ग मम,। गम धध्, मध् निनि,। धनि रिंरिं्, निरिं् गंगं,

रिं्गं मंमं गंरिं् सांनि। धप मग, मध् निरिं् । गंगं रिं्सां निनि धप। मग, मध् निसां रिंरिं्

सांनि धप मग, मध् । सांनि धप मग रि्सा । मथुरा न जावो मोरा

का ऽन्ह । । । मम गम मग रि्सा, । निनि धनि निध् पम ।गरि् सा, मंमं गंमं

मंगं रिं्सां निध् पम । गरि् सा, निरि् गम । धनि रिं्गं मंमं गंरिं् । सांनि धप, मध् निरिं्

गंगं रिं्सां निध् पम । गम् ग मग रि्सा । मथुरा न जावो मोरा कान्ह.

अंतरा. "गोकुल तेरी"

निरिं् गंमं गंरिं् सांनि ।धप मग रि्सा निसा,।मग रि्ग, पम गम,।निध् मध्, सांनि धनि,

रिं्सां निसां, गंमं गंरिं् । सांनि धप मग रि्सा । गोकुल तेरी

निरिं् गंमं् गंरिं् गंमं । पंमं गंमं् गंरिं् सांनि । धप मग रि्सा, निरि् । गम् गरि् गम धनि

मध् निरिं् गंगं रिं्सां । निध् पम गरि् सा । गोकुल तेरी

गंगं रिं्सां, रिंरिं् निध्,।निनि धप, धध् पम,।पप मग, मम गरि्,।गग रि्सा, निरि् गम

प, रि्ग मध् नि, । गम धनि सां ऽ । गोकुल तेरी

सांनि धप मप मग । रि्ग ऽम रि्ग मप । गम ऽप गम पध् । सांनि धप मग रि्सा,

पम गरि्, धप मग,।निध् पम, सांनि धप,।रिं्सां निध्,गंरिं् सांनि,।मंगं रिं्सां, पंमं गंरिं्

सांनि धप मग रि्सा, । गम पध् मप सां । गोकुल तेरी, इ. इ.

बोलतानें. "मथुरा न जावो मोरा"

प ऽ । ।	। । । ।	ग म, प ध्	प, म प म,
का न्ह । ।	। । । ।	म थु, रा ऽ	न, जा ऽ वो,
ग म् ग, म	ग रि् सा सा	म ग रि् सा	नि़ रि् ग म
मो ऽ रा, का	ऽ ऽ ऽ न्ह	म थु रा न	जा वो मो रा
प ऽ । ।	। । । ।	नि़ रि् ग म	प ऽ म, ध्
का ऽन्ह । ।	। । । ।	म थु रा ऽ	ऽ ऽ न, जा
रि्' नि, ध् नि	ध्, म ध् प	म ग रि् सा	नि़ रि् ग म
ऽ वो, मो ऽ	रा, का ऽ न्ह	म थु रा न	जा वो मो रा
प ऽ । ।	। । । ।	मप मध् पध् मप	मप मग म् ग
का ऽन्ह । ।	। । । ।	मऽ ऽथु ऽ राऽ	नऽ ऽजा ऽ वो
पम गरि् सा, नि़रि्	गम पम गम् ग	म ग रि् सा	नि़ रि् ग म
मोऽ ऽ रा, काऽ	ऽ ऽ ऽ ऽन्ह	म थु रा न	जा वो मो रा
प ऽ । ।	। । । ।	गम पम ग, गम	पध् पम गम् ग,
का ऽन्ह । ।	। । । ।	मऽ ऽ थु, राऽ	नऽ जाऽ ऽ वो,
गम पध् निध् पम	गध् पम गम् ग	म ग रि् सा	नि़ रि् ग म
मोऽ ऽ ऽ राऽ	काऽ ऽ ऽ ऽन्ह	म थु रा न	जा वो मो रा
नि़रि् रि्ग गम मध्	ध्नि निरिं रिंगं गंमं	पंमं गंरिं सांनि ध्प	मग रि्सा नि़रि् गम
मऽ थुऽ राऽ नऽ	जाऽ वोऽ मोऽ राऽ	काऽ ऽ ऽ ऽन्ह	मथु रान जावो मोरा
प ऽ । ।	। । । ।	साग रि्सा, रि्ग गरि्,	गप मग, मध् पम,
का ऽन्ह । ।	। । । ।	मऽ ऽ, थुऽ ऽ,	राऽ ऽ, नऽ ऽ,

पनि धृप, धृसां निधृ,	निरिं सांनि, सांगं रिंसां	निधृ पम गमृ ग	मग रिसा निरि गम
जाऽ ऽ, वोऽ ऽ,	मोऽ ऽ, राऽ ऽ	काऽ ऽ ऽ ऽन्ह	मथु रान जावो मोरा
प ऽ । ।	। । । ।	म ग रि सा	नि रि ग म
का ऽन्ह । ।	। । । ।	म थु रा न	जा वो मो रा
निरि गरि गम गम	पधृ निसां निधृ पम	धृप मप मग मृग	मग रिसा निरि गम
मऽ ऽथु ऽ राऽ	ऽ ऽ ऽ नऽ	जाऽ ऽवो ऽ मोऽ	राऽ ऽ जावो मोरा
प ऽ । ।	। । । ।	निसां निरिं सांनि धृप	मप मधृ पम ग
का ऽन्ह । ।	। । । ।	मऽ ऽथु राऽ नऽ	जाऽ ऽवो मोऽ रा
गमृ गम गरि सासा	निरि गरि गम पधृ	म ग रि सा	मग रिसा निरि गम
काऽ न्हम नाऽ करे	गोऽ ऽपि योऽ ऽ	म थु रा न	मथु रान जावो मोरा
प ऽ । ।	मप मधृ पम, निसां	निरिं सांनि, मप मधृ	पम, गम गप मग,
का ऽन्ह । ।	मऽ ऽथु ऽ, राऽ	ऽन ऽ, जाऽ ऽवो	ऽ, मोऽ ऽरा ऽ,
१	२		३
मग रिग, मग रिसा	निरि गम प, मग	रिसा निरि गम प,	मग रिसा निरि गम
काऽ ऽन्ह, मथु रान	जावो मोरा कान, मथु	रान जावो मोरा कान,	मथु रान जावो मोर।
प			
कान्ह			

राग - सोहनी.

---*---

रागांग विस्तार.

(१) सा ग ऽ, म ध नि सां ऽ रिं सां ऽ; सां ऽ नि ध ऽ;

म ध नि ध ऽ म ग ऽ; म ग रि् सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि् सा ऽ नि़ ध़ ऽ; म़ ध़ नि़ सा ऽ रि् सा ऽ;

ग ऽ, म ग ऽ; ध म ग ऽ; निध मध निध मग ऽ;

ग म ध ग ऽ, म ग रि् सा ऽ ॥

(३) ग ऽ म ध ऽ नि नि सां ऽ, सां रिं सां रिं ऽ नि नि

सां ऽ; ध नि सां गं ऽ, मं गं रिं सां ऽ; नि ध नि

सां ऽ, नि ध ऽ ग ऽ; म ध नि सां ऽ रिं रिं सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि़सा गरि् सा ऽ; नि़सा गम गरि् सा ऽ; नि़सा गम धम गरि् सा ऽ; नि़सा गम धनि धम गरि् सा ऽ; नि़सा गम धनि सांनि धम गरि् सा ऽ; नि़सा गम धनि सांरिं सांनि धम गरि् सा ऽ; नि़सा गम धनि सांगं मंगं रिंसां निनि धम गरि् सा (अथवा) नि़सा गम धनि सां निरिं गंमं गंरिं सांनि धम गरि् सा ऽ ॥

सोहनी – त्रिताल

काहे बजाई बीन सांवरे मन मोहन गोपाल लाल तुने.
श्रवण सुनत है धुन मुरली की, मोह लियो सब ग्वाल बाल तुने.

| ऽ सा ग ग | म ऽ धनि मध
| ऽ का हे ब | जा ऽ ईऽ ऽ
० ३

सां ऽ सां सां | नि रिं सांरिं निसां | सां सां निसां रिंसां | नि ध म ध
बी ऽ न सां | ऽ व रेऽ ऽ | म न मोऽ ऽ | ह न गो ऽ
× २ *० ३

*(अंतरा)

धनि सांनि ध गम | ऽ ग रि सा | म ध म ध | नि सां सां ऽ
पाऽ ऽ ल ला | ऽ ल तु ने | श्र व ण सु | न त है ऽ

सां रिं सां रिं | नि ऽ सांरिं निसां | नि रिं गं मं | गं ऽ रिं सां
धु न मु र | ली ऽ कीऽ ऽ | मो ऽ ह लि | यो ऽ स ब

धनि सांनि ध गम | ऽ ग रि सा | ऽ सा ग ग | म ऽ धनि मध
ग्वाऽ ऽ ल बाऽ | ऽ ल तु ने | ऽ का हे ब | जा ऽ ईऽ ऽ

स्थायी.

सां ऽ ऽ ऽ | निसा गम, साग मध, | गम धनि, मध निसां, | धनि सांगं, मंगं रिंसां,
बि ऽ ऽ न | आऽ ऽ, ऽ ऽ, | ऽ ऽ, ऽ ऽ, | ऽ ऽ, ऽ ऽ

गंरिं सांनि, रिंसां निध । गम धग मग रिसा । काहे बजाई

बी ऽ ऽ न । साग रिसा, रिम गरि, । गध मग, मनि धम, । धसां निध, नि सानि,

सांगं रिंसां, रिंमं गंरिं । सांनि धम गरि सासा । काहे बजाई

बी ऽ ऽ न । निसा गग रिसा, रिग । मम गरि, गम धध । मग, मध निनि धम,

धनि सांसां निध, निसां । गंगं रिंसां, रिंगं मंमं । गंरिं, निसां गंगं रिंसां, । धनि सांसां निध, मध

निनि धम, गम धध । मग, रिग मग रिसा । काहे बजाई

गग रिरि, मम गग, । धध मम, निनि धध, । सांसां निनि, रिंरिं सांसां, । गंगं रिंरिं, मंमं गंगं

रिंरिं सांसां निनि धध । मम गग रिरि सासा । काहे....सांवरे

अंतरा. " श्रवण सुनत है "

धनि सांसां निध, मध । निनि धम, गम धध । मग, रिग मग रिसा; । निसा गम धनि सांगं

मंमं गंरिं सांनि धम । गम धनि **सां** ऽ । श्रवण सुनत है

सांनि धनि **सां**, निध । मध **नि**, धम गम । **ध**, मग रिग **म**, । गरि **सा**; निसा **ग**,

साग **म**, गम **ध**, । मध **नि**, धनि **सां** । श्रवण सुनत है

निसां रिंध निसां मध । निग मध रिग मसा । रिग । निसा रिध निसा, । साग गम मध धनि

निसां सांगं गंमं गंरिं । सांनि धम धनि **सां** । श्रवण सुनत है

गंमं रिंगं सांरिं निसां । धनि मध गम रिग । सारि निसा, निरि साग । रिम गध मनि धसां

निरि साग रिंमं गंरिं । सांनि धम, गम धनि । ¹**सां सा**, गम धनि । ²**सां सा**, गम धनि ³

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ ।

बोलतानें.

				ध		ध	
ऽ	सा	ग	ग	म	ऽ	धनि	मध
ऽ	का	हे	ब	जा	ऽ	ईऽ	ऽ

ऽ	म	ग,	ध	म,	नि	ध,	सां	नि,	रिं	सां,	रिं	नि,	सां	ध,	नि
ऽ	का	हे,	ब	जा,	ई	बी,	न	सा,	ब	रे,	म	न,	मो	ह,	न
म,	ध	ग,	म	ग,	रि	सा	नि	ऽ	सा	ग	ग	सांरिं	सांरिं	ऽ	सां
गो,	पा	ल,	ला	ऽ,	ल	तु	ने	ऽ	का	हे	ब	काऽ	हेऽ	ऽ	ब
निसां	निसां	ऽ	नि	धनि	धनि	ऽ	ध	मध	मध	ऽ	म	गम	गम	ऽ	ग
जाऽ	ईऽ	ऽ	बी	नऽ	साऽ	ऽ	ब	रेऽ	मऽ	ऽ	न	मोऽ	हऽ	ऽ	न
रि	म	ध	नि	सां	रिं	गं									
सा	ग	म	ध	नि	सां	रिं	सां	ऽ	सा	ग	ग	म	ऽ	धनि	मध
गो	पा	ऽ	ल	ला	ल	तु	ने	ऽ	का	हे	ब	जा	ऽ	ईऽ	ऽ
सां	ऽ	।	।	।	।	।	।	निसां	निरिं	सांसां	सांसां	धनि	धसां	निनि	धध
बी	ऽन	।	।	।	।	।	।	काहे	ऽब	जाई	बीन	साऽ	ऽव	रेऽ	मन
मध	मनि	धध	मम	गम	गध	मग	रिसा	ऽ	सा	ग	ग	म	ऽ	धनि	मध
मोऽ	हन	गोपा	ऽल	लाऽ	ऽल	तुऽ	नेऽ	ऽ	का	हे	ब	जा	ऽ	ईऽ	ऽ
सांरिं	सांनि	सांनि	धनि	धनि	धम	धम	गम	गम	गम	गरि	साऽ,	साग	मग	मध	मध
काऽ	ऽहे	ऽ	बऽ	जाऽ	ऽई	ऽ	बीऽ	नऽ	ऽसा	ऽ	वऽ,	रेऽ	ऽम	ऽ	नऽ
मध	निध	निसां	निसां	रिंसां	ऽरिं	निसां	निसां	ऽ	सा	ग	ग	म	ऽ	धनि	मध
मोऽ	ऽह	ऽ	नऽ	गोपा	ऽल	लाल	तुने	ऽ	का	हे	ब	जा	ऽ	ईऽ	ऽ

सां	ऽ	।	।	सांरिंसां	निसांनि	धनिध	मधम	गमग	सागम
बी	ऽन	।	।	काऽहे	बजाई	बीऽन	सावरे	मऽन	मोहन

गमध मधनि	धनिसां निसांगं	सांगंमं गंरिंसां	सागम धमध
गोपाल लाऽल	तुऽने काऽहे	बजाई बीऽन	काऽहे बजाई

सां ऽ । ।	। । । ।	गम धध मग, मध	निनि धम, धनि सांसां
बी ऽन । ।	। । । ।	काऽ ऽहे ऽ, बऽ	ऽजा ऽ, ईऽ ऽबी

निध, निसां रिंरिं सांसां,	धनि सांसां निध, मध	निनि धम, गम धध	मग, साग मम गरि,
ऽ, नऽ ऽसा ऽ,	बऽ ऽरे ऽ, मऽ	ऽन ऽ, मोऽ ऽह	ऽ, नऽ ऽगो ऽ,

(ध) सा ग मध निसां	(१ ध) ऽसां गग म ध	(२ ध) सां सांग ग मध	(३ ध) सां सांग ग मध
पा ल लाल तुने	ऽका हेब जा ई	बी नब जा ईऽ	बी नब जा ईऽ

सां ऽ ऽ ऽ
बी ऽ ऽ न

राग हिंदोल.

रागांग विस्तार.

(१) सा, ग ऽ, सा ऽ; सा ग म ग ऽ; ग म ध म ग ऽ; म ग ऽ सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि ध ऽ, म ध (ध) सा ऽ; ग ऽ, सा ऽ; म ग सा ऽ; ध म ग सा ऽ; नि ध म ग ऽ, म ग ऽ, सा ऽ ॥

(३) सा ग म ध सां (ग म ध नि) ऽ; नि ध म ग ऽ, म ग ऽ, सा ऽ ॥

म ध नि सां सां
(४) ग ऽ म ध सां ऽ सां ऽ; सां गं गं मं गं ऽ सां ऽ; ध सां ऽ;

ध
मध मसां ऽ; सां ध म ग ऽ; म ग ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) सासा गग सासा ऽ; सासा गग मम गम मग सासा ऽ; सासा गग मम धध मम गम मग सासा ऽ; सासा गग मम धध निनि धम गग सासा ऽ; सासा गग मम धध मध सांसां निनि धम गग सासा ऽ; सासा गग मम धध सांसां गंगं सांनि धम गग सासा ऽ; सासा गग मम धध सांसां गंगं मंमं गंसां निनि धम गग सासा ऽ ॥

(२) साग सा ऽ; साग मग सा ऽ; साग मध मग सा ऽ; साग मध निध मग मग सा ऽ; साग मध सां ऽ, निध मग मग सा ऽ; साग मध सांसां गंगं सांनि धम गग सासा ऽ; साग मध मध सांसां मंमं गंसां निध मग मग सासा ऽ ॥

हिंदोल—त्रिताल.

व्रजपति जागो भोर भई री, बाँसी की धुन बाज रही री.
सब सखियां हिंदोल झुलावत, गावत हर गुन हरख भरी री.

								: सां	सां	ध	म	ऽ	ग	ऽ	सा
								व्र	ज	प	ति	ऽ	जा	ऽ	गो
								०				३			
सा ध	ऽ	निध	मध	धम	ध	सा	ऽ :	नि सा	ऽ	ग	ऽ	म	ग	म	ध
भो	ऽ	रऽ	भऽ	ई	ऽ	री	ऽ :	बाँ	ऽ	सी	ऽ	की	ऽ	धु	न
×				२				०				३			

* अंतरा ध

सां ऽ सां सां	सां ध सां मध	ग ग म ध	सां ऽ सां ऽ
बा ऽ ज र	ही ऽ री ऽ	स ब स खि	यां ऽ हिं ऽ
सां गं गं मं	गं ऽ सां सां	मं ऽ गं मं	गं गं सां सां
दो ऽ ल झु	ला ऽ व त	गा ऽ व त	ह र गु न
सां सां सां सां	सां ध सांम ऽध	सां सां ध म	ऽ ग ऽ सा
ह र ख भ	री ऽ रीऽ ऽ	ब्र ज प ति	ऽ जा ऽ गो

स्थायी.

सासा गग मम धध । सांसां सांध सांम ऽध । ब्रजपति जागो

सासा गग मध सांसां । गंगं सांध सांम ऽध । ब्रजपति जागो

सासा गग गग सासा । गग मम मम गग । मम धध धध मम । धधसांसां सांसां धध

सांसां गंगं गंगं सांसां । सांसां निध निम ऽध । ब्रजपति जागो

मम गम मग सासा, । निनि धनि निध मम । गग सासा, मंमं गंमं । मंगं सांसां निनि धम

गग सासा, साग मध । सांसां सांध सांम ऽध । ब्रजपति जागो

साग गसा निम धसा ।सानि निध धम धसा ।सासा गग मम गग । सासा गग मध सांसां

धम गम धसां गंसां । मंमं गंसां निनि मध । ब्रजपति जागो भोर भई री

अंतरा. "सब सखियां हिं"

दो ऽ ल झु । ला ऽ व त । सां धमां, मध सां, । गग मध सां ऽ,

सासा गग मम धध । गग मम धध सां,। सांगं सांध निध मध । मग मग साग सा,

सासा साग गग मम। मध धध मध सां। सब सखियां हिं

मंमं गंसां,गंगं सांनि,।सांसां निध, निनि धम,।धध मग, मम गसा;।साम गसा,गध मग,

मनि धम, धसां निध,। सांगं सांनि मध सां। सब सखियां हिं

मंगं गंसां सांनि निध। धम मग सा ऽ,। साग गम मध धसां। सांगं गंमं गंसां ऽसां

निध ऽम, धम ऽग,। मग ऽसा, गम धसां। सब सखियां हिं

दो ऽ ल ह्यु। ला ऽ व त। स ब स खि।
= २ ०

सांगंसां निसांनि धनिध मधम ॥ गमग सागसा, सागसा मऽम,।
३ =

गमग धऽध, मधम सांऽसां,। निधम धमग मगसा ऽ,साग।
२ ० १

मधसां, सागम धसां,सा गमध ॥ सां
३ २ ३ =

बोलतानें. "ब्रजपति जागो"

साग मग मध मध	सांगं ऽसां सांध सांम	ऽध सांध धम ऽग,	सांसां धम गऽ साऽ
ब्रज पति जागो भोर	भई ऽरी बंसी कीधु	ऽन बाज रही ऽरी,	ब्रज पति जाऽ गोऽ

ग म ध नि ध

सा ग म ध	सां ध सां मध	सां सां ध म	सांगं सांध सांध मध
भो ऽ र भ	ई ऽ री ऽ	ब्र ज प ति	ब्रज पति जागो भोर

सांध ऽम गग मग | ऽसा गम धसां मध | सां सां ध म | ऽ ग ऽ सा
भई ऽरी बंसी कीधु | ऽन बाज रही ऽरी | ब्र ज प ति | ऽ जा ऽ गो

सा
ध ऽ साम ध | सा ऽ सा ऽ | गग सासा, मम गग, | धध मम, निनि धध,
मो ऽ रऽ भ | ई ऽ री ऽ | ब्रऽ जऽ , पऽ तिऽ, | जाऽ गोऽ, भोऽ रऽ,

सांसां निनि, गंगं सांसां, | निनि धध मम गग | साग मध सांसां मध | सांसां धम गग सासा
भऽ ईऽ, रीऽ ऽ , | बंऽ सीऽ धुऽ नऽ | बाऽ जर हीऽ ऽरी | ब्रज पति जाऽ गोऽ

ग म ध नि ध
सा ग म ध | सां ध सां मध | सां सां ध म | ग सा सा ऽ
मो ऽ र भ | ई ऽ री ऽ | ब्र ज प ति | जा ऽ गो ऽ

निसां निसां धनि मध | धनि धनि मध गम | मध मध गम गसा, | सांग साग, गम गम,
ब्रऽ जऽ पऽ तिऽ | जाऽ गोऽ भोऽ रऽ | भऽ ईऽ रीऽ ऽ, | बंऽ सीऽ, धुऽ नऽ,

मध मध, सांगं सांगं | मंमं गंसां निनि मध | सां सां ध म | ऽ ग ऽ सा
बाऽ जऽ, रऽ हीऽ | रीऽ ऽ ऽ ऽ | ब्र ज प ति | ऽ जा ऽ गो

सांगं ऽसां, धसां ऽध, | मध ऽम, गम ऽग, | साग मग मध सांसां | मध सांसां धम गसा
ब्रज ऽप, तिजा ऽगो, | भोर ऽभ, ईरी ऽबं, | सीकी धुन बाज रही | ऽरी ब्रज पति जागो

नि ध
सा ग म ध | सां ध सांसां मध | सांगंसां निसांनि धनिध मधम |
भो ऽ र भ | ई ऽ रीऽ ऽ | ब्रऽज पऽति जाऽगो भोऽर |
= २ ०
१

गमग सागसा, गमग मधम ‖ धनिध सांसांऽ, सांसां धम |
भऽई रीऽऽ, बंऽसी धुऽन ‖ बाऽज रहीऽ, ब्रज पति |
३ =

२ ३
गऽ साऽ ऽ, सांसां | धम गऽ साऽ ऽ | सांसां धम गऽ साऽ ‖
जाऽ गोऽ ऽ, ब्रज | पति जाऽ गोऽ ऽ | ब्रज पति जाऽ गोऽ ‖
२ ० ३

सा ध

धृ ऽ निृधृ मृधृ | पृ धृ सा ऽ | ऽ ऽ, साम गम | गध मध मनि धनि
मो ऽ रऽ मऽ | ई ऽ री ऽ | ऽ ऽ, ब्रज ऽप | तिजा ऽगो भोर ऽभ

१ २ ३

धसां निसां सांगं ऽगं | सांसां धम ऽध, सांसां | धम गसा, सांसां धम | गसा, सांसां धम गसा
ईरी ऽबं सिंधु ऽन | बाज रहीं ऽरी, ब्रज | पति जागो, ब्रज पति | जागो, ब्रज पति जागो

भोर भई री.



हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका

प्रथम भाग समाप्त.

संगीत ग्रंथों की सूची.

नोटेशन के साथ हिंदी भाषा के पुस्तकें.

(डांक महसूल अलग)	रु. आं.
भारतीय श्रुति-स्वर-राग शास्त्र	३—०
संगीत श्रुति-स्वर शिक्षा	१—०
प्राचीन मूर्छना अर्थात् आधुनिक शास्त्रीय थाट-पद्धति ...	०-१२
राग-लक्षण-गीतमालिका, प्रथम भाग	१—८
राग-लक्षण-गीतमालिका, द्वितीय भाग	२—८
हिंदुस्तानी संगीत की एनसाईक्लोपीडिया (छे भाग)	
१ कल्याण थाट के १७ रागों के उत्तमोत्तम पदसंग्रह के पुस्तक	२—८
२ बिलावल थाट के २२ रागों के " "	२—०
३ संधिप्रकाश थाटों के ४५ रागों के " "	३—०
४ काफी थाट के ४० रागों के " "	३—८
५ आसावरी, भैरवी तथा तोडी थाट के २० रागों के पदसंग्रह	२—०
६ खमाज थाट के १२ रागों के "	१—४
हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तमालिका (भाग १ से ४)	४—८
" " " प्रत्येक भाग ...	१—८
ख्याल गायकी (आलाप, तान, बोलतान के साथ)	१—८
दिलखुष उस्तादी गायकी (अलाप, तान, बोलतान के साथ, प्रथम भाग)	१—८
दिलखुष उस्तादी गायकी " " द्वितीय भाग	०-१२
तान प्रवेश (२०० किसम २ के तानों के संग्रह)	०-१२
राग सिरीझ (छे भाग, आलाप तान के साथ) प्रत्येक भाग ...	०-१२
सन्त गीत लहरी (८५ अपूर्व भजनों के स्वरताललिपिबद्ध संग्रह.)	१—८
सितार होम-ट्यूटर	१—८
सितार गत-तोडा संग्रह	१—०

નોટેશન સાથે ગુજરાતી ભાષાના પુસ્તકો.

ઘટાડેલી કિંમત	રૂ. આ.
હિન્દુસ્તાની સંગીત વિદ્યા (બીજો તથા ત્રીજો ભાગ) પ્રત્યેક ભાગ	૧—૦
શાસ્ત્રીય સંગીત કળા શિક્ષક (આલાપ, તાન સાથે) ...	૧—૮
જવાહિરે જરથોસ્તી સંગીતમાળા (બે ભાગ) પ્રત્યેક ભાગ	૦-૧૨

३२२, मेन स्ट्रीट, कॅंप पूना. पंडित फिरोझ फ्रामजी.

Research Work
ON
INDIAN MUSIC.

(भरतमुनि, सार्ङ्गदेव प्रभृति प्राचीन महर्षियों के मत प्रमाण)

भारतीय श्रुति-स्वर-राग शास्त्र.

इस ग्रन्थ में प्राचीन शुद्ध स्वरों से अर्वाचीन स्वरों का मिलान, प्राचीन शास्त्रकारों की सारणा-चतुष्टयी से प्रचलित वीणे के स्वरों का मिलान, संगीत रत्नाकर के "साधारण-प्रकरण" में लिखे हुए श्रुति साधारण, स्वर साधारण, ग्राम साधारण इत्यादि विषयों के परमगोप्य मर्म, प्राचीन मूर्छनाओं में से आधुनिक थाटों की उत्पत्ति, वह थाटों में सम्भवते हुए १७० आधुनिक रागों के स्वरों के श्रुत्यंतर, कम्पनसंख्या, वादी-संवादी स्वर इत्यादि के पूर्ण विवरण, और श्रुति, स्वर, ग्राम, मूर्छना, रागादि के सम्बन्ध में बहुतसे संगीतोपयोगी विषयों का विस्तारपूर्वक हाल लिखा है.

मूल्य ३ रु.

मुद्रक—शंकर नरहर जोशी, मॅनेजर, चित्रशाळा प्रेस, १०२६ सदाशिव पेठ, पूना नं. २
प्रकाशक—पंडित फिरोज़ फ्रामजी, २२२, मेन स्ट्रीट. कॅंप, पूना.

Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Schools & Colleges.)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका

अर्थात्

तानालापसह गाने बजाने को सहलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रमिक पुस्तक.

भाग २ रा.

इस द्वितीय भाग में १५ प्रचलित आलापयोग्य रागों के २० चुनींदा हिंदी पदें उन के रागांगविस्तार, स्वरविस्तार, तान और बोलतानों के साथ बहुत गमकदार नोटेशन में दिया है.

लेखक और प्रकाशकः

पंडित फिरोझ फ्रामजी (संगीतशास्त्री).

Research Scholar & Author of 30 Books on Indian Music.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १॥ रुपया.

Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Schools & Colleges.)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका

अर्थात्

तानालापसह गाने बजाने को सहलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रमिक पुस्तक.

भाग २ रा.

इस द्वितीय भाग में १५ प्रचलित आलापयोग्य रागों के २० चुनींदा हिंदी पदें उन के रागांगविस्तार, स्वरविस्तार, तान और बोलतानों के साथ बहुत गमकदार नोटेशन में दिया है.

लेखक और प्रकाशकः

पंडित फिरोझ फ्रामजी (संगीतशास्त्री).

Research Scholar & Author of 30 Books on Indian Music.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १॥ रुपया.

OPINION

of Ali Janab Raja Muhomed Nawab Alikhan, M. L. C.
Talukedar Akbarpur.

Lucknow, 3rd March 1934.

Dear Mr. Firoze,

Please accept my grateful thanks for the books on music which you have sent me. Your zeal in the cause of music is highly praiseworthy and I have no doubt that the music-loving public will derive a great deal of pleasure and profit from your publications.

Yours Sincerely,
Sd./—**Nawab Ali Khan.**

OPINION

of Rai Saheb H. L. Varma, M. B. E.
Deputy Commissioner, Balaghat, C. D.

This is to say that I have known Pandit Firoze Framjee of Poona for some years. He has published a very large number of books on Indian music and in some of them he has satisfactorily explained the scale and Shruti. As regards tho problem of Shrutis he must have devoted considerable labour in studying old books to comprehend their correct significance. He has advanced the cause of Indian Music considerably by writing the books in easy language and notation. His labours in this direction deserve recognition.

Sd./—**H. L. Varma,**
Rai Saheb, M. B. E.
Balaghat, C. D.
30-7-36

द्वितीय पुस्तक के पदों की सूची.

[इति सूचिपत्र समाप्त]

शुद्धिपत्र.

पृष्ठ.	विषय.	लाईन.	अशुद्ध.	शुद्ध.
१०८	(नोटेशन)	४	म्॑म्॑ गम्॑ म्॑ग॑ सांसां। निनि धनि निध म्ग।	म्म् गम् म्ग सासा,
११३	(अंतरा)	५	। रिंरिं सांनि।	। रिंरिं सांनि्।
११४	(बोलतानें)	५	| गम् धऽ | तन ऽसे |	| गम् ऽध | तन ऽसे |
१३५		८	रसूऽघेऽ	रसूऽघे
१४६	(अंतरा)	४	सानि्	सांनि्
१४८		१३	। प नि् सां गं	। प नि् सां गं्
१५३		१३	। नि प ऽम्।	। नि् प ऽम्।
१६२	(रागांगविस्तार नं. ४)	१	गं् मं् ग्	गं् मं् गं्
१६२	(स्वरविस्तार)	१	म्म् गसा ऽ;	म्म् ग्सा ऽ;
१७१		५	स्वर क्या	स्वर का
१७४	(रागांगविस्तार नं. ४)	१	रे् म् प ऽ;	रे् म प ऽ;
१८४		१७	नि रि ग म।	नि् रि् ग म
१८७	(नोटेशन)	९	। नि् रिं् गं मं।	। नि रिं् गं मं।

[इति शुद्धिपत्रं समाप्त.]

सशास्त्र

हिंदुस्थानी गायकी

क्रमिक पुस्तक मालिका

(द्वितीय पुस्तक.)

राग भिन्नषड्ज.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ ग ऽ, म् ग ऽ सा ऽ; ग म् ध ग ऽ; म् ग सा ऽ ॥

नि़

(२) नि़ सा ऽ, ध़ नि़ सा ऽ; ग म् ध ऽ, म्ग म्ध नि ध ऽ;

सां नि ध ऽ; निध म्ध ऽ, ग म् ग सा ऽ ॥

(३) गम् धनि सां ऽ निध सां ऽ; सां गं ऽ सां ऽ; गं मं् गं सां ऽ;

सां नि ध ऽ; सा नि़ ध़ ऽ; ध ऽ, म्ध निसां निध म्ग म्ग

सा ऽ, नि़सा गम् धनि सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि़सा गम् गग सासा ऽ; नि़सा गम् धध म्ग सासा ऽ; नि़सा गम् धनि निध म्ग सासा ऽ; नि़सा गम् धनि सांसां निनि धम् गग सासा ऽ; नि़सा गम् धनि सांगं सांनि धम् गग सासा ऽ; नि़सा गम् धनि सांगं मंमं् गंसां निनि धम् गग सासा ऽ ॥

भिन्नषड्ज त्रिताल. (मध्यम द्रुत लय)

कान्हा करे मोसे रार,

अबहीं जाय करूंगी पुकार, झगर गगरि मोरि दीनि डार. — कान्हा

अंछर जा जसोदा सों कहियो, अपने लंगर ढीट को संभार. — कान्हा

								ध							
								नि	ध	ऽ	ग	म्	ध	ऽ	नि
								का	न्हा	ऽ	क	रे	मो	ऽ	से
								०				३			

सां	ऽ	ऽ	सां	धनि	सांनि	ध	ऽ	सां	सां	सां	ऽ	निसां	निसां	नि	ध
रा	ऽ	ऽ	र	हांऽ	ऽ	रे	ऽ	अ	ब	हीं	ऽ	जाऽ	ऽ	य	क
=				२				*०				३			
ग	ग	ऽ	म्	ग	ऽ	सा	सा	सा	नि़	ध़	नि़	सा	सा	ग	ऽ
रूं	गी	ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	र	झ	ग	र	ग	ग	रि	मो	ऽ

*(अंतरा)

								म्							
म्	ध	ऽ	नि	सांसां	निसां	निध	म्ध	ग	ऽ	म्	ध	नि	सां	सां	सां
रि	दी	ऽ	नि	डाऽ	ऽ	ऽ	रऽ	अं	ऽ	छ	र	जा	ऽ	ज	सो
सां	ऽ	गं	सां	निसां	नि	ध	ऽ	ध	नि	सां	गं	मं	मं	गं	सां
दा	ऽ	सो	ऽ	कऽ	हि	यो	ऽ	अ	प	ने	लं	ग	र	ढी	ऽ
								ध							
नि	सां	ऽ	ध	म्ध	निसां	निध	म्ध	नि	ध	ऽ	ग	म्	ध	ऽ	नि
ट	को	ऽ	सं	भाऽ	ऽ	ऽ	रऽ	का	न्हा	ऽ	क	रे	मो	ऽ	से

स्थायी.

रा ऽर, नि़सा गम् । धनि **सां** निध म्ध । कान्हा करे मोसे

नि़सा गम् धनि **सां** । निसां गंसां निध म्ध । कान्हा करे मोसे

निसा गम् धनि सांगं । मृंमं गंसां निध मृध । कान्हा करे मोसे

रा ऽ ऽ र । निसा गम् गसा निसा । गम् धनि धम् गम् । धनि सांगं सांनि धनि

सांगं गंमं गंसां निसां । निसां गंसां निध मृध । कान्हा करे मोसे

रा ऽ ऽ र । धनि साग मृग सा । निसा गम् धम् ग । गम् धनि सांनि ध

धनि सांगं मृंगं सां । निसां निसां निध मृध । कान्हा करे मोसे

रा ऽ ऽ र । साग मृध गम् ध । मृध निसां धनि सां । सांनि सांनि धनि ध

धम् धम् गग सा, । गम् धनि निध मृध । कान्हा करे मोसे

रा ऽ ऽ र । गग सासा, मृम् गग, । धध मृम्, निनि धध, । सांसां निनि, गंगं सांसां,

निनि धध मृम् गग, । साग मृध, गम् धनि, । मृध निसां, धनि सांगं, । मृंगं मृंगं मृंगं ऽसां

निध मृध सांनि सांनि । सांनि ऽध निध मृध । कान्हा करे मोसे रार हारे

अंतरा " अंछर जा जसो "

सां निसां धनि सां, । सांनि धम् धनि सां, । सांनि धम् गम् धनि । सां, सांनि धम् गसा

निसा गम् धनि सां । ऽ, गं ऽ सां, । मृंमं गंमं मृंगं सां । ऽ, नि ऽ सां,

धनि सांनि ध ऽ, । गम् धनि सां ऽ । अंछर जा जसो

दा ऽ सो ऽ । कऽ हि यो ऽ । धनि ध, धनि सांनि । ध, धनि सांगं सांनि

ध, धनि सांगं मृंगं । सांनि धम् धनि सां । अंछर जा जसो

धनि सांध निसां धनि । सांनि धम् गग सासा, । सांगं मृंसां गंमं सांगं । मृंगं सांनि धम् गसा

निसा गसा गम् गम् । धम् धनि धनि सां । अंछर जा जसो

गम् धनि सां, ध निसां, । धनि, सांगं मंगं सांसां, । निसां गंगं सांनि, धनि । सांसां निध, मध निनि

धम्, गम् धध मग । सा, गम् धनि सां । अंछर जा जसो

मंमं गंमं मंगं सांसां । निनि धनि निध मग । मम् गम् मग सासा, । निसा मग धम् निध

सांनि गंसां मंगं सांनि । धम् गम् धनि सां । अंछर जा जसो

दा ऽ सो ऽ । कऽ हि यो ऽ । धनि सांगं मंगं मंगं । मंगं सांनि धम् गसा

सासा निसा गग गग, । गग सांग मम् मम्, । मम् गम् धध धध, । धध मध निनि निनि,

निनि धनि सांसां सांसां, । निनि धम् गग सासा, । गम् धनि सां, गम् । धनि सां, गम् धनि (१ २ ३)

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । का न्हा ऽ क । रे मो ऽ से

बोलतानें.

सां	ऽ	ऽ	**सां**	धनि	सांनि	ध	ऽ	**नि**	ध	ऽ	ग	**म**	ध	ऽ	**नि**
रा	ऽ	ऽ	र	हांऽ	ऽ	रे	ऽ	का	न्हा	ऽ	क	रे	मो	ऽ	से
ग	**म**	धनि	धनि	सांनि	ध	ऽ	ध	**ग**	ऽ	**सा**	गम्	**ध**	**म**	मध	निध
का	न्हा	कऽ	रेऽ	ऽ	मो	ऽ	से	रा	ऽ	र	हांऽ	ऽ	ऽ	रेऽ	ऽ
नि	ध	ऽ	**ग**	**म**	ध	ऽ	नि	सांऽसां	ध	ऽ	**नि**	सांऽसां	ध	ऽ	**नि**
का	न्हा	ऽ	क	रे	मो	ऽ	से	राऽर	मो	ऽ	से	राऽर	मो	ऽ	से
सां	ऽ	ऽ	**सां**	धनि	सांनि	ध	ऽ	धनि	**सा**	निसा	**ग**	साग	**म**	गम्	ध
रा	ऽ	ऽ	र	हांऽ	ऽ	रे	ऽ	काऽ	ऽ	न्हाऽ	ऽ	कऽ	ऽ	रेऽ	ऽ

म॒ध नि धनि सां | निसां गंसां निध म॒ध | नि ध ऽ ग | म॒ ध ऽ नि
मोऽ ऽ सेऽ ऽ | राऽ ऽ ऽ रऽ | का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से

सां ऽ ऽ सां | धनि सांनि ध ऽ | नि ध ऽ ऽ | नि़ सा ध़ नि़
रा ऽ ऽ र | हांऽ ऽ रे ऽ | का न्हा ऽ ऽ | का न्हा क रे

सा ग ऽ, म॒ | ध म॒, ध नि | ध, नि सां नि, | सां गं ऽ सां
मो से ऽ, रा | ऽ र, हां ऽ | रे, अ ब हि, | जा ऽ ऽ य

निसां निसां ऽ नि | धनि धनि ऽ ध | नि ध ऽ ग | म॒ ध ऽ नि
कऽ रूंऽ ऽ गि | पुऽ काऽ ऽ र | का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से

रार....मोसे

ग ऽ सा, ध | ऽ म॒, नि ऽ | ध, सां ऽ नि, | गं ऽ सां ऽ
का ऽ न्हा, क | ऽ रे, मो ऽ | से, रा ऽ र, | हां ऽ रे ऽ

ग म॒ ध नि
नि सां ऽ नि | ध ऽ म॒ ऽ | ग म॒ ऽ ग | सा ग म॒ ध
अ ब ऽ हि | जा ऽ य ऽ | क रूं ऽ गि | पु का ऽ ऽ

सां सां नि ध | ऽ नि ध ऽ | नि ध ऽ ग | म॒ ध ऽ नि
ऽ र का न्हा | ऽ का न्हा ऽ | का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से

रार....मोसे

ग सा ऽ, म॒ | ग ऽ, ध म॒ | ऽ, नि ध ऽ, | सां नि ऽ, गं
का न्हा ऽ, क | रे ऽ, मो से | ऽ, रा र ऽ, | हां रे ऽ, अ

सां ऽ, सां नि | ऽ, नि ध ऽ, | ध म॒ ऽ, म॒ | ग ऽ, ग सा
ब ऽ, हि जा | ऽ, य क ऽ, | रूं गि ऽ, पु | का ऽ, र का

ऽ, सा ग म॒ | ध नि सां ऽसां | नि ध ऽ ग | म॒ ध ऽ नि
ऽ, न्हा क रे | मो से रा ऽर | का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से

रार....मोसे

सा ग सा म् | ग म् ग ध | म् ध म् सां | ऽ सां ध सां
का न्हा क रे | मो से रा ऽर | अ ब हि जा | ऽ य क रूं

ध ऽ गं सां | ऽ सां नि सां | नि ध ध ध | म् ध म् ग
गी ऽ पु का | ऽ र झ ग | र ग ग रि | मो रि दी नि

१ २ ३
म् सा म् ग | ध म् नि ध | सां ऽसां, नि ध | सां ऽसां, नि ध
डा ऽर का न्हा | क रे मो से | रा ऽर, मो से | रा ऽर, मो से

सां ऽ ऽ सां | ऽ ऽ ऽ ऽ | ग ग ऽ ग | म् म् ऽ म्
रा ऽ ऽ र | ऽ ऽ ऽ ऽ | का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से

ध ऽ ध ध | ऽ म् ध नि | सां ऽ ऽ सां | नि सां ध नि
रा ऽ र हां | ऽ रे अ ब | हि ऽ ऽ जा | ऽ य क रूं

१
गं ऽ सां सां | सां ऽ ध ध | नि ध ऽ ग | म् ध ऽ नि
गी ऽ ऽ पु | का ऽ ऽ र | का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से

२ ३
नि ध ऽ ग | म् ध ऽ नि | नि ध ऽ ग | म् ध ऽ नि
का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से | का न्हा ऽ क | रे मो ऽ से

सां ऽ ऽ सां |
रा ऽ ऽ र |

भिन्नषडज – त्रिताल (द्रुत लय).

तेरी दया है अपार; प्रभुजी,

तुमरो नाम रटे संसार, निसदिन भक्तन के हितकार. – तेरी

तुम बिन और न पालक मेरो, दया करी हरो दोष हमार. – तेरी

नोट – इस पद " **कान्हा करे मोसे रार** " के पद के नोटेशन में गाना बजाना.

राग खंबावती. (एक प्रकार)

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि सा ऽ, ऩि॒ ध॒ ऩि॒ सा ऽ म् ऽ; ग म् ध ग ऽ, म् ग रि सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, ऩि॒ सा ऽ म् ग ऽ; म् ध ऽ म् ग ऽ; म् ध नि॒ ध ऽ म् ग ऽ; म् ध नि॒ सां, नि॒ ध म् ग ऽ; ध ऽ म् ग ऽ; म् ग रि सा ऽ ॥

(३) ग म् ध नि॒ सां ऽ ध नि॒ सां ऽ; नि॒ सां गं सां ऽ नि॒ ध ऽ; नि॒ सां ऽ मं॒ गं रिं सां ऽ, नि॒ सां रिं सां ऽ नि॒ ध ऽ; सां नि॒ ध ऽ; म् ध नि॒ ध ऽ म् ग ऽ; म् ग रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

ऩि॒सा म्ग रिसा ऽ; ऩि॒सा म्ग म्ध म्ग रिसा ऽ; ऩि॒सा म्ग म्ध नि॒ध म्ग रिसा ऽ; ऩि॒सा म्ग म्ध नि॒सां नि॒ध म्ग म्ग रिसा ऽ; साग म्ध नि॒सां गंसां नि॒ध म्ग म्ग रिसा ऽ; ऩि॒सा गम् धनि॒ सागं मं॒गं रिंसां नि॒ध म्ग म्ग रिसा ऽ ॥

नोट – इस राग की शकल **बागेश्री** राग के तुल्य है अतएव कईक गुणिजन इस को **रागेश्री** राग कहते हैं. **बागेश्री** राग में अतिकोमल गांधार स्वर का उपयोग होता है और इस राग में तीव्र गांधार है. **बागेश्री** में पंचम स्वर थोडा लगाते हैं और इस राग में पंचम स्वर वर्ज्य है. यह दोनों का विशेषतः भेद है.

खंबावती – एकताल.

कोन जतन से मैं खोलुं
गांठरी मैं मोरे पिया के जिया मे परी रे. – कोन
ब्रिज कि सखी आई बन बन, मैं बैठी बीस घोरूं,
अब के फाग सैयां बिरागि, नगर नगर घर डोरूं. -- कोन

सां ऽ	सां नि॒	ध ध	म॑ ग	म॑ ग	रि सा
को ऽ	न ज	त न	से मैं	ऽ खो	ऽ लुं
=	०	२	०	३	४ *
सा ग	म॑ ध	ऽ ध	ग म॑	ध नि॒	सां सां
गां ऽ	ठ री	ऽ मैं	मो ऽ	रे पि	या के
सां गं	ऽ सां	ऽ सां	नि॒ ध	म॑ गम॑	धनि॒ सां
जि या	ऽ मे	ऽ प	री ऽ	ऽ रेऽ	ऽ ऽ

*(अंतरा)

म॑ ग	म॑ ध	ध नि॒	सां सां	सां सां	सां सां
ब्रि ज	कि स	खी ऽ	आ ई	ब न	ब न
सां ऽ	गं ऽ	सां ऽ	सां सां	नि॒ सां	नि॒ ध
मैं ऽ	बै ऽ	ठी ऽ	बि स	घो ऽ	रूं ऽ
सां सां	नि॒ ध	ऽ म॑	म॑ ध	नि॒ सां	ऽ सां
अ ब	के फा	ऽ ग	सै या	बि रा	ऽ गि
सां सां	नि॒ ध	ध म॑	ग म॑	गम॑ ध	म॑ध नि॒
न ग	र न	ग र	घ र	डोऽ ऽ	रूंऽ ऽ

स्थायी. " कोन जतन से मैं खोलुं "

नि॒सा गग । रिसा, साग । म॑म॑ गग, । गम॑ धध । म॑म॑, म॑ध । नि॒नि॒ धध,

धनि॒ सांसां । नि॒नि॒, नि॒सां । गंगं सांसां, । नि॒नि॒ धध । म॑म॑ गग । रिरि सासा ॥

कोन....खोलुं

मम् गम् । मग रिसा, । निनि् धनि् । निध मम् । गरि सा, । मंमं गंमं
मंगं रिंसां । निनि् धम् । गरि सा, । निसा गम् । साग मध । गम् धनि् ॥ कोन खोलुं
निसा गम् । ध, साग । मध नि्, । गम् धनि् । सां, मध । निसा गं,
सांगं सांनि् । सांनि् धनि् । धम् धम् । गम् गसा । गम् गम् । धम् धनि् ॥ कोन खोलुं
गग रिरि । सासा, मम् । गग रिरि । सासा, निनि् । धध मम् । गग रिरि
सासा, रिंरिं । सांसां निनि् । धध मम् । गग रिरि । सासा, निसा । गम् धनि् ॥ कोन खोलुं

अंतरा. "ब्रिज कि सखी आई बन बन"

धनि् सांध । निसां धनि् । सांनि् धम् । गरि सासा, । निसा गम् । साग मध
गम् धनि् । मध निसां । धनि् सांगं । मंगं रिंसां । निनि् धम् । धनि् सां ॥ ब्रिज....बन
निसां गंगं । सांसां, धनि् । सांसां निध, । मध निनि् । धम्, गम् । धध मग,
साग गम् । मध धनि् । निसां सांगं । मंमं गंरिं । सांनि् धम् । धनि् सां ॥ ब्रिज....बन
मंमं गंरिं । गंगं रिंसां । रिंरिं सांनि । सांसां निध । निनि् धम् । धध मग
मम् गरि । गग रिसा ,। साम् गध । मनि् धसां । सांगं सांनि् । धनि् सां ॥ ब्रिज बन
निसां गंध । निसां मध । निग मध । साग मनि् । साग धनि् । साग मध
निसां गंसां । निनि् धम् । गम् धनि् । सां, गम् । धनि् सां । गम् धनि् ॥ कौन खोलुं

बोलतानें.

सा ग | म् ध | ग म् | ध नि् | सां सां | ऽ सां
को न | ज त | न से | ऽ मैं | ऽ खो | ऽ लुं

सां गं | सां नि् | सां नि् | ध नि् | ध म् | ध नि्
गां ऽ | ठ री | ऽ मैं | मो ऽ | रे पि | या के

सां ऽ | सां नि् | ध ध | साग ऽम् | गम् धऽ | म्ध ऽनि्
को ऽ | न ज | त न | कोन ऽज | तन ऽसे | मैंखो ऽलुं

धनि् सांसां | सांगं ऽसां | नि्सां ऽनि् | धनि् ऽध | ऽ म्नि् | धनि् सां || कोन खोलुं
गांऽ ठरी | मैंमो ऽरे | पिया ऽके | जिया ऽमे | ऽ परी | ऽरे ऽ ||

साम् गध | म्नि् धसां | सांगं नि्सां | धसां नि्ध | धनि् धग | म्ग रिसा || कोन खोलुं
कोऽ ऽन | जत नसे | मैंखो ऽलुं | गांऽ ठरी | पिया केजि | यामे परी ||

म्ग रिसा | नि्ध म्म् | सांनि् धध | म्गं रिंसां | नि्सां नि्ध | नि्ध म्ध || कोन खोलुं
कोऽ नऽ | जत नसे | मैंखो ऽलुं | गाऽ ठरी | पिया केजि | यामे परी ||

सागसा गम्ग | म्धम् धनि्ध | नि्सांनि् सांगंसां |
कोऽन जतन | सेऽमैं खोऽलुं | गांऽठ रीऽऽ |
= ० २

नि्सांनि् धनि्ध | म्धम् धनि्ध | म्नि्ध सां ||
पियाके जियामे | परीऽ जियामे | परीऽ रे || कोन खोलुं
० ३ ४

नि्सांऽसां नि्नि्धध | गगऽम् गरिसासा | नि्सानि्सा धनि्सासां |
कोऽऽन जतनसे | मैंखोऽलुं गांऽठरी | पियाकेजि यामेपरी |
= ० २

सागऽग म्म्धध | नि्सांऽसां सांसांसांसां | सांगंऽसां सांसांनि्ध ||
कोऽऽन जतनसे | कोऽऽन जतनसे | कोऽऽन जतनसे || कोन खोलुं
० ३ ४

राग दुर्गा.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, सा रि ऽ, ध़ ऽ सा ऽ; सा रि म्‌ रि ऽ, ध़ सा ऽ ॥

(२) सा रि म्‌ रि प ऽ; ध म्‌ रि ऽ, ध़ सा ऽ; सारि म्‌रि प ऽ;

ध म्‌ रि ऽ, रि प ऽ; म्‌प धम्‌ रि ऽ, ध़ सा ऽ ॥

(३) सारि म्‌प धसां रिंध सां ऽ; सां ध म्‌ रि ऽ; रिम्‌ पध म्‌प

ध ऽ, म्‌ रि ऽ; ध़ सा ऽ ॥

(४) म्‌ ऽ प ध, सां ऽ सां ऽ, सां रिं सां ऽ; सां रिं मं ऽ

मं रिं ऽ; मं रि ऽ; रिम्‌ पध सांरिं ऽ, ध ऽ म्‌ रि ऽ;

ध़ सा ऽ; रिम्‌ पध सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि म्‌म्‌ रिसा ध़सा ऽ; सारि म्‌प म्‌म्‌ रिरि सारि ध़सा ऽ; सारि म्‌प धप धम्‌ रिरि ध़सा ऽ; सारि म्‌प धसां धप म्‌म्‌ रिसा ध़सा ऽ; सारि म्‌प धसां रिंरिं सांध ऽम्‌ रिसा ध़सा (अथवा) सारि म्‌प धसां रिंरिं सांसां धप म्‌म्‌ रिसा ऽ; सारि म्‌प धसां रिंमं मंरिं सांसां धप म्‌म्‌ रिसा ध़सा (अथवा) सारि म्‌प धसां सांरिं मंमं रिंसां धप म्‌म्‌ (अथवा धम्‌) रिसा ध़सा ऽ ॥

नोट – जलद तानों लेनेमें सवलता हो इसी लिए "धप धम्‌ रिसा" के बदले "धप म्‌म्‌ रिसा" ऐसी स्वर रचना करते हैं.

दुर्गा – त्रिताल

परदेसवा सैयां ना जैयो, मन हरवा तुमरे लागूं गरवा.
तुम बिन मोहे कलना परे आली,
खान पान मैंका कछु ना भावे पियरवा. – परदेसवा

											प	ध	म्	ऽ	रि
											प	र	दे	ऽ	स
												३			
प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म्प	धम्	पध	ऽ	म्	ऽ	रि	ऽ	सा	ऽ
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सैऽ	ऽ	यांऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	जै	ऽ
=				२				०				३			
सा						सा		म्	प	ध	सां			सां	
ध्	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ध्	सा	रि	म्	प	ध	ऽ	ऽ	ध	सां
यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	ह	र	वा	ऽ	ऽ	ऽ	तु	म
धरिं	सांसां	ध	म्	म्प	मम्	रि	सा	रिध्	ऽ	सा,	प	ध	म्	ऽ	रि
रेऽ	ऽ	ला	ऽ	गूंऽ	ऽ	ग	र	वाऽ	ऽ	ऽ,	प	र	दे	ऽ	स

(अंतरा)

प	ऽ	ऽ,	म्	म्	पध	सांरिं	ध	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रिंध	ऽ
वा	ऽ	ऽ,	तु	म	बिऽ	ऽ	न	मो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सां	ऽ	ऽ	सां	ध	सां	ऽ	रिं	सांरिं	सांसां	ऽ	ऽ	धसां	धप	म्	ऽ
हे	ऽ	ऽ	क	ल	ना	ऽ	प	रेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आऽ	ऽ	ली	ऽ
								म्							
म्प	धसां	धप	म्	ऽ	म्	रि	सा	रि	प	ऽ	प	प	धसां	धध	सांरिं
खाऽ	ऽ	नऽ	पा	ऽ	न	मैं	ऽ	का	ऽ	ऽ	क	छू	नाऽ	ऽ	भाऽ
सांसां	रिंसं	रिंरिं	रिं	सांरिं	मंमं	रिंसां	धप	मम्	रिसा	धसा,	प	ध	म्	ऽ	रि
ऽ	वेऽ	ऽ	पि	यऽ	रऽ	वाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	प	र	दे	ऽ	स

स्थायी.

बा ऽ ऽ ऽ । सारि म़प धसां धप । म़म़ रिसा ध़सा, प । रदेस

बा ऽ, सारि म़प । धसां रिंरिं सांसां धप । म़म़ रिसा ध़सा, प । रदेस

बा ऽ, सारि म़प । धसां रिंम़ रिंसां धप । म़म़ रिसा ध़सा, प रदेस

बा ऽ, म़म़ रिसा । ध़सा, धप धम़ रिसा । ध़सा, रिंरिं सांसां धम़ ।रिसा ध़सा, रिम़ पम़

पध पध सांध सांरिं । मंमं रिंसां धम़ ऽरि । सारि ध़सा ऽ, प । रदेस

बा ऽ ऽ ऽ । ध पध म़प रिम़ । पध म़प ध ऽ, । सां धसां पध म़प

धसां पध सां ऽ, । मं रिंसां, रिं सांध । सां धप ,ध म़रि, । म़ रिसा, सारि म़प,

रिम़ पध, म़प धसां, । पध सांरिं मंमं रिंसां । धप धम़ ऽरि, प । रदेस

बा ऽ, सारि म़प । रि, रिम़ पध म़, । म़प धसां ध, धसां ।रिंमं रिं, सांरिं सांध

सांध म़प म़रि म़रि । सारि ध़सा ऽ, प । रदेस

बा ऽ, सारि म़म़ । रिसा, रिम़ पप म़रि, । म़प धध पम़, पध । सांसां धप, धसां रिंरिं

सांध, सांरिं मंमं रिंसां । धप म़म़ रिसा,प । रदेसवा

अंतरा " तुम बिन मो "

सांसां धप म़म़, रिंरिं ।सांसां धप म़म़, मंमं । रिंरिं सांसां धप म़म़ ।रिरि सासा, रिम़ पध

म़प सां ऽ, तु । म बिन मो

पध सांप धसां पध।सांसां धम़ रिसा ध़सा,।धसां रिंध सांरिं धसां।रिंरिं सांध म़रि ध़सा,

सांरिं मंसां रिंमं सांरिं । मंमं रिंसां धप धम्। रिसा धसा, साम् रिप । म्ध पसां धसां रिंमं

रिंसां धसां ऽ; तु । म बि ऽ न । मो ऽ ऽ ऽ । सांसां धम्, धध म्रि,

म्म् रिसा; रिरि रिम्।म्म् पप पध धध।सांसां सांरिं रिंरिं; मंमं।मंरिं रिंरिं सांसां सांध

धध, रिंरिं रिंसां सांसां।धध धम् म्म्, सांसां।सांध धध म्म् म्रि।रिरि धसा, सारि म्प

धसां पध सां, तु । म बिन मो

रिंमं रिंसां रिंसां धसां । धप धप, सांरिं सांध । सांध पध पम् पम्, । धसां धप धप म्प

म्रि म्रि, पध पम् । पम् रिम् रिसा। रिसा,	१ रिम् पध सां, रिम्	२ पध सां, ३ रिम् पध
	तुम बिन मो, तुम	बिन मो, तुम बिन

सां ऽ सां सां	
मो ऽ हे क	ल ना परे, इ. इ.

बोलतानें. “ परदेश ”

प ऽ ऽ ऽ	ध सा, रि म्	रि, म् प म्,	प ध प, ध
वा ऽ ऽ ऽ	प र, दे ऽ	स, वा ऽ सै,	या ऽ ना, जै
रिं सां, ध सां	ध, म् ऽ म्	रि ऽ ऽ, प	ध म् ऽ रि
ऽ यो, म ऽ	न, ह ऽ र	वा ऽ ऽ, प	र दे ऽ स
प ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सा रि म् प	ध रिं ऽ सां
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	प र दे स	वा सै ऽ यां
ध सां ऽ ध	म् म् रि रि	सा ऽ ऽ, प	ध म् ऽ रि
ना जै ऽ यो	म न ह र	वा ऽ ऽ, प	र दे ऽ स
प ऽ ऽ ऽ	सा रि सा म्	रि प म् ध	प सां ध रिं
वा ऽ ऽ ऽ	प र दे स	वा सै यां न	जै यो म न

ध सां प ध	म् प रि म्	रि रि सा, प	ध म् ऽ रि
ह र वा तु	म रे ला गुं	ग र वा, प	र दे ऽ स
रिम् पध म् धसां	सांध ऽध धसां रिंमृं	रिं सांरिं सांध ऽध	धसां धप धम् ऽरि
पर देस वा सैयां	नजै ऽयो मन हर	वा तुम रेला ऽगूं	गर वाप रदे ऽस
प ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मृप ध	पध ऽ ऽ, प	ध म् ऽ रि
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ सैऽ ऽ	यांऽ ऽ ऽ, प	र दे ऽ स
रिप ऽप पप पप	मृध ऽध धध धध	धरिं ऽरिं रिं सांसां	धध ऽम् पध मृरि
पर ऽदे सवा सैयां	नाजै ऽयो मन हर	वातु ऽम रे लागूं	गर ऽवा पर देस
प ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मृप धम्	पध ऽ म् ऽ	रि ऽ ऽ सारि
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ · ऽ सैऽ ऽ	यांऽ ऽ ना ऽ	ऽ ऽ ऽ पर
मृप ध मृप धसां	रिं धसां रिंमृं रिं	सांरिं ऽसां, धसां ऽध,	पध ऽप, धम् ऽरि
देस वा सैयां नजै	यो मन हर वा	तुम ऽरे, लागु ऽग,	रवा ऽप, रदे ऽस
प ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मृप धम्	पध ऽ ऽ, धसां	रिसां धसां धप म्
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ सैऽ ऽ	यांऽ ऽ ऽ, पऽ	रऽ देऽ ऽ स
रि सा ऽ ऽ	सारि म् रिम् प	मृप ध पध सां	धसां रिं सांरिं मृंरिं
बा ऽ ऽ ऽ	सैऽ ऽ यांऽ ऽ	नाऽ ऽ जैऽ ऽ	योऽ ऽ मऽ नऽ
	मृं	म्	
सां ध म् ऽ	सां मृं रिं ऽ	सा म् रि ऽ	ध रिं सांरिं सांसां
ह र वा ऽ	ला ऽ गुं ऽ	ला ऽ गुं ऽ	ग र वाऽ ऽ
	१	२	३
धप मृम् रि सारि	धसा, प धम् ऽरि	ऽ, प धम् ऽरि	ऽ, प धम् ऽरि
ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ, प रदे ऽस	ऽ, प रदे ऽस	ऽ, प रदे ऽस
प ऽ ऽ ऽ			
वा ऽ ऽ ऽ			

राग–बिहाग.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ; रिनि़ सा नि़ ऽ, धम़ प़ ऽ; प़ नि़ सा ऽ; सा ग ऽ,

रिनि़ सा ऽ ॥

(२) सा ग ऽ; रिनि़ सा ऽ; सा ग प ऽम ग म् ग ऽ; ग म् धम

प, ग म् ग ऽ; रिनि़ सा ऽ ॥

(३) नि़सा गम् प म ग म् ग ऽ; गम् पनि ऽ, धम प ऽम ग म्

ग ऽ; गम् पध ग म् ग ऽ, (सा) ऽ; सा सा, नि़ सा ग ऽ;

ग ऽ, (सा) ऽ ॥

(४) सा ग प ऽ; प प, म म, ध प ऽम ग म् ग ऽ; गम् पनि ऽ;

पनि सां नि ऽ, प ऽ; प (प) म ग म् ग ऽ; सां नि नि

ध ध प प म म्.ग ऽ; म्, म्, म्, ग ऽ; म, म, म्, ग ऽ;

ग ऽ, (सा) ऽ; सा सा, नि़ सा ग ऽ; ग ऽ, (सा) ऽ ॥

(५) गम् पनि ऽ; नि़ ऽ; गम् पसां ऽ; सां रिंनि सां ऽ नि ऽ, धम

प ग म् ग ऽ; गम् पनि ऽ, सां नि ध प ऽ; प सां ऽ, प

म ग म् ग ऽ; नि़ नि़ सा ग प ऽ, ग म्, ग ऽ, (सा) ऽ;

सा सा, नि़ सा ग ऽ, ग ऽ (सा) ऽ ॥

(६) नि॒सा गम् पनि ऽ; धप म्ग रिसा नि॒ ऽ; गम् पसां ऽसां ऽ;

सां गं ऽ, रिंनि सां ऽ; सां गं पं मं गं मं गं ऽ, रिंनि सां ऽ;

सांरिं निसां नि ऽ प ऽ; प (प) ग म्, ग ऽ; सा ग, प म

रि सा

म् ग ऽ; गम् पध ग म्, ग ऽ (सा) ऽ; सा सा, नि॒ सा

रि

ग ऽ; ग ऽ, (सा) ऽ ॥

स्वरविस्तार

(१) नि॒सा ग रिनि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् ग रिनि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पम गम् ग रिनि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि निध पम गम् ग रिनि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि सां निध पम गम् ग रिनि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि सांरिं सांनि ऽध पम गम् ग रिनि॒ सा (अथवा) नि॒सा गम् पनि सांरिं सांनि धप म्ग रिसा ऽ; नि॒सा गम् पनि सांगं गंरिं सांनि ऽध पम गम् ग रिनि॒ सा (किंवा) नि॒सा गम् पनि सांगं रिंसां निध पम गम् गरि सा (अथवा) गम् पनि सांगं रिंसां निध पम् गरि सा ऽ; नि॒सा गम् पनि सांगं मंपं मंगं रिंसां निध पम गम् गरि सानि॒ प॒नि॒ साग म्प म्ग रिनि॒ सा ऽ ॥

(२) नि॒सा रिनि॒ सा ऽ; नि॒सा गरि नि॒सा ऽ; नि॒सा गम् गरि नि॒सा ऽ, नि॒सा गम् पम् गरि सानि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि निध पम् गरि सानि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि सां निध पम् गरि सानि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि सांरिं रिंसां निध पम् गरि सानि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि सांगं रिंसां निध पम् गरि सानि॒ सा ऽ; नि॒सा गम् पनि निसां गंमं पंमं गंरिं सांनि धप म्ग रिसा नि॒सा ऽ ॥

बिहाग – त्रिताल

वंदौं राम को, जन्म मरण दुख दूर करण को.
सुमर तुं निसदिन प्रभू चरण को,
भवसागर जल पार तरण को. – वंदौं

ध
|: नि ऽ धम प | म ग ऽ म॒
वं ऽ दौंऽ ऽ | ऽ रा ऽ म
० ३

रि सा
ग ऽ ऽ रि | सारि नि॒सा ऽ ऽ :| नि॒ प॒ नि॒ सा | ग रि नि॒ सा
को ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ज ऽ न्म म | र ण दु ख
= २ * ० ३

* अंतरा

ध म॒ सां
नि ध प म | ग (म॒) ग ऽ | ग म॒ प नि | सां नि सां सां
दू ऽ र क | र ण को ऽ | सु म र तुं | नि स दि न

ध रिं
(सां) नि ऽ (प) | नि सां नि ऽ | नि प नि सां | गं रिं सां नि
प्र भू ऽ च | र ण को ऽ | भ व सा ऽ | ग र ज ल

धम प ग म॒ | ग रि गम॒ पनि | सांगं रिंसां निध पम | ग गम॒ प म॒
पाऽ ऽ र त | र ण कोऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ राऽ ऽ म

रि ध
ग ऽ ऽ रि | सारि नि॒सा ऽ ऽ | नि ऽ पधपम प | म ग ऽ म॒
को ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वं ऽ दौंऽऽऽ ऽ | ऽ रा ऽ म

स्थायी.

को ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । प॒नि॒ सारि नि॒सा ऽ, । ग रिनि॒ सा ऽ,

मध मप गम॒ ग । रिनि॒ सा ऽ, सांरिं । निसां पध मप गम॒ । ग रिनि॒ सा ऽ,

गंमं गंरिं सांरिं निसां। पध मप गम् गरि। सारि नि़सा ऽ, नि़सा। गम् पनि **सां** गंमं

पंमं गंरिं सांनि धप। म्ग रिनि़ **सा** ऽ। वंदौ राम

को ऽ ऽ ऽ। नि़सा गम् पम गम्। **ग**, गम् **ग**; नि़सा। गम् पनि सांनि पम

गम् **ग**, गम् **ग**;। नि़सा गम् पनि सांरिं। सांनि पम गम् **ग**,। गम् **ग**; नि़सा गम्

पनि सांगं रिंसां निध। पम गम् **ग** ऽ। वंदौ राम

को ऽ ऽ ऽ। गम् गरि नि़सा, गम्। पध मप, पनि सांरिं। निसां, गंमं पंमं गंरिं

सांनि धप, गम् पनि। सांगं गंरिं सांनि धप,। गम् पनि सांरिं सांनि। धप, गम् पनि सांनि

धप, गम् पनि धप,। मध मप गम् **ग**। वंदौ राम

को ऽ ऽ ऽ। नि़सा गम् पनि ऽ,। गम् पनि **सां नि**। ऽ, गम् पनि सांरिं

निसां **नि** ऽ, गम्। पनि **सां** गंगं रिंसां। **नि** ऽ, गम् पनि। सांगं मंगं रिंसां निध

पम गम् गरि सानि़। ऽ, **प़ नि़ सा**। वंदो राम

को ऽ ऽ ऽ। गम् गरि **सा**, पम। गम् गरि **सा**, धप। मप निनि सांनि ऽध

पम गम् **ग** रिसा,। नि़सा गम् पप गम्। पनि निध पप निसां। रिंसां निसां गंरिं निसां

गंमं गंरिं सांनि ऽध। पम गम् **ग** रिसा। वंदो राम को

अंतरा. "सुमर तुं निसदिन"

नि़सा गम् पनि ऽ। **सां** ऽ ऽ ऽ,। **सां** रिंनि **सां** ऽ,। **नि** ऽ धम **प**

ग म् ग ऽ। गम् पनि ऽ **सां**। **नि ध प म**। **ग म् ग** ऽ

ऽ, रिनि़ **सा** ऽ, । गम् पनि **सां** ऽ । सुमर तुं निसदिन

सांरिं सांनि धप मप । गम् पनि धप मप । गम् पनि पनि सांनि । धप म्ग रिसा नि़सा,

नि़सा गम्, साग म्प, । गम् पनि, म्प **सां** । सुमर तुं निसदिन

गं गंरिं सांनि, **रिं** । रिंसां निध, **सां** सांनि । धप, **नि** निध पम्, । **ध** धप **म्ग, प**

पम् गरि, नि़सा गरि । म्ग पम धप निध । सांनि रिंसां गंरिं म्गं । पंमं गंम् गंरिं **सांनि**

धप म्ग रिसा नि़सा, । गम् पनि **सां** ऽ । सुमर तुं निसदिन

पनि सांप निसां पनि । सांनि धप म्ग रिसा, । निसां रिंनि सांरिं निसां । रिंसां निध पम गम्

गरि **सा,** नि़सा साग । गम् म्प पनि निसां । सांगं गंम् गंरिं सांनि । धप मप निसां रिंसां

निध पम् गरि **सा,** । नि़सा गम् पनि **सां** । सुमर तुं निसदिन

सांनि धनि धप धप । म्प म्ग म्ग रिग । रिसा, नि़सा गसा गम् । गम् पम् पनि पनि

सां गंम् गंरिं सांनि । धप म्ग रिसा नि़सा । गम् पनि **सां,** गम् । पनि **सां,** गम् पनि

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । वंदौ राम

बोलतानें.

														रि	
प	**ध**	ऽ	**प**	**म**	**प**	**म**	**प**	**म्**	**ग**	**ग**	**म्**	**ग**	**रि**	**नि़**	**सा**
वं	दौ	ऽ	रा	ऽ	म	को	ऽ	ज	न	म	म	र	ण	दु	ख
								ध							
सा	**म्**	**ग**	**प**	**म**	**नि**	धम	**प**	**नि**	ऽ	धम	**प**	**प**	**नि**	**ध**	**प**
दू	ऽ	र	क	र	न	कोऽ	ऽ	वं	ऽ	दौऽ	ऽ	वं	ऽ	दौ	रा
ध	**प**	**म**	**प**	**ग**	**म्**	**प**	**ध**	**म्**	गरि	**नि़**	**सा**	**नि़**	**प़**	**नि़**	**सा**
ऽ	म	को	ऽ	ज	न	म	म	र	णऽ	दु	ख	दू	ऽ	र	क

१ २

ग रि नि॒ सा | नि ऽ ध म | प ग ऽ म॑ | ग ऽ, नि ऽ
र न को ऽ | वं ऽ दौ ऽ | ऽ रा ऽ म | को ऽ, वं ऽ

३

ध म प ग | ऽ म॑ ग ऽ, | नि ऽ ध म | प ग ऽ म॑
दौ ऽ ऽ रा | ऽ म को ऽ, | वं ऽ दौ ऽ | ऽ रा ऽ म

ग ऽ ऽ ऽ | रिनि॒ सा ऽ ऽ | गम॑ पध म॑ग रिसा | पनि सांरिं सांनि धप
को ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वंऽ ऽ दौऽ ऽ | राऽ ऽ मऽ कोऽ

ध

सांगं रिंसां रिंसां निसां | निसां निप धप मप | नि ऽ धम प | म ग ऽ म॑
जन मम रण दुख | दूऽ रक रनकोऽ | वं ऽ दौऽ ऽ | ऽ रा ऽ म

ग ऽ ऽ ऽ | रिनि॒ सा ऽ ऽ | मप मध पम गम॑ | पनि धसां निध मप
को ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वंऽ ऽदौ राऽ मको | जन मम रण दुख

ध

सांगं रिंम॑ गंरिं सांनि | धप म॑ग रिसा नि॒सा | नि ऽ धम प | म ग ऽ म॑
दूऽ रक रन कोऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वं ऽ दौऽ ऽ | ऽ रा ऽ म

ग ऽ ऽ ऽ | रिनि॒ सा ऽ ऽ | गं ऽरिं सांनि धप | निसां निध मप म॑ग
को ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वं ऽदौ राऽ मको | जन मम रण दुख

गम॑ पम॑ गरि सा | नि ऽ प, नि | ऽ प, नि ऽ | प ग ऽ म॑
दूऽ रक रन को | वं ऽ दौ, वं | ऽ दौ, वं ऽ | दौ रा ऽ म

ध

ग ऽ ऽ ऽ | रिनि॒ सा ऽ ऽ | नि ऽ धम प | म ग ऽ म॑
को ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | वं ऽ दौऽ ऽ | ऽ रा ऽ म

साम॑ग मपम पनिध निसांनि | सांगंरिं म॑गंरिं सांनिध पमप |
वंऽदौ राऽम कोऽऽ जनम | मरण दुऽख दूरक रनको |

= २

१ २ ३

निऽप गऽम॑ ग, निऽप | गऽम॑ ग, निऽप गऽम॑ || ग ऽ रिनि॒ सा |
वंऽदौ राऽम को, वंऽदौ | राऽम को, वंऽदौ राऽम || को ऽ ऽ ऽ |

० ३ =

बिहाग – त्रिताल (विलंबित)

आये कब मोरे पियरूवा, अत सुख होवे जियरवा.
याद पिया की सतावत मनवा, और जरावे हियरवा.

		गऽऽरि नि़सा ऽ नि़	सा नि़ साम् ऽ
		आऽऽऽ ऽ ऽ ये	ऽ ऽ कब ऽ
		०	३
ग ऽ रिनि़साऽ ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	(सा) ऽ नि़सा ऽ	सारिनि़सा ऽ नि़ ऽ
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	पि ऽ ऽ ऽ	यऽरऽ ऽ वा ऽ
=	२	०	३
ऽ ऽ म़ध़ म़प़	ऽ ऽ ऽ ऽ	सा म् ग म्	ग ऽ ऽ म्
ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	अ त सु ख	हो ऽ ऽ वे
प ऽ निध नि	धमपऽ ऽम ग म्	गऽऽरि नि़सा ऽ नि़	सा नि़ साम् ऽ
जि ऽ यऽ र	वाऽऽऽ ऽ ऽ ऽ	आऽऽऽ ऽ ऽ ये	ऽ ऽ कब ऽ

(अंतरा)

ग ऽ रिनि़साऽ ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	प ऽ सां ऽसां
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	या ऽ द ऽपि
		म	
सां ऽ रिं सां	निसां रिंसां नि प	प प सां नि	ऽ सा म् ग
या ऽ की स	ताऽ ऽ व त	म न वा ऽ	ऽ औ र ज
ग म् प सां	नि ऽध पधमप ऽमगम्	गऽऽरि नि़सा ऽ नि़	सा नि़ साम् ऽ
रा ऽ वे हि	य ऽर वाऽऽऽ ऽ	आऽऽऽ ऽ ऽ ये	ऽ ऽ कब ऽ

बोलतानें.

ग ऽ रिनि़साऽ ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सानि़ साप पप पम
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	आऽ येऽ कब मोरे
पनि धसां निध पम	गम् पम् गरि सासा	गऽऽरि नि़सा ऽ नि़	सा नि़ साम् ऽ
पिऽ यरू वाऽ अत	सुख होवे जिय रवा	आऽऽऽ ऽ ऽ ये	ऽ ऽ कब ऽ

ग ऽ रिनिसाऽ ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | धप ऽध पऽ पम | गग ऽम् गरि सानि
मो ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | आये ऽक बऽ मोरे | पिय ऽरू वाऽ अत

साम् गप ऽप पम | पनि घसां निध पम् | गऽऽरि निसा ऽ नि | सा नि साम् ऽ
सुख ऽहो ऽवे जिऽ | यर वाऽ ऽ ऽ | आऽऽऽ ऽ ऽ ये | ऽ ऽ कब ऽ

ग, ऽग मप नि | ऽ धमपऽ ऽ सां | ऽ ऽ ऽ सांरिंनिसां | नि धमपऽ ऽम गम्
मो, ऽक बमो ऽ | ऽ रेऽऽऽ ऽ पि | ऽ ऽ ऽ यऽरुऽ | वा ऽ ऽ अत

गम् गगरिग ऽम् प | निधनिऽ धमपऽ ऽम गम् | ग ऽ रिनि सा | नि ऽ सा गम्ऽऽ
सुख होऽऽऽ ऽवे जि | यऽरऽ वाऽऽऽ ऽ ऽ | आ ऽ ऽ ऽ | ये ऽ क बऽऽऽ

ग ऽ रिनि सा | सा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | गम्पध मगरिसा पनिसांरिं सांनिधप
मो ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | आऽऽऽ येऽऽऽ कऽऽऽ बऽऽऽ

सांगंरिंम् गंरिंसांनि गम्पम् गरिसाऽ | गम्पनि सांगंगंरिं सांनिधप मगरिसा |
मोऽरेपि यरूवाऽ अतसुख होऽवेऽ | जिऽयर वाऽऽऽ ऽ ऽ |
= २

गऽऽरि निसा ऽ नि | सा नि साम् ऽ || गम्गप मगरिसा पनिधसां निधमप |
आऽऽऽ ऽ ऽ ये | ऽ ऽ कब ऽ || आऽऽये कऽबऽ मोऽऽरे पिऽयऽ |
० ३ =

सांगंरिंम् गंरिंसांनि पनिधसां निधमप | गऽऽरि निसा ऽ नि | सा नि साम् ऽ ||
रुऽऽवा अतसुख होऽऽवे जियरवा | आऽऽऽ ऽ ऽ ये | ऽ ऽ कब ऽ ||
२ ० ३

ग ऽ रिनि सा | ऽ गम् पनि रिंसां | ऽऽनिध पऽ सां ऽ | ऽ ऽ सांरिंनिसां नि ||
मो ऽ ऽ रे | ऽ कब मोऽ ऽरे | ऽ ऽ पि ऽ | ऽ ऽ यऽरूऽ वा ||
= २ ० ३

धमपऽ गम्पनि सांरिंसांऽ ऽनि | पऽऽग ऽम् पम निध | सांनि रिंसां निऽधम पऽऽम |
ऽ अऽऽऽ ऽऽतऽ ऽसु | खऽऽहो ऽवे जिऽ ऽ | ऽ यर वाऽऽऽ ऽ |
= २ ०

गम् गरिनिसा निसा साम् ‖ ग ऽ रिनिसाऽ ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
आऽ ऽ येऽ कब ‖ मो ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
३ = २ ०

साम्गप मनिधसां निगंरिंम् गंरिंसांनि ‖ धपम्ग गम्पनि धपधप मपमग |
आयेकब मोरेपिय रूवाअत सुखहोवे ‖ जियरवा अतसुऽ खहोऽवे जिऽयर |
३ =

म्गगम् पधऽम गगऽम् गरिसानि | गऽऽरि निसा ऽ नि |
ऽवाअत सुखऽहो वेजिऽय रऽवाऽ | आऽऽऽ ऽ ऽ ये |
२ ०

सा ऽ, गंऽरिं सांरिंसां ‖ निसांनि धनिध पधप मपम
ऽ ऽ, आऽये कऽब ‖ मोऽरे पिऽय रूऽवा अऽत
३ =

१ २
गम्ग पऽम गऽम् गरिसा | साऽनि साऽम् गरिसा, साऽनि |
सुऽख होऽवे जिऽय रऽवा | आऽये कऽब मोऽरे, आऽये |
२ ०

३
साऽम् गरिसा, साऽनि साऽम् ‖ ग ऽ रिनि सा | सा ऽ ऽ ऽ |
कऽब मोऽरे, आऽये कऽब ‖ मो ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ ऽ |
३ = २

राग भूप (भूपाली).

---*---

रागांग बिस्तार.

(१) ग ऽ रि ऽ सा ऽ; सा ऽ रि ऽ, सा ऽ; सा ध़ ऽ, सा रि ग ऽ; रि ग ऽ रि, रिग ऽ, रि ऽ सा ऽ; सा ऽ ध़रि ऽ सा ऽ ॥

(२) ग रि सा ऽ; सा ऽ रि ऽ, सा (सा) ध़ ऽ; प़ ध़ सा ऽ; रि सा ऽ; ग रि सा ऽ; रि ग ऽ, प ग ऽ; रि ग रि सा ऽ; सा ऽ ध़रि ऽ, सा ऽ ॥

(३) सा रि ग ऽ; प ग ऽ; ध प ग ऽ; रिग पध सां ऽ ध प ग ऽ; रि ग ऽ प ग ऽ; रि ग ऽ; रि, रि ग , रि सा ऽ; सा ऽ; ध़रि ऽ, सा ऽ ॥

(४) ग ग ऽ, पध सां ऽ, सां रिं सां ऽ; पध सांरिं गं ऽ; ध गं ऽ रिं सां ऽ; गं पं गं रिं ऽ, गं रिं सां ऽ; सां (सां) ध प ग ऽ; रि ग ऽ, प ऽ रि ऽ; सा ऽ ध़ ऽ, रि ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि सा ऽ; सारि गरि सा ऽ; सारि गप गरि सा ऽ; सारि गप धप गरि सा ऽ; सारि गप धसां धप गरि सा; सारि गप धसां रिंसां धप गरि सा ऽ; सारि गप धसां रिंगं रिंसां धप गरि सा ऽ; सारि गप धसां रिंगं पंपं गंरिं सांसां धप गरि सा ऽ ॥

इस राग में ऋषभ और धैवत ये दो स्वरों को कोमल करने से रेवा राग होगा. यथाः—

सारि् सा ऽ; सारि् गरि् सा ऽ; सारि् गप ध्प गरि् सा, इ० इ०

भूप-त्रिताल

जनम जनम के दास तुमारे, करूणा करके तार मुरारे.
कहां तलक गुण तुमरे गाऊं, कौन हृदय में ध्यान लगाऊं,
सफल करो प्रभु जन्म हमारे.—जनम

								सा							
								सा	सां	ध	प	ग	रि	सा	रि
								ज	न	म	ज	न	म	के	ऽ
								०				३			
सा	ध्	सा	रि	ग	रि	ग	ऽ	गप	धसां	ध	प	गप	रिग	सा	रि
दा	ऽ	स	तु	मा	ऽ	रे	ऽ	जऽ	नऽ	म	ज	नऽ	मऽ	के	ऽ
=				२				०				३			
सा	ध्	सा	रि	ग	रिग	रिग	ऽ	ग	ग	प	रि	ग	प	सांध	सां
दा	ऽ	स	तु	मा	ऽ	रेऽ	ऽ	क	रू	णा	ऽ	क	र	केऽ	ऽ

पध	सां	ध	प	धसां	धप	गरि	सारि	गप	धसां	ध	प	ग	रि	सा	रि
ताऽ	ऽ	र	मु	राऽ	ऽ	रेऽ	ऽ	जऽ	नऽ	म	ज	न	म	के	ऽ

(अंतरा)

सा	ध़	सा	रि	ग	रि	ग	ऽ	ग (प)	ग	ऽ	ग	प	प	सां	ध
दा	ऽ	स	तु	मा	ऽ	रे	ऽ	क	हां	ऽ	त	ल	क	गु	ण
सां	सां	सां	ऽ	सां	रिं	सां	ऽ	सां	ध	सां	ध	सां	सां	रिं	ऽ
तु	म	रे	ऽ	गा	ऽ	ऊं	ऽ	कौ	ऽ	न	हृ	द	य	में	ऽ
सांरिं	गं	रिं	सां	ध	सां	ध	प	ग	ग	रि	ग	प	ऽ	ध	ध
ध्याऽ	ऽ	न	ल	गा	ऽ	ऊं	ऽ	स	फ	ल	क	रो	ऽ	प्र	भु
प	सांध	सां	सां	धसां	धप	गरि	सासा	सा (सा)	सां	ध	प	ग	रि	सा	रि
ज	ऽ	न्म	ह	माऽ	ऽ	रेऽ	ऽ	ज	न	म	ज	न	म	के	ऽ

स्थायी.

दा ऽ, सारि गप । धसां धप गरि **सा** । जनम जनम के

सारि गप धसां रिंरिं । सांसां धप गरि **सा** । जनम जनम के

सारि गप धसां रिंगं । गंरिं सांसां धप गरि । जनम जनम के

सारि गरि, गप गरि, । गप धसां धप गरि, । गप धसां रिंरिं सांसां । धप गरि, **सां** धप

गरि, **ध** धप गरि, । गप धसां धप गरि । जनम जनम के

दा ऽ स तु । मा ऽ रे ऽ । साध़ सारि **ग** ऽ, । रिग धप **ग**, रिग

पध सांसां धप **ग**, । रिग पध सांरिं सांसां । धप **ग**, रिग पध । सांरिं गंरिं सांसां धप

ग, **सां** धप **ग**, । **ध** धप गरि **सा** । जनम जनम के

दा ऽ स तु ।. मा ऽ रे ऽ । गरि गरि सारि साध़ । पध़ सारि ग, सांध

सांध पध पग रिग। पध सां, गंरिं गंरिं। सांरिं सांध पध सांरिं । गं, सांरिं रिंध सांसां

पध धग पप रिग गसा रिरि ध़सा सा । जनम जनम के

सारि गग रिसा, रिग। पप गरि, गप धध। पग, पध सांसां धप,।धसां रिंरिं सांध, सांरिं

गंगं रिंसां, धप गरि,। गप गरि, गरि सा । जनम जनम के

दा ऽ स तु । मा ऽ रे ऽ । रिग ऽप, गरि गप । ऽध, पग पध ऽसां,

धप धसां ऽरिं, सांध । पध ऽसां, धप गप । ऽध, पग रिग ऽप । गरि सा, सारि गप,

रिग पध, गप धसां । रिंसां धप गरि सा । जनम जनम के दास तुमारे

अंतरा " कहां तलक गुण "

तु म रे ऽ । गा ऽ ऊं ऽ । पध सांरिं गंरिं सांरिं । गंपं गंरिं सां ऽ,

धसां रिंसां धसां पध । सांरिं सांध प ऽ,। सारि गप गरि सारि । गप गरि सा ऽ,

सारि गप धसां रिंगं । रिंसां धप गरि सा । कहां तलक गुण

तु म रे ऽ । गा ऽ ऊं ऽ । सांरिं ऽरिं सांध सांध । धसां ऽसां धप धप

पध ऽध पग पग । गप ऽप गरि गरि । सा ऽ, सारि सासा,। रिग रिरि, गप गग,

पध पप, धसां धध, । सांरिं सांध पध सां । कहां तलक गुण

तु म रे ऽ । गा ऽ ऊं ऽ । सांरिं गंगं गंगं रिंसां । धसां रिंरिं रिंरिं सांध

पध सांसां सांसां धप । गप धध धध पग । रिग पप पप गरि । सा गग, रिरि पप,

गग धध, पप सांसां,। धध रिंरिं धध सांसां। कहां तलक गुण

तु म रे ऽ। गा ऽ ऊं ऽ। सांरिं सांगं रिंसां, धसां। धरिं सांध, पध पसां

धप, गप गध पग,। रिग रिप गरि सा,। गरि पग धप सांध। रिंसां गंरिं गंसां रिंध

सांप धग परि गसा,। रिग पध सांरिं धसां। कहां तलक गुण

तु म रे ऽ। गा ऽ ऊं ऽ। गं गंगं रिंसां धसां। रिं रिंरिं सांध पध

सां सांसां धप गप। **ध** धध पग रिग। **प** पप गरि सारि। **ग** गग रिसा धसा,

सारि गप धसां पध। **सां सा**, सारि गप। धसां पध **सां सा**,। सारि गप धसां पध

सां ऽ ऽ ऽ।

भूप--त्रिताल (विलंबित)

सूधे बोलत नाहिं न रूप की कीनी मरोर.
कर रही मान मान ले प्यारी कीन्हे जतन करोर.

सारिगप	धसांऽऽ	धपपऽ	**ग**	ऽप
सूऽऽऽ	ऽ	धेऽऽऽ	ऽ	ऽ
	३			

रिग	ऽ	**रि**	**सा**	(सा) रिग	रिग	ऽ		पग	**प**	ऽ	ऽ	**रि**	**ग**	ऽ	**रि**
बोऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लऽ	तऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हिं
=				२				०				३			

सा	ऽ	सारि	गप	सांध	**सां**	**प**	सांध	सांध	पग	रिसा,	सारिगप
न	ऽ	रूप	कीकी	नीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मरो	ऽ	ऽर,	सूऽऽऽ
=				२				०			

धसांऽऽ धपपऽ **ग** ऽप ‖ रिग ऽ **रि** **सा** | (**सा**) रिग रिग ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
ऽ धेऽऽऽ ऽ ऽ ‖ बो ऽ ऽ ऽ | ऽ लऽ तऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
३ = २ ०

(अंतरा)

ऽ गग पसां ऽध ‖ **सां** ऽ ऽ ऽसां | सांध धसां सांरिं ऽ |
ऽ कर रही ऽ ‖ मा ऽ ऽ ऽन | माऽ नले ऽ ऽ |
३ = २

सांरिं ऽ सांरिंसांसां **ध** | पग गरि ऽ ऽ | गप धरिं ऽ ऽ |
प्याऽ ऽ रीऽऽऽ ऽ | कीऽ न्हेऽ ऽ ऽ | जत नक ऽ ऽ |
० ३ =

सां **ध** सांरिंसांसां धपपध | सांसांधप पगरिऽ ऽसा, सारिगप |
रो ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽर, सूऽऽऽ |
२ ०

बोलतानें.

धसांऽध **प** **ग** **प** ‖ रिग **रि** **सा** **सा** | सारि गप धसां रिंगं |
ऽ धे ऽ ऽ ‖ बोऽ ऽ ऽ ल | सूधे बोल तना हिंन |
३ = २

रिंसां धप गरि, **सां** | ध प ग प ‖ रिग **रि** **सा** **सा** |
रूप कीम रोर, सू | ऽ धे ऽ ऽ ‖ बोऽ ऽ ऽ ल |
० ३ =

रिगऽरि गपऽग पधऽप धसांऽध | सांरिंऽसां रिंगंऽरिं सांरिं धसां |
सूऽऽऽ धेऽऽऽ बोऽऽऽ लऽऽऽ | तऽऽऽ नाऽऽऽ हिंन रूप |
२ ०

पध गप रिसां धपगप ‖ रिग **रि** **सा** **सा** |
कीम रोऽ रसू ऽधेऽऽ ‖ बोऽ ऽ ऽ ल |
३ =

सारिगप परिगप धसांसांध धसांरिंगं | गंरिंसांरिं सांधसांध सांधपध पगपग |
सूऽऽऽ धेऽबोऽ ऽऽलऽ तऽऽऽ | नाऽऽहिं ऽऽनऽ रूऽऽप ऽऽकीऽ |
२ ०

पगरिग रिंसासांऽ धप गप ‖ रिग रि सा सा |
मऽऽरो ऽरसूऽ ऽधे ऽ ‖ बोऽ ऽ ऽ ल |
३ =

गंऽऽरिं सांऽधऽ रिंऽऽसां धऽपऽ | सांऽऽध पऽगऽ धऽऽप रिंऽसाऽ |
सूऽऽधे· बोऽलऽ तऽऽना हिंऽनऽ | रूऽऽप कीऽमऽ रोऽऽर सूऽधेऽ |
२ ०

सारिगप धसांसांरिं सांसांधप गप ‖ रिग रि सा सा | ı ı ı ı |
बोऽऽऽ ऽलसूऽ ऽऽधेऽ ऽ ‖ बोऽ ऽ ऽ ल | ı ı ı ı |
३ = २

गऽरिप ऽगधऽ पसांऽध रिंऽसांगं | ऽसांरिंऽ सांसांऽध पपसांऽ धपगप ‖
सूऽधेबो ऽलतऽ नाहिंऽन रुऽपकी | ऽमरोऽ रसूऽधेऽ ऽऽसूऽ ऽधेऽऽ ‖
० ३

रिग रि सा सा | ı ı, सारिसासा रिगरिरि |
बोऽ ऽ ऽ ल | ı ı, सूऽधेऽ बोऽलऽ |
= २

गपगग पधपप धसांधध सांरिंसांसां | रिंगंरिंसां धपगरि सांसांधप ऽऽगप ‖
तऽनाऽ हिंऽनाऽ रुऽपऽ कीऽकीऽ | नीऽमऽ रोऽऽर सूऽधेऽ ऽ ‖
० ३

रिग रि सा सा | ı, सारिगरि गपगप धसांधसां |
बोऽ ऽ ऽ ल | ı, सूधेबोल तनाहिंन रूपकीकी |
= २

रिंसांगंरिं सांधपध सांसांधप ऽऽगप, | सांसांधप ऽऽगप, सांसांधप ऽऽगप ‖
नीमरोऽ ऽऽऽर सूऽधेऽ ऽ, | सूऽधेऽ ऽ, सूऽधेऽ ऽ ‖
० ३

रिग रि सा सा | सारिगप सांधसांऽ ऽ सांसां |
बोऽ ऽ ऽ ल | सुऽधेऽ बोऽऽऽ ऽ लत |
= २

धसांसांरिं सांरिंसांध पधसांरिं गंरिंसांऽ | धपसांध सांसांधप गरिसांसां धपगप ‖
नाऽऽऽ हींऽऽऽ नऽरूऽ पऽकीऽ | कीऽनिऽ मऽरोऽ ऽरसूऽ ऽधेऽऽ ‖
० ३

रिग ऽ रि सा	(सा) रिग रिग ऽ	पग प ऽ ऽ
बोऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ लऽ तऽ ऽ	नाऽ ऽ ऽ ऽ
=	२	०

रि ग, सांरिंऽगं रिंरिंसांसां	धसांऽरिं सांसांधप गपऽध पपगरि
ऽ ऽ, सूऽऽधे बोऽलत	नाहिंऽन रूपकीऽ कीनीऽम रोऽऽर
३	=

सारिगप धसांरिंगं रिंसांधप गरिसारि	गपधसां रिंगंरिंसां धपगरि, सारिगप
सूधेबोल तनाहिंन रूपकीम रोरसुधे	बोलतना हिंनरूप कीमरोर, सूधेबोल
२	०

धसांरिंगं रिंसांधप गरिसांऽ धपगप	रिग रि सा सा
तनाहिंन रूपकीम रोरसूऽ ऽधेऽऽ	बोऽ ऽ ऽ ल
३	=

राग देशकार.

—×✻×—

रागांग विस्तार.

(१) ध ऽ, ध प ऽ; ग प ध प ऽ ग रि सा ऽ; ध ऽ ध प ॥

(२) सा ऽ, रि सा ऽ; ग प ऽ; प ऽ, ध प ऽ; ध ग प ऽ, सां ऽ, ध प ऽ; ग प ध प ग रि सा ऽ; ग प ऽ, प ध ऽ, प ऽ ॥

(३) ग ग प ध सां ऽ सां ऽ; सां ध सां रिं ऽ, सां ऽ ध प ऽ; गं रिं सां ऽ, रिं सां ध प ऽ, ग प ध प ग रि सा ऽ; प ऽ, प ध ऽ, प ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सासा गग रिरि सासा ऽ; सासा गग पप गप गरि सासा ऽ; सासा गग पप धध पप गप गरि सासा ऽ; सासा गग पप धध पध सांसां धप गप गरि सासा ऽ; सासा गग पप धध पध सांरिं सांसां धप गप धप गरि सासा ऽ; सासा गग पप धध पध सांसां गंगं रिंसां धप गप गरि सासा ऽ; सासा गग पप **ध** ऽ; **प** ऽ ॥

नोट—आरोह में ऋषभ स्वर को दुर्बल रखने से और उत्तरांग प्रबल करने से **भूप** राग की छाया दूर होगी. इस राग में पंचम और धैवत ये दो स्वर प्रधान है. भूप राग में ऋषभ और गांधार ये दो स्वर प्रधान है.

देशकार राग के स्वरों में ऋषभ और धैवत ये दो स्वर अतिकोमल करने से **बिभास** राग होगा.

देशकार—एकताल

प्राणनाथ प्रात भयो जागो बलि जाऊं.
सोवत में रैन गई सुबेन में गुवाऊं,
उगत सुरज ज्योति भई, फुल हरि पहिराऊं. ॥ १ ॥
सूरदास मदनमोहन गुण तिहार गाऊं,
हरखि निरखि तेरी छबि, नित्य बलि जाऊं. ॥ २ ॥

|: ध	ऽ	प	गप	ध	प	ग	ऽ	रि	सा	सा	ऽ
प्रा	ऽ	ण	नाऽ	ऽ	थ	प्रा	ऽ	त	भ	यो	ऽ
=		०		२		०		३		४	*

सा	ऽ	ग	ऽ	प	प	प	ध	ध (प)	सां	ध	प :|
ना	ऽ	गो	ऽ	ब	लि	जा	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ

* (अंतरा)

प ग	ग प	ध पध	सां ऽ	सां सां	सां सां
सो ऽ	व त	में ऽ	रै ऽ	न ग	ई सु

सां ध	सां सां	ऽ रिं	सां रिं	सां ध	प ऽ
वे ऽ	न में	ऽ गु	वा ऽ	ऽ ॐ	ऽ ऽ

ग (ध) (प)

प ध	ग प	ध ध	सां रिं	सां ध	प ऽ
उ ग	त सु	र ज	ज्यो ऽ	ति भ	ई ऽ

गं रिं	सां ध	प ध	सां ध	प ग	रि सा
फु ल	ह रि	प हि	रा ऽ	ऽ ॐ	ऽ ऽ

स्थायी. " प्राणनाथ प्रात भयो "

पग पप । गरि सासा, । धप धध । पग पप । गरि सासा, । सांध सांसां

धप धध । पग पप । गरि सासा, । गंरिं गंगं । रिंसां रिंरिं । सांध ऽप ॥
प्राणनाथ प्रात भयो

सासा गप, । सासा गप । धध पप, । सासा गप । धध सांसां । धप गप,

सासा गग । पप धध । सांरिं सांसां । धप गप, । सासा गग । पप धध

सांरिं गंगं । रिंसां धप । गप धप । गरि सासा, । सासा गग । पप गप ॥
प्राणनाथ प्रात भयो

प गप । धप गप, । ध पध । सांध पध, । सां धसां । रिंसां धसां,

रिं सांरिं । गंरिं सांरिं । गंपं गंरिं । सांसां धप । गप धप । गरि सा ॥
प्राणनाथ प्रात भयो

सासा गग । पप धध । पध सांसां । गंगं रिंगं । गंरिं सांसां, । धध पध

धप गप, गग रिग । गरि सासा, सासा गग । पध सांसां धप गप
प्राणनाथ प्रात भयो

अंतरा " सोवत में रैन गई "

धसां रिंसां । धसां धप । धप गप । धप गप । गरि साग । पग गप

धप पध । सांध धसां । रिंसां धसां । रिंसां धसां । गंगं रिंसां । रिंसां धप
सोवत में रैन गई

सांध पध । सांरिं सांध । धसां धप । पध पग । गप गप । गरि सा

साग गप । पध धसां । सांगं गंरिं । रिंसां सांध । धप पग । गप धसां
सोवत में रैन गई

सांरिं ऽरिं । धसां धसां, । धसां ऽसां । पध पध, । पध ऽध । गप गप

गंरि सा, । सासा साग । गग पप । पध धध । सांसां सांगं । रिंसां धसां
सोवत में रैन गई

धध पध । धप धध । पप गप । गरि सासा, । गंगं रिंगं । गंरिं गंगं

रिंरिं सांसां । धप धध । पग पप । गरि सासा, । पंपं गंपं । पंगं पंपं

१

गंरिं सांसां । धप धध । पग पप । गरि सासा, । सासा गग । पप धध

२ ३

सां सा, । सासा गग । पप धध । सां सा, । सासा गग । पप धध

सां ऽ ।

राग – सिंदुरा.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि ऽ ग् रि ऽ; म् ग् रि ऽ; रि म् पध म्प ग् रि ऽ; म् ग् रि ऽ, ग् रि ऽ, रि सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, ध़ सा ऽ; प़ ध़ सा ऽ; ध़ सा रि ग् रि ऽ; नि् ध नि् प ऽ, म् प ग् रि ऽ; नि् ध ऽ, म्प ध ग् रि ऽ; म् ग् रि ऽ; रि ग् सा ऽ ॥

(३) म् प ऽ ध प ऽ, नि् ध प ऽ; सां नि् ध प; रिं सां ऽ नि् ध प ऽ; म् प नि् ध प ऽ म् प ग् रि ऽ; नि् ध ऽ म्प ध ग् रि ऽ, म् ऽ ग् रि सा ऽ ॥

(४) म् ऽ, प ध सां ऽ सां ऽ; ध सां रिं गं् रिं सां (किंवा) म् प नि सां रिं गं् रिं सां ऽ; रिं नि् ध प ऽ, म्प ध ग् रि ऽ; रि ग् रि म् ऽ ग् रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि़्सा रिम् ग्रि सा ऽ; नि़्सा रिम् पम् ग्रि सा ऽ; नि़्सा रिम् पध पम् ग्रि सा ऽ; नि़्सा रिम् पध सां निध पम् ग्रि सा ऽ; नि़्सा रिम् पध सांरिं सांनि् धप म्ग् रिसा ऽ; नि़्सा रिम् पध सांरिं गंग् रिंसां नि्ध पम् ग्रि सा (अथवा) म्प निसां रिंगं् रिंसां नि्ध पम् ग्रि सा ऽ; नि़्सा रिम् पध सांरिं मंमं् गंरिं सांनि् धप म्ग् रिसा ऽ ॥

सिंदुरा - दीपचंदी

जय जय जय जगदिश्वर प्यारा, विश्व चराचर सर्जनहारा.

सकल जगत को आप ही रचायो, सब का हो तुम पालनहारा. ॥ १ ॥

परम कृपाला दीन दयाला, कीजिये भव भय दूर हमारा. ॥ २ ॥

म्ऺ सा म्ऺ
|: ग्‌ ग्‌ ऽ | रि ऽ सा ऽ | रि सा ऽ | रि म्ऺ प ध
ज य ऽ | ज ऽ य ऽ | ज य ऽ | ज ऽ ग ऽ

नि्‌ म्ऺ
(सां) ऽ नि्‌ | ध नि्‌ ध प | म्ऺ प ऽ | म्ऺपध म्ऺप ग्‌रि ऽ :|
दी ऽ ऽ | ऽ ऽ श्व र | प्या ऽ ऽ | ऽ ऽ राऽ ऽ
*

सां नि सां
नि ऽ ऽ | सां ऽ ऽ रिं | (नि्‌) ऽ ऽ | ध नि्‌ ध प
वि ऽ ऽ | श्व ऽ ऽ च | रा ऽ ऽ | ऽ ऽ च र

म्ऺ म्ऺ
रि म्ऺ ऽ | रिम्ऺ पध नि्‌ धप | म्ऺ (प) ऽ | ग्‌ रि म्ऺ ऽ
स र ऽ | जऽ ऽ ऽ नऽ | हा ऽ ऽ | रा ऽ ऽ ऽ

* (अंतरा)
|: म्ऺ म्ऺ ऽ | प ऽ ध ऽ | सां ध ऽ | सां ऽ ऽ ऽ
स क ऽ | ल ऽ ज ऽ | ग त ऽ | को ऽ ऽ ऽ

सां मं सां
ध सां ऽ | धसां रिंग्‌ गं्‌ रिंसां | रिंरिं सांनि्‌ सां | ध सां नि्‌ ध :|
आ प ऽ | हीऽ ऽ ऽ रऽ | चाऽ ऽ ऽ | यो ऽ ऽ ऽ

सां प म्ऺ
नि नि ऽ | पनि सांरिं निसां रिं | (नि्‌) ऽ ऽ | ध ऽ प ऽ
स ब ऽ | काऽ ऽ ऽ ऽ | हो ऽ ऽ | तु ऽ म ऽ

म्ऺ म्ऺ
रि म्ऺ ऽ | रिम्ऺ पध नि्‌ धनि्‌ | धप म्ऺप ध | ग्‌ रि म्ऺ (म्ऺ)
पा ऽ ऽ | लऽ ऽ ऽ नऽ | हाऽ ऽ ऽ | रा ऽ ऽ ऽ

स्थायी. " जय....प्यारा "

मृप गृरि ऽ, । रिम् पध मृप गृरि । ऽ, रिम् पध । सांनि् धप मृप गृरि

ऽ, रिम् पध । सांरिं सांनि् धप मृप । निसां रिंगं् रिंसां । नि्ध मृप गृरि ऽम् ॥
जय जय जय जग

दि ऽ ऽ । ऽ ऽ श्व र । रिम् पध नि्ध । प, मृप धसां नि्ध

प, मृप धसां । रिंसां नि्ध प, मृप । धसां रिंगं् रिंसां । नि्ध पम् गृरि ऽम्
जय....प्यारा

ऩि्सा रिम् पध । मृप निसां रिंगं् रिंसां । निसां नि्ध पम्, । धप मृग्, पम् गृरि,

मृग् रिसा ऽ, । सारि मृरि मृप, मृप । धप धसां नि्ध । पम् गृरि ऽम् ऽ ॥
जय जय जय जग

दी ऽ ऽ । रिग् रिरि, मृप मृम्, । पध पप, धनि् । धध, सांरिं सांसां, रिंगं्

रिंरिं, मृंपं मृंमृं । गृंगं् रिंरिं सांसां नि्नि् । धध पप मृम् । गृग् रिरि ऽम् ऽ ॥

अंतरा. " सकल जगत को "

रिम् पनि् धप । मृप, पनि सांगं् रिंसां । निसां, सांगं् रिंमं् । गृंरिं सांरिं, सांनि् ध,

निसां नि्ध प, । धनि् धप मृ, पध । मृप गृरि मृप । नि्ध पध सां ऽ ॥
सकल जगत को

सांरिं सांगं् रिंसां, । नि्सां नि्रिं सांनि्, धनि् । धसां नि्ध, पध । पनि् धप, मृप मृध

पम्, रिग् रिम् । गृरि सा, ऩि्सा रिम् । पध सांरिं मृंगं् । रिंसां नि्ध सां ऽ ॥
सकल जगत को

रिंम् गृरिं, सांगृं। रिंसां, निृरिं सांनि्, धसां। नि्ध, पनि् धप, । मृध पमृ, रिमृ गृरि,

साग् रिसा, साम् । रिप मृध पसां निृरिं । सांमृं गृंरिं सांनि् । धप मृप सां ऽ ॥
सकल जगत को

रिंगृं रिंसां नि्ध, । निृरिं सांनि् धप, धसां । नि्ध पमृ, पनि् । धप मृग् रिसा नि्सा

रिमृ पध सां, । रिमृ पध सां, रि । ऽरि मृ ऽमृ । प ऽप ध ऽध ॥ सां

राग भीपपलासी.

रागांग – विस्तार.

(१) सा ऽ नि्ऽ, प नि् सा ऽ; ग् ऽ, रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) नि्सा मृ ऽ; नि्सा ग् ऽ, रि ऽ, सा ऽ; मृ प नि् सा
ग् ऽ मृ ऽ; ग् ऽ, रि ऽ, सा ऽ; रि ऽ नि् ऽ ध ऽ, प ऽ;
मृ प नि् ऽ, प नि् सा ऽ, नि् सा मृ ऽ, ग् ऽ, रि ऽ,
सा ऽ; नि् ऽ, नि् सा ग् रि ऽ, सा ऽ ॥

(३) नि् सा ग् मृ प ऽ; मृ प नि् ऽ, ध ऽ, प ऽ; मृ प मृ ग्
मृ ऽ; गृमृ पऽ ग् ऽ, रि ऽ, सा ऽ; नि् ऽ, नि् सा ग् रि ऽ,
सा ऽ ॥

प नि॒ सां
(४) ऩि॒सा ग॒म॒ प नि॒, प नि॒ सां ऽ; नि॒ ऽ, ध ऽ, प ऽ; म॒ प नि॒
सां
सां गं॒ ऽ रिं ऽ, सां रिं नि॒ सां, प ऽ, सां ऽ, नि॒ ऽ, ध ऽ,
प म॒ सा रि म॒
प ऽ; म॒ प नि॒ ऽ, ध ऽ, प ऽ, म॒ प ग॒ ऽ म॒ ऽ; ऩि॒ सा ग॒
प म॒ सा सा
म॒ प ऽ, ग॒ ऽ, रि ऽ, सा ऽ; ऩि॒ ऽ, ऩि॒ सा ग॒ रि ऽ,
सा ऽ ॥

म॒ सां
(५) प ऽ, ग॒ म॒ प ऽ, नि॒ ऽ, प नि॒ सां ऽ; नि॒ सां मं॒ ऽ, गं॒ ऽ,
प नि॒ सां
रिं ऽ सां ऽ; रिंनि॒ सां नि॒ ऽ, ध ऽ, प ऽ; म॒ प नि॒ सां
सां प प
रिं नि॒ सां ऽ, नि॒ ऽ, ध ऽ, प ऽ; म॒ प सां ऽ, म॒ प नि॒ ऽ,
म॒ सा रि म॒ प म॒
ध ऽ, प ऽ; म॒ प म॒ ग॒ म॒ ऽ; ऩि॒ सा ग॒ म॒ प ऽ, ग॒ ऽ,
सा
रि ऽ, सा ऽ; ऩि॒ ऽ, ऩि॒ सा ग॒ रि ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

ऩि॒सा म॒ग॒ रिसा ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म॒ पम॒ ग॒रि साऩि॒ सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म॒ पनि॒ धप म॒ग॒ रिसा ऽ; ऩि॒सा ग॒म॒ पनि॒ सांनि॒ धप म॒ग॒ रिसा ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म॒ पनि॒ सांरिं सांनि॒ धप म॒ग॒ रिसा ऽ; ऩि॒सा ग॒म॒ पनि॒ सांगं॒ रिंसां नि॒ध पम॒ ग॒रि साऩि॒ सा ऽ; ऩि॒सा ग॒म॒ पनि॒ सांगं॒ मं॒गं॒ रिंसां नि॒ध पम॒ ग॒रि सा, (अथवा) ऩि॒सा ग॒म॒ पनि॒ सां, नि॒सां मं॒गं॒ रिंसां नि॒ध पम॒ ग॒रि साऩि॒ सा ऽ ॥

नोट – **भीमपलासी** और **धनाश्री** ये दोनों समप्रकृति के राग है. केवल वादी स्वर में भेद है. बाकी चाल ढाल सब एकसमान है.

भीमपलासी – त्रिताल.

टेर सुनो ब्रिजराज दुलारे,
दीन मलीन हीन सब गुणते, आय पर्यो हूं द्वार तिहारे. – टेर
काम क्रोध अरू कपट मोह मद, सो जाने निज प्रीतम प्यारे,
भ्रमत रह्यो संग इन विषयन के, तुव पदकमल न मैं उर धारे. – टेर

सां
|: प नि॒ सां ग॒ं
|: टे ऽ र सु
३

सां म॒ म॒
रिं ऽसां सां सां | पनि॒ सांनि॒ ध प | ग॒ ग॒ रि सा :| सारि नि॒सा म॒ म॒
नो ऽ ब्रि ज | राऽ ऽ ज दु | ला ऽ रे ऽ :| दीऽ ऽ न म
= २ ० * ३

म॒
म॒प ग॒म॒ म॒ प | सांनि॒ सांनि॒ पनि॒ सांनि॒ | ध ध प ऽ | पध म॒प ग॒ म॒
लीऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ नऽ सऽ बऽ | गु ण ते ऽ | आऽ ऽ य प
* (अंतरा)

म॒ सां
प सांनि॒ सां ऽ | सांनि॒ धप म॒ प | ग॒सा गम॒प सांनि॒ | म॒ ऽ प नि॒
र्यो ऽ हूं ऽ | द्वाऽ ऽ र ति | हा ऽ रेऽऽ ऽ | का ऽ म क्रो

सां सां सां सां | प नि॒ सां ग॒ं | सां रिं सां सां | नि॒सां रिंसां नि॒ ऽ
ऽ ध अ रू | क प ट मो | ऽ ह म द | सोऽ ऽ जा ऽ

म॒ म॒ म॒
पनि॒ सांनि॒ ध प | धप म॒प ग॒ सा | ग॒ म॒ म॒ ऽ | ग॒ म॒ ग॒ म॒
नेऽ ऽ नि ज | प्रीऽ ऽ त म | प्या ऽ रे ऽ | भ्र म त र

प म॒ प नि॒ | प नि॒ सां नि॒ | सां ग॒ं रिं सां | म॒ं ग॒ं रिं सां
ह्यो ऽ सं ग | इ न वि ष | य न के ऽ | तु व प द

म॒ म॒ सां
सां नि॒ ध प | ग॒ सा ग॒ म॒ | ग॒म॒ प म॒प नि॒ | प नि॒ सां ग॒ं
क म ल न | मैं ऽ उ र | धाऽ ऽ रेऽ ऽ | टे ऽ र सु

स्थायी.

नो ऽ ब्रि ज । रा ऽ ज दु । ला ऽ रे ऽ । ऩिसा गम्, गम् पनि,

पनि सांगं रिंसां निध । पम् गम् पनि सांरिं । सांनि धप, निध पम् । टेर सु

नो ऽ ब्रि ज । ऩिसा गम् पनि सांरिं । सांनि धप मप सां । सांनि धप मप नि

निध पम् गम् प । गम् पसां निध पम् । गरि सा, ऩिसा गम् । टेर सु

नो ऽ ब्रि ज । निनि धप, धध पम्, । गम् पग् मप गम् । गरि सा, साग् मप

गम् पनि सांनि धप । मप निसां गंरिं सांनि । सांनि धप मग् रिसा । टेर सु

नो ऽ ब्रि ज । रा ऽ ज दु । ला ऽ रे ऽ । ऩिसा गग्, साग् मम्,

गम् पप, मप निनि । पनि सांसां, गंगं सांरिं । निसां धनि, पनि सांरिं । सांनि धप, मप निसां

निध पम्, गम् पनि । धप मग् रिसा ऩिसा । गम् पग् मप गम् । टेर....दुलारे

अंतरा " काम क्रो "

ऽ ध अ रू । सांरिं सांरिं सांनि, पनि । पनि पम्, गम् गम् । गरि सा, ऩिसा गम्

पनि सांगं मंपं मंगं । रिंसां निध पम् गम् । पनि सां, पनि सां ! काम क्रो

ऽ ध अ रू । निसां मंगं रिंसां निसां । गंमं पंमं गंरिं सांनि । धप मप, गम् पनि

सानिं धप मग् रिसा, । ऩिसा गसा गम् गम् । पम् पनि पनि सां । काम क्रो

ऽ ध अ रू । क प ट मो । ऽ ह म द । गंरि गंरिं सांरिं सांनि

सांनि् धनि् धप धप। म्॒प म्॒ग् म्॒ग् रिसा, । साम्॒ ग्॒प म्॒नि् पसां। नि्रिं सांम्॒ ग्॒रिं सांनि्

धप म्॒ग्॒ रिसा ग्॒म्॒ । पानि् सांग्॒ रिंसां नि्ध । पम्॒ ग्॒म्॒ पानि् सां । का म क्रो

ऽ ध अ रू । क प ट मो । ऽ ह म द । सांग्॒ ऽरिं सांनि् सांनि्

धप ऽप धप म्॒ग्॒ । ऽग्॒ म्॒ग्॒ रिसा नि्सा, । साग्॒ म्॒प ऽप, ग्॒म्॒ । पानि् ऽनि्, पानि् सांग्॒

ऽग्॒ रिंसां नि्ध पम्॒, । ग्॒म्॒ ग्॒म्॒ प, ग्॒म्॒ । ग्॒म्॒ प, ग्॒म्॒ ग्॒म्॒ | प नि् सां ग्॒ (सां; १, २)
| टे ऽ र सु

बोलतानें.

रिं ऽसां सां सां (सां)	सा नि् सा म्॒	ग्॒ म्॒ ग्॒ म्॒	ग्॒ म्॒ प सां (म्॒)
नो ऽ ब्रि ज	टे र सु नो	ऽ ऽ ब्रि ज	रा ज दु ला
नि् नि् प नि्	प नि् सां ग्॒	रिं सां नि् सां	नि् सां नि् ध (सां)
ऽ रे दी न	म ली न ही	ऽ न स ब	गु ण ते आ
ऽ प म्॒ प	म्॒ ग्॒ ऽ म्॒	ग्॒ रि ऽ सा	ग्॒म्॒ पानि् सां ग्॒
ऽ य प यों	हूं द्वा ऽ र	ति हा ऽ रे	टेऽ ऽ र सु
रिं ऽसां सां सां (सां)	ग्॒म्॒ ऽग्॒ म्॒प ऽम्॒	पानि् ऽप नि्सां ऽनि्	सां ऽरिं नि् सांनि् (सां)
नो ऽ ब्रि ज	टेऽ ऽ रऽ ऽ	सुऽ ऽ नोऽ ऽ	ब्रि ऽज रा जदु
ध प ग्॒ म्॒ग्॒ (म्॒)	ग्॒म्॒ ग्॒म्॒ पम्॒ पानि्	पानि् सांनि् धप म्॒प	प नि् सां ग्॒ (सां)
ला रे दी नम	लीऽ नही ऽन सब	गुण तेऽ ऽ ऽ	टे ऽ र सु
रिं ऽसां सां सां (सां)	पानि् सांनि् ध प	ग्॒ ग्॒ रि सा (म्॒ म्॒)	म्॒ऽ ग्॒प ऽम्॒ नि्प
नो ऽ ब्रि ज	राऽ ऽ ज दु	ला ऽ रे ऽ	टेऽ रसु ऽनो ब्रिऽ
पसां ऽनि् रिंनि् ऽसां	ग्॒रिं सांरिं सांनि् सांनि्	धप ऽम्॒ पम्॒ ग्॒म्॒	प नि् सां ग्॒ (सां)
जरा ऽज दुला ऽरे	दीऽ नम लीन हीऽ	नस ऽब गुण तेऽ	टे ऽ र सु

सां
रिं ऽसां सां सां | नि॒ ग॒ सा म॒ | ग॒ प प प | नि॒ ऽ पध ऽ
नो ऽ ब्रि ज | टे ऽ र सु | नो ऽ ब्रि ज | रा ऽ जदु ऽ

म॒ सां
प ग॒ रि सा | ग॒म॒ पनि सांरिं नि॒ | सां सां नि॒ सां | नि॒ सां गं॒ रिं
ला ऽ रे ऽ | दीऽ ऽ नऽ म | ली न ही न | गु ण ते ऽ

म॒
सां ऽ रिं नि॒ | सां नि॒ ध प | नि॒म॒ ऽ प प | ग॒ रिसा, ग॒म॒ पनि॒
आ ऽ य प | यों ऽ हूं ऽ | द्वाऽ ऽ र ति | हा रेऽ , टेऽ रसु

सां ऽ सां सां | सांरिं सांनि॒ सांनि॒ पनि॒ | पध पम॒ पम॒ ग॒म॒ | ग॒म॒ ऽग॒ म॒ग॒ रिसा
नो ऽ ब्रि ज | टेऽ ऽर ऽ सुऽ | नोऽ ऽब्रि ऽ जऽ | राऽ ऽज दुला ऽरे

सा
साम॒ ऽग॒ म॒प ऽम॒ | पनि॒ ऽप पनि॒ सांगं॒ | रिंसां नि॒ध पम॒ ग॒म॒ | प नि॒ सां गं॒
दीऽ ऽन मली ऽन | हीन ऽन सब गुण | तेऽ ऽ ऽ ऽ | टे ऽ र सु

सां म॒ म॒
रिं ऽसां सां सां | पनि॒ सांनि॒ ध प | ग॒ ग॒ रि सा | पम॒ पग॒ ऽम॒ ऽम॒
नो ऽ ब्रि ज | राऽ ऽ ज दु | ला ऽ रे ऽ | टेर सुनो ऽब्रि ऽज

सां
सानि॒ साम॒ ऽम॒ म॒म॒ | पनि॒ ऽनि॒ पनि॒ सांनि॒ | धप म॒प ग॒म॒ प | प नि॒ सां गं
राज दुला ऽरे दीन | मलि ऽन हीन सब | गुण तेऽ ऽ ऽ | टे ऽ र सु

नो ब्रिजराज दुलारे,

ग॒म॒ग॒ म॒पम॒ पनि॒प नि॒सांनि॒ || सांगं॒रिं सांरिंसां नि॒सांनि॒ पधप |
टेऽर सुऽनो ब्रिऽज राऽज || दुलारे दीऽन मलीन हीऽन |
३ =

१
धपम॒ ग॒म॒ऽ ग॒म॒ग॒ रिसासा | ग॒म॒प नि॒पनि॒ सांऽप नि॒सांगं॒ |
सबगु णतेऽ आऽय पयोंहुं | द्वाऽर तिहाऽ रेऽटे ऽरसु |
२ ०

२ ३
रिंसांप नि॒सांगं॒ रिंसांप नि॒सांगं॒ ||
नोऽटे ऽरसु नोऽटे ऽरसु ||
३

			सा
रि' ऽसां सां सां	मृंगृं रिंसां गृंरिं सांनि	सांनि धप मृगृ रिसा	ऽ ऽ नि सा
नो ऽ त्रि ज	टेऽ ऽ रऽ ऽ	सुऽ नोऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ त्रि ज
	१	२	३
मृ ऽ मृ मृ	पमृ गृमृ, पनि सांगृं	रिं' ऽसां, पनि सांगृं	रिं' ऽसां, पनि सांगृं
रा ऽ ज दु	लाऽ रेऽ, टेऽ रसु	नो ऽ, टेऽ रसु	नो ऽ, टेऽ रसु
रि' ऽसां सां सां	पानि सांनि ध प	ऽ सांरिं सांरिं सांनि,	पानि पानि पमृ, गृमृ
नो ऽ त्रि ज	राऽ ऽ ज दु	ऽ टेऽ ऽ रऽ,	सुऽ ऽ नोऽ, त्रिऽ
	१	२	३
गृमृ गृरि निसा, सा	मृगृ पमृ धप सांनि	रिंसां गृं, सांनि रिंसां	गृं, सांनि रिंसां गृं
जऽ राऽ जऽ, दु	लाऽ ऽ रेऽ टेऽ	रऽ सु, टेऽ रऽ	सु, टेऽ रऽ सु
रि' ऽसां ऽ ऽ			
नो ऽ ऽ ऽ			

राग पिलू.

—*—

रागांग विस्तार.

(१) प गृ ऽ; नि सा ऽ; (गृ) ऽ (गृ) ऽ; सा रि सा, गृ रि सा (गृ के ऊपर: रि)

नि ऽ; पधृ मृप नि सा, गृ ऽ; नि सा ऽ ॥ (गृ के ऊपर: रि)

(२) (गृ) ऽ (गृ) ऽ; रिगृ मृगृ रिगृ ऽ; सा रि सा गृ ऽ; सा रि

सा नि ऽ; सा ऽ, ग ऽ मृ प गृ ऽ; नि सा ऽ ॥ (ग के ऊपर: मृ; मृ के ऊपर: मृ; गृ के ऊपर: रि)

(३) (गृ) ऽ (गृ) ऽ; सारि गमृ ग ऽ; सा गृ ऽ, सा ऽ; गमृपध

मृपगृ ऽ; सानि सा ऽ ॥ (मृ के ऊपर: मृ)

(४) प ऽ प ऽ; मपध मप, म्ग ऽ; म्प धनि् ध प ऽ, मप म्ग ऽ;

म्
सा ग ऽ, ग म् ऽ, म् प ऽ, प नि् ऽ, ध प ग् ऽ;

सानि़ सा ऽ ॥

(५) गम् पनि ऽ; ध्पमप निसांगं्ऽ ऽ, सां ऽ; गं् ऽ; सांरिंगं ऽ,

म्
(सां) ऽ; प सां ऽ, नि् ध प ऽ; ग्म् ध् प ग् ऽ; सानि़

सा ऽ; नि़नि़ सारि् सानि़ ध़्प़ ऽ, प़ध़् नि़ सा ऽ; प ग् ऽ;

सा
नि़ सा ऽ ॥

(६) नि़सा गम् प ऽ; ध प ऽ; नि् ध प ऽ, ग प म् ग ऽ; सा ऽ,

म् सा
गम् प ऽ; नि् ऽ, ध प ग् ऽ; नि़ सा ऽ;

म्
(७) नि़सा ग्म् प ऽ, ध् प ऽ; नि् ध् प ऽ; ध् म् प ग् ऽ; सा ऽ,

म्
गम् प ऽ, गम् पनि् ऽ, ध प ग् ऽ; सानि़ सा ऽ ॥

उपरोक्त स्वरविस्तार में **गौरी, काफी, भीमपलासी, भैरवी, खमाजादि** रागों का मिलाप है. यथाः—

गौरीः— प़ध़् प़ध़् नि़ सा.

काफीः— म्प धनि् ध प ऽ, सां नि् ध प म् प ग्, इ.

भीमपलासीः— नि़सा ग्म् प ऽ; नि् ध प.

भैरवीः—पऽ, ध् प ऽ; नि् ध् प ऽ; ध् म् प ग्.

खमाजः—नि़सा गम् प ऽ; ध प ऽ; नि् ध प ऽ ग प म् ग.

स्वरविस्तार.

(१) सानि़ ध़प़ म़प़ नि़सा ग् रिनि़ सा ऽ; सानि़ ध़प़ म़प़ नि़सा गम् प ग् रिनि़ सा ऽ; सानि़ ध़प़ म़प़ नि़सा गम् पसां ऽ प ग् रिनि़ सा ऽ; (अथवा) गम् पसां ऽनि ध्प म्ग् रिसा नि़सा ऽ ॥

(२) नि़सा ग् रिनि़ सा ऽ; नि़सा म्ग् रिनि़ सा ऽ; नि़सा गम् पध् पम् ग्रि सानि़ सा ऽ; नि़सा गम् पनि् नि्ध् पम् ग्रि सानि़ सा ऽ; पध् पम् गम् पनि सांनि ध्प म्ग् रिसा (अथवा) नि़सा गम् पम् गम् पध नि्ध पध सांनि् धप म्ग, गम् पध् ध्प म्ग् रिसा नि़सा, गम् प ग् रिनि़ सा ऽ ॥.

नोटः—यह एक मिश्र प्रकार होनेके कारण इसकी आरोहावरोह की स्वररचना नियत नहीं.

पीलू – दीपचंदी.

कदर प्यारे लागे तुमसे नैन.
जबसे गये मोरि सुधहु न लिनी, बिन देखे नहिं चैन.

			ऽ	ग्	ग्	ग्	ग्	ऽ	ऽ	रिम्	ग्रि	सा	ऽ
			ऽ	क	द	र	प्या	ऽ	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	ऽ
			२				०			३			
सानि़	ध़प़	म़प़	नि़सा	म्ग	पम्	धप	नि्	प	ऽम्	गम्	ग्रि	सा	नि़
लाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गे	ऽ	तुम	ऽ	ऽ	से
=			२				०			३			
सा	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि़सा	गम्	प	प	प	प	पध
नै	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	एऽ	ऽ	ऽ	ला	गे	तु	म्सेऽ

=(सम)

ग प ऽ	गप मृग रिग ऽ	साग मृप धानि॒	प गृरि सा नि॒
नै ऽ ऽ	नऽ ऽ ऽ ऽ	लाऽ ऽ ऽ	गे तुम से ऽ
सा ऽ सा	नि॒सा गम्‌ प ऽ	प प गम्‌	पध सांनि॒ ध प
नै ऽ न	एऽ ऽ ऽ ऽ	ला गे तुम	ऽ ऽ से ऽ
ग प ऽ	मृप मृग रिग सा	गम्‌ पध नि॒	प गृरि सा नि॒
नै ऽ ऽ	नऽ ऽ ऽ ऽ	लाऽ ऽ ऽ	गे तुम से ऽ
सा ऽ सा	ऽ गम्‌ पध नि॒	नि॒ नि॒ नि॒ध	पध प ऽ ऽ
नै ऽ न	ऽ एऽ ऽ ऽ	ला गे तुम	ऽ से ऽ ऽ
ग प ऽ	गप मृग रिग ऽ	साग मृप धानि॒	प ऽ (गृ) रिनि॒
नै ऽ ऽ	नऽ ऽ ऽ ऽ	लाऽ ऽ ऽ	गे ऽ तु म्सेऽ
सा ऽ सा	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नि॒सा रिगृ	गृ गृ रिमृ गृरि
नै ऽ न	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ एऽ ऽ	ला गे तुम सेऽ
सारि सारि गृरि	सा नि॒ ऽ ऽ	पध॒ मृप॒ नि॒	सा गृरि सा नि॒
नैऽ ऽ ऽ	न ऽ ऽ ऽ	लाऽ ऽ ऽ	गे तुम से ऽ
सा ऽ सा	ऽ गृ गृ गृ	गृ ऽ ऽ	रिमृ गृरि सा ऽ
नै ऽ न	ऽ क द र	प्या ऽ ऽ	रेऽ ऽ ऽ ऽ
सानि॒ धृप॒ मृप॒	नि॒सा मृग पम्‌ धप	नि॒ प ऽम्‌	गम्‌ गृरि सा नि॒
लाऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ गे ऽ	तुम ऽ ऽ से
सा ऽ सा	नि॒सा गम्‌ प ऽ	प प प	ग प ऽ ऽ
नै ऽ न	एऽ ऽ ऽ ऽ	क द र	प्या ऽ ऽ ऽ

मृप मृग रिग | ऽ गम् पध नि | नि नि नि | नि ऽ पध पसां
रेऽ ऽ ऽ | ऽ एऽ ऽ ऽ | क द र | प्या ऽ ऽ ऽ

निध प ऽ | ऽ ग प म् | ग ऽ ऽ | ऽ गम् पध नि
ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ | ऽ एऽ ऽ ऽ

नि नि नि | सां ऽ ऽ ऽ | धसां निध प | ऽ ग प म्
क द र | प्या ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

ग ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ साग | गम् मृप पनि | धप गृरि सा नि
रे ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ लाऽ | ऽ ऽ ऽ | गेऽ तुम से ऽ

सा, साान् .धृप् । मृप् निसा साग गम् । मृप पध धनि । निसां सांनि निध धप
नैन

पम् मृग् गृरि । रिसा सानि निध् .धृप् | .मृप् निसा गम् | प गृरि सा नि
| लाऽ ऽ ऽ | गे तुम से ऽ

सानि .धप् .मृप् । .मृनि .पसा निग् साम् । गप मृनि पसां । सांरिं निसां धनि पध

मृप गम् रिग् । सारि निसा ऽ गम् | नि प ऽम् | गृम् गृरि सा नि
लाऽ | ऽ गे ऽ | तुम ऽ ऽ से

सा ऽ सा | निसा गम् प ऽ | प प प | ग प ऽ ऽ
नै ऽ न | एेऽ ऽ ऽ ऽ | क द र | प्या ऽ ऽ ऽ

मृप मृग रिग | ऽ सा ऽ ऽ | निसा गम् पध | प गृ रि सानि
रेऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | लाऽ ऽ ऽ | गे तु ऽ म्सेऽ

सा ऽ सा |
नै ऽ न | कदर प्यारे लागे तुमसे नैन.

अंतरा.

सा
| नि सा ग म्
| ज ब से ग

प ऽ ऽ | प प ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ग म् नि् प
ये ऽ ऽ | मो रि ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | सु ध हु न

म्ग रिग् ऽरि | सानि सा ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ निसा ग म्
लीऽ ऽ ऽ | नीऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ जब से ग

प
गम् पध नि् | ध प ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ गम् ध प
येऽ ऽ ऽ | मो रि ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ सुध हु न

रि
(ग्) ऽ ऽ | नि सा ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ निसा ग म्
ली ऽ ऽ | नी ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ऽ जब से ग

प ऽ ऽ | ऽ ऽ प प | ऽ निसां रिंसा | निध् पम् पध् निसां
ये ऽ ऽ | ऽ ऽ मो रि | ऽ आऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

निध् पध् म्प । गम् पध् पम् गम् । पम् ग्रि निसा ¦ ऽ गम् पानि् म्प
¦ ऽ सुध हुऽ नऽ

ग् रिग् सारि | निसा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | नि सा ग म्
ली ऽ ऽ | नीऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ज ब से ग

म्
प ऽ ऽ | पध पम् गम् पध | नि् प ऽ | ग म् नि्ध धप
ये ऽ ऽ | मोऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ रि ऽ | सु ध हुऽ नऽ

पम् म्ग् ग्रि | निसा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | नि सा ग म्
लीऽ ऽ ऽ | नीऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | ज ब से ग

प	ऽ	ऽ	पध	पम्	गम्	पध	सांनि्	धप	ऽ	ऽ	गम्	पानि्	म्प
ये	ऽ	ऽ	मोऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रिऽ	ऽ	ऽ	सुध	हुऽ	नऽ

गम्	रिग्	सारि	निसा	ऽ	ऽ	गम्	प	ऽ	पं	ऽ	ऽ	पध
लीऽ	ऽ	ऽ	नीऽ	ऽ	ऽ	बिन	दे	ऽ	खे	ऽ	ऽ	नहिं

ग	प	ऽ	म्प	म्ग	रिग	ऽ	गम्	पध	सांनि्	ध	प	ऽ	पध
चै	ऽ	ऽ	नऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बिन	देऽ	ऽ	खे	ऽ	ऽ	नहिं

ग	प	ऽ	म्प	म्ग	रिग	ऽ	ऽ	निनि	नि	सां	ऽ	सां	सां
चै	ऽ	ऽ	नऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बिन	दे	खे	ऽ	न	हिं

ध्	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	गम्	पध	नि्	प	ग्रि	सा	नि
चै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	लाऽ	ऽ	ऽ	गे	तुम	से	ऽ

सा	ऽ	सा	
नै	ऽ	न	कदर प्यारे, इ. इ.

राग बागेश्री.

---*---

रागांग विस्तार.

(१) म् ग् रि सा ऽ, नि् ध् सा ऽ, म् ग् ऽ; म् ध ऽ म् ग् ऽ, म् ग् रि सा ऽ ॥

(२) सा ऽ नि् ध् ऽ, म् ध् नि् सा ऽ, म् ग् ऽ; म् ध नि् ध म् ग् ऽ, म् ग् रि सा ऽ ॥

नि॒
(३) ध॒ नि॒ सा म॒ ऽ; म॒ ध ऽ म॒ ऽ; म॒ ध नि॒ ऽ, नि॒ ऽ ध ऽ

म॒ ऽ; म॒ ध ऽ, पध पध नि॒ ध म॒ ग॒ ऽ, म॒ ग॒ रि सा ऽ ॥

(४) गम॒ धनि॒ सां ऽ; नि॒ ध सां ऽ; सां ऽ, रिंनि॒ सां ऽ; नि॒ ऽ,

म॒
ध ऽ, म॒ ऽ; म॒ नि॒ध सां ऽ; ग॒ ऽ, रि ऽ, सा ऽ ॥

म॒ ध नि॒ सां म॒ सां
(५) ग॒ म॒ ध नि॒ सां ऽ, सां ऽ, रिं गं॒ रिं सां नि॒ सां नि॒ ध ऽ;

धनि॒ सांरिं गं॒ ऽ, रिंगं॒ मंगं॒ रिं सां ऽ; सां ऽ, रिंनि॒ सां नि॒ ऽ

ध ऽ; ग॒ म॒ नि॒ ध ऽ; ग॒ म॒ सां ऽ, नि॒ ध ऽ; नि॒ ध ऽ

म॒ ग॒ ऽ, म॒ ग॒ रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) ऩि॒सा म॒ग॒ रिसा ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा गम॒ धम॒ ग॒रि साऩि॒ सा ऽ; ऩि॒सा गम॒ धनि॒ धम॒ ग॒रि सा ऽ; ऩि॒सा गम॒ धनि॒ सां नि॒ध म॒ग॒ म॒ग॒ रिसा ऽ; ऩि॒सा गम॒ धनि॒ सांरिं सांनि॒ धम॒ ग॒रि सा ऽ; गम॒ धनि॒ सांरिं गं॒रिं सांनि धम॒ ग॒रि सा ऽ; ऩि॒सा गम॒ धनि॒ सां, नि॒सां मंगं॒ रिंसां नि॒सां नि॒ध म॒ग॒ रिसा ऩि॒सा ऽ ॥

(२) ऩि॒सा म॒ग॒ म॒ध पध नि॒ध म॒ग॒ रिसा ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा म॒ग॒ म॒ध पध नि॒सां नि॒ध म॒ग॒ रिसा ऽ; ऩि॒सा म॒ग॒ म॒ध पध नि॒सां रिंसां नि॒ध पध नि॒ध म॒ग॒ रिसा ऩि॒सा ऽ; ऩि॒सा म॒ग॒ म॒ध पध नि॒सां मंगं॒ रिंसां नि॒सां नि॒ध पध नि॒ध म॒ग॒ रिसा ऩि॒सा ऽ ॥

(३) .नि्सा ग़म् धनि् सांनि् धप मग् रिसा .नि्सा ऽ; .नि्सा गम् धनि् सांरिं सांनि् धप मग् रिसा ऽ; गम् धनि् सांरिं गंरिं सांनि् धप मग् रिसा ऽ; .नि्सा गम् धनि् **सां,** मंगं रिंसां नि्ध पम् ग़रि सानि् धनि् **सा** ऽ ॥

नोट – लौकिक तीव्र गांधार का व्यवहार करनेसे **रागेश्री** राग होगा. आरोह में तीव्र और अवरोह में अतिकोमल गांधार स्वर का व्यवहार करनेसे **मालगुंजी** राग होगा.

बागेश्री – त्रिताल

सावरिया से बतावो मोरि सजनी, जा को ढूंडत गई दिन रजनी.
मोर मुगुट तोरे सीस बिराजे, गले बिच माल सोहावन कछनी.

		: धानि् सां नि् ध	म् ग् रि सा
		साऽ ऽ व रि	या ऽ से ब
		०	३
रिनि् सा सा नि्	ध म् मध नि्सां	: ध म् म् ध	ऽ नि् ध नि्
ताऽ बो मो रि	स ज नीऽ ऽ	जा ऽ को ऽ	ऽ ढूं ढ त
=	२	* ०	३

*(अंतरा)नि्

सां सां रिं सां	नि् ध मध नि्सां	ग म् ध नि्	सां सां सां सां
ग ई दि न	र ज नीऽ ऽ	मो ऽ र मु	गु ट तो रे
सां		म् नि्	
नि् सां रिं सां	नि् सां नि् ध	ग म् ध नि्	रिंनि् सां सां सां
सी ऽ स बि	रा ऽ जे ऽ	मो ऽ र मु	गुऽ ट तो रे

मृं	सां	सां सां	
रिं गृं रिं सां	न्सिां रिंसां न्‌ि ध	न्‌ि न्‌ि सां मृं	गृं रिं सां सां
सी ऽ स बि	राऽ ऽ जे ऽ	ग ले वि च	मा ऽ ल सो

न्सिां रिं सां न्‌ि	ध मृ मृध न्‌ि	सां ऽ न्‌ि ध	मृ गृ रि सा
हा ऽ व न	क छ नीऽ ऽ	सा ऽ व रि	या ऽ से ऽ

स्थायी.

न्‌िसा गृमृ धध गृमृ । धन्‌ि सांसां न्‌िध मृध । सावरिया से

न्‌िसा गृमृ धन्‌ि सांरिं । न्सिां रिंसां न्‌िध मृध । सावरिया से

रिसा न्‌िध न्‌िसा मृगृ ।मृध पध न्‌िध न्‌िसां ।न्सिां मृंगृं गृंरिं रिंसां।सांन्‌ि न्‌िध धमृ मृगृ

गृरि रिसा न्‌िध न्‌िसा । सागृ गृमृ मृध धन्‌ि । सावरिया से ब

ता वो मो रि । स ज नी ऽ । रिरि सासा, मृमृ गृगृ, ।धध मृमृ, न्‌िन्‌ि धध,

सांसां न्‌िन्‌ि, रिंरिं सांसां, । मृंमृं गृंरिं सांन्‌ि धन्‌ि । सावरिया से

मृगृ रिगृ, धमृ गृमृ, ।न्‌िध मृध, सांन्‌ि धन्‌ि, ।रिंसां न्सिां, गृंरिं ऽरिं ।सां, सांन्‌ि ऽन्‌िध,

धमृ ऽमृ गृ, गृरि । ऽरि सा, गृमृ धन्‌ि । सावरिया से ब

ता वो मो रि । स ज नी ऽ । न्‌िन्‌ि धमृ धन्‌ि सांरिं । गृंरिं मृंगृं रिंसां, रिंसां

गृंरिं सांन्‌ि, सांन्‌ि रिंसां। न्‌िध, न्‌िध सांन्‌ि धमृ, ।धमृ न्‌िध मृगृ, गृरि।मृगृ रिसा, न्‌िसा गृमृ

गृमृ धन्‌ि, मृध न्सिां, । रिं रिंसां न्‌िध पमृ, । सां सांन्‌ि धप मृगृ, । न्‌ि न्‌िध मृगृ रिसा,

गृमृ धन्‌ि सां, गृमृ । धन्‌ि सां, गृमृ धन्‌ि । सावरिया ...सजनी

अंतरा. "मोर मुगुट तोरे"

मंगं रिंसां निध पम् । गुरि सानि धनि सारि । ग, रिग् मध नि, । धनि सांरिं गं रिंसां,

रिं सांनि, सां निध, । नि धम्, ध मग्, । म् गुरि, ग रिसा, । रिसा निसा, मग् रिग्,

निध पध, सांनि धनि, । रिंसां निसां, मंगं रिंसां । मोर मुगुट तोरे

सांमं गंमं रिंगं सांरिं। निसां धनि पध मप। गम् रिग् सारि निसा, ।गुरि मग् धम् निध

सांनि रिंसां गंरिं मंगं । रिंसां निसां निध पम् । मोर मुगुट तोरे

धनि सांध निसां धानि । सांरिं सांनि धप मग् ।गम् धनि सांरिं निसां ।गं गं रिंसां निसां

रिं रिं सांनि धनि । सां सां निध पम् । ध ध मग् रिग् । म् म् गुरि सारि

ग् ग् रिसा निसा । गम् धनि सां ऽ । मोरे मुगुट तोरे

मंगं रिंगं रिंसां रिंसां।निसां निध निध मध।मग् मग् रिग् रिसा, ।सा निसाम् गम्, मग्

मध मध, धम् धनि।धानि, निध निसां निसां । मोर मुगुट, इ. इ.

बोलतानें. "सावरिया से ब"

रिनि सा सा नि	ध म् मध निसां	ध नि सा म्	ऽ म् ऽ म्
ताऽ बो मो रि	स ज नीऽ ऽ	सा व रि या	ऽ से ऽ ब
म् ध ध नि	ध म् धनि सां	सांरिं सांनि सांनि धनि	धनि धप धनि धम्
ता वो मो रि	स ज नीऽ ऽ	जाऽ ऽको ऽ ढूंऽ	ढऽ ऽत ऽ गाऽ
मप धध मग् मग्	रिग् मग् रि सा	ऽ सां नि ध	म् ग् रि सा
ईऽ ऽदि ऽ नऽ	रऽ ऽ ज नी	ऽ सा व रि	या ऽ से ब

रिनि़ सा सा नि़ | ध धानि़ ऽध ऽम़ | गम़ गरि ऽरि सा | रिसा ऽनि़ सानि़ धनि़
ताऽ बो मो रि | सा वरी ऽया ऽसे | बता बोमो ऽरि स | जनी ऽजा ऽको ढूंऽ

साम़ मम़ ऽम़ धध | गम़ धानि़ सांनि़ धनि़ | सां ऽ नि़ ध | म़ ग़ रि सा.
दऽ तग ऽई दिन | रज नीऽ ऽ ऽ | सा ऽ व रि | या ऽ से ब.

रिनि़ सा सा नि़ | नि़सां नि़रिं सांनि़ ध | धानि़ धसां नि़ध म़ | रिग़ रिम़ गरि सा.
ताऽ बो मो रि | साऽ ऽव रीऽ या | सेऽ ऽब ताऽ बो | मोऽ ऽरि सज नी.

नि़सा नि़रि सानि़ धध | सानि़ ऽसा गम़ धनि़ | सां ऽ नि़ ध | म़ ग़ रि सा
जाऽ ऽको ढूंऽ ढत | गई ऽदि नर जनी | सा ऽ व रि | या ऽ से ब

रिनि़ सा सा नि़ | सांनि़ धध नि़ध पम़ | गम़ धानि़ सां ऽसां | धानि़ सांरिं मंगं रिंसां
ताऽ बो मो रि | साऽ ऽ वऽ रिऽ | याऽ ऽ से ऽब | ताऽ बोऽ सज नीऽ

गंरिं सांनि़, रिंसां नि़ध, | गम़ धम़ धानि़ धनि़ | सांनि़ सांरिं सांरिं गंरिं | गंमं गंरिं गंरिं सांरिं
जाऽ ऽ, कोऽ ऽ | ढूंऽ ऽ ऽ ढऽ | ऽत ऽ गऽ ऽई | ऽ दिऽ ऽन ऽ

सांनि़ सांनि़ धनि़ धम़ | गरि सा, गम़ धानि़ | धानि़ सां नि़ ध | म़ ग़ रि सा
रऽ ऽज ऽ नीऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | साऽ ऽ व रि | या ऽ से ब

रिनि़ सा सा नि़ | ध म़ मध नि़सां | मगम़ धमध | नि़धनि़ सांनि़सां
ताऽ बो मो रि | स ज नीऽ ऽ | सावरि यासेब | ताबोमो रिसज

रिंसांनि़ सांनि़ध | नि़धम़ गमधनि़ | धनि़ सां नि़ ध |
नजाको ढूंढत | गईदि नरजनी | साऽ ऽ व रि |
= २ ०

मऽग़ धऽम़ नि़ऽध सांऽनि़ || रिंऽसां मंऽगं रिंसांऽ सांरिंसां ||
साऽव रिऽया सेऽब ताऽबो || मोऽरि सऽज नीऽऽ जाऽको ||
३ =

निसांनि धनिध गमध मधनि | सां ऽ नि ध | म ग रि सा ||
ढूंऽढ तऽग इदिन रजनी | सा ऽ व रि | या ऽ से ब ||
२ ० ३

रिनि सा सा सा | निसा मग मध पध | पध निध निसां निसां | निसां मंगं मंगं रिसां
ताऽ वो मो रि | साऽ ऽव ऽ रिऽ | याऽ ऽसे ऽ बऽ | ताऽ वोमो ऽरि सज

सांरिं सांनि सांनि धनि | धनि धम धम गम | गरि सा, गम धनि | सां निध मग रिसा
नीऽ ऽजा ऽको ढूंऽ | ढऽ तग ऽई दिन | रज नी, ऽ ऽ | सा वरि याऽ सेब

रिनि साम मध नि, | सां निध मग रिसा | रिनि साम मध नि, | सां निध मग रिसा
तावो मोरि सज नी, | सा वरि याऽ सेब | तावो मोरि सज नी, | सा वरि याऽ सेब

रिनि सा सा नि | ध म मध निसां | धनि सां नि ध | म ग रि सा
ताऽ वो मो रि | स ज नीऽ ऽ | साऽ ऽ व रि | या ऽ से ऽ

गंरिं रिंसां सांनि निध | धम मग गरि सा, | निसा गम ध ध | मध नि धनि सां
साऽ ऽ वऽ रिऽ | याऽ ऽ सेऽ ब, | ताऽ ऽ वो स | जऽ ऽ नीऽ ऽ

निसां रिं सांरिं गं | रिंगं मं गंरिं सांनि | धप मग रिसा निसा, | गम पग मग रिसा
जाऽ ऽ कोऽ ऽ | ढूंऽ ऽ ढऽ तऽ | गई दिन रज नीऽ, | साऽ वरि याऽ सेऽ

सां निध मग रिसा | गम पग मग रिसा |
सा वरि याऽ सेऽ | साऽ वरि याऽ सेऽ | सावरिया से इ. इ.

राग मालकौंस.

——×*×——

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, नि़् सा म् ऽ; ग् म् ग् सा ऽ; नि़् ध़् नि़् सा ऽ म् ऽ ॥

(२) सा (सा) नि़् ध़् ऽ म़् ध़् नि़् सा ऽ; ग् म् ग् सा ऽ; ग् म् ध् म् ऽ; नि् ध् ऽ, म् ऽ; ग् म् ग् सा ऽ ॥

(३) नि़् सा ग् म् ध् नि् सां ऽ; सां नि् ध् म् ऽ, नि् ध् म् ग् ऽ, ग् म् ग् सा ऽ ॥

(४) ग् म् ध् ऽ, नि् सां ऽ, सां ऽ; सां गं् मं् ऽ, गं् मं् ग् सां ऽ; गंनि् सां नि् ध् ऽ, मध् नि् ध् म् ऽ; ग् म् ऽ, ग् सा ऽ; नि़् सा ध़् नि़् सा ऽ, म् ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि़सा मम् गसा ऽ; नि़सा गम् धम् गसा ऽ; नि़सा गम् धनि् धम् गसा नि़सा ऽ; नि़सा गम् धनि् सांनि् धम् गसा ऽ; नि़सा गम् धनि् सांगं् सांनि् धम् गसा नि़सा ऽ; नि़सा गम् धनि् सांमं् गंमं् गंसां निनि् धम् गम् गसा ऽ ॥

मालकौंस – त्रिताल.

मैं ढूंड ढूंड गई हार हार, अब दरस दिखावो एक बार.
कौन देस गये हो मेरे स्वामी, खोजुं कहां मेरे अंतर-यामी,
कहां छूप गयो मन मुरार.–मैं

|: ग् म् | ग् म् सा सा | नि़ ग्सा ध़् नि़
मैं ऽ | ढूं ऽ ड ढूं | ऽ डऽ ग ई
० ३

सा म् म् म् | ऽ म् :| ग् ग् | म् ध् नि् नि् | सां ऽ सां नि्
हा ऽ र हा | ऽ र अ ब | द र स दि | खा ऽ वो ऽ
× २ ० ३

ध् नि् ध् म् | ऽ म् ग् ग्म् | ग् म् सा सा | ऽ सानि़ ध़् नि़
ए ऽ क बा | ऽ र मैं ऽ | ढूं ऽ ड ढूं | ऽ डऽ ग ई

(अंतरा)

सा ऽ म् म् | ऽ ऽ ग् म् | ऽ म् ग् ग् | म् म् ध् नि्
हा ऽ र हा | ऽ ऽ ऽ र | ऽ को न दे | ऽ स ग ये

सां ऽ सां सां | नि् सां सां ऽ | ऽ सां सां सां | (सां) ऽ नि् ध्
हो ऽ मे रे | स्वा ऽ मी ऽ | ऽ खो जुं क | हां ऽ मे रे

म् ध् नि् नि् | ध् नि् ध् म् | सां मं ऽ गं | मं गं सां सां
अं ऽ त र | या ऽ मी ऽ | क हां ऽ छू | ऽ प ग यो

ध् नि् ध् म् | ऽ म् ग् म् | ग् ऽ सा सा | नि़ ग्सा ध़् नि़
म न मु रा | ऽ र मैं ऽ | ढूं ऽ ड ढूं | ऽ डऽ ग ई

स्थायी.

हा ऽ, नि़्सा ग़्म़् । धऩि् ध़्म़्, ग़्म़् धऩि् । सांऩि् ध़्म़्, ग़्म़् धऩि् । सांग़ं् सांऩि् ध़्म़्, ग़्म़्

धऩि् सांग़ं् म़ंग़ं् सांऩि् । ध़्म़् ग़्म़् ग़्सा, मैंऽ । ढूंड ढूंड गई

हा ऽ र ऽ । नि़्सा ग़्म़् धऩि् सां । नि़्सां म़ंग़ं् सांऩि् सांग़ं्।सांऩि्, धऩि् सांऩि् ध़्म़्

धऩि् ध़्म़्, ग़्म़् ध़्म़् । ग़्सा ग़्म़् ग़्सा, मैंऽ । ढूंड ढूंड गई

हा ऽ, साम़् ग़्ग़् । म़्नि् ऽध़्, ध़्मां नि़नि़् । सांम़ं् ऽगं्, गं़गं़् सांऩि् । ध़्ध़् ऽम़्, ग़्म़् धऩि्

सांग़ं् ऽसां, नि़नि़् ध़्म़् । ग़्सा ऽसा, मैं ऽ । ढूंड ढूंड गई

हा ऽ, नि़् ऽसा । साम़् ग़्म़्, ग़् ऽम़् । म़्नि् धऩि्, म़् ऽनि् । ध़्सां नि़्सां, ध़् ऽनि्

सांग़ं् नि़्सां, म़ंम़ं् गं़्सां।नि़ध़् म़्म़्, ग़्म़् नि़ध़् ।सांऩि् गं़्सां गं़् गं़्सां।नि़ध़् म़्म़्,सां सांऩि्

ध़्म़् ग़्ग़्, नि़् नि़ध़् । म़्म़् ग़्सा, मैं ऽ । ढूंड ढूंड गई

हा ऽ र ऽ । नि़्सा ग़्नि़् साग़्, नि़्सा । ग़्म़् साग़् म़्सा ग़्म़्, ।साग़् म़्ध़् ग़्म़् ध़्ग़्

म़्ध़्, ग़्म़् धऩि् म़्ध़् । नि़म़् धऩि्, म़्ध़् नि़्सां । धऩि् सांध़् नि़्सा, धऩि् ।सांग़ं् सांऩि् सांऩि् ध़्नि्

ध़्म़् ध़्म़् ग़्म़् ग़्सा । ग़्सा ऽ, मैं ऽ । ढूंड....हार

अंतरा. "कौन देस गये"

हो ऽ मे रे । स्वा ऽ मी ऽ । धऩि् साध़् नि़्सां ध़्नि़् । सां सांऩि् ऽनि़्, ध़्

ध़्म़् ऽम़्, ग़् ग़्सा । ऽसा, ग़्म़् धऩि् सां । कौन देस गये

म़ंम़ं् गं़्म़ं् म़ंग़ं् सांसां । नि़नि़् धऩि् नि़ध़् म़्म़् । म़्म़् ग़्म़् म़्ग़् सासा, । नि़्सा म़्ग़् ध़्म़् नि़ध़्

सांनि् गंसां मंगं सांनि् । धम् गम् धनि् सां । कौन देस गये

हो ऽ मे रे । स्वा ऽ मी ऽ । मंमं गंगं मंगं सांसां । सांसां निनि् सांनि् धध्

मम् गग् मग् सासा, ।साम् गग्, मनि् धध्, ।धसां निनि्, निगं सांसां।सांमं गंगं सांसां निनि्

धध् मम् गग् सासा, । निसा गम् धनि् सां । कौन देस गये

गम् धनि् सांध् निसां।धनि् सांगं मंगं सांसां, ।निसां गंगं सांनि् धनि्।सांसां निध्, मध् निनि्

धम्, गम् धध् मग् । सा, गम् धनि् सां । कौन देस गये

हो ऽ मे रे । स्वा ऽ मी ऽ । सांगं गंसां, निसां सांनि्, । धनि् निध्, मध् धम्,

गम् मग्, साग् गसा, ।गम् मग, मध् धम्, ।धनि् निध्, निसां सांनि्, ।सांगं गंसां सांनि् निध्

धम् मग् गसा, निसा । गम् धनि् सां ऽ । कौन देस गये

हो ऽ मे रे । स्वा ऽ मी ऽ । सांनि् धम् गम् गसा, । मग् मग्, धम् धम्,

निध् निध्, मध् गम् । नि् नि् नि नि् । धनि् निनि् धनि् निनि् । मध् निसां धनि् सांनि्

धनि् धनि् मध् निनि् । गम् धनि् धनि् धनि् । मध् मध् गम् गम् । ग् सा, धम् ग्,

निध् म्, सांनि् ध्, । नि् गं सां सां, । धनि् सां धनि् सां, । धनि् धनि् मध् निनि्

निनि् निनि् धध् मम् । गग् मम् ग् सा । ऽ, निसा गम् धनि् । सांगं ऽगं, साग् ऽग्,

मध् निसां निनि् धम् । गम् गसा, गम् धनि् ।सां सा, गम् धनि् । सां सा, गम् धनि्

सां ऽ ऽ ऽ ।

मालकौंस–त्रिताल (विलंबित)

कृष्ण माधो राम निरंजन गोविंद गोपाल.
इतनी बिनत मोरी सुन लिजो भगवान तूंहि करेगो भरो काम.

                    म्   नि़
| S ग् म् S | सा ऩि्साSS .ध् ऩि्
| S कृ ष्ण S | मा S धो S
  ०   ३

          म् म्   म्   नि़
सा म् म् S | S S ग् ग् | म्साSS ग् म् S | सा ऩि्साSS .ध् ऩि्
रा S म S | S S S S | S कृ ष्ण S | मा S धो S
=   २   ०   ३

          म् म् म्
सा म् म् S | ध् म् S ग् | ग् साग् म् ग् | सा Sग् Sम् धनि्
रा S म S | नि रौं S S | S जS S न | S Sगो Sविं Sद

(अंतरा)

सां S निध्SS म्ध् | नि् ध् म् S | S Sग् म्ध् Sनि् | सां सां S नि्सांSS
गो S पाSSS S | S ल S S | S Sइ तनी Sबि | न त S मोSSS

सां S S सांसां | Sधनि्सांगं् Sसां S | S नि्ध्Sनि्ध्S नि्ध् म् | धनि् सां मं् मं्
री S S सुन | Sलिषss Sजो S | S भSSगSS Sवा न | तूंS ही S क

मं्   नि्   म्   नि़
गं् मं् गं् सां | सां (सां) नि्ध् म् | ग्, ग् म् S | सा ऩि्साSS .ध् ऩि्
रे S गो S | भ रो S का | म, कृ ष्ण S | मा S धो S

बोलतानें.

.धनि् साम् Sम् ग्ग् | ध्म् Sम् ग्म् धनि् | सांनि् Sध् नि्ध् म् |
कृष्ण माधो Sरा Sम | निरौं Sज नहे S | गोविं Sद Sगो पा |
=   २   ०

ध्म्ग्S ग्म्ग्सा ग्सानि्सा नि्ध्नि्S | सा म् म् S |
लSSS कृSSष्ण SSमाS Sधोss | रा S म S |
३   =

नि़सानि़म् म़म् ग़म़धनि़ नि़नि़ | धनि़धग़् ग़ंग़ सांग़ंऽसां सांऽसांनि़ |
कृऽऽष्ण माधो राऽऽम निरं | जऽऽन हेगो विंऽऽद गोऽपाऽ |
२ ०

म़ म़
धम़ ग़म़ग़सा ग़सानि़सा नि़धनि़ऽ ‖ सा म़ म़ ऽ | ऽ ऽ ग़ ग़ |
लऽ कृऽऽष्ण ऽऽमाऽ ऽधोऽऽ ‖ रा ऽ म ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
३ = २

नि़
सांग़ंसांनि़ सांनि़धनि़ धनि़धम़ धम़ग़म़ | ग़म़ग़सा ग़सानि़सा म़ऽग़म़ ग़साधनि़ ‖
कृऽष्णमा ऽधोराम निऽरौंज ऽनहेऽ | गोऽविंद ऽगोपाऽ लऽकृऽ ष्णमाऽधो ‖
० ३

सा म़ म़ ऽ | साग़ऽसा ग़म़ऽग़ म़धऽम़ धनि़ऽध़ |
रा ऽ म ऽ | कृऽऽष्ण माऽऽधो राऽऽम निऽऽरौं |
= २

नि़सांऽनि़ धनि़ऽध़ म़धऽम़ ग़म़ऽग़ | म़सा ग़म़ग़सा ग़सानि़सा नि़धनि़ऽ ‖
जऽऽन हेऽऽगो विंऽऽद गोऽऽपा | ऽल कृऽऽष्ण ऽऽमाऽ ऽधोऽऽ ‖
० ३

म़ म़
सा म़ म़ ऽ | ऽ ऽ ग़ ग़ | म़साऽऽ ऽ, ग़साम़ग़ धम़नि़ध़ |
रा ऽ म ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, कृष्णमाधो रामनिरौं |
= २ ०

सांनि़सांध़ नि़म़धग़ म़साग़म़ ग़साधनि़ ‖ सा म़ म़ ऽ |
जनहेगो विंदगोपा लऽकृऽ ष्णमाऽधो ‖ रा ऽ म ऽ |
३ =

सांऽग़ं सांनि़सां नि़धनि़ धम़ध़ | सांनि़सां नि़धनि़ धम़ध़ म़ग़म़ |
कृऽष्ण माऽधो राऽम निऽरौं | जऽन गोऽविं दऽगो पाऽल |
२ ०

म॒ग॒म॒ ग॒म॒ग॒ साग॒सा ऩिध़ऩि ‖ सा म॒ म॒ ऽ | साग॒सा ग॒म॒ग॒ म॒ध॒म॒ ध॒नि॒ध॒ |
कृऽष्ण माऽधो कृऽष्ण माऽधो ‖ रा ऽ म ऽ | कृऽष्ण माऽधो राऽम निऽरैं |
३ = २

नि॒सांनि॒ ध॒नि॒ध॒ म॒ध॒म॒ ग॒म॒ग॒ | साग॒सा ऩिध़ऩि साग॒सा ऩिध़ऩि ‖
जऽन गोऽविं दऽगो पाऽल | कृऽष्ण माऽधो कृऽष्ण माऽधो ‖
० ३

म॒ म॒ म॒ नि॒
सा म॒ म॒ ऽ | ऽ ऽ ग॒ ग॒ | म॒साऽऽ ग॒ म॒ ऽ | सा ऩिसा ध़ ऩि ‖
रा ऽ म ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ कृ ष्ण ऽ | मा ऽ धो ऽ ‖
= २ ० ३

म॒
ग॒ म॒ध॒नि॒सां नि॒सांऽऽ ऽ | ऽ नि॒ध॒ऽऽ ऽ म॒ऽनि॒ध॒ | सां सां ऽ ऽ |
कृ ष्णऽऽऽ माऽऽऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ धो ऽ ऽ |
= २ ०

ग॒ंनि॒ सां ध॒नि॒सांम॒ं ग॒ंसां ‖ सांसां ऽनि॒ सांनि॒ध॒ऽ ऽध॒ |
राऽ म निऽऽऽ रैंऽ ‖ जन ऽगो ऽऽविंऽ ऽद |
३ =

१
म॒ऽनि॒ध॒ नि॒ऽसांनि॒ ध॒ऽनि॒ध॒ म॒ऽध॒म॒ | ग॒ऽम॒ग॒ सा, ऽऽग॒म॒ साध़ऩिसा |
गोऽऽ पाऽऽऽ ऽ ऽ | ऽ ल, ऽऽकृऽ ष्णमाऽधो |
२ ०

२ ३
म॒ऽग॒म॒ साध़ऩिसा म॒ऽग॒म॒ साध़ऩिसा ‖ म॒
रामऽकृऽ ष्णमाऽधो रामऽकृऽ ष्णमाऽधो ‖ राम
३ =

———

राग जोगिया (हिंदुस्थानी पद्धति)

रागांग – विस्तार.

(१) सा ऽ; रि॒ रि॒ म॒ ऽ, रि॒ सा ऽ; रि॒ म॒ ऽ, म॒ प ऽ प ऽ,
ध॒ म॒ ऽ रि॒ ऽ, सा ऽ; सा रि॒ सा ऽ ॥

(२) सा ऽ; रि॒ सा ऽ, नि॒ ध॒ ऽ, सा ऽ; रि॒ म॒ ऽ म॒ प ऽ;
ध॒ प ध॒ म॒ ऽ; नि ध॒ प ध॒ म॒ ऽ; रि॒ म॒ प ध॒ म॒ ऽ; रि॒ ऽ,
सा ऽ; सा रि॒ सा ऽ ॥

(३) सा रि॒ म॒ प ऽ, ध॒ ऽ प ध॒ सां ऽ; ध॒ प ध॒ म॒ ऽ; म॒ प
नि॒ ध॒ प ऽ, ध॒ म॒ ऽ; सां नि ध॒ प म॒ ऽ, ध॒ म॒ रि॒ ऽ,
सा ऽ; सा रि॒ सा ऽ ॥

(४) म॒ म॒ ऽ प प ऽ, ध॒ ऽ सां ऽ, सां रि॒ं सां ऽ; सां रि॒ं म॒ं म॒ं
ऽ रि॒ं रि॒ं सां ऽ; सां ऽ रि॒ं सां ऽ, रि॒ं नि ध॒ प ऽ; म॒ प
ध॒ प ऽ, नि॒ ध॒ प ऽ, ध॒ म॒ ऽ; म॒ रि॒ ऽ, सा ऽ; सा रि॒
सा ऽ ॥

स्वरविस्तार

सारि॒ म॒म॒ रि॒रि॒ सासा ऽ; सारि॒ म॒म॒ पप म॒म॒ रि॒रि॒ सासा ऽ; सारि॒ म॒प ध॒प ध॒म॒ रि॒रि॒ सासा ऽ; सारि॒ म॒प नि॒नि॒ ध॒प ध॒म॒ रि॒सा ऽ; सारि॒ म॒प ध॒सां सांनि ध॒प ध॒म॒ रि॒रि॒ सासा ऽ; सारि॒ म॒प ध॒सां रि॒ंरि॒ं सांनि ध॒प ध॒म॒ रि॒सा ऽ; सारि॒ म॒प ध॒सां म॒ंम॒ं रि॒ंरि॒ं सांनि ध॒प ध॒म॒ रि॒रि॒ सासा ऽ ॥

राग जोगिया. (कर्णाटकी पद्धति.)

—*—

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि॒ रि॒ सा ऽ; ध॒ ध॒ ऽ रि॒ रि॒ सा ऽ; रि॒ म॒ ऽ,
म॒ प ऽ, म॒ ग रि॒ ऽ; ग रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि॒ सा नि॒ ध॒ ऽ नि॒ ध॒ प॒ ऽ; म॒ प॒ ध॒ ऽ सा ऽ;
रि॒ ऽ; म॒ प म॒ ग रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(३) सा ऽ, रि॒ म॒ प ऽ, ध॒ ऽ प ऽ; म॒ प नि॒ ध॒ प ऽ; म॒प ध॒प
म॒ग रि॒ ऽ; ग रि॒ सा ऽ ॥

(४) म॒ म॒ प ध॒ सां ऽ सां ऽ, सां रिं॒ सां ऽ; सां रिं॒ मं॒ गं रिं॒
ऽ, सां ऽ; रिं॒ रिं॒ सां ऽ नि ध॒ प ऽ; म॒ प ऽ नि॒ ध॒ प ऽ,
ध॒ म॒ ऽ, प म॒ ग रि॒ ऽ; ग रि॒ ऽ, सा ऽ; रि॒ म॒ प ध॒
सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) सारि॒ सा ऽ; सारि॒ म॒म॒ गरि॒ सा ऽ; सारि॒ म॒प म॒ग रि॒सा ऽ; सारि॒ म॒प ध॒ध॒ पम॒ गरि॒ सा ऽ; सारि॒ म॒प नि॒नि॒ ध॒प म॒ग रि॒सा ऽ; सारि॒ म॒प ध॒ध॒ सां निध॒ पम॒ गरि॒ सा ऽ; सारि॒ म॒प ध॒सां रिं॒सां निध॒ पम॒ गरि॒ सा ऽ; रिम॒ पध॒ सांरिं॒ मं॒मं॒ गंरिं॒ सांनि ध॒प म॒ग रि॒रि॒ सा ऽ ॥

(२) रि्म् पध् पम् गारि् सा ऽ; रि्म् पध् सांनि ध्प म्ग रि्सा ऽ; रि्म् पध् सांसां रिंरिं् सांनि ध्प म्ग रि्सा ऽ; रि्म् पध् सांरिं् मंमं् गंरिं् सांनि ध्प म्ग रि्रि् सासा ऽ ॥

नोट – इस प्रकार में **भैरव** राग की छाया विशेष है. अवरोह में गांधार स्वर क्या व्यवहार करनेसे जल्द तानें लेनेमें सवलता होती है.

जोगिया – झपताल.

बन भ्रमत शिव जोगी, करत अलख पुकार,
हैमवति स्वरूप रत, रटत मन ॐकार.
मत्त गज चर्महर, परिधान कर रुचिर,
शूल अरु डमरु धर, माया सब बिसार. – बन

	म्						
सा सा	रि् म् म्	प म्	प ध् प	ध् म्	प सां सां	सां रिं्	नि ध् प
ब न	भ्र म त	शि व	जो ऽ गी	क र	त अ ल	ख पु	का ऽ र
=	०	०	३	=	२	०	३

							म्
ध् सां	नि ध् प	ध् प	ध् म् म्	ध् प	नि ध् प	ध् म्	रि् ऽ सा
है ऽ	म व ति	स्व रू	प र त	र ट	त म न	ॐ ऽ	का ऽ र

(अंतरा)

प							
म् प	ध् प ध्	सां ऽ	सां रिं् सां	नि ध्	सां ऽ मं्	रिं् रिं्	सां सां सां
म ऽ	त्त ग ज	च ऽ	र्म ह र	प रि	धा ऽ न	क र	रु चि र

मं्				प			म्
रिं् मं्	पं मं् रिं्	रिं् सां	नि ध् प	म् प	नि ध् प	ध् म्	रि् ऽ सा
शू ऽ	ल अ रू	ड म	रु ध र	मा ऽ	या ऽ स	ब वि	सा ऽ र

स्थायी.

सारि् मम्, । रि्म् पम्, रि्म् । पध् पम्, । रिम् पध् निनि

ध्प ध्म्, । रि्म् पध् सांरि् । सांनि ध्प । ध्म्, रि्म् पध्

सांरि् मंमं । रिंसां रिंनि ध्प । ध्म्, म्प । म्म् रि्रि् सासा ॥ बन....जोगि

सासा सारि्।रि्रि् म्म्, पप । पध् ध्ध् । रिंरिं, सासा सांनि

निनि ध्ध्, । पप पम् म्म् । रि्रि्, म्म् । म्रि् रि्रि् सासा ॥ बन....जोगि

रि्म् पध् । म्प ध्सां, पध् । सांरि्, ध्सां । रिंमं, रिंसां निध्,

सांनि ध्प, । निध पम्, ध्प । म्ग, पम् । गरि्, म्ग रि्सा ॥ बन....जोगि

म्प ध्प । ध्प ध्प म्म् । रि्सा, पध् । रिंसां रिंसां रिंसां

निध् पम् । ध्म् रि्सा, रि्म् । पध्, म्प । ध्सां, पध् सांरि्

मंमं रिंमं । मंरिं मंमं रिंरिं । सांसां ध्प । ध्म् रि्रि् सासा ॥

अंतरा "मत्त गज चर्महर"

रि्म् पध् । सांरि् मं रिंरिं । ऽसां सां, । निनि ऽध् ध्,

पप ऽम् । म्, रि्रि् ऽसा । सा, रि्म् । पध् म्प सां ॥ मत्त गज चर्महर

सांरि् सांसां । रिंसां निध्, ध्नि । ध्ध् निध् । पम्, म्प म्म्

पम् रि्सा, । सारि् म्प ध्, । रि्म् पध् । सां, पध् सां ॥ मत्त गज चर्महर

रिंरिं सांसां । निनि धृध् पप । मम् रिरि । सासा, सारि् मरि्

मप मप । धप धसां धसां । रिंसां रिंमं । रिंरिं सांनि धप

मप धनि् । धप मम् रि्सा, । रि्म् पध् । मप सां ॥ मत्त गज चर्मंहर

सांरिं मंसां॥रिंमं सांरिं मंरिं । सांनि धप, । मप धम् पध्

मप धप । मम् रि्सा, मरि् । पम् धप । निध् सां ऽ,

मरि् पम् । धप निध् सां । ऽ, मरि् । पम् धप निध्

सां ऽ ।

राग– श्री.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि् रि् सा ऽ; नि ऽ सा रि् रि् सा ऽ; ग रि् ऽ;

म् ग रि् ऽ, सा ऽ, नि रि् ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि ऽ; रि् नि ध् प ऽ; नि ध् प ऽ; म प ऽ, ध्प

मप नि ऽ; प नि ऽ, सा ऽ; रि् सा ऽ; म ग रि् ऽ; प म ग

रि् ऽ; रि् ऽ, सा ऽ; नि रि् ऽ, सा ऽ; ॥

सा ग प

(३) सा ऽ, रि॒ रि॒ ऽ, म प ऽ; म ध॒ प ऽ; नि ध॒ प ऽ; मपध॒

सा

मप ऽम ध॒ म ग रि॒ ऽ; म ग रि॒ ऽ, सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ,

सा ऽ ॥

(४) रि॒ रि॒ म प ऽ रि॒ म॒ प ऽ; ध॒ प ऽ; मप ध॒प निध॒ प ऽ; सां

प

नि ध॒ प ऽ; मध॒ निरिं॒ निध॒ प ऽ; म म ऽ ध॒ म ग रि॒ ऽ;

सा

म ग रि॒ ऽ; ग रि॒ ऽ; रि॒ सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

प सां

(५) म प नि ऽ, सां ऽ सां ऽ (अथवा) प ऽ, ध॒ प, सां ऽ सां ऽ,

सां सां सां

सां रिं॒ सां ऽ; नि ऽ, रिं॒ गं रिं॒ सां ऽ; नि नि सां ऽ,

रिं॒ नि ध॒ प ऽ; प ऽ मध॒ मग रि॒ ऽ; रि॒प मग रि॒ ऽ; ग रि॒ ऽ;

सा

रि॒ ऽ, सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सा

नि॒सा रि॒रि॒ सासा ऽ; रि॒रि॒ गरि॒ सासा ऽ; गरि॒ मग रि॒रि॒ सासा ऽ; रि॒रि॒ पप मप ध॒प मध॒ मग रि॒ग रि॒सा ऽ; रि॒रि॒ पप मप ध॒प निंनि ध॒प मरि॒ गरि॒ ऽसा ऽ; रि॒रि॒ सासा, मप निसां रिं॒रिं॒ सांसां निनि ध॒प मप ध॒म गरि॒ सासा ऽ; पप ध॒प सांसां रिं॒सां, निरिं॒ गंरिं॒ सांनि ध॒प, मप निसां रिं॒नि ध॒प, मध॒ मग रि॒ग रि॒सा, नि॒नि॒ रि॒नि॒ ध॒॒प॒ म॒प॒, नि॒नि॒ सासा रि॒रि॒ सासा ऽ ॥

नोट – इस राग के आरोह में गांधार और निषाद ये दो स्वर वर्ज्य है, किन्तु "निसा रिम **प**" ऐसी सरल स्वर रचना नहीं होती हैं. इस के दो टुकडे करके "सासा रिसा, मप धप" (अथवा) "निसा रिसा, रिरि मप मप धप" ऐसी स्वर रचना बहुधा कीई जाती है. आरोह में ऋषभ और पंचम ये दो स्वर की संगती से भी स्वर रचना कीई जाती है. यथा :– "रिरि पप मप धप."

कईक गुणिजन आरोह में धैवत स्वर कभी २ लगाते हैं:–

यथा :– रिरि सासा, मप धप, मध निध **प**, मध निरिं निध **प**, इ. इ. यह प्रयोग बहोत मर्यादित होना चाहिये, क्यौंकि रागहानी न होवे इस बात पर खुब ध्यान रखना अवश्य है.

इस राग में स्थाई **सा** को मिलते समय **रि** स्वर का बहुलत्व रखके "**ध म ग रि, म ग रि, ग रि**" और आखिर को "**रि सा**" ऐस मिलते हैं. यह प्रयोग भैरव और **मारवा** राग में भी किया जाता है.

यह बडे विद्वानों के गाने का राग है, अतएव क्वचित सुननेमें आता है.

कईक गुणिजन इस राग के आरोह में धैवत स्वर का व्यवहार करते हैं. यथा:–

म ध नि सां ऽ, सां ऽ रिं रिं सां ऽ, नि रिं नि ध प ऽ; प ध ऽ रिं नि ध प, इ. इ.

श्री – एकताल.

मूरत मन में लागी रही माई, कासे कहूं एती पीर.
देखे बिन मोहे को कल ना परत है, दरसन बिना नैना बिरागी.

।: प ऽ	प प	ध् म	ग रि्	गरि् सा	ऽ सा :।
मू ऽ	र त	म न	में ऽ	ऽ ला	ऽ गि
=	०	२	०	३	४ *

सा			सा		
नि ऽ	रि् ग	रि् सा	नि रि्नि	ऽ ध्	ऽ प
र ऽ	ही ऽ	ऽ ऽ	मा ऽ	ऽ ई	ऽ ऽ

प					
म ऽ	प नि	सा ऽ	म रि्	गरि् गरि्	ऽ सा
का ऽ	से क	हूं ऽ	ए ऽ	तीऽ पीऽ	ऽ र

*(अंतरा)

म	सां			सां	
प ध्	प नि	नि नि	सां ऽ	सां नि	सां ऽ
दे ऽ	खे ऽ	बि न	मो ऽ	हे को	ऽ ऽ

सां					
ऽ नि	रिं् गं	रिं् सां	सां नि	रिं् नि	ध् प
ऽ क	ल ना	ऽ प	र ऽ	त है	ऽ ऽ

प म	प नि	सां सां	रिं् सां	निसां नि	ध् प
द र	ऽ स	ऽ न	बि ऽ	ऽ ना	ऽ ऽ

प ऽ	म पम	ध् प	निसां रिं्रिं्	सांनि धप	मरि् गरि्
नै ऽ	ऽ नाऽ	ऽ बि	राऽ ऽ	ऽ गीऽ	ऽ ऽ

स्थायी.

सारि् मप । रि्म पध् । मप निसां । पनि सांरिं् । सांनि धप । मरि् गरि्
मूरत मन में लागि

मम गग । रि्रि् सासा, । निनि धप । मम गग । रि्रि् सासा, । रिं्रिं् सांसां

निनि ध्प । मम गग । रि्रि् सासा, । रि्रि् मप । सांनि ध्प । मरि् गरि्
मूरत मन में लागि

रि्रि् पप । मप ध्म । पम गरि्, । निनि ध्प । मप ध्म । पम गरि्,

रिं्रिं् सांसां । निनि ध्प । मप ध्म । पम गरि् । मग ऽरि् । गरि् ऽसा
मूरत मन में लागि

रि्रि् सासा । गग रि्रि् । पप मम । ध्ध् पप । सांसां निनि । रिं्रिं् सांसां

गंगं रिं्रिं् । सांसां निनि । ध्ध् पप । मम गग । रि्रि् मप । मरि् गरि्
मूरत मन में लागि

रि्नि् ध्प् । मप् निसा । रि्रि् पप । मप निसां । रिं्गं रिं्सां । रिं्नि ध्प

निध् पम । धम गरि् । पम गरि् । सारि् मप । निनि ध्प । मरि् गरि्
मूरत मन में लागि

अंतरा. " देखे बिन मोहे को ".

रिं्रिं् सांरिं्।रिं्सां निसां, । ध्ध् पध्।ध्प मप, । रि्र् सारि्।रि्सा निसा,

साम रि्प । मध् पसां । रिं्गं रिं्सां । रिं्नि ध्प । ध्म गरि् । मप **सां**
देखे बिन मोहे को

निसां रिं्रिं् । मंमं गंरिं् । सांनि ध्प । मप निनि । ध्प मप । ध्ध् पम

पम गरि् । मग रि्सा, । रि्प मप । निसां रिं्रिं् । रिं्रिं् रिं्रिं् । सारि् निसा
देखे बिन मोहे को

पनि सांप।निसां पनि । सांरिं् सांनि । ध्म गरि्, । पम गरि्, । मग रि्सा,

सारि् मरि् । मप मप । निप निसां,। निसां रिं्गं । रिं्सां निध् । मप **सां**
देखे बिन मोहे को

सां सांनि । ध्प, **नि** । निध् पम,। ध् ध्प । मग, **प** । पम गरि्,

१ २ ३

म मग । रि्सा, रि्म । पध् मप । **सां**, पध् । मप **सां**, । पध् मप

सां ऽ, । देऽ खेऽ । बि न । मो ऽ । हे को । ऽ ऽ ॥ इ. इ.

बोलतानें. " मूरत मन में लागि "

रि्म पध्	पम **प**	ध्म मग	**ग** मग	गरि् **रि्**	**सा सा**
मूऽ ऽ	रऽ ऽ	तऽ मऽ	न मेऽ	लाऽ ग	र ही

रि् ऽरि्	ऽ गरि्	**रि् सा**	**प रि्**	**म रि्**	**ग रि्**
मा ऽई	ऽ काऽ	से क	हूं ए	ऽ ती	पी ऽर

मूरत मन में लागी

मप मध्	**प प**	निसां निरिं्	**सां नि**	मप मध्	**प प**
मूऽ ऽर	त म	नऽ ऽमें	ला ग	रऽ ऽही	मा ई

रिरि् गरि्	**सा सा**	**रि् सा**	**प रि्**	**ध् म**	गरि् गरि्
काऽ ऽसे	क हूं	ऽ ए	ऽ ती	ऽ पी	ऽ रऽ

मूरत मन में लागि

मप ध्म	पध् मप	निसां रिंनि	सांरिं निसां	रिंगं रिंरिं	गंरिं सांरिं
मूऽ ऽर	ऽ तऽ	मऽ ऽन	ऽ मेंऽ	लाऽ ऽग	ऽ रऽ

सांरिं सांनि	सांनि ध्प	रि्म पध्	मप निसां	मप निसां	रिंरिं सांनि
हीऽ ऽमा	ऽ ईऽ	काऽ ऽ	सेऽ ऽ	कऽ ऽ	ऽ हूंऽ

ध्प मप	मप ध्ध्	पम गरि्	सारि् मप	ध्प मध्	पम गरि्
ऽ ऽ	एऽ ऽ	तीऽ ऽ	पीऽ ऽ	ऽ रऽ	ऽ ऽ

मूरत मन में लागि

सारि् सासा | पध् पप | सांरिं् सांसां | रिं्गं रिंरिं् | गंरिं् सांरिं् | सांसां निसां
मूऽ ऽ | रऽ ऽ | तऽ ऽ | मऽ ऽन | ऽ मेंऽ | ऽ लाऽ

निसां निनि | सांनि धप | पध् पम | रि्ग रि्सा | रि्ग ऽरि् | रि्प ऽम
गिऽ ऽर | ऽ हीऽ | माऽ ऽ | ईऽ ऽ | काऽ ऽ | सेऽ ऽ

मध् ऽप | पसां ऽनि | सांरिं् ऽसां | सांनि धप | पध् पम | रि्ग रि्सा
कऽ ऽ | हूंऽ ऽ | एऽ ऽ | तीऽ ऽ | पीऽ ऽ | ऽ रऽ

मूरत मन में लागि

सारि् मप | धप मप | मप निसां | रिं्सां निसां | पंमं रिं्गं | रिं्सां निसां
मूऽ ऽ | रऽ तऽ | मऽ नऽ | मेंऽ ऽ | लाऽ ऽग | रऽ हीऽ

सांरिं् सांनि | सांनि धप | पध् पम | पम गरि् | रि्ग रि्रि् | गरि् सा
माऽ ऽई | ऽ ऽ | काऽ ऽसे | ऽ कऽ | हूंऽ ऽ | ऽ ऽ

ग ग
रि्रि् मप | निसां रिं् | रि् रि् | सारि् मप | निनि धप | मरि् गरि्
एऽ ऽ | ऽ ऽ | तीं ऽ | पीऽ ऽ | ऽ ऽ | ऽ रऽ

मूरत मन में लागि

सां ऽरिं् | सांनि धप | प मरि् | गरि् सासा | सारि् साम | पम पध्
मूऽ ऽर | तऽ मन | मे ऽला | ऽग रही | माऽ ऽई | ऽ काऽ

१
मप मप | सांनि धप | रिं्गं रिं्सां | सांरिं् सांनि | धप मरि् | गरि् सासा,
सेऽ ऽक | हूंऽ एती | पीऽ ऽर | मुर तम | नमें लाग | रही माई,

२ ३
सांरिं् सांनि | धप मरि् | गरि् सासा, | सांरिं् सांनि | धप मरि | गरि् सासा
मुर तम | नमें लाग | रही माई, | मुर तम | नमें लाग | रही माई

मूरत मन में लागि

राग मारवा.

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ, रि॒ ऽ, सा ऽ; नि़ रि॒ ऽ सा ऽ; नि़ रि॒ ऽ; ग रि॒ ऽ;
गम ग रि॒ ऽ; ग रि॒ ऽ, सा ऽ; नि़ रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि़ रि॒ नि़ ध़ ऽ; म़ ध़ सा ऽ; नि़ रि॒ ऽ, सा ऽ;
रि॒ ऽ, गरि॒ ऽ; गम गरि॒ ऽ; ध मग रि॒ ऽ; ग रि॒ ऽ, सा ऽ;
नि़ रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(३) धम धम गरि॒ ऽ; नि ध म ध मग रि॒ ऽ; ग म ध ऽ, गम गरि॒ ऽ,
सा ऽ; नि़ रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(४) म ग ऽ, म धम सां ऽ सां ऽ, नि रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ गं मं
गं रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ निध ऽ, मध मग रि॒ ऽ; गम ध मग
रि॒ ऽ; गम गरि॒ ऽ, सा ऽ; नि़ रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) नि़रि॒ सा ऽ; नि़रि॒ गरि॒ सा ऽ; नि़रि॒ गम गरि॒ सा ऽ; नि़रि॒ गम धम गरि॒ सा ऽ; नि़रि॒ गम धनि धम गरि॒ सा ऽ; नि़रि॒ गम धम धसां निध मग रि॒सा नि़सा ऽ; नि़रि॒ गम धनि रिं॒नि धम गरि॒ सा ऽ; नि़रि॒ गम धनि रिं॒गं रिं॒सां निध मग रि॒सा ऽ; निरि॒ गम धनि रिं॒गं मंमं गंरिं॒ सांनि धम गरि॒ सा ऽ ॥

(२) नि॒रि॒ गरि॒ **सा** ऽ; नि॒रि॒ रि॒ग मम गरि॒ **सा** ऽ; नि॒रि॒ गम धध मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम धनि निध मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम धनि **रिं॒** निध मग **रि॒**, गम गरि॒ **सा** ऽ; नि॒रि॒ गम धनि रिं॒गं गंरिं॒ सांनि धम गरि॒, गम धग मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम धनि रिं॒गं मंमं गंरिं॒ सांनि धम गरि॒ **सा** ऽ ॥

नोट – इस राग में एवं इस का समप्रकृतिक **पूरिया** राग के आरोह में "मध निसां, मध निसां रिं॒सां," इ. इस प्रकार की स्वर रचना करनेसे **सोहनी** राग हो जायगा, यह अवश्य ध्यान में रखें. **सोहनी** राग प्रथम भाग में लिख चुके हैं सो देखिए. **पूरिया** राग आगे लिखा है.

मारवा–त्रिताल.

आना रे मोहन मेरी गलियां,
घिस घिस चंदन लेप लगावुं, धोवुं चरनन की तलियां. – आना
तेरे कारन हार बनावुं, चुन चुन फूलन की कलियां. – आना

								: ध	म	ऽ	ध	म	ग	रि॒	सा
								आ	ना	ऽ	रे	मो	ऽ	ह	न
								०				३			
(सा) नि॒	रि॒	ग	म	ध	म	ध	ऽ :	ध	ध	म	ध	म	(ध) नि	म	ध
मे	ऽ	री	ऽ	ग	लि	यां	ऽ	घि	स	घि	स	चं	ऽ	द	न
=				२			*	०				३			
म	ग	रि॒	म	ग	रि॒	सा	ऽ	(सा) नि॒	रि॒	ग	म	ध	नि	रिं॒	नि
ले	ऽ	प	ल	गा	ऽ	वुं	ऽ	धो	ऽ	वुं	ऽ	च	र	न	न
							* (अंतरा)								
ध	(ध) नि	म	ध	ग	म	रि॒	ग :	म	ध	म	ग	(ध) म	ध	सां	सां
की	ऽ	त	लि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	तो	ऽ	रे	ऽ	का	ऽ	र	न

सां नि	रिं	गं	मं	गं	रिं	सां	ऽ	रिं	नि	ध	नि	ध	म	ध	म
हा	ऽ	र	ब	ना	ऽ	वुं	ऽ	चु	न	चु	न	फू	ऽ	ल	न

नि	ध	म	ध	म	ग	रि	ऽ	ध	म	ऽ	ध	म	ग	रि	सा
की	ऽ	क	लि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ना	ऽ	रे	मो	ऽ	ह	न

स्थायी.

मम गम मग मम । गरि सा, निनि धनि ।निध निनि धम । गरि सा, रिंरिं सांरिं

रिंसां रिंरिं निनि धम । गरि सा, निरि गम । आना रे मोहन

निरि गम धध मग । रिग मध निनि धम । गम धनि रिंरिं निध । मध निरिं गंगं रिंनि

धनि रिंगं मंमं गंरिं । सांनि धम गरि सा । आना रे मोहन

निरि गम धनि रिंगं । मं गंरिं, गं रिंनि, । रिं निध, नि धम, । ध मग, म गरि,

गम धनि रिंरिं गंरिं । सांनि धम गरि सा । आना रे मोहन

मे ऽ री ऽ । ग लि यां ऽ । गग रिसा, मम गरि, । धध मग, निनि धम,

रिंरिं निध, गंगं रिंनि, । मंमं गंरिं सांनि धम, । गम धनि रिं निध । मग, रिग मध नि

धम गरि, निरि गम । ध मग रिसा निसा । आना....गलियां ,

अंतरा. " तोरे कारन "

रिंरिं निध, निनि धम, ।धध मग, मम गरि, ।गग रिसा, निरि गरि, ।गम धम धनि रिंनि,

रिंगं मंगं रिंरिं सांनि । धम गरि गम धसां । तोरे कारन

मंमं गंमं गंरिं, गंगं । रिंगं रिंनि, रिंरिं निरिं । निध, निनि धनि धम, ।धध मध मग, मम

गम गरि॒, नि॒रि॒ गरि॒ । गम गम धम धसां । तोरे कारन

हा ऽ र ब । ना ऽ वुं ऽ । मंमं गंगं रिं॒रिं॒ निनि । धध मम गग रि॒रि॒,

नि॒रि॒ गरि॒, गम गरि॒, । गम धम गरि॒, गम । धनि रिं॒नि धम गरि॒, । गम धनि रिं॒गं मंमं

गंरिं॒ सांनि धम गरि॒, । नि॒रि॒ गम धनि रिं॒सां । तोरे कारन

हा ऽ र ब । ना ऽ वुं ऽ । सांनि सांनि धम गम । धम धम गरि॒ सा,

साम गरि॒, गध मग, ।मनि धम, धरिं॒ निध, ।निगं रिं॒नि, रिं॒मं गंरिं॒ ।रि॒म गरि॒, नि॒रि॒ गम

धनि रिं॒गं मंमं गंरिं॒ । सांनि धम गरि॒ सा । तोरे कारन, इ. इ.

बोलतानें. "आना रे मोहन"

नि॒	रि॒	ग	रि॒	ग	म	ग	म	ध	म	ध	नि	ध	नि	रिं॒	निं
आ	ना	रे	मो	ह	न	मे	री	ग	ली	यां	धि	स	धि	स	चं
ध	नि	ध	म	ध	म	ऽ	ग	ध	म	ऽ	ध	म	ग	रि॒	सा
द	न	ले	प	ल	गा	ऽ	वुं	आ	ना	ऽ	रे	मो	ऽ	ह	न
नि॒	रि॒	ग	म	ध	म	ध	ऽ	नि	रिं॒	ऽ	नि	ध	नि	ऽ	ध
मे	ऽ	री	ऽ	ग	लि	यां	ऽ	आ	ना	ऽ	रे	मो	ह	ऽ	न
म	ध	ऽ	म	ग	म	ऽ	ग	रि॒	ग	ऽ	रि॒	नि॒	रि॒	ऽ	सा
मे	री	ऽ	ग	लि	यां	ऽ	धि	स	धी	ऽ	स	चं	द	ऽ	न
सा नि॒	रि॒	ग	म	ध	म	ग	रि॒	ध	म	ऽ	ध	म	ग	रि॒	सा
ले	प	ऽ	ल	गा	ऽ	वुं	ऽ	आ	ना	ऽ	रे	मो	ऽ	ह	न

नि़ रि॒ ग म | ध म ध ऽ | रि॒ग रि॒म गध मनि | धरिं॒ निध, मनि धम,
मे ऽ री ऽ | ग लि यां ऽ | आना रेमो हन मेरी | गलि यांधि साधि सचं

गध मग, रि॒म गरि॒, | नि़रि॒ गम धम गरि॒ | ध म ऽ ध | म ग रि॒ सा
दन लेप लगा वुंधो | वुंच रन कित लियां | आ ना ऽ रे | मो ऽ ह न

नि़ रि॒ ग म | ध म ध ऽ | रि॒ग मरि॒ गम धम | गम धग मध निध
मे ऽ री ऽ | ग लि यां ऽ | आना रेमो हन मेरी | गलि यांधि साधि सचं

मध निम धनि रिंनि | धम गरि॒ गरि॒ सासा | ध म ऽ ध | म ग रि॒ सा
दन लेप लगा वुंधो | वुंच रन कित लिया | आ ना ऽ रे | मो ऽ ह न

। । । । | निरिं॒ निध निध मध | मध मग मग रि॒रि॒ | नि़रि॒ गम धम ऽध
। । । । | आना रेमो ऽह ऽन | मेरी गलि यांधि ऽस | घिस चंद नले ऽप

मनि धम ऽध मध | निरिं॒ निध मग रि॒सा | ध म ऽ ध | निरिं॒नि धनिध
लगा वुंधो ऽवुं चर | नन कीऽ तलि यांऽ | आ ना ऽ रे | आनारे मोहन

मधम गमग | रि॒गरि॒ रि॒गम | गमध मधनि | धनिध मऽध
मेऽरी गलियां | घिऽस घिऽस | चंदन लेऽप | लगाऽ वुंऽऽ

गंऽरिं॒ निरिं॒नि | धनिध मगरि॒ | ध म ऽ ध | म ग रि॒ सा
धोऽवुं चऽर | ननकि तलियां | आ ना ऽ रे | मो ऽ ह न

नि रि ग म | ध म ध ऽ | निरिं॒ निध मध निध | मध मग रि॒ग गम
मे ऽ री ऽ | ग लि यां ऽ | आऽ नाऽ रेऽ मोऽ | हऽ नऽ मेऽ रीऽ

धम गरि॒ गम गरि॒ | साऽ नि़रि॒ नि़ध म़ध | नि़रि॒ साऽ नि़रि॒ गम | धनि धम गम धनि
गऽ लिऽ याऽ घिऽ | सऽ घिऽ सऽ चंऽ | दऽ नऽ लेऽ पऽ | लऽ गाऽ वुंऽ ऽ

रिंग गंमं गंरिं सांनि	धम ऽध मग रि्सा	धम ऽध मग रि्सा	धम ऽध मग रि्सा
ऽ ऽ ऽ ऽ	आना ऽरे मोऽ हन	आना ऽरे मोऽ हन	आना ऽरे मोऽ हन

नि़ रि् ग म	ध म ध ऽ	ध म ऽ ध	म ग रि् सा
मे ऽ री ऽ	ग लि यां ऽ	आ ना ऽ रे	मो ऽ ह न
		०	३

। । । ।	नि़रि्ग मधम धनिध निरिंसां	निरिंरिं गंमंगं रिंगंरिं निरिंनि
। । । ।	आनारे मोहन मेऽरी गलियां	धिसधि सचंद नलेप लगावुं
=	२	०

धनिध मधम गमग रि्गरि्	धनिध मधम गमग रि्गरि्
धोऽवुं चरन नकीऽ तलियां	धोऽवुं चरन नकीऽ तलियां
३	=

धनिध मधम गमग रि्गरि्	ध म ऽ ध	म ग रि् सा
धोऽवुं चरन नकीऽ तलियां	आ ना ऽ रे	मो ऽ ह न
२	०	३

राग पूरिया.

—×*×—

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ, रि् सा ऽ, नि़ रि् ऽ, सा ऽ; नि़ रि् ग ऽ; म ग रि् ग ऽ; नि़ रि् ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि़ ध़ नि़ ऽ, रि् सा ऽ; नि़ ऽ, ध़ नि़ ऽ; म़ ध़ नि़ ऽ, म़ म़ ग़ ऽ; म़ ध़ ऽ, रि् सा ऽ; म़ध़ नि़रि् ग ऽ, मरि् ग ऽ; नि़रि् गम ध ग मरि् ग ऽ; नि़रि् गम धनि म धग म गरि् ग ऽ; नि़ रि्नि़ ग ऽ; नि़ रि् सा ऽ ॥

सां ध
(३) निरि् गम धसां ऽ, नि रिं सां ऽ; नि नि ऽ, रिं नि ऽ म ऽ,

ध ध
ध ग म ग ऽ; नि म ध ग म ग ऽ; नि ऽ म ऽ ग ऽ, मरि्

सा
ग ऽ; नि रि् ऽ, सा ऽ ॥

ध ध सां सां
(४) म ग ऽ, म ध सां ऽ सां ऽ, नि रिं ऽ सां; नि रिंनि गं ऽ,

सां
नि रिं सां ऽ; नि रिं ऽ मं गं ऽ; नि रिं ऽ सां ऽ; सां ऽ,

ध ध
नि ध नि ऽ, रिं नि ऽ म ऽ, नि म ग ऽ; म ग ऽ रि्

सा
सा ऽ, नि रि् ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) निरि् सा ऽ; निरि् गरि् सा ऽ; निरि् गम गरि् सा ऽ; गम धग मग रि्सा ऽ; निरि् गम निनि मग मग रि्सा ऽ; निरि् गम धनि रिंनि धम गरि् सा ऽ; निरि् गम धनि रिंगं रिंसां निध मग रि्सा ऽ; निरि् गम धनि रिंगं मंमं गंरिं सांनि धम गरि् सा ऽ ॥

(२) निरि् सा ऽ; निरि् गरि् सा ऽ; निरि् गम गरि् सा ऽ; निरि् गम धम गम गरि् सा ऽ; निरि् गम निनि मध गम गरि् सा ऽ; निरि् गम धनि सां निम धग मग रि्सा ऽ; निरि् गम धनि सां रिंसां निध निम धग मग रि्सा ऽ; निरि् गम धनि निरिं गंगं रिंसां निध मध निनि धम, गम धग मग रि्सा ऽ; निरि् गम धनि निरिं गंमं मंगं रिंसां निध मग रि्सा ऽ; निरि् गम धनि निरिं गंमं धंगं मंगं रिंसां, निध मग मध निसां, निध मग मध नि धम गरि् गम धग मग रि्सा ऽ ॥

पूरिया – त्रिताल

मोरी अरज सुनो दस्तगीर पीर,
आन परी मोंपे भीर पीर. – मोरी
सब पीरन के पीर तुम्हीं हो, आवो बहावो हमरि भीर. – मोरी

सा ध

|: नि रि | सा नि ध नि | म ऽ ग म
मो री | अ र ज सु | नो ऽ द स्त
० ३

सा ग

रि ऽ सा नि | ऽ सा :| सा सा | नि रि ग ग | म रि ग ग
गी ऽ र पी | ऽ र मो री | आ ऽ न प | री ऽ मों पे
= २ ० ३

सा ध

गम धग म ग | ऽ रि, नि रि | सा नि ध नि | म ऽ ग म
भीऽ ऽ र पी | ऽ र, मो री | अ र ज सु | नो ऽ द स्त

(अंतरा) ध

रि ऽ सा नि | ऽ सा सा सा |: म ग म ध | सां सां सां ऽ
गी ऽ र पी | ऽ र मो री | स ब पी ऽ | र न के ऽ

सां

सां ऽ सां सां | सां रिं सां ऽ :| नि रिं गं मं | गं रिं सां ऽ
पी ऽ र तु | म्हीं ऽ हो ऽ | आ ऽ वो ब | हा ऽ वो ऽ

सा ध

नि नि ध म | ग रि, नि रि | सा नि ध नि | म ऽ ग म
ह म रि भी | ऽ र, मो रि | अ र ज सु | नो ऽ द स्त

स्थायी.

गी ऽ र पी । ऽ र मो री । ऽ निरि गम ग, । निरि गम धग मग,

निरि गम धनि मध । गम ग, निरि गम । धनि रिंनि धनि मध । गम ग, निरि गम

धनि रिंगं रिंसां निध । मग रिसा, मो री । अरज सुनो दस्त

गी ऽ र पी । ऽ र मो री । ऽ नि रिनि गरि । मग मरि गसा रिनि

सा ऽ, नि रिनि । गरि मग धग मरि । गसा रिनि सा ऽ, । नि रिनि गरि मग

धम निध निम धग । मरि गसा रिनि सा, । नि रिनि गरि मग । धम सां, निरिं गंमं

गं रिं सांनि धनि मध । गम गरि, मो री । अरज सुनो दस्त

ममगम मग मम । गरि सा, निनि धनि। निध निनि धम गरि । सा, मंमं गंमं मंगं

मंमं गंरिं सांनि धम ।गरि सा, निरि गम, ।रिग मध, गम धनि, ।मध निरिं, धनि रिंगं,

मंमं गंरिं सांनि धम । गरि सा, मो री । अरज सुनो दस्त

गी ऽ र पी । ऽ र मो री । निरि निरि गरि, गम । गम धम, धनि धनि

रिंनि, रिंगं रिंगं मंगं, । रिंगं रिंनि रिंनि धनि। धम धम गम गरि। गरि निरि निध निध,

मध निरि गम निनि । धम गरि, मो री । अरज....मोरी

अंतरा. " सब पीरन के "

मंमं गंरिं सांनि धम।गरि सानि धम धनि। रिग मध निरिं गंगं। रिंसां निध, मध निरिं

निध, मध निनि मग । मग रिसा, निरि गम । सब पीरन के

गंगं रिंसां, रिंरिं निध,। निनि धम,धध मग,।मम गरि,गग रिसा,।निग रिम गध मनि

धरिं निगं रिंमं गंरिं । सांनि धम गम धसां । सब पीरन के

पी ऽ र तु । म्ही ऽ हो ऽ । रिंगं रिंगं मंमं गंरिं । निरिं निरिं गंगं रिंनि

धनि धनि रिंरिं निध । मध मध निनि धम । गम गम धध मग । रिग रिग मम गरि

।निरि गम धनि रिंगं । रिंनि धम गरि सा । सब पीरन के

ऽ रि्सा नि़रि् सा,। साम गम ।रि्, रि्ध । मध ग, गनि धनि । म, मसां निरिं सां,

सांनि धनि म, मध । मध ग, गम गम । रि्, रि्सा नि़रि् सा,। नि़रि् रि्ग गम मध

धनि निरिं मंमं गंरिं । सांनि धम गरि् सा । सब पीरन के इ. इ-

नोट – इस पद का गानें में यदि मंद्र गांधार स्वर निकालना कठिण हो तो प्रथम लाईन में "ग़ म़" के बदले "ध़ ध़" स्वरों का व्यवहार करें.

पूरिया–झपताल

तोरे दरसन प्यासी अखियां सावरे, कैसे बनेगी आज.
मोर मुगुट तोरे सीस बिराजे, गले बैजंती माल,
पीतांबर की कछनी काछ, मूरत तेरी बिशाल.

सा			सा	ध़			
नि़ नि़	रि् ग गमध	गम ग	रि् ऽ सा	म़ ध	सा ऽ ऽ	सा ऽ	रि् सा ऽ
तो रे	द र सऽऽ	ऽ न	प्या ऽ सी	अ खि	यां ऽ ऽ	सा ऽ	व रे ऽ
=	२	०	३	*=	२	०	३

*(अंतरा)

सा				म	ध		
नि़ रि्	ग म ध	ग म	ग रि् सा	ग ऽ	म ऽ ध	सां सां	सां ऽ सां
कै ऽ	से ऽ ब	ने ऽ	गी आ ज	मो ऽ	र ऽ मु	गु ट	तो ऽ रे

				सां		ध	ध
सां ऽ	सां ऽ सां	सां रिं	सां ऽ नि	रिं गं	रिं सां ऽ	नि नि	म ऽ ग
सी ऽ	स ऽ बि	रा ऽ	जे ऽ ग	ले ऽ	बै जं ऽ	ती ऽ	मा ऽ ल

		ध				सा	
ग ऽ	ग ऽ म	म नि	ध ग म	ग सा	रि् सा ऽ	नि़ नि़	रि् ग म
पी ऽ	तां ऽ ब	र की	ऽ क छ	नी का	ऽ छे ऽ	मू र	त ते री

				सा	ग	ग	
ध नि	रिं नि ध	म ग	रि् ऽ सा	नि़ नि़	रि् ग मध	म ग	रि् ऽ सा
बि शा	ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ल	तो रे	द र सऽ	ऽ न	प्या ऽ सी

बोलतानें.

निग रिग | रिम गम गम | गध मध | गम गम ऽग ||
तोरे ऽद | रस ऽन प्यासी | अखि ऽयां | साव रेकै ऽसे ||
= २ ० ३

रिसा ऽसा | निरि निध ऽम | धम ऽग | मग ऽरि सासा ||
बने ऽगी | आज तोरे ऽद | रस ऽन | प्यासी ऽअ खियां || तोरे....अखियां
= २ ० ३

ध
निरि गरि | गम गम धम || धनि म | मध गम ऽग | म ग | मग रिसा ऽसा ||
तोरे दर | सऽ नप्या ऽसी || अखि यां | साऽ वरे ऽ | कै से | बने गीआ ऽज ||
० ३ = २ ० ३

तोरे....अखियां

निरि गम | नि ऽम ध || ग सां | ऽनि रिं ऽसां | गं ऽरिं | रिं ऽ सां ||
तोरे दर | स ऽन प्या || ऽ सी | ऽ अं ऽ | खि ऽ | यां ऽ ऽ ||
० ३ = २ ० ३

ऽ नि | ऽम ध ऽग | म ग | रि ऽ सा ||
ऽ कै | ऽ से ऽब | ने गी | आ ऽ ज || तोरे दरसन प्यासी
= २ ० ३

१
रिगरि गमग | मधम धनिध निरिंनि | धनिध मधम |
तोऽरे दऽर | सऽन प्याऽसी अखियां | साऽव रेऽकै |
= २ ०

२
गमग रिऽसा निरिसा, || धनिध मधम | गमग रिऽसा निरिसा, |
सेऽब नेऽगी आऽज, || साऽव रेऽकै | सेऽब नेऽगी आऽज, |
३ = २

३
धनिध मधम | गमग रिऽसा निरिसा ||
साऽव रेऽकै | सेऽब नेऽगी आऽज || तोरे दरसन प्यासी
० ३

———

पूरिया – धमार.

चली नार बन ठन होरी खेलन लिये पीचकारी.
मुडीत भये जैसी शरद चांदनी,
पुरन कला ब्रीख भामिनी राधा प्यारी.—चली

		म ग रि॒	रि॒ सा ऽ सा
		च ली ऽ	ना ऽ ऽ र
		०	३
रि॒ नि़ ऽ ध़ ऽ	म़ ग़	(ध़) म़ ध़ नि़	ऽ रि॒ सा ऽ
ब न ऽ ठ ऽ	न ऽ	हो ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
=	२	०	३
(सा) नि़ ऽ रि॒ ग ऽ	म ग	म ग ऽ	(ध) म ध म ग
खे ऽ ल न ऽ	ऽ ऽ	लि ये ऽ	पी ऽ ऽ च
म ग रि॒ सा नि़	रि॒ ऽ	म ग रि॒	रि॒ सा ऽ सा
का ऽ ऽ री ऽ	ऽ ऽ	च ली ऽ	ना ऽ ऽ र

(अंतरा)

(ध) म म ध सां ऽ	सां ऽ	सां ऽ ऽ	सां रि॒' सां ऽ
मु डी ऽ त ऽ	भ ऽ	ये ऽ ऽ	जै ऽ सी ऽ
सां सां ऽ सां ऽ	ऽ ऽ	नि रि॒' नि	म ऽ ग ऽ
श र ऽ द ऽ	ऽ ऽ	चां ऽ द	नी ऽ ऽ ऽ
म म ऽ ग रि॒	ग ऽ	(ध) म ध म	सां ऽ ऽ सां
पु र ऽ न ऽ	क ऽ	ला ऽ ऽ	ब्री ऽ ऽ ख
नि रि॒' नि म ऽ	ग ऽ	(ध) म ध नि	(ध) म ध ग म
भा ऽ मि नी ऽ	ऽ ऽ	रा ऽ ऽ	धा ऽ ऽ ऽ
म ग रि॒ सा नि़	रि॒ ऽ	म ग रि॒	रि॒ सा ऽ सा
प्या ऽ ऽ री ऽ	ऽ ऽ	च ली ऽ	ना ऽ ऽ र

बोलतानें

ध
रि॒ नि॒ ऽ ध॒ ऽ | म॒ ग॒ | नि॒रि॒ नि॒रि॒ गरि॒ | गम धनि **म** ध
ब न ऽ ठ ऽ | न ऽ | चऽ लिना ऽर | बन ठन हो री

मग ऽम **ग** रि॒सा नि॒सा | नि॒ध॒ **नि॒** | **म** **ग** **रि॒** | **रि॒** **सा** ऽ **सा**
खेऽ ऽन लि येऽ पिच | काऽ री | च ली ऽ | ना ऽ ऽ र

नि॒ग रि॒म गध मनि मध | मग ऽम | मग रि॒सा नि॒रि॒ | **म** **ग** **रि॒** **सा**
चली नार बन ठन होरी | खेल ऽन | लिये पीच कारी | च ली ना र
बन ठन होरी

धनि धम धम गम गरि॒ | ऽसा नि॒सा | मग ऽग मध | सांनि मग मग रि॒सा
चऽ लिना ऽर बऽ नठ | ऽन होरी | खेल ऽन लिये | पीच कारी चली नार
बन ठन होरी

ध
नि॒ग रि॒ग रि॒म गम गध | मध मनि | धनि मध मध | मग रि॒सा मग रि॒सा
चली ऽना रब ऽन ठन | ऽहो रीखे | ऽल नलि ऽये | पिच कारी चली नार
बन ठन होरी

नि॒रि गम धनि रिं॒ग ऽरिं॒ | ऽसां निरिं॒ | निम ऽध **ग** | मग रि॒सा मग रि॒सा
चलि नार बन ठन ऽहो | ऽरी खेऽ | लन ऽलि ये | पिच कारी चलि नार
बन ठन होरी

१
रिं॒गंरिं॒ निरिं॒नि धनिध मधम गमग | निधम धमग | मगरि॒ मऽग रि॒ऽसा, |
चऽली नाऽर बऽन ठऽन होऽरी | खेलन लियेपि | चकारी चऽली नाऽर, |
= २ ०

२ ३
मऽग रि॒ऽसा, मऽग रि॒ऽसा |
चऽली नाऽर, चऽली नाऽर | बन ठन, इ.
३

हिंदुस्थानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका द्वितीय भाग समाप्त.

संगीत ग्रंथों की सूची.

नोटेशन के साथ हिंदी भाषा के पुस्तकें.

(डांक महसूल अलग)	रु. आं.
भारतीय श्रुति-स्वर-राग शास्त्र	३—०
संगीत श्रुति-स्वर शिक्षा	१—०
प्राचीन मूर्छना अर्थात् आधुनिक शास्त्रीय थाट-पद्धति ...	०-१२
राग-लक्षण-गीतमालिका, प्रथम भाग	१—८
राग-लक्षण-गीतमालिका, द्वितीय भाग	२—८
हिंदुस्तानी संगीत की एनसाईक्लोपीडिया (छे भाग)	
१ कल्याण थाट के १७ रागों के उत्तमोत्तम पदसंग्रह के पुस्तक	२—८
२ बिलावल थाट के २२ रागों के " "	२—०
३ संधिप्रकाश थाटों के ४५ रागों के " "	३—०
४ काफी थाट के ४० रागों के " "	३—८
५ आसावरी, भैरवी तथा तोडी थाट के २० रागों के पदसंग्रह	२—०
६ खमाज थाट के १२ रागों के "	१—४
हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तमालिका (भाग १ से ४)	४—८
" " " प्रत्येक भाग ...	१—८
ख्याल गायकी (आलाप, तान, बोलतान के साथ)	१—८
दिलखुष उस्तादी गायकी (अलाप, तान, बोलतान के साथ, प्रथम भाग)	१—८
दिलखुष उस्तादी गायकी " " द्वितीय भाग	०-१२
तान प्रवेश (२०० किसम २ के तानों के संग्रह)	०-१२
राग सिरीझ (छे भाग, आलाप तान के साथ) प्रत्येक भाग ...	०-१२
सन्त गीत लहरी (८५ अपूर्व भजनों के स्वरताललिपिबद्ध संग्रह.)	१—८
सितार होम-ट्यूटर	१—८
सितार गत-तोडा संग्रह	१—०

નોટેશન સાથે ગુજરાતી ભાષાના પુસ્તકો.

ઘટાડેલી કિંમત	રૂ. આ.
હિન્દુસ્તાની સંગીત વિદ્યા (બીજો તથા ત્રીજો ભાગ) પ્રત્યેક ભાગ	૧—૦
શાસ્ત્રીય સંગીત કળા શિક્ષક (આલાપ, તાન સાથે) ...	૧—૮
ઝવાહિરે જરથોશ્તી સંગીતમાળા (બે ભાગ) પ્રત્યેક ભાગ	૦-૧૨

३२२, मेन स्ट्रीट, कॅंप पूना. पंडित फिरोझ फ्रामजी.

Research Work
ON
INDIAN MUSIC.

(भरतमुनि, सार्ङ्गदेव प्रभृति प्राचीन महर्षियों के मत प्रमाण)

भारतीय श्रुति–स्वर–राग शास्त्र.

इस ग्रन्थ म प्राचीन शुद्ध स्वरों से अर्वाचीन स्वरों का मिलान, प्राचीन
शास्त्रकारों की **सारणा–चतुष्टयी** से प्रचलित वीणे के स्वरों का
मिलान, संगीत रत्नाकर के "**साधारण–प्रकरण**" में
लिखे हुए श्रुति साधारण, स्वर साधारण, ग्राम साधारण
इत्यादि विषयों के परमगौप्य मर्म, प्राचीन मूर्छनाओं
में से आधुनिक थाटों की उत्पत्ति, वह थाटों में
सम्भवते हुए १७० आधुनिक रागों के स्वरों के
श्रुत्यंतर, कम्पनसंख्या, वादी-संवादी स्वर
इत्यादि के पूर्ण विवरण, और श्रुति, स्वर,
ग्राम, मूर्छना, रागादि के सम्बन्ध में
बहुतसे संगीतोपयोगी विषयों का
विस्तारपूर्वक हाल लिखा हैं.

मूल्य ३ रु.

मुद्रक—शंकर नरहर जोशी. मॅनेजर, चित्रशाळा प्रेस, १०२६ सदाशीव पेठ, पूना नं. २
प्रकाशक—पंडित फिरोझ फ्रामजी, २२२, मेन स्ट्रीट. कॅंप, पूना.

Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Scools & Colleges.)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका

अर्थात्

तानालापसह गाने बजाने को सहूलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रामिक पुस्तक.

भाग ३ रा.

इस प्रथम भाग में १८ प्रचलित आलापयोग्य रागों के २६ चुनीदा हिंदी पर्दे उन के रागांग विस्तार, स्वरविस्तार, तान और बोलतानों के साथ बहुत गमकदार नोटेशन में दिया है.

लेखक और प्रकाशकः

पंडित फिरोझ फ्रामजी (संगीतशास्त्री)

Research Scholar & Author of 30 Books on Indian Music.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १॥ रुपया.

(Modern Research)

Text Book on Shruti-Swaras of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Schools & Colleges.)

(भरतमुनि, सार्ङ्गदेव प्रभृति प्राचीन महर्षियों के मत प्रमाण)

संगीत श्रुति-स्वर शिक्षा.

प्राचीन श्रुतिस्वरों का आधुनिक संगीत में कैसा व्यवहार होता है उस का बहुत विस्तारपूर्वक विवरण प्रश्नोत्तर पद्धति से इस पुस्तक में दिया है, जिसे संगीत के नयें शिक्षार्थिओं को भी श्रुतिस्वर सम्बन्धी हर-एक बाबत समझना बिलकुल सुलभ होगा. सर्व संगीत जिज्ञासुओं को इस पुस्तक का ठीक २ अभ्यास करना परमावश्यक है. मूल्य केवल रुपया १.

(Modern Research)

Text Book on Classification of Ragas

According to Ancient Murchana System.

(Compiled specially for the use of Schools and Colleges.)

प्राचीन मूर्छना

अर्थात्

आधुनिक शास्त्रीय थाट-पद्धति.

इस पुस्तक में प्राचीन मूर्छनाओं में से ११ मूर्छनाओं में कईक आधुनिक थाटों का और १७० रागों का समावेश प्राचीन शास्त्रीय पद्धति से किया है, और प्रत्येक थाट के स्वरों के श्रुत्यंतर, कम्पन-संख्या, परस्पर संवादादि का बहुत विस्तारपूर्वक विवरण दिया है, जिसे सब प्रचलित रागों के सच्चे सुरों का ठीक २ ज्ञान होगा. मूल्य केवल १२ आना.

Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Schools & Colleges.)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तक मालिका

अर्थात्

तानालापसह गाने बजाने को सहलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रमिक पुस्तक.

भाग ३ रा.

इस तृतीय भाग में १८ प्रचलित आलापयोग्य रागों के २६ चुनींदा हिंदी पदें उन के रागांगविस्तार, स्वरविस्तार, तान और बोलतानों के साथ बहुत गमकदार नोटेशन में दिया है.

लेखक और प्रकाशकः

पंडित फिरोझ फ्रामजी (संगीतशास्त्री).

Research Scholar & Author of 30 Books on Indian Music.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १॥ रुपया.

तृतीय पुस्तक के पदों की सूची.

[इति सूचीपत्र समाप्त]

शुद्धिपत्र.

पृष्ठ.	विषय.	लाईन	अशुद्ध	शुद्ध
१९७	रागांगविस्तार	(४)	प़ ध	प़ ध़
२००	”	(२)	नि़ नि़ ध़ प	नि़ नि़ ध़ प़
२००	”	(३)	ग़ रि ऽ;	ग रि ऽ;
२०३	तान	६	गन	गन ला
२०३	अंतरे की तान	५	। धनि पध ।	। धनि् पध ।
२११	नोटेशन	१	| प ध | | ध न |	| प म् | | ध न |
२१३	”	४	|| नि् धप | || नैं ना |	|| नि् धप | || नैं ऽ |
२२०	बोलतानें	३		|| सारि साम् पम् पध |
२२२	स्वरविस्तार	३	रिंस	रिंसां
२२४	नोटेशन	३	सा गीऽ ।	ला गीऽ ।
२२८	”	१	रिम् पध | जोऽ ऽ |	रिम पध | जोऽ ऽ |
२२८	”	३	रि म् | चं ऽ |	रि म | चं ऽ |
२३१	रगांगविस्तार	(४)	म़रि ऽ ग;	म़रि ऽ; ग
२३५	नोटेशन	३	निसांसां | ऽऽबऽ |	निसांसांऽ | ऽऽबऽ |

२३५	नोटेशन	६	पधमप लाऽऽ	पधमप । लाऽऽऽ ।
२३५	,,	८	गम्पऽ हाऽऽ	गम्पऽ हाऽऽऽ
२३६	नोटेशन	२	धनि औंर	धनि औंऽ
२४०	,,	३	ध़्नि़	नि़्ध़
२४०	,,	७		। ध़नि़् प़ । ऽ न
२४१	बोलतानें	२	। नि़्ध़ नि़ । । ऽ ऽ ।	। नि़्ध़ नि़ । । ऽ ध ।
२४७	,,	५	॥ ऽरिं ऽसां । ॥ ऽक रूंऽ ।	। ऽरिं सांऽ । । ऽक रुंऽ ।
२५४	रागांगविस्तार	(१)	नि़ रि ऽ	नि़ रि् ऽ
२५७	बोलतानें	५	। रि् ग् प ऽ ।	। रि् ग प ऽ ।
२५७	,,	७	। प ध म प ।	। प ध् म प ।
२६६	नोटेशन	७	सां ग ।	सां गं ।
२७६	,,	१०	। रं ग की म ।	। रं ग की ऽ ।
२८४	,,	५	। नि ध रि् रि् ।	। नि ध् रि् रि् ।

[इति शुद्धिपत्र समाप्त]

सशास्त्र

हिंदुस्थानी गायकी

क्रमिक पुस्तक मालिका

(तृतीय पुस्तक.)

राग पहाडी.

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ ग रि ऽ, ग म् ग रि ऽ, सा रि ग रि सा नि़ ध़ ऽ;
प़ ध़ सा ऽ ॥

(२) प़ ध़ सा रि ग ऽ; सा रि ग ग, रि ग प ऽ; ग प ग रि
सा नि़ ध़ ऽ; ग़ प़ ध़ नि़, प़ ध़ सा ऽ ॥

(३) ग प ध नि, प ध सां ऽ; नि सां नि ध प ध ऽ; प ध प प,
ग रि सा ऽ; नि़ सा नि़ ध़, प़ ध़ सा ऽ ॥

(४) प ध प म, ग म् ग रि सा नि़ ध़ ऽ; प़ ध़ नि़ ध़, प़ ध़
सा ऽ, रि ग रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि सानि़ ध़, प़ध़ सा ऽ; सारि गरि सानि़ ध़ प़ध़ सा ऽ; सारि गप गरि सानि़ ध़प़ ध़, प़ध़ नि़ध़ प़ध़ सा ऽ; सारि गप ध ऽ, पध पम गम् गरि सानि़ ध़, प़ध़ सा ऽ; गप धनि पध निध प ऽ, गध पप गप गरि सानि़ ध़, प़ध़ सा ऽ; गप धनि पध सां, निसां निध पध ऽ, पध पप गरि सा, नि़सा नि़ध़ प़ध़ ऽ, प़ध़ नि़ध़ प़ध़ सा ऽ ॥

पहाडी – केरवा.

कहे दो सावरिया से आया करो.
दिन नहिं चैन, रात नहिं निंदियां, सपने में दरस दिखाया करो.

सारि रिग	ऽ गम्	गरि सा	ऽ सा	ग ऽ	ग ग	म्ग म्	ऽग रिग
कहे दोऽ	ऽ साऽ	वरि या	ऽ से	आ ऽ	या क	रोऽ ऽ	ऽज राऽ
=	०	=	०	=	०	=	० *

सारि रिग	ऽ गम्	गरि सा	ऽ सा	सा प	प म्	म्ग म्	ऽग रिग
कहे दोऽ	ऽ साऽ	वरि या	ऽ से	आ ऽ	या क	रोऽ ऽ	ऽज राऽ

* (अंतरा)

:ऽ ऽ	गग गग	प ऽ	ऽ प	ऽ प	धध ध	प ध	पध मप :
ऽ ऽ	दिन नहिं	चै ऽ	ऽ न	ऽ रा	तन हिं	निं दि	यांऽ ऽ

ऽ मम्	म् म्	ऽ मम्	ऽम् ऽम्	ग प	प म्	म्ग म्	ऽग रिग
ऽ सप	ने में	ऽ दर	ऽस ऽदि	खा ऽ	या क	रोऽ ऽ	ऽज राऽ

स्थायी. " कहे दो सावरिया से "

ग रि । गप धनि ।। धनि धप । ऽम ।। रिग म । गम् गरि।। सानि धप।धसा सारि
आया करो, जरा कहे दो सावरिया से

गप धनि। पध सा ।। धसा रिग ।सारि ग।।सारि गप ।गप गरि।।सानि धप। धसा सारि
आया करो....सावरिया से

सारि सानि। धप ध ।। ऽ ऽ,। पध रि ।। सारि सानि । धप ध ।। ऽ ऽ, । पध सारि

ग ऽ । सारि गप ।। गरि सानि । धप ध,।। पध निध । पध सा,।। धसा रि,। सारि गम्
आया....सावरिया से

अंतरा. " दिन ....निंदियां "

पध पप । गप गरि ।। सारि सानि । धनि पध।। साध सारि । सारि गम् ।। ग ऽ ।
दिन....निंदियां

पध पम। पम गम्।। गरि गरि ।सारि सानि।।सानि धप । धप धप।। धसा रिग । सारि गम्

रिग प । गम् गरि ।। सानि धप । धसा रिग ।। सारि गम् । ग ऽ ।। ऽ ऽ ।
दिन....निंदियां

प ऽ । गरि सा, ।। ध ऽ । पध पप ।। गरि सा, । गप धनि ।। पध सां । निसां निध

पध ऽ,। पध पप ।। गरि सा । निसा निध ।। पध ऽ,। सारि गम ।। पध निसां । निध पम
१
धप मग । पम गरि।।म्ग रिसा। निध प,।। धसा रिग । सारि गम् ।। ग ऽ,।धसा रिग
३
सारि गम् । ग ऽ, ।। धसा रिग । सारि गम् ।। आया करो, इ. इ.

राग देस.

रागांग विस्तार.

(१) रि ऽ, म् प ऽ, नि् ध प ऽ; प ध प म् ग रि ग सा ऽ;

रिग सारि म् प ऽ, नि् ध प ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि सा ऽ; प नि सा ऽ; नि नि ध प ऽ; म् प

सा ऽ; रि ऽ, ग रि ऽ; म् प नि् ध प ऽ, ध म् ग रि ऽ;

रि प म् ग रि ऽ, सा रि नि सा ऽ; रि रि म् प ऽ

नि् ध प ऽ;

(३) म् प नि् ध प ऽ; नि सां ऽ; सांनि् रिंसां रिं नि् ध प ऽ;

म् प ऽ, म्प धम् ग् रि ऽ; रि ऽ, ग् रि ऽ, सा रि नि सा ऽ;

रि ऽ, म् प ऽ, नि् ध प ऽ ॥

(४) म् म्, प प, नि नि, सां ऽ, प नि सां ऽ; म् प नि सां

रिं ऽ, गं रिं ऽ मं गं रिं ऽ, सां रिं नि सां ऽ; म्प निसां

रिंमं रिं ऽ; रिं पं मं गं रिं ऽ; गं ऽ, नि सां ऽ; सांनि् रिंसां

रिं नि् ध प ऽ; प ध म् ग रि ग सा ऽ; रिग् सारि म् प ऽ,

नि ऽ; सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

निसा रिग मग रिसा ऽ; निसा रिम् पम् गरि **सा** ऽ; निसा रिम् पध पम् गरि **सा** ऽ; निसा रिम् पध निध पम् गरि **सा** ऽ; निसा रिम् पनि **सां** निध पम् गरि **सा** ऽ; निसा रिम् पनि सांरिं सांनि् धप मग रिसा ऽ; निस रिम् पनि **सां** रिंग् रिंसां निध पम् गरि **सा** ऽ; निसा रिम् पनि **सां** रिंगं मंगं रिंसां निध पम् गरि **सा** ऽ; निसा रिम् पनि सांरिं पंमं गंरिं सांनि् धप मग रिसा (अथवा) निसा रिग सारि मप धम् पनि सांरिं गंसां रिंपं मंगं रिंसां निसां निध पम् गरि **सा** ॥

नोट—इस राग की अवरोह की स्वर रचना विविध प्रकार से होती है. यथाः—

(१) धप मग रिग **सा**, (२) धप धम् गरि गसा, (३) धप धम् गरि निसा, (४) निध पम् गरि निसा, (६) निनि् धप मग रिसा.

आरोह में क्वचित गांधार और धैवत स्वर लगातें है. यथाः—

रिग मप धम् गरि ऽ; रिरि मप धानि् धप धम् गरि ऽ; रिरि मप धानि सांरिं सांनि् धप धम् गरि ग्रि निसा ऽ; इ.

सोरठ और **देस** ये दोनों समप्रकृति के राग है. **सोरठ** के आरोह में गांधार और धैवत ये दो स्वर बिलकुल वर्ज्य है, और अवरोह में गांधार स्वर अल्प है. यथाः—

सारि मप निसां रिंमं रिंसां निसां निनि् धप धम् **रि** ऽ; रिप मरि सारि निसा, इ. इ.

व्यवहार में लोंग बहुधा ये दोनों राग को मिश्र करके गातें हैं, अर्थात् **सोरठ** राग के अवरोह में भी गांधार स्वर का स्पष्ट व्यवहार करते हैं, जिससे अवरोह की जल्द तानें लेनेमें सुगमता होती है. कोई वादी स्वर में भी भेद मानतें हैं. किन्तु ये दोनों राग की चालढाल सब एकसमान ही है.

देस — एकताल.

दृगन लागी मोरे सावरे सलोने,
संदर मुरतवा को चितवन प्यारी.—दृगन
चंचल चपल अचपल पिया, प्यारी की हैं मुसकिन न्यारी.—दृगन

				ऽ	गरि	ग	सा	म्रि	पम्	धप	ध
				ऽ	दृऽ	ग	न	लाऽ	ऽ	ऽ	ऽ
				२		०		३		४	

पध	सांनि्	धप	नि	सां	निसां	रिंसां	नि्	ध	पध	म्	गरि
ऽ	ऽ	गीऽ	मो	रे	साऽ	ऽ	व	रे	सऽ	लो	नेऽ
=		०		२		०		३		४	

म्											
रि	ग	रि	प	म्	गरि	नि़	सा	रि	ग	म्	प
सुं	द	र	मु	र	तऽ	वा	की	चि	त	व	न

म्											
रिम्	पध	नि्सां	नि्ध	पम्	गरि	ग	सा	म्रि	पम्	धप	ध
प्याऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रीऽ	दृऽ	ग	न	लाऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(अंतरा)

म्	म्	प	नि्	प	नि	सां	सां	नि	सां	सां	सां
चं	च	ल	च	प	ल	अ	च	प	ल	पि	या

सां											
नि	ऽ	सां	ऽ	निसां	रिंसां	रिंनि्	धप	म्	प	नि	सां
प्या	ऽ	री	ऽ	कीऽ	ऽ	हैंऽ	ऽ	मु	स	कि	न

निसां	रिंगं्	रिंसां	नि्ध	पम्	गरि	ग	सा	म्रि	पम्	धप	ध
न्याऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रीऽ	दृऽ	ग	न	लाऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स्थायी. "दृगन....सलोने"

नि़सा रिम् । गरि ऽ, । म्प धम् । गरि ऽ, । नि्नि् धप । धम् गरि

ऽ, रिंगं् । रिंसां रिंनि् । धप धम् । गरि ऽ, । गग रिग् । सारि नि़सा,

रिम् पध । निसां नि्ध । पम्, दृ । गन ला

निसा रिम् । पनि् धप, । मृप निसां । रिंगं् रिंसां, । निसां रिंगं । मृंगं रिंगं्

रिंसां रिंसां । नि्सां नि्ध । नि्ध पध । पम् पम् । गम् गरि । गृरि नि़सा,

रिम् पध । निसां नि्ध । पम्, द । गन ला

नि़सा रिसा । रिम् रिम् । पम् पनि । पनि सां, । पनि सांरिं । सांनि् धप

मृग रिग् । रिसा नि़सा, । रिम् पध । मृप सां । निसां रिंगं । मृंगं रिंगं्

रिंसां निसां । रिंनि् धप । धम्, द । गन

रिग रिम् । गरि, पध । पनि् धप, । निसां निरिं । सांनि, रिंगं । रिंमं् गंरिं,

निसां निरिं । सांनि्, पध । पनि् धप, । रिग रिम् । गरि ऽ, । नि़सा रिम्

पनि सांरिं । सांनि धप । धम्, द । गन ला

अंतरा. " चंचल....पिया "

सांनि् धप । मृग रिग् । रिसा नि़सा, । रिम् पनि् । मृप निसां । पनि सांरिं

निसां रिंगं् । रिंसां नि्ध । पम् गरि, । सारि मृप । नि्ध मृप । सां ऽ
चंचल....पिया

निसां रिंगं । मृंगं रिंगं् । रिंसां निसां । रिंनि् धप । मृग रिग् । रिसा नि़सा,

नि़सा मृरि । पम् धप । सांनि रिंसां । नि्ध पम् । गरि सारि । मृप सां
चंचल....पिया

निसां रिंगं । मृंगं रिंगं । सांरिं निसां । धनि पध । मृप गम् । रिग सारि

साम् रिप । मृध पसां । निरिं सांमं् । रिंपं मृंगं । रिंसां नि्ध । मृप सां
चंचल....पिया

रिंगं रिंरिं । गंरिं निसां । निध पम, । पध निध । पध निध । पम् गरि

सारि निसा, । रिरि सारि । मम रिम् । पप मप । निनि पनि । सांरिं निसां

चंचल चपल, इ. इ.

बोलतानें. " दृगन ला "

पध सांनि | धप नि | सां ऽ, | रिम् पनि | धप मप | निसां रिंसां
ऽ ऽ | गीऽ मो | रे ऽ, | दृग नला | ऽगी मोरे | साव रेस

रिंनि धप | धम् गरि | गनि ऽसा | मरि पम् | निध परि | पम् धप
लोऽ नेसुं | दर मुर | तवा ऽकी | चित वन | प्याऽ रीदृ | गन लाऽ

पध सां | निसां ऽरिं | सांनि धप | मप ऽध | पम् गरि | मग रिग
ऽ ऽ | दृग ऽन | लाऽ गीऽ | मोरे ऽसा | ऽव रेऽ | सलो ऽने

रिग निसा | रिम् ऽप | निध प | सांनि धप | मग रिग | सारि मप
ऽसुं दर | मुर ऽत | वाऽ की | चित वन | प्याऽ रीदृ | गन लाऽ

पध सांनि | धप नि | सां निसां | रिंसां ऽ, | साम् रिप | मनि धप
ऽ ऽ | गीऽ मो | रे साऽ | ऽ ऽ, | दृग नला | गीमो रेसा

पसां निरिं | सांमं गंरिं | गंरिं सांरिं | निसां निध | पध मग | सारि मप
वरे सलो | नेसुं दर | मुर तवा | कीचि तव | नप्या रीदृ | गन लाऽ

पध सांनि | धप नि | सां निसां | रिंसां नि | ध पध | म गरि
ऽ ऽ | गीऽ मो | रे साऽ | ऽ व | रे सऽ | लो नेऽ

मरि ऽप | मऽ धप | ऽसां निऽ | रिंसां ऽरिं | निऽ धप | ऽध मऽ
दृग ऽन | लाऽ गीमो | ऽरे साऽ | वरे ऽस | लोऽ नेसुं | ऽद रऽ

गरि ऽसां | निऽ धप | ऽध मऽ | गरि ऽग | निसा रिम् | रिम् पध
मुर ऽत | वाऽ कीचि | ऽत वऽ | नप्या ऽरी | ऽदृ गन | ला ऽ

पध	सांनि्	धप	नि	सां	निसां	रिंसां	नि्	ध	पध,	ऽनि	ऽनि
ऽ	ऽ	गीऽ	मो	रे	साऽ	ऽ	व	रे	ऽ,	ऽद्द	ऽग

ऽनि	निनि	ऽसां	ऽसां	ऽसां	सांसां	ऽरिं	ऽसां	ऽरिं	नि्ध	ऽप	ऽध
ऽन	लागी	ऽमो	ऽरे	ऽसा	वरे	ऽस	ऽलो	ऽने	सुंद	ऽर	ऽमु

ऽम्	गरि	ऽम्	ऽग	ऽरि	नि़सा	ऽम्	गरि	ऽग	सारि	म्ऽ	पध
ऽर	तवा	ऽकी	ऽचि	ऽत	वन	ऽप्या	ऽरी	ऽद्द	गन	लाऽ	ऽ

गी.... सलोने

रिम्रि	म्पम्	पानि्प	नि्सांनि	सांरिंसां	रिंनि्ध	पध्प	म्गरि
द्दगन	लाऽगी	मोऽरे	सावरे	सलोने	सुंदर	मुरत	वाकीचि
=		०		२		०	

सांनि्ध	पधम्	गसारि	म्ऽप	
तवन	प्याऽरी	द्दगन	लाऽऽ	गी मोरे, इ. इ.
३		४		

राग तिलक कामोद.

रागांग – विस्तार.

(१) प़ नि़ सा रि ग, सा रि ग सा ऽ; सा रि प ऽ, म् ग रिनि़ सा नि़ ऽ; प़नि़सारिग ऽ, सारिग सा ऽ ॥

(२) सा रि ऽ, प म् ग ऽ; सारिग सा ऽ; सारि म्प ध ऽ, म् ग रिनि़ सा ऽ; रिम् पध प ऽ, म् ग ऽ, रिनि़ सा ऽ; सारि म्प नि् ध प ऽ, म् ग रिनि़ सा नि़ ऽ प़नि़सारिग सा ऽ ॥

(३) सारि मृप सां ऽ; प ध मृ ग रिनि सा (अथवा) पध पमृ

ग ऽ, रिनि सा नि ऽ; पनिसारिग सारिग सा ऽ ॥

(४) मृ प सां ऽ सां ऽ, रिंनि सां ऽ; पनि सांरिं गं सांरिं गं

सां ऽ; सांरिं मृं गं ऽ, सांरिं गं सां ऽ; पध मृप सां ऽ, पध

मृग ऽ, सारिग सा ॥

स्वरविस्तार.

(१) पनि सारि निसा ऽ; पनि सारि गसा रिग सा ऽ; निप निसा रिप मृग सारि गसा ऽ; निसा रिम् पम् गरि सारि गसा ऽ; निसा रिम् पध पम् गरि सारि गसा ऽसा ऽ; निसा रिम् पसां ऽसां पध पम् गरि सारि गसा ऽसा ऽ; सारि मृप निसां रिंसां निध पम् गरि निसा (अथवा) सारि मृप निसां रिंसां पध मृग सारि गसा ऽ; निसा रिम् पनि सांरिं गंसां ऽसां पध मृग सारि गसा ऽसा (अथवा) सारि मृप निसां रिंगं गंरिं सांनि धप मृग रिसा निसा ऽ; निसा रिम् पनि सांरिं गंरिं पंमं गंरिं निसां पध मृग सारि गसा (अथवा) निसा रिम् पनि सांरिं गंरिं पंमं गंरिं गंसां ऽप ऽसां प धम् ऽग सारि गसा ऽ ॥

नोट—इस राग की अवरोह की स्वर रचना बहोत वक्र है. मध्य षड्ज को मिलते वक्त "गरि सारि गसा" अथवा "गरि निसा" ऐसी स्वर रचना कीई जाती है. धैवत मध्यम की संगती बार २ दृष्य होती है, यथाः—"पध मृग सारि गसा." यह ध मृ संगति रहित भी स्वर रचना हो सकती है, यथाः—"पध पम् गरि सारि गसा ऽसा."

तार षड्ज से एकदम पंचम स्वर पर आते हैं. यथाः—"सां, प, धम् ऽग, सारि गसा ऽसा." मृदु निषाद स्वर का क्वचित व्यवहार करते हैं, यथाः—"निसां रिंसां निध पम् गरि निसा."

देश राग के सदृश आरोह में क्वचित गांधार स्वर लगाते हैं, यथा:— निसा रिग मृप धम् गरि गसा. आरोह में धैवत स्वर वर्ज्य है. आरोह में भी पंचम और तार षड्ज की संगती विशेष है, यथा:— " रिग मृप सां " किंवा " निसा रिम् पसां ऽसां ऽ, प धम् ऽग ऽ, सारि गसा ऽसा. "

अब दूसरा प्रकार नीचे मुजब:—

(२) पनि सारि मृग रिग सारि सानि ऽ; पनि सारि मृप धम् ऽग सारि गसा ऽनि ऽ; पनि सारि मृप धप मृप सांसां पध पम् गरि पम् गरि सानि ऽ; पनि सारि गरि सारि मृप धप मृप सांसां पध मृप सांरिं निसां पध मृप निध पम् गरि सानि ऽ; पनि सारि मृप धप मृप निसां रिंसां निसां पनि सांरिं मृंगं रिंगं सांरिं निसां पध पम् गरि सानि पनि सारि गसा रिग सा ऽ ॥

राग का स्वरूप न बिगडे इसके लिए उपरोक्त सब तानों के टुकडे खुब याद रखना अवश्य है. ये सब तानों का उपयोग इस राग के कोईभी पद में उस की तालानुसार करें.

तिलक कामोद – एकताल.

अब तो लाज तुम रे हाथ, राखो शरम सैयां.
उमर सारी खेल खोई, अवगुण की बेल बोई,
तुंहि करीम जग निस्तार, परूं मैं तोरे पैयां. ॥ १ ॥
मात पिता सुत बंधु नार, सब है जग के झूठ पसार,
तुम बिन है कवन मोरे, बिपत के हरैयां. ॥ २ ॥

सा	रि ग		ग मृ	प	
प नि	सा रि	ग (सा)	रि ग	मृ (ग)	ऽ सा
अ ब	तो ला	ऽ ज	तु म	रे हा	ऽ थ
=	०	२	०	३	४ *
मृ		प	मृ		
रि मृ	प प	ध मृ	ग रि	ग (सा)	ऽ नि
रा ऽ	खो श	र म	सै ऽ	ऽ यां	ऽ ऽ

*(अंतरा)

म् म्	प नि	ऽ नि	सां ऽ	नि सां	ऽ सां
उ म	र सा	ऽ रि	खे ऽ	ल खो	ऽ ई
प प	नि सां	सां ऽ	सां रिं	नि् ध	प प
अ व	गु ण	की ऽ	बे ऽ	ल बो	ऽ ई.
प प	रिं रिं	ऽ रिं	प नि	सां रिं	नि् धप
तुं हि	क री	ऽ म	ज ग	नि स्ता	ऽ रऽ
ध म्	म् गरि	ग सा	रि म्	प ध	म् ऽ
प रूं	मैं तांऽ	ऽ रे	पै ऽ	ऽ ऽ	यां ऽ
गरि ग	नि् नि्	सा सा	ग रि	म् (ग)	ऽ सा
अऽ ब	तो ला	ऽ ज	तु म	रे हा	ऽ थ

स्थायी.

अ ब । तो ऽ । पनि् सारि । गसा रिम् । पध म्ग । सारि गसा,

पनि् सारि । गसा रिम् । पध म्प । सां ऽ । पध म्ग । सारि गसा
अब तो लाज तुमरे हाथ

पनि् सारि । गसा रिम् । पध म्प । निसां रिंसां । पध म्ग । सारि गसा,

नि्सा रिम् । पध म्प । निसां रिंगं । रिंगं सांसां । पध म्ग । सारि गसा

अ ब । तो ऽ । रिम् पध । म्प सां । पनि सां । पनि सांरिं

गंसां ऽरिं । पंमं् गंरिं । निसां पनि । सांरिं निसां । पध म्ग । सारि गसा
अब तो लाज तुमरे हाथ

सारि म्प । धम् ऽग । सारि गसा । ऽसा, रिम् । पसां ऽसां । म्प निसां

रिंगं सांरिं । रिंपं मंगं । सांरिं गंसां । पध पम् । गरि सारि । गसा ऽसा
अब तो लाज तुमरे हाथ

पऩि सारि । गसा ऽसा, । रिप मृग । सारि गसा । ऽसा, सां । प धम्

ऽग सारि । गसा ऽसा, । रिं गंसां । ऽसां, प । धम् ऽग, । सारि गसा

अंतरा. " उमर सारि खेल खोई "

सांरिं सांनि् । धप मृग । रिसा ऩिसा, । रिम् पध । मृप सां । पनि सां
उमर सारि खेल खोई

पनि सांरिं । निसां पध । मृप सां, । पनि सांरिं । गं सांरिं । गं सां
उमर सारि खेल खोई

रिम् पध । मृप सां, । रिंपं मृंगं । सांरिं गंसां । पध मृप । सां ऽ
उमर सारि खेल खोई

पनि सांरिं । निसां ऽ, । पनि सांरिं । गं निसां । ऽ, पनि । सांरिं गंसां

रिंमं् गं । निसां, पनि । सांरिं गंरिं । पंमं् गं । निसां पध । मृप सां
उमर सारि खेल खोई

पनि सांरिं । गंरिं पंमं् । गंरिं गंनि । सांप ऽनि । सांरिं निसां । पनि सांरिं

गंसां ऽप । ऽसां प । धम् ऽग । सारि गसा, । रिम् पध । मृप सां
उमर सारि खेल खोई

गरि मृग । सा, रिम् । पध मृ, । पनि सांरिं । सां, गंरिं । गंरिं सां,

रिंपं मृंगं । सांरिं गंसां । रिंसां निसां । मृप निसां । रिंरिं सांनि् । धप मृग

१ २ ३
रिसा ऩिसा, । सारि मृप । सां सा, । सारि मृप । सां सा, । सारि मृप

सां ऽ ।

तिलक कामोद – रूपक (मात्रा ७)

तज मन काम और धन धाम.
झूठ जग यह अनित नरतन, साच एक रब नाम.

|: रिग सारि	म् प	पनि सांरिं सां	पध पध	प म्	गरि ग सा :|
तऽ जऽ	म न	काऽ ऽ म	औऽ रऽ	ध न	धाऽ ऽ म
२	३	० (सम)	२	३	०

(अंतरा)

रिग सारि	म् प	म् ऽ प	नि नि	सां सां	प नि सां
तऽ जऽ	म न	झू ऽ ठ	ज ग	य ह	अ नि त

रिंगं रिंगं	सां सां	सां प प	पध पध	म् म्	गरि ग सा
नऽ रऽ	त न	सा ऽ च	एऽ कऽ	र ब	नाऽ ऽ म

तज....धाम

बोलतानें.

म् रिप	ऽम् ध	पसां निरिं नि,	सांसां ऽप	म्रि म्प	नि सां सां
त जम	ऽन का	मऔ ऽर ध	नधा ऽम	तज मन	का ऽ म

पध पध	प म्	गरि ग सा	ऽ पनि	सांरिं निसां	पध पम् गरि
औऽ रऽ	ध न	धाऽ ऽ म	ऽ तज	मन काम	और धन धाम

म् रि रि	म् प	पनि सांरिं सां	पध पध	प म्	गरि ग सा
त ज	म न	काऽ ऽ म	औऽ रऽ	ध न	धाऽ ऽ म

रिग सारि	म् प	ऽ सांरिं सांनि	सांनि पध	पम् पम्	गरि गग गसा
तऽ जऽ	म न	ऽ तऽ जम	ऽन काऽ	मऔ ऽर	धऽ नधा ऽम

रिग सारि	म् प	नि सां सां	ऽ पनि	सांरिं गं	सां, पनि सारि
तऽ जऽ	म न	का ऽ म	ऽ तज	मन का	म, तज मन

म्

ग सा, | रिरि म्प | नि सां सां || प ध | प ध | गरि ग सा

का म, | तज मन | का ऽ म || औ र | ध न | धाऽ ऽ म

ऽ म्रि | पम् धप | सांनि रिंसां गं || सां, पनि | सांरिं नि | सां, प़नि़ सारि

ऽ तज | मन काम | और धन धा || म, तज | मन का | म, तज मन

म्

नि़ सा, | रिरि म्प | नि सां सां || सांरिं ऽसां | निसां ऽनि | पध ऽप, म्प

का म, | तज मन | का ऽ म || तज ऽम | नका ऽम | और ऽध, नधा

१ २ ३

ऽम्, म्रि | म्प सां | सां, म्रि म्प || सां सां, | म्रि म्प | सां ऽ सां

ऽम, तज | मन का | म, तज मन || का म, | तज मन | का ऽ म

म्

पध पध | प म् | गरि ग सा || रि रि | म् प | रिम्रि म्पम् पधप

और रऽ | ध न | धाऽ ऽ म || त ज | म न | तऽज मऽन काऽम

म्

निसांनि सांरिंसां | रिंगंसां, सांसां | पध म्प, म्ग || रिग सासा, | रिरि म्प | पनि सांरिं सां

औऽर धऽन | धाऽम, तज | मन काम, तज || मन काम, | तज मन | काऽ ऽ म

प ध | प म् | गरि ग सा || रिम् ऽरि | म्प ऽम् | पध ऽप, निसां

औ र | ध न | धाऽ ऽ म || तज ऽम | नका ऽम | ओर ऽध, नधा

ऽनि, पनि | सांरिं गं | सां, प़नि़ सारि || ग सा, | म्रि म्प | नि सां सां

ऽम, तज | मन का | म, तज मन || का म, | तज मन | का ऽ म

म्

पध पध | प म् | गरि ग सा || रिम् पध | म्प निसां | रिंगं सांरिं निसां

औऽ रऽ | ध न | धाऽ ऽ म || तज मन | काम और | धन धाम तज

पध म्प | म्ग रिग | नि़सा, म्रि म्प || म्रि म्प | म्रि म्प | सां ऽ सां

मन काम | और धन | धाम, तज मन || तज मन | तज मन | का ऽ म

०(सम)।

नोट – रूपक ताल में काल याने खाली पर सम लेनेका रिवाज है.

राग जयजयवंती.

---*---

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ नि॒ध॒ नि॒ रि ऽ; रि ग॒ रि ऽ; ग म॒ ऽ रि ग॒ रि ऽ;
गरि ग म॒ प ऽ ग म॒ ऽ, रि ग॒ रि सा ऽ; रि सा ऽ, नि॒ध॒ नि॒
रि ऽ ॥

(२) सानि॒ सा ऽ, रि ग॒ रि सा ऽ नि॒ ध॒ प॒ ऽ; गरि ऽ; रि ग म॒ प ऽ
ग म॒ ऽ, रि ग॒ रि ऽ; रिग म॒प ध प ऽ, ग म॒ ऽ रि ग॒ रि ऽ;
रि सा ऽ, नि॒ध॒ नि॒ रि ऽ ॥

(३) सा ऽ सानि॒ सा ऽ; नि॒ ध॒ नि॒ सा ऽ रि ऽ; रिम॒ पध ऽ गम॒
प,ग म॒ ऽ रि ग॒ रि ऽ; नि॒ ध प ऽ, म॒प सां ऽ नि॒ ध प ऽ;
ध प ऽ; गम॒ प,ग म॒ ऽ रि ग॒ रि ऽ; सानि॒ सा ऽ रि ऽ ॥

(४) म॒ ऽ, प नि ऽ, सां ऽ निसां सां ऽ; रिं रिंगं॒ रिं सां ऽ
रिं नि सांसां ऽ; नि सां ऽ निसां रिं ऽ नि॒ ध प ऽ; प रिं ऽ
सां ऽ, रिं नि॒ ध प ऽ; रिम॒ पनि सांरिं गंमं॒ रिंगं॒ रिंसां नि॒ध
प ऽ; रिम॒ पनि॒ ध प ऽ, ध ग म॒ ऽ, रि ग॒ रि सा ऽ,
नि॒ध॒ नि॒ रि ऽ ॥

स्वरविस्तार.

रिग् रिसा ऽ; रिग मग रिग् रिसा ऽ; निसा रिग मप गम् रिग् रिसा ऽ; रिग मप धग ऽम् रिग् रिसा ऽ; रिम् पनि सांनि् धप धग ऽम् रिग् रिसा ऽ; रिम् पनि सांरिं सांनि् धप गम् रिग् रिसा ऽ; मप निसां रिंगं रिंसां रिंनि् धप धग ऽम् रिग् रिसा ऽ; रिम् पनि सांरिं गंमं रिंगं रिंसां सांरिं सांनि् धप गम् रिग् रिसा ऽ ॥

जयजयवंती – झपताल.

दीजो दरसन नाथ मुरारी, तरसत रही है नैनां हमारी
जिस दिन से परदेस गवन कीनो, हर लीनो हमरी सुध बुध सारी

नि्	रि	ग्		म्		म्	
ध नि्	ग् रि ऽ	रि ग्	रि ऽ रि	ग ऽ	म प ऽ	ग म्	रि ग् रि
दी ऽ	जो ऽ ऽ	द र	स ऽ न	ना ऽ	थ मु ऽ	रा ऽ	ऽ री ऽ
=	२	०	३	=	२	०	३ *

सा		ग्	सा		प		
नि नि	सा ऽ सा	रि ग्	रि ऽ सा	नि् धप	ग म प	म् ऽ	रि ग् रि
त र	स ऽ त	र ही	है ऽ ऽ	नैं ना	ना ऽ ह	मा ऽ	ऽ री ऽ

*(अंतरा)

	सां			सां	गं		
म् प	नि ऽ नि	सां नि	सां ऽ सां	नि सां	रिं गं रिं	सां सां	नि् ध प
जि स	दी ऽ न	से ऽ	प ऽ र	दे ऽ	स ऽ ग	ब न	की ऽ नो

		सां					
म् रि	म् ऽ प	नि नि	सां ऽ ऽ	रिं नि्	ध ऽ म्	ग म्	रि ग् रि
ह र	ली ऽ नो	ह म	री ऽ ऽ	सु ध	बु ऽ ध	सा ऽ	ऽ री ऽ

स्थायी. "दीजो दरसन"

रिग् रिसा । ऽ, रिग मृग । रिग् रिसा । ऽ, नि़सा रिग

मृप गम् । रिग् रिसा ऽ, । रिग मृग । धग ऽम् रिग्

रिसा ऽ, । रिम् पनि सां । नि़ध पम् । गम् रिग् रि ।। दीजो दरसन

रिम् पनि । सांरिं सांनि़ धप । गम् रिग् । रिसा ऽ, रिम्

पनि सांरिं । गृंरिं सांनि़ धप । गम् रिग् । रिसा ऽ, रिम्

पनि सांरिं । गंमं् रिंगं् रिंसां । नि़ध पम् । गम् रिग् रि ।। दीजो दरसन

नि़सा रिग । मृप गम् रिग् । रि ऽ, । धग ऽम् रिग्

रि ऽ, । सांरिं सांनि़ धप । गम् रिग् । रि ऽ, गंमं्

रिंगं् रिंसां । नि़ध पम् गम् । रिग् रि । साध़ ऽनि़् रि ।। दीजो दरसन

नि़सा रिम् । पध मृप निसां । रिंगं मृंपं । गंमं् रिंगं् रिंनि

सांरिं नि़ध । पम् गम् रिग् । रिसा, नि़सा । रिसा ध़नि़ रि ।। दीजो दरसन

धध पध । धप मृप, रिंरिं।सांरिं रिंसां । निसां, मृंमं् गंमं्

मृंगं रिंगं् । रिंसां नि़ध पम् । गम् रिग् । रिसा ध़नि़् रि ।। दीजो दरसन

सारि सासा, । रिग् रिरि, गम् । गग, मृप । मृम्, पध पप,

निसां निनि, । सांरिं सांसां, रिंगं् । रिंरिं, पंपं । गंमं् रिंगं् रिंरिं

सांसां नि़नि़ । धध पप मृम् । गम् रिग् । रिसा ध़नि़् रि ।। दीजो....मुरारी

अंतरा. "जिस दिन से पर"

सांनि् धप । मृप गम् रिग् । रिसा, रिंरिं । सांनि् धप गम्

रिग् रिसा, । पंपं गंमं् रिंगं् । रिंसां, निसां । धनि् रिंसां नि्ध

पम् गम् । रिग् रिसा, नि्सा । रिम् पध । मृप **सां** ऽ ।। जिस दिन से पर

निसां रिंगं् । रिंसां निसां, पनि । सांरिं सांनि् । धप धम् गम्

रिग् रिसा, । नि्सा रिम् पध । मृप **सां** । पध मृप **सां** ।। जिस दिन से पर

सांरिं निसां । धनि् पध मृप । गम् रिग् । रिसा, रिग मृप,

गम् पध, । मृप निसां, पनि । सांरिं, धनि् । रिंसां नि्ध **सां** ।। जिस दिन से पर

रिंगं् रिंसां । रिंसां, निसां नि्ध । नि्ध पध । पम् पम् गम्

गरि ग्रि, । नि्सा रिग ऽम्, । रिग मृप । ऽध, गम् पसां

ऽसां, रिंरिं । गंमं् रिंगं् रिंनि । सांरिं नि्ध । मृप **सां** ऽ ।। अंतरा पूरा करें.

बोलतानें "दीजो....मुरारी"

ध नि्	ग् रि, निसा	रिग मृप	धग ऽम् ग्रि	
दी ऽ	जो ऽ, दिजो	दर सन	नाथ ऽमु रारी	दीजो....मुरारी

नि्सा ऽनि्	सारि ऽसा रिग	रिग ऽरि	गम् ऽग मृध
दीऽ ऽ	जोऽ ऽ दऽ	रऽ ऽ	सऽ ऽ नऽ

ऽप धनि्	ऽध पध ऽप	गम् ऽग	रिग् रिसा नि्सा	
ऽ नाऽ	ऽ थऽ ऽ	मुऽ ऽ	राऽ ऽरी ऽ	दीजो....मुरारी

गरि ऽग | म् गम् धध | पध ऽनि् | धनि् धनि् सांसां
दिजो ऽद | र सन नाथ | मुरा ऽरी | तर सत रही

रिंसां नि्ध | पम् गम् धप | मग रिग | मग रिसा निसा ||
हैऽ नय | नाह मारी नय | नाह मारी | नय नाह मारी || दीजो....मुरारी

सांरिं सांनि् | सांनि् धनि् धग | मग रिग् | रिसा, धनि् रि
दींऽ जोद | ऽर सऽ नना | ऽथ मुरा | ऽरी, तर स

सारि गरि | गम् गम् धध | सांनि् धनि् | धप मग रिसा ||
तऽ ऽर | ऽही हैऽ ऽनैं | ऽ ऽना | ऽह माऽ रीऽ ||

नि
ध नि् | रि ग् रि | निसा रिग | मप धम् गम्
दी ऽ | जो ऽ ऽ | दिजो दर | सन ऽना ऽथ

पनि सांरिं | नि्ध पम् गम् | रिग् रिसा | निसा धनि् रि ||
मुरा रीत | रस तर ऽही | नैंऽ ऽना | ऽह माऽ री || दीजो....मुरारी

रिं ऽ | सांनि् धप मग | रिं ऽ | सां ऽ नि्ध
दी ऽ | जोऽ दर सन | ना ऽ | थ ऽ मुरा

ऽप मग | रि ऽ ऽ | ध ऽग | मग रि रि
ऽरी तर | स ऽ ऽ | त ऽर | ऽही न ये

रिग मग | रिसा निसा रिग | मध निसां | नि्ध पम् गरि ||
नाऽ ऽ | हऽ माऽ रीऽ | ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ || दीजो दरसन, इ०

राग केदार.

रागांग विस्तार.

(१) सा म् ऽ, रि ऽ, सा ऽ; सा म् ऽ, म्म् ऽ म् प ऽ, पध मप ऽ म् ऽ, रि सा ऽ; सा म् ॥

(२) सा ऽ; रि सा ऽ, नि़ध़ ऽ प़ ऽ; सा ऽ रि सा ऽ; म् ऽ, रि सा ऽ; प ऽ म् ऽ, रि सा ऽ; सा म् ऽ; पध म् ऽ; नि ध ऽ प ऽ, मप धप म् ऽ; प म् ऽ, रि सा ऽ; सा म् ऽ ॥

(३) सा म् रि सा ऽ; सा म् ऽ, पध पम् रि सा ऽ; सां ऽ निध ऽ प ऽ, मप धप म् ऽ, रि सा ऽ; म्प पसां सांरिं ऽ, सां नि धम प म्म् रि सा ऽ; सा म् ऽ ॥

(४) प प सां ऽ, सां रिं सां ऽ; मं मं रिं सां ऽ; सांरिं सांनि धप मप धप म् ऽ; सा म् ऽ, प ऽ; मप धनि् धप मप धप म् ऽ; सा म् पध म् ऽ, प म् ऽ, रि सा ऽ; नि़सा म् ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सासा म्म् रिरि सासा ऽ; सासा म्म् पप धप म्म् पप म्म् रिसा ऽ; सासा म्म् पप धप सांसां धप म्म् रिसा ऽ; सासा म्म् पप धप सांसां रिंरिं सांसां धप म्म् रिसा ऽ; सासा म्म् पप धध पप सांसां रिंरिं सांसां मंमं रिंसां धप मप धनि् धप म्म् रिसा, नि़सा म् ऽ ॥

केदार – त्रिताल (विलंबित).

बन ठन कांहां जो चले,
ऐसी को मन भावन सांवरे सलोने कन्हाई.–बन
दूजो कैसो चंद्र मानी को हि लागत,
छिपछिप देत दिखाई.–बन

ऽ	पधमप	ऽम्	ऽम्
ऽ	बऽनऽ	ऽठ	ऽन
३			

प	ऽ	ऽ	ऽ	पम	प	ध	प	म्	ऽ	ऽ	ऽ	म्म्	म्ग	प	ऽ
कां	ऽ	ऽ	ऽ	हांऽ	ऽ	जो	च	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऐसी	कोऽ	ऽ	ऽ
×				२				०				३			
पधमप	म्	ऽ	गम्	रि	सा	ऽ	ऽ	सारि	साम्	ऽ	ऽ	म्म्	ऽग	प	ऽ
मऽनऽ	भा	ऽ	ऽ	व	न	ऽ	ऽ	सांव	रेऽ	ऽ	ऽ	सलो	ऽ	ऽ	ऽ
प	ऽ	ऽ	ऽ	प	ध	नि्ध	प	सांध	सां	म	प	मपधऽ	पधमप	ऽम्	ऽम्
ने	ऽ	ऽ	ऽ	क	न्हा	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बऽनऽ	ऽठ	ऽन

(अंतरा)

प	ऽ	ऽ	ऽ	पम	प	ध	प	म्	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पप	सां	ऽसां
कां	ऽ	ऽ	ऽ	हांऽ	ऽ	जो	च	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दूजो	कै	ऽसो
सां	निरिं	सां	ऽ	ऽ	सां	धसां	निरिं	सांरिंनिसां	निसां	धपम्ऽ	ऽ	सारि	साम्	ऽ	ऽग
चं	ऽद्र	मा	ऽ	ऽ	नी	ऽको	ऽहि	लाऽऽऽ	ऽ	गऽतऽ	ऽ	छिप	छिप	ऽ	ऽ
प	ऽ	ध	प	प	ध	नि्ध	प	सांध	सां	म	प	मपधऽ	पधमप	ऽम्	ऽम्
दे	ऽ	त	दि	खा	ऽ	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बऽनऽ	ऽठ	ऽन

स्थायी.

का ऽ ऽ ऽ । सासाम्म् पपधध पपसांसां रिंरिंसांसां ।
= २

मृंमृंरिंसां निरिंसांसां धपमप मृम्रिसा । साम्गप, बऽनऽ ऽठ ऽन ॥
० ३

का ऽ ऽ ऽ । सारिसासा मृपमृम् पधपप सांरिंसांसां ।
= २

मृंपंमृंमृं रिंसांनिसां रिंरिंसांनि धपमप । मपधऽ, बऽनऽ ऽठ ऽन ॥
० ३

का ऽ, मृऽगम् पमृगम् । पऽमप धपमप सांऽनिसां रिंसांनिसां ।
= २

मृंऽगंमृं पंमृंगंमृं रिंसांनिसां धपमप । मपधऽ, बऽनऽ ऽठ ऽन ॥
० ३

कांहां जो चले

मपधप मृम्रिसा, मपनिध सांनिधप ॥ मृम्रिसा, मपनिध सांरिंसांनि धपमप ।
३ =

मृम्रिसा, मपनिध सांरिंसांमृं रिंसांनिसां । धपमप धनि्धप मृम्रिसा, साम्गप ।
२ ०

मपधऽ, बऽनऽ ऽठ ऽन ॥ कांहां जो चले
३

अंतरा. " दूजो कैसो "

सांसांधप मृम्रिसा, साम्गप मधपनि । धसांनिरिं सांमृंगंपं मृंमृंरिंसां सांरिंसांनिं ।
= २

धपमप धनि्धप मृम्रिसा, मृगपम । धपसांऽ, दूजो कै ऽसो ॥
० ३

सांरिंसांनि धपमप धनि्धप मृम्रिसा, । सासासाम् मृम्पप पधधध पपपसां ।
= २

मृंमृंरिंसां धपमप मृम्रिसा, साम्गप । मधपसां, दूजो कै ऽसो ॥
० ३

मृपपम् पपमृम् रिसा,सांरिं रिंसांरिंरिं । सांनिधप मृम्रिसा, मृंपंपंमं पंपंमृंमृं ।
= २

रिंसांनिसां धपमप मृम्रिसा, सारिसाम् । पधपसां, दूजो कै ऽसो ॥
० ३

मृंमृंरिंमृं मृंरिंसांसां, धधपध धपमप, । मृम्रिम् मृरिसासा, सासामृम् पपधध ॥
= २

पपसांसां रिंरिंसांमृं रिंसांनिसां धपमप, । सां, दूजो कै ऽसो ॥ इ. इ.
० ३

बोलतानें.

ऽ पधमप ऽमृ ऽमृ ‖	मृम् पप धनि् धप	मृ रिं सांनि ऽध
ऽ बऽनऽ ऽठ ऽन ‖	बन ठन काहां जोच	ले सां वरे ऽस
३	=	२

मप ऽध मृ मृ	प, पधमप ऽमृ ऽमृ ‖	सारि साम् पमृ पध
लोने ऽक न्हा ई	ऽ, बऽनऽ ऽठ ऽन ‖	बऽ नठ ऽन कांऽ
०	३	=

पसां रिंसां धऽ पऽ	सांनि धप मप धप	रिंसां निध धप मम् ‖
हांजो ऽच लेऽ साऽ	वरे ऽस लोऽ नेऽ	कन्हा ऽई बन ठन ‖
२	०	३

प ऽ ऽ ऽ	पम प ध प	मृपसांसां मृंरिंऽसां रिंसांऽनि सांधपऽ
कां ऽ ऽ ऽ	हांऽ ऽ जो च	बनठन कांहांऽजो चलेऽसां ऽवरेऽ
=	२	०

धमृऽमृ पसांऽनि ऽधऽप ऽमऽमृ ‖	प ऽ ऽ ऽ	पम प ध प
सलोऽने कन्हाऽई ऽबऽन ऽठऽन ‖	कां ऽ ऽ ऽ	हांऽ ऽ जो च
३	=	२

धऽपध ऽप,रिंऽ सांरिंऽसां, मृंऽरिंसां	सांरिंऽसां निसांधप ऽधपम धपमृम् ‖
बऽनठ ऽनकांऽ हांजोऽच, लेऽसांऽ	वरेऽस लोऽनेक ऽन्हाऽई बनठन ‖
	३

प ऽ ऽ ऽ	पम प ध प	साम्गप मधपसां निरिंनिसां पधमप
कां ऽ ऽ ऽ	हांऽ ऽ जो च	बनठन कांहांजोच लेसांवरे सलोनक
=	२	०

सांनिधप ऽमऽम् पपधप ऽमऽम्	प ऽ ऽ ऽ
न्हाईबन ऽठऽन कांहांबन ऽठऽन	कां ऽ ऽ ऽ
३	=

गंमंरिंसां निरिंसांऽ निसांधप मधम्ऽ	म्म्ऽप म्म्रिसा, रिंसांनिध पमपध
बऽनठ ऽनकांऽ हांऽजोच ऽलेसाऽ	वरेऽस लोऽनेऽ, कन्हाऽऽ ईऽऽऽ
२	०

१ २ ३	
धपमम् पपधप म्म्पप धपमम्	प ऽ ऽ ऽ
बनठन कांहांबन ठनकांहां बनठन	कां ऽ ऽ ऽ
३	=

राग कामोद.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ रि प ऽ; मप ध, प ऽ; ग म् प ऽ ग म् रि सा ऽ;
म्
रि प ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि सा ऽ, नि़ध़ ऽ प़ ऽ; सा ऽ, रि सा ऽ; ग म् ध
म्
प ऽ, ग म् रि सा ऽ; रि प ऽ ॥

(३) सा म् रि प ऽ, म प ध प ऽ; नि ध प ऽ; सां नि ध प ऽ;
म्
मपध मप ऽ; ग म् प ऽ, ग म् रि सा ऽ; रि प ऽ ॥

(४) प प सां ऽ सां रिं सां ऽ; मृं रिं सां ऽ; गं मृं पं गं मृं रिं सां ऽ; रिं रिं सां ऽ, ध ऽ प; रि प ध प, सां ऽ ध प ऽ; ग मृ प ग मृ रि सा ऽ; रि प ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सासा रिरि सासा ऽ; सासा मृरि पप गमृ रिरि सासा ऽ; सासा मृरि पम धप गमृ रिसा ऽ; सासा मृरि पम धप सांसां धप गमृ रिसा ऽ; सासा मृरि पम धप सांरिं सांनि धप मप गमृ रिसा ऽ; सासा मृरि पम धप सांसां मृंमृं रिंसं धप गमृ पग मृरि सासा, रिरि प ऽ ॥

कामोद – एकताल.

मोरि नेंद गेंद लागी रे, तुम से महंमदसा पिया के
सुमरन करत रहत निसदिन घरि पलछिन.—मोरि
हूं तो तेहारी बात तकत हूं, सोने न देत याद तोरी पलछिन.

				मपध	मप	ग (मृ)	मृ	रि	सा	रि	सा
				मोऽऽ	रिऽ	नें	ऽ	द	गें	ऽ	द
				२		०		३		४	
रि (मृ)	पम	प	ऽ	ध	प	मृ	ग	ऽ	मृ	ध	प
ला	गीऽ	रे	ऽ	तु	म	से	ऽ	ऽ	मं	म	द
=		०		२		०		३		४	
मृ	ग	मृ	ध	म	प	ग	मृ	रि	सा	रि	सा
सा	ऽ	ऽ	पि	या	ऽ	के	ऽ	सु	म	र	न

प़	प़	प़	सा	सा	सा	नि़	सा	रि	रि	ग	म॑
क	र	त	र	ह	त	नि	स	दि	न	घ	रि

ध	ध	प	प	मपध	मप	ग (म॑)	म॑	रि	सा	रि	सा
प	ल	छि	न	मोऽऽ	रिऽ	नें	ऽ	द	गें	ऽ	द

(अंतरा)

प	ऽ	प	सां	ऽ	सां	सां	नि	रिं	सां	ऽ	ऽ
हूं	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ते	हा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ

सां	ध	ऽ	सां	ऽ	रिं	सां	सांनि	सां	सां	ध	प
बा	ऽ	ऽ	त	ऽ	त	क	तऽ	ऽ	हुं	ऽ	ऽ

मप	गम॑	रि	सा	रि	सा	सा	ऽ	म॑	ग	प	प
सोऽ	नेऽ	न	दे	ऽ	त	या	ऽ	द	तो	ऽ	रि

ध	प	म॑	ग	म॑ध	प	ग (म॑)	म॑	रि	सा	रि	सा
प	ल	छि	न	मोऽ	रि	नें	ऽ	द	गें	ऽ	द

स्थायी.

ला गीऽ । रे ऽ, । गम॑ रिप, । गम॑ रिप । मप धप, । गम॑ रिप

मप सांरिं । सांसां धप, । गम॑ रिप । मप सांसां । गंम॑ं पंगं । म॑ंरिं सांसां

सांरिं सांनि । धप मप । मोरि नेंद गेंद

सासा म॑म॑ । रिरि पप । मप धध । पप सांसां । रिंरिं सांम॑ं । रिंसां धप

गम॑ पग । म॑रि सासा । मोरि नेंद गेंद

ला गीऽ । रे ऽ, । रिरि पप । मप सां, । रिंसां म॑ंरिं । पंगं म॑ंरिं

सांरिं निसां । पध मप । गम् रिसा, । म्रि पम । धप सां, । गंमं् रिंसां

गम् रिसा, । म्रि प । मोरि नेंद गेंद

सा गीऽ । रे ऽ । ऽ ऽ । रिरि सासा, । रिप गम् । रिरि सासा,

रिप मध । मप गम् । रिरि सासा, । रिप मध । पसां पध । मप गम्

रिरि सासा, । रिप मध । पसां रिंसां । गंमं् पंगं । मंरिं सांसां, । गम् पग

म्रि सासा, । म्रि प । मोरि नेंद गेंद

अंतरा. "हूं तो तेहारी"

सांसां धप । गम् रिसा, । रिंरिं सांसां । धप मप । गम् रिसा, । मंमं् रिंसां

धप मप । गम् रिसा, । साम् रिप । मध पसां । गंमं् रिंसां । निध सां
हूं तो तेहारी

गंमं् सांरिं । निसां पध । मप गम् । सारि ऩिसा, । रिम् रिप । ऽप, मप

मध ऽध, । पध पसां । ऽसां, सांरिं । सांमं् ऽमं्, । रिंसां धप । मप सां
हूं तो तेहारी

निसां रिंनि । सांरिं निसां, । मप धम । पध मप, । गम् पग । मूप गम्,

ऩिसा रिऩि । सारि ऩिसा, । सासा म्रि । पम धप । सां मंमं् । रिंसां निसां
हूं तो तेहारी, इ. इ.

कामोद – झपताल.

गोरे बदन पर श्याम घिटो ना,
तिलक भाल पर बूंदन माई.—गोरे
गोरे गोरे करजा में हरि हरि चुरियां,
पौंचि गजर और गूंदन माई.—गोरे.

म्
रि सा | रि प प | प प | प ऽ प || प म | मप ध प | पध मप | पग म् रि
गो ऽ | रे ऽ ब | द न | प ऽ र || श्या ऽ | मऽ ऽ घि | टोऽ ऽ | ना ऽ ऽ
= | २ | ० | ३ | = | २ | ० | ३

म्
रि प | मप मप गम् | गम् रि | सा रि सा || म्रि पम | ध प सां | ग म् | सा रि सा
ति ल | कऽ ऽ भाऽ | ऽ ल | प ऽ र || बूंऽ ऽ | ऽ द ऽ | न ऽ | मा ऽ ई

(अंतरा)
प प | सां ऽ सां | सां सां | रिं सां सां || सां ध | सां ऽ रिं | सांरिं निसां | सां ध प
गो रे | गो ऽ रे | क र | जा ऽ में || ह रि | ह ऽ रि | चुऽ रिऽ | यां ऽ ऽ

मं
रिं ऽ | पं ऽ गं | मं रिं | सां रिं सां || म्रि पम | ध प सां | ग म् | सा रि सा
पौं ऽ | चि ऽ ग | ज र | औ ऽ र || गूंऽ ऽ | ऽ द ऽ | न ऽ | मा ऽ ई

बोलतानें.

रि सा | रि प प, | साम् रिम् | रिप मप मध
गो ऽ | रे ऽ ब, | गोरे ऽब | दन ऽप रशा

पध पसां | ऽसां पध ऽध | पप मप | गम् ऽम् रिसा
ऽम घिटो | ऽना तिल ऽक | भाल पर | बुंद ऽन भाई

रि सा | रि प प, | मप सांसां | रिंनि सांध पप
गो ऽ | रे ऽ ब, | गोरे बद | नप ऽर श्याम

मप धप | मप ऽम् गम् | ऽरि पग | ऽम् रि सा ||
घिटो नाति | लक ऽभा लप | ऽर बुंद | ऽन मा ई || गोरे बदन पर

म्ऽ रिप | ऽम धऽ पसां | ऽरिं ऽसां | मृंरिं ऽसां ऽरिं
गोऽ रेब | ऽद नऽ पर | ऽश्या ऽम | घिटो ऽना ऽति

निसां ऽध | ऽप ऽप मप | मप धप | गम् पग म्रि ||
लक ऽभा | ऽल ऽप ऽर | बुंऽ ऽद | नऽ ऽमा ऽई || गोरे बदन पर

ऽसां ऽरिं | सांसां धप ऽग | म्प गम् | रिऽ म्रि ऽसा
ऽगो ऽरे | बद नऽ ऽप | ऽर श्याऽ | मऽ घिटो ऽना

ऽध मप | ऽरिं निसां मृंऽ | ऽरिं ऽसां | ऽध ऽप म्रि ||
ऽति लक | ऽभा ऽल पऽ | ऽर ऽबुं | ऽद ऽन माई || गोरे बदन पर

साम् रिप | मध पसां निरिं | निसां मृंरिं | सांध ऽप मप
गोरे बद | नप रश्या माधि | टोना तिल | कभा ऽल पर
१ २ ३

पग ऽम् | रिसा ऽप गऽ | म्रि साऽ | पग ऽम् रिसा ||
बुंद ऽन | माई ऽबुं दऽ | नमा ईऽ | बुंद ऽन माई || गोरे बदन पर

१
म्ऽरि पपम | धऽप सांऽनि रिंनिसां | गंमृंरिं सांरिंसां |
गोऽरे बदन | पऽर श्याऽम घिटोना | तिलक भाऽल |
= २ ०

२
धऽप गम्प गम्रि, || गंमृंरिं सांरिंसां | धऽप गम्प गम्रि, |
पऽर बुंदन माऽई, || तिलक भाऽल | पऽर बुंदन माऽई, |
३ = २

३
गंमृंरिं सांरिंसां | धऽप गम्प गम्रि ||
तिलक भाऽल | पऽर बुंदन माऽई || गोरे बदन पर
० ३

राग श्याम.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ रि ऽ, म् रि ऽ, नि़ सा ऽ; रि ऽ म प ऽ; प ऽ, धप मप म् रि ऽ; प ग म् रि ऽ, नि़ सा ऽ॥

(२) प़ ऽ, नि़ सा ऽ, रि नि़ सा ऽ; म् रि ऽ, म प ऽ; निध मप ऽ; गम् प गम् रि ऽ, नि़ सा ऽ॥

(३) प प सां ऽसां, सां रिं सां ऽ; नि सां सां रिं ऽ, मं रिं नि सां ऽ; पनि सांरिं निसां ऽ, निध मप ऽ, मप म्रि ऽ; म्रि ऽम् रि नि़ सा ऽ॥

स्वरविस्तार.

रिम् रिनि़ सा ऽ; सारि मप गम् रिनि़ सा ऽ; रिम पध मप गम् पप गम् रिनि़ सा ऽ; रिम ऽप निध मप गम् ऽप म्रि नि़सा ऽ; रिम पध मप सां निध मप गम् पग म्रि नि़सा ऽ; रिम पध मप सां निसां रिंसां निध मप म्रि ऽरि पग ऽम् रिनि़ सा ऽ; रिम पध मप सां निसां रिंरिं मंरिं निसां निध मप गम् पग म्रि नि़सा ऽ॥

श्याम — झपताल.

जोबनभरी दध बेचें गुजरियां,
चंद्र बदन मृग नैना रसीले.—जोबन
आवत धन श्याम मिले मारग में,
घेर लिनो वही ब्रज की डगरियां.—जोबन

रि म्
रिम् पध | मप गम् प | म् रि | नि सा सा || रि ऽ | म ऽ पम | नि ध | प म् रि
जोऽ ऽ | बऽ ऽ न | भ री | द ऽ ध || बे ऽ | चे ऽ गुऽ | ज रि | यां ऽ ऽ
= २ ० ३ : *= २ ० ३

म् प
रि म् | प नि रिं | सां नि | ध ऽ प || म ऽ | म प प | गम् प | गम् रि ऽ
चं ऽ | द्र ऽ ब | द न | मृ ऽ ग || नै ऽ | ना ऽ र | सीऽ ऽ | ले ऽ ऽ

*(अंतरा)
प ऽ | सां ऽ सां | सां सां | सां रिं सां || सां सां | ध सां ऽ | रिं सां | निध म प
आ ऽ | व ऽ त | ध न | श्या ऽ म || मि ले | ऽ मा ऽ | र ग | मेंऽ ऽ ऽ

म्
मप निसां | रिं ऽ सांरिं | निसां ऽ | निध पम प || रि म | प निध प | गम् प | गम् रि ऽ
घेऽ ऽ | र ऽ लिऽ | नोऽ ऽ | वऽ हीऽ ऽ || ब्र ज | की ऽ ड | गऽ रि | यांऽ ऽ ऽ

स्थायी. " जोबनभरी दध "

रिम पध । मप गम् पनि । सांरिं मंरिं । निसां, सांरिं निसां

निध मप । धम ऽप, गम् । पग म्रि । नि़सा, रिरि मप ॥ जोबनभरी दध

म्म् रिनि़ । सा, पध मप । गम् रिनि़ । सा, सांरिं निसां

पध मप । गम् रिनि़ सा, । मंमं रिंनि । सांरिं निसां पध

मप गम् । रिनि़ पनि़ सारि । मप गम् । रिनि़ सा ऽ ॥ जोबनभरी दध

रिम् रिम । पनि मप, निसां । निरिं सांरिं । निसां, रिंनि मप

धम ऽप, । मृरि ऽप धप । मप, गम् । पग मृरि निसा ॥ जोबनभरी दध

पनि साप । निसा पनि सारि । निसा, रिम । परि मप रिम

पध मप, । पनि सांप निसां । पनि सांरिं । निसां, निध मप

धम ऽप, । रिम पध मप । गम् रिसा । निसा, रिरि मप ॥ जोबनभरी दध

अंतरा. "आवत घन श्याम"

सांरिं सांनि । धप मप गम् । पग मृरि । निसा, रिम् ऽरि

मप ऽम, । पध ऽप, निसां । ऽनि, सांरिं । ऽसां, मृरिं निसां ॥
आवत घन श्याम

गंमं पंगं । मृंरिं निसां, धध । पध धप । मप, गम् पग

मृरि निसा, । रिम पध मप । सां, निसां । रिंनि सांरिं निसां ॥
आवत घन श्याम

सांरिं निसां । निध मप, गम् । पग मृरि । निसा, मृरि पम

धप सां, । निसां ऽरिं मृरिं । निसां निध । मप सां ऽ ॥
आवत घन श्याम, इ. इ.

बोलतानें.

रिम पध	मप गम् प,	रिम ऽप	निध मप, गम्
जोऽ ऽ	बऽ ऽ न,	जोब ऽन	भरी दध, बेचे

ऽप मृरि	निसा, रिम् ऽरि	मप मप	रिंसां ऽनि धप
ऽगु जरि	यांऽ, चंद्र ऽब	दन मृग	नैना ऽर सीले

रिम पध | मप गम् प, | म्रि मप | निऽ मप निसां
जोऽ ऽ | बऽ ऽ न, | जोब नभ | रीऽ दध बेचे

रिंरिं सां | सां, निध ऽप | मप म्रि | म्रि ऽम् रिसा ||
गुज रि | यां, चंद्र ऽब | दन मृग | नैना ऽर सीले || जोबनभरी दध

रिम् ऽरि | मप ऽम पध | ऽप सांरिं | निसां, ऽमं ऽरिं
जोब ऽन | भरी ऽद धवे | ऽचे गुज | रियां, ऽचं ऽद्र

सांरिं ऽसां | निध म प | म्रि ऽरि | पग ऽम् रिसा ||
बद ऽन | मृग नै ना | रसी ऽले | जोब ऽन भरी || जोबनभरी दध

पऽ ऽध | पऽ मप, सांऽ | ऽरिं सांऽ | निसां, निध मप
जोऽ ऽब | नऽ भरी, दऽ | ऽध बेऽ | चेऽ, गुज रियां

पध ऽप | मप ऽप म्रि, | रिम् रिम | पम धम ऽप
चंऽ ऽद्र | बद ऽन मृग, | नैऽ ऽना | ऽ रसी ऽले

रिम पध | मप गम् प, | साम् रिप | मनि धप, रिंसां
जोऽ ऽ | बऽ ऽ न, | जोब नभ | रीद धवे, चेगु

निध मप | सांरिं ऽसां पध | ऽप मप | निध ऽप मप ||
जरि यांऽ | चंऽ ऽद्र बद | ऽन मृग | नैना ऽर सीले || जोबनभरी दध

१

रिम्रि मपम | पधप निधप रिंनिसां | निधप धपम |
जोबन भऽरी | दऽध बेचेगु जरियां | चंऽद्र बदन |
= २ ०

	२			
पमृरि मृरिसा रिमप	निधप धपम	पमृरि मृरिसा रिमप		
मृऽग नैऽना रसीले	चंऽद्र बदन	मृऽग नैऽना रसीले		
३	=	२		

३		
निधप धपम	पमृरि मृरिसा रिमप	
चंऽद्र बदन	मृऽग नैऽना रसीले	जोबनभरी, इ. इ.
०	३	

नोट—इस पद की अस्थाई की नोटेशन की पहिली लाईन में रिमृ पध और तीसरी लाईन में रि मृ छपे है वह अशुद्ध है. कोमल मध्यम के जगह तीव्र मध्यम सुधारकर पढना ऐसी विनंती हैं.

राग हमीर.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि सा ऽ, ग मृ ध(नि) ऽ; ध ऽ प ऽ, ग ऽ मृरि ऽ;
ग मृ ध(नि) प ग मृरि ऽ, सा रि ऽ, सा ऽ; ग मृ ध(नि) ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि सा ऽ, धृ(नि) ऽ पृ ऽ; मृपृ धृ पृ ऽ, सा ऽ रि सा ऽ;
ग मृ रि सा ऽ; ग मृ ध(नि) प ग मृ रि सा ऽ; ग मृ ध(नि) ऽ ॥

(३) सा ऽ, रि सा ऽ, ग मृ ध(नि) ऽ, नि ध सां (किंवा) सारि गमृ
ध(नि) ऽ, नि सां ऽ, नि ध प ऽ; म प ध(नि) प ग मृ रि ऽ; ग मृ
ध(नि) प ग मृ रि सा ऽ; ग मृ ध ऽ ॥

(४) प प सां ऽ, सां रिं सां ऽ; गं मृं रिं सां ऽ; सां ऽ, रिं सां
नि ध प ऽ; मप धनि सांनि धप ग ऽ, मृरि ऽग; मृ ध(नि) प रि ऽ,
सा ऽ; ग मृ (ध) ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि सा ऽ; सारि गम् रिसा ऩिसा ऽ; सारि गम् पप गम् रिसा ऩिसा ऽ; सारि गम् धध मप गम् रिसा ऽ; सारि गम् धध मप धनि सांनि धप मप गम् रिसा ऽ; सारि गम् धध मप धनि सांरिं सांनि धप गम् रिसा ऽ; सारि गम् धध मप धनि सांरिं गंमं रिंसां सांरिं सांनि धप मप गम् पग मृरि सा ऽ; सारि गम् धप निध सांरिं सांनि धप मप धनि सारिं गंमं पंगं मृंरिं सांनि धप मप गम् पग मृरि सा, गम् ध ऽ ॥

हमीर — त्रिताल.

रे मन काहे करे तूं गुमान,
तन तो तेरा खाक मिलेगा, ये अक्सर तूं जान.—रे
दीन गरीबी चितमें धरना, काम क्रोध से हरदम बचना,
प्रभु का नित धर ध्यान.—रे

						सां				ध					
				सां	ऽ	नि	सां	ध	नि	म	प	प	ग	ऽ	मृ
				रे	ऽ	म	न	का	ऽ	हे	क	रे	तूं	ऽ	गु
				२				०				३			
									ध	ध					
(ध)	ऽ	नि	ध	नि	ध	सां	सां	नि	नि	म	प	ध	ग	ऽ	मृ
मा	ऽ	ऽ	न	रे	ऽ	म	न	का	ऽ	हे	क	रे	तूं	ऽ	गु
=				२				०				३			
(ध)	ऽ	ऽ	ऽ	धनि	सांरिं	सांनि	सां	ग	ग	मृ	रि	ग	मृ	ध	प
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	त	न	तो	ऽ	ते	ऽ	रा	ऽ
ग	मृ	रि	सा	सा	रि	सा	ऽ	प	ऽ	प	प	प	प	ग	मृ
खा	ऽ	क	मि	ले	ऽ	गा	ऽ	ये	ऽ	अ	क	स	र	तूं	ऽ

नि॒   ध ध

ध ऽ नि ध | नि ध सां सां | नि नि म प | प ग ऽ म्
जा ऽ ऽ न | रे ऽ म न | का ऽ हे क | रे तूं ऽ गु

नि   (अंतरा)

ध ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | प ऽ प प | सां ऽ सां ऽ
मा ऽ ऽ न | ऽ ऽ ऽ ऽ | दी ऽ न ग | री ऽ बी ऽ

सां सां सां ऽ | सां रिं सां ऽ | गं ऽ मं रिं | सां रिं सां ऽ
ची त में ऽ | ध र ना ऽ | का ऽ म क्रो | ऽ ध से ऽ

ध निध सां रिं | नि सां ध प | प प प ऽ | प प ग म्
ह रऽ द म | ब च ना ऽ | प्र भु का ऽ | नि त ध र

                             ध ध

(ध) ऽ नि ध | नि ध सां सां | नि नि म प | प ग ऽ म्
ध्या ऽ ऽ न | रे ऽ म न | का ऽ हे क | रे तूं ऽ गु

स्थायी.

मा ऽ ऽ न । रे ऽ म न । सा गम् ध निध । सांनि धप मप गम्

मा ऽ ऽ न । रे ऽ म न । नि॒सा गम् धनि सांरिं । सांनि धप मप गम्

मा ऽ ऽ न । रे ऽ म न । धनि सांरिं गंमं रिंसां । निसां निध मप गम्

मा ऽ ऽ न । रे....गु

मा ऽ, सारि गम् । रिरि सासा, सारि गम् । पप गम् रिरि सासा, । सारि गम् धध पप

मप धप गम् रिसा, । सारि गम् धप निध । सांनि धप मप धप । गम् रिसा, नि॒सा गम्
मान....तूं गु

धनि सांरिं निसां गंमं । रिंसां निसां रिंसां धप । मप सां, धप मप । नि, धप मप गम्
मान....तूं गु

धनि सांध निसां धनि । सांरिं निसां धप मप। गम् रिसा, नि़सा गम् ।धप ध, गम् निध

नि, धनि सांनि सां,। धनि रिंसां रिं गंमं। पंपं गंमं रिंसां निरिं । सांनि धप मप गम्
मान....तूं गु

धनि सांरिं निसां धप । मप गम् रिसा नि़सा,।गम् धप मप गम् । धनि सांरि निसां गंमं

पंगं मंरिं सांरिं निसां। धप मप गम् रिसा,। नि़सा गम् ध, नि़सा । गम् ध, नि़सा गम्
मान....गुमान

अंतरा, "दीन गरीबी"

सां ऽ ऽ ऽ । ध निध सां ऽ । ऽ ऽ, सां ध । ऽ रिं सां ऽ

ऽ ऽ, गंमं रिंसां । निध सां ऽ ऽ । दीन गरीबी

सांनि धप गम् रिसा । नि़सा गम् धनि सां । दी ऽ न ग । री ऽ, सांरिं सांनि

धप मप गम् रिसा, । नि़सा गम् धनि सां। दीन गरीबी

सांरिं गंमं रिंसां निसां। धप मप गम् रिसा,। ध़नि़ सानि़ सा, गम् । पग म, धनि सांध

नि, निसां रिंनि सां, । गंमं रिंसां निध सां । दीन गरीबी

गंरिं गंरिं सांनि, रिंसां।रिंसां निध, सांनि सांनि।धप, निध निध पम्,। गंमं रिंसां ऽनि धप

गम् धप गरि सा, । सारि गम् निध सां । दीन गरीबी

चि त में ऽ । ध र ना ऽ । रिंसां सांनि निध धप । पम मग गरि रिसा,

सारि साग ऽग, मग । मध ऽध, निध निसां । ऽसां, मंमं रिंमं मंरिं । सांसां, धध पध धप

मप, मम रिम मरि । सासा, गम् धनि सां । दीन गरीबी

चि त में ऽ । ध र ना ऽ । निसां रिंनि सांरिं निसां, । मप धम पध मप,

गम् पग म्प गम् । रिसा निसा, गम् धनि। सां सा, गम् धनि । सां सा, गम् धनि

सां ऽ ऽ ऽ ।

हमीर-झूमरा (विलंबित)

चमेली फूलि चंपा गुलाब गुंद लावो री
मालनियां हरवा नौशा के गरे डारो. —चमेलि
हीरा मोतियन को सेरा बिराजे, और सोहे सोवा साज. —चमेलि

| पऽनिध सांम पप गम्
| चऽमेऽ ऽ लिफू ऽलि
३

नि
ध ऽ ऽ | धनि सांनि ध निधसांनि | रिंसांनिसां ऽ निसांसां | सां धनि मप प
चं ऽ ऽ | पाऽ ऽ ऽ गुऽलाऽ | ऽ ऽ ऽऽबऽ | गुं ऽ ऽ द
= २ ० ३

पधमप ऽ ऽ | प ग म् रि | रिग म्ग म्धमप | ऽ प ग ऽ
लाऽऽ ऽ ऽ | वो ऽ ऽ ऽ | रिऽ माऽ लऽनिऽ | ऽ यां ऽ ऽ

गम्पऽ गम् रि | सारिसानि सा ऽ ऽ | सा सानि रि | सारिसानि सा ऽ ऽ
हाऽऽ ऽ र | वाऽऽऽ ऽ ऽ ऽ | नौ शाऽ ऽ | केऽऽऽ ऽ ऽ ऽ

(अंतरा)

साऽगम् प ऽ | प ग म् सा | रि सा ऽ | ऽ ऽ पप सांसां
गऽरेऽ ऽ ऽ | डा ऽ ऽ ऽ | ऽ रो ऽ | ऽ ऽ हीरा मोति

सांसां ऽ ऽ | सां ऽ ऽ ऽ | धनि सांरिं सांरिंसांनि | सां सां ध ऽ
यन ऽ ऽ | को ऽ ऽ ऽ | सेऽ राबि राऽऽऽ | ऽ जे ऽ ऽ

धनि सांरिं सांरिंसांनि	सां निध निधसांनि रींनिसांऽ	सां ध प	पऽनिध सांम पप गम्
और रसो हेऽऽऽ	ऽ ऽ सोऽवाऽ ऽ	सा ऽ ज	चऽमेऽ ऽ लिफू ऽलि

बोलतानें. "चमेली फुलि चंपा गुलाब"

ऽ रिंसांऽरिं सांनिसांनि धनिसांऽ	रिंसांऽसां सांनिधम ऽपऽप
ऽ चमेऽलि फूऽलिऽ चंऽपाऽ	गुलाऽब गुंऽदला ऽवोऽरी
३	=

पऽगम् रिऽसाऽ गम्ऽरि पऽगम्	निधऽध रिंसांनिसां निधमप
माऽऽल निऽयांऽ हाऽऽर वाऽनौऽ	शाऽऽके गरेऽऽ डाऽरोऽ
२	०

पऽनिध सांम पप गम्	ध ऽ, म्रिऽसा	ऽगऽम् निऽधऽ सांनिऽध रिंसांनिसां
चऽमेऽ ऽ लिफू ऽलि	चं ऽ, चंमेऽलि	ऽफूऽलि चंऽपाऽ गुलाऽब गुंदलावो
३	=	२

गंमंरिंऽ सांरिंनिसां निसांनिध	निधऽप धपऽम ऽपसांध ऽपगम्
रींऽमाऽ लनियांऽ हरवाऽऽ	नौशाऽके गरेऽडा ऽरोचमे ऽलिफूलि
०	३

ध ऽ, गंमंरिंसां	ऽरिंसांऽ धनिधरिं सांनिधऽ मपमप
चं ऽ, चमेलिफू	ऽलिचंऽ पाऽऽगु लाऽबऽ गुंदलावो
=	२

ऽधमप गम्पग म्रिसाऽ	निधऽध धनिसांरिं सांधऽप ऽगऽम्
ऽरीमाल नियांऽह ऽरवाऽ	नौशाऽके गरेडारो चमेऽलि ऽफूऽलि
०	३

गम्रि निधध सांनिध	रिंसांनि गंमंरिं सांरिंसां सांनिध
चमेलि फूऽलि चंऽपा	गुलाब गुंऽद लावोरी माऽल
=	२

पमप धमप गम्रि	गम्प म्रिसा सांधप गऽम्
निऽयां हरवा नौशाके	गरेऽ डाऽरे चमेलि फूऽलि
०	३

नि
ध ऽ, सारिगम् | धनिसांरिं गंम्ंपंगं म्ंरिंऽसां रिंसांनिसां |
चं ऽ, चमेलिफू | लिचंपागु लाबगुंद लावोऽरी मालनियां |
= २

ग
निधनिध मपगम् पम्रिसा | सांधऽप सांधऽप सांधऽप ऽगऽम् ||
हरवानौ शाकेगरे ऽडाऽरो | चमेऽलि चमेऽलि चमेऽलि ऽफूऽलि ||
० ३

नि
ध, म्गऽम् रिरिसासा | निधऽध निधमप रिंसांऽरिं सांनिसांनि |
चं, चमेऽलि फूलिचंपा | गुलाऽब गुंदलावो रीमाऽल नियांहर |
= २

१ २ ३ नि
धनिरिंनि ऽसांनिध मपसांध | ऽपगम्, सांधऽप गम्सांध ऽपगम् || ध
वानौऽशा ऽकेगरे डारोचमे | ऽलिफूलि, चमेऽलि फूलिचमे ऽलिफूलि || चं
० ३ =

राग छायानट.

—×*×—

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, ध ऽ प ऽ, रि ग म् प ऽ म् ग म् रि ऽ, सा रिं सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि सा ऽ ध़ नि़ प़ ऽ; प़ प़ रि ऽ; रि गरि गम् प ऽ, म् ग म् रि ऽ, सा रि ऽ सा ऽ ॥
(ध़ के ऊपर: नि़)

(३) सा ऽ, रि ग म् प ध नि् प ऽ; म् प सां ऽ ध नि् प ऽ; म प ध प ऽ रि ग ऽ गम् प ऽ, म् ग म् रि ऽ, सा रि सा ऽ ॥
(सां के ऊपर: नि; रि के ऊपर: रि)

(४) प प सां ऽ सां रिं सां ऽ; रिं गं मृं पं गं मृं रिं सां ऽ; सां ऽ,

नि प
रिं सां ध नि़ प ऽ; रि ग मृ प ग मृ रि ऽ, सा रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि सा ऽ; सारि गमृ रिरि सा ऽ; सारि गमृ धध पप रिग मृप गमृ रिसा ऽ; सारि गमृ धप सां धप मप धनि़ धप रिग मृप गमृ रिसा ऽ; सारि गमृ धध पप सांसां रिंरिं सांसां धप रिग मृप गमृ रिसा ऽ; सारि गमृ धप सां रिंगं मृंरिं सांनि धप रिग मृप गमृ रिसा ऽ; सारि गमृ धप सां रिंगं मृंपं मृंसं रिंसां धनि़ धप रिग मृप मृग मृरि सारि सा ऽ ॥

छायानट—झपताल.

किरपा करो तुम जगनाथ प्यारे, जिव जंत सारे शरन तिहारे.
अब्बनखां गुनी येही कहत है, सहाय करो नित्य जग की मुरारे.

प प	रि गमृ प	मृ ग	मृ रि सा	सा सा	रि ऽ सा	सा ध़ (सा)	नि़ प़	ऽ
कि र	पा ऽ क	रो ऽ	ऽ तु म	ज ग	ना ऽ थ	प्या ऽ	ऽ रे	ऽ
=	२	०	३	* =	२	०	३	

सा सा	रि ऽ रि	ग मृ	पध मप ऽ	रि गरि	ग मृ प	मृ ग	मृ रि सा
जि व	जं ऽ त	सा ऽ	ऽ रेऽ ऽ	श ऽ	नं ऽ ति	हा ऽ	ऽ रे ऽ

*(अंतरा)

प ऽ	सां ऽ सां	सां ऽ	सां रिं सां	रिं गंरिं	गं मृं पं	मृं गं	(मृं) रिं ऽ सां
अ ऽ	ब्ब ऽ न	खां ऽ	गु नी ऽ	ये ऽ	हीं ऽ क	ह त	है ऽ स

प ऽ	सां ऽ रिं	सां ऽ	ध ऽ प	रि गरि	ग मृ प	मृ ग	मृ रि सा
हा ऽ	य ऽ क	रो ऽ	नि ऽ त्य	ज गऽ	की ऽ मु	रा ऽ	ऽ रे ऽ

स्थायी. " किरपा करो तुम "

रिग म्प । गम् रिसा, सारि । निसा धप । मप, रिग म्नि

धप मप । सांरिं सांनि धप । मप रिग । म्प गम् रिसा ॥ किरपा करो तुम

सारि गम् । पध मप धनि । सांरिं रिंनि । सांरिं रिंगं म्पं

म्मं रिंसां । सांरिं सांनि धप । मप रिग । म्प गम् रिसा ॥ किरपा करो तुम

धध पप । रिग म्प गम् । रिसा, रिंरिं । सांसां धध पप

रिग म्प । गम् रिसा, म्मं । रिंसां धध । पप मप सां

रिंगं म्पं । म्मं रिंसां धध । पप रिग । म्प गम् रिसा ॥ किरपा करो तुम

सासा रिरि । गग म्म् पप । धध पप । सांसां रिंरिं गंगं

म्मं पंपं । म्मं रिंरिं सांसां । धप रिग । म्प गम् रिसा ॥ किरपा करो तुम

अंतरा. " अब्बनखां गुनी "

धध पप । रिग म्प गम् । रिसा, रिंरिं । सांसां धध पप

रिग म्प । गम् रिसा, म्मं । रिंरिं सांसां । धप रिग म्प

गम् रिसा, । रिरि गग म्म् । पप सांसां । धप मप सां ॥ अब्बनखां गुनी

सांनि सांरिं । सांनि धप मप । धध मप । गम् पप गम्

रिसा निसा, । सारि गम् धध । पप सांनि । धप मप सां ॥ अब्बनखां गुनी

रिंरिं सांरिं । रिंसां निसां, धध । पध धप । मप, रिरि सारि

रिसा निसा, । सारि गम्, रिग । म्प, गम् । धप सांरिं निसां

रिंगं मूंपं । गंमं रिंसां सांरिं । सांनि धप । मप रिग मूप

गम् रिसा, । सारि गम् पध । मप **सां**, । पध मप **सां** ॥ अठ्ठनलां गुनी

सांरिं सांनि । धप मप, धध । मप गम् । रिग मूप धम

पग मूरि । सारि गम् पध । मप धनि । सांरिं रिंनि सांरिं

रिंगं मूंपं । गंमं रिंसां धध । पप रिग । मूप गम् रिसा,

सारि गम् । धध पप **सां**, । धध पप । **सां**, धध पप
(१ २ ३)

सां ऽ ।

छायानट-एकताल.

प्रथम सुर साधन साध खरज वाही को,
सुरन के धरन सुरन गत प्रमान सीख लेत.—प्रथम
गुनिजन के संगत सो अचल ताल तान राग गायन को.

						रि	नि॒				
						रि	नि॒	सा	धनि॒	प॒	प॒
						प्र	थ	म	ऽ	सु	र
						०		३		४	

सा	ध॒	धि॒न॒	नि॒	सा	सा	सा	ऽ	सा	रि	रि	सा
सा	ऽ	ऽ	ध	ऽ	न	सा	ऽ	ध	ख	र	ज
=		०		२		०		३		४	
रि	गरि	ग	म्	प	ऽ	पम	ध	प	ऽ	मूग	मूरि
वा	ऽ	ही	ऽ	को	ऽ	सुऽ	र	न	ऽ	केऽ	ऽ
						रि				नि॒	
गरि	ग	म्	(प)	मूग	मूरि	नि॒	सा	रि	सा	धनि॒	प॒
धऽ	र	न	सु	रऽ	ऽन	ग	त	प्र	मा	ऽ	न

पृ रि नि़

प रि | ग म॒रि | ऽ सा, | रि नि़ | सा ध़नि़ | प़ प़
सी ऽ | ख लेऽ | ऽ त, | प्र थ | म ऽ | सु र

(अंतरा)

प प | सां सां | सां ऽ | सां ऽ | सां रिं | सां ऽ
गु नि | ज न | के ऽ | सं ऽ | ग त | सो ऽ

सां

सां सां | ध सां | ऽ सां | सां ध | प पग | म॒ रि
अ च | ल ता | ऽ ल | ता ऽ | नैं राऽ | ऽ ग

ग रि नि़

गम॒ प | म॒ रि | सा ऽ | रि नि़ | सा ध़नि़ | प़ प़
गाऽ ऽ | य न | को ऽ | प्र थ | म ऽ | सु र

बोलतानें

सा ध़ | नि़ध़ नि़ | सा सा | सा ऽ | सा ऽ, | रिसा ऽरि
सा ऽ | ऽ ऽ | ऽ न | सा ऽ | ध ऽ, | प्रथ ऽम

सानि़ सा | नि़ध़ सा | ध़ध़ प़प़ | प़ऽ ऽरि | ऽरि रिरि | रिग रिग
सुर सा | धन सा | धख रज | वाऽ ऽही | ऽको सुर | नके ऽध

म॒ध मप | ऽरि गम॒ | परि ऽसा | सांऽ धप | ऽरि सानि़ | साध़ प़प़
रन सुर | ऽन गत | प्रमा ऽन | सीऽ खले | ऽत प्रथ | मऽ सुर

नि़

सा ध़ | नि़ध़ नि़ | सा सा | ऽ ऽ | सासा ऽसा | ऽरि ऽरि
सा ऽ | ऽ ध | ऽ न | ऽ ऽ | प्रथ ऽम | ऽसु ऽर

रिग रिग | म॒प ऽरि | रिग म॒ध | ऽप ऽरि | गम॒ पसां | ऽसां धप
साऽ ऽध | नसा ऽध | खर जवा | ऽही ऽको | सुर नके | ऽध रन

रिंसां ऽनि | सांध ऽप | धऽ धप | ऽप रिऽ | साऽ रिसा | ऽध़ प़प़
सुर ऽन | गत ऽप्र | माऽ नसी | ऽख लेऽ | तऽ प्रथ | ऽम सुर

सा, सारि | रिग गम् | मृध धप | पसां सांरिं | रिंगं गंमं् | मंपं पंमं्
सा, प्रथ | मसु रसा | धन साध | खर जवा | हीको सुर | नके घर

गंमं् रिंसां | रिंसां सांध | धप परि | सारि सासा | रिसा सारि | सासा धृपृ
नमु रन | गत प्रमा | नसी खले | तप्र थम | प्रथ मप्र | थम सुर

सा धृ | निृधृ निृ | सा सा, | धप ऽध | पऽ रिंसां | ऽरिं सांऽ
सा ऽ | ऽ ध | ऽ न, | प्रथ ऽम | सुऽ रसा | ऽध नऽ

पंगं ऽमं् | रिंऽ सांरिं | ऽसां धऽ | पध ऽध | पऽ परि | ऽसा रिऽ
साध ऽख | रऽ जवा | ऽही कोऽ | सुर ऽन | केऽ घर | ऽन मुऽ

रिग ऽग | म्ऽ सांध | ऽप पऽ | रिरि ऽसा | रिसा ऽसा | धृऽ पृऽ
रन ऽग | तऽ प्रमा | ऽन सीऽ | खले ऽत | प्रथ ऽम | सुऽ रऽ

सा धृ | निृधृ निृ, | रिंऽ सांरिं | ऽसां धप, | धऽ पध | ऽप परि,
सा ऽ | ऽ ध, | प्रऽ ऽथ | ऽम सुर, | साऽ ऽध | ऽन साऽ,

रिऽ सारि | रिसा साधृ, | सारि ऽसा | ऽरि गम्, | पऽ ऽरि | रिग मृध,
धऽ ऽख | रज वाऽ, | हीऽ ऽको | ऽसु रन, | केऽ ऽध | रन सुर,

धऽ पप | सांध ऽग | पऽ रिरि | ऽसा रिऽ | साऽ ऽधृ | पृ पृ
नऽ गत | प्रमा ऽन | सीऽ खले | ऽत प्रऽ | थऽ ऽम | सु र

सा धृ | निृधृ निृ | सा सा | ऽ ऽ | रिगम् धृऽप |
सा ऽ | ऽ ध | ऽ न | ऽ ऽ | प्रथम सुऽर |

पनिसां रिंऽसां || रिंगंमं् मंरिंसां | रिंसांनि सांधप | रिगम् सांधप |
साधन साऽध || खरज वाहींको | सुरन केऽऽ | घरन मुरन |
४ = ० २

रिंनिसां धऽप | सांधप परिरि | रिसासा धृपृपृ || सा ऽ |
गतप्र माऽन | सीऽख लेऽत | प्रथम ऽसुर || सा ऽ |
० ३ ४ =

राग गौडसारंग.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, ग रि म् ग ऽ; पध मप ऽ म् ग म् ग रि म् ग ऽ; प रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) ग रि म् ग ऽ; पध मप सां ध मप ऽ, धम प म् ग म् ग रि म् ग ऽ; प रि ऽ, सा ऽ ॥

(४) पध मप सां ऽ; सां रिं नि सां ऽ; गं रिं मं गं पं रिं ऽ सां ऽ; सां ध मप ऽ, धम प म् ग म् ग रि म् ग ऽ; प रि ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) सारि सा ऽ; गरि सा ऽ; गरि म्ग परि ऽसा ऽ; ऩिसा गरि म्ग पम धप ऽम् गरि म्ग परि ऽसा ऽ; ऩिसा गरि म्ग पम धप निध निप धम पग म्रि गरि म्ग परि ऽसा ऽ; ऩिसा गरि म्ग पम धप निध सां ऽध निप धम पग म्रि गरि म्ग परि ऽसा ऽ; ऩिसा गरि म्ग पम धप निध सांरिं सांध निप धम पग म्रि गरि म्ग परि ऽसा ऽ; ऩिसा गरि म्ग पम धप निध सां ऽ, गंरिं मंगं पंरिं ऽसां सांरिं सांध निप धम पग म्रि गरि म्ग परि ऽसा ऽ ॥

(२) ऩिसा गरि म्ग पम धध मप गम् रिसा ऽ; ऩिसा गरि म्ग ऽप मध मप सांनि धप म्ग रिसा ऽ; गरि म्ग पम धम पध मप पनि सांरिं रिंनिं सांरिं गंरिं मंगं मंरिं सांसां धप म्ग रिसा ऩिसा ऽ; साम् गप मध पनि धसां निरिं सांगं रिंमं् गंपं मंगं मंरिं सांनि धप म्ग रिसा ऩिसा ऽ ॥

गौडसारंग – त्रिताल.

मुझे दे दरस गिरधारी, तुम पर हम बलिहारी रे.
जमुना तट हरि धेनु चरावे, मधुर मधुर सुर बैन बजावे,
वृंदावन में रास रचावे, कांधे कमरियां कारी रे.

नि़ रि
|: पध मप | ग म् रि सा | सा रि नि़ सा
|: मुऽ झेऽ | दे ऽ ऽ द | र स गि र
० ३

ग रि म् ग | ऽ ऽ :| ऽ ऽ | सा सा म् ग | प प धनि सां
धा ऽ री ऽ | ऽ ऽ :| ऽ ऽ | तु म प र | ह म बऽ लि
= २ ० ३

धम प ग म् | रि ग पध मप | ग म् रि सा | सा रि नि़ सा
हाऽ ऽ री ऽ | रे ऽ मुऽ झेऽ | दे ऽ ऽ द | र स गि र

(अंतरा)

ग म् ग ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | प प सां ऽ | सां सां सां सां
धा ऽ री ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ज मु ना ऽ | त ट प र

सां ऽ सां सां | सां रिं सां ऽ | सां सां गं गं | गं गं गं गं
धे ऽ नु च | रा ऽ वे ऽ | म धु र म | धु र सु र

गं रिं मं गं | पं रिं ऽ सां | ऽ प रिं ऽ | रिं सां सां ऽ
बै ऽ न ब | जा ऽ ऽ वे | ऽ वृं दा ऽ | व न में ऽ

सां ध प म् | ग रि म् ग | सा ऽ म् ग | प प धनि सांरिं
रा ऽ स र | चा ऽ वे ऽ | कां ऽ धे क | म रि यांऽ ऽ

नि़ रि
रिंनि सां धम प | गम् रिग, पध मप | ग म् रि सा | सा रि नि़ सा
काऽ ऽ रीऽ ऽ | रेऽ ऽ मुऽ झेऽ | दे ऽ ऽ द | र स गि र

स्थायी.

धा ऽ री ऽ । नि़सा गरि म्॒ग ऽ, । पध मप गम्॒ रिग । रिम्॒ ग ऽ, सांरिं

सांनि धप मप गम्॒ । रिग रिम्॒ ग ऽ, । सांगं रिंमं॒ गंरिं सांनि । धप मप धग ऽम्॒

गरि म्॒ग परि ऽसा, । गरि म्॒ग, मु झे । दे दरस गिर

धा ऽ, नि़सा गरि । म्॒ग पम धप निध । सांनि रिंसां गंरिं मं॒गं । मं॒रिं सांरिं निसां धनि़

पध मप गम्॒ रिग । रिम्॒ ग, मु झे । दे दरस गिर

धा ऽ री ऽ । गरि म्॒ग परि ऽसा, । पम धम पसां ऽसां । धप मप सांध ऽप

मप धग ऽम्॒ गरि । म्॒ग ऽ, मु झे । दे दरस गिर

नि़सा गरि म्॒ग पम । धप निध सांनि रिंसां । गं रिंसां, रिं सांनि, । सां निध, नि धप,

पम धप निध सांनि । धप म्॒ग, मु झे । दे दरस गिर

ग रि म्॒ ग धा ऽ री ऽ	ऽ ऽ, सा सा ऽ ऽ, मु झे	सा म्॒ ग प दे ऽ ऽ द	मप धनि सांनि धप रऽ सऽ गिऽ रऽ
मप मप म्॒ ग धाऽ ऽ री ऽ	गम्॒ रिग प प रेऽ ऽ मु झे	सां ध सां रिं दे ऽ ऽ द	सांरिं निसां धम प रऽ सऽ गिऽ र
म्॒ ग म्॒ ग धा ऽ री ऽ	गम्॒ रिग गंरिं निसां रेऽ ऽ मुऽ झेऽ	धनि सांरिं ऽ सां देऽ ऽ ऽ द	सांरिं निसां धप मप रऽ सऽ गिऽ रऽ
सांसां धप म्॒ग रिम्॒ धाऽ ऽ रीऽ ऽ	ग ऽ, पध मप ऽ ऽ, मुऽ झेऽ	ग म्॒ रि सा दे ऽ ऽ द	(नि़) सा रि नि़ सा र स गि र
ग म्॒ ग ऽ धा ऽ री ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ		

अंतरा. " जमुना तट पर "

धे ऽ नु च । रा ऽ बे ऽ । गम् पसां गंरिं मृंगं । पंरिं सांनि धप मृग

रिसा निसा, गरि मृग । पम धप निध सां । जमुना तट पर

पप सांसां रिंरिं सांसां । गंरिं मृंगं पंरिं ऽसां । रिंरिं सांनि धप मप । धप मृग रिसा निसा,

गरि मृग पम धप । निध सां ऽ ऽ । जमुना तट पर

मंगं रिंसं गंरिं मृंगं । रिंरिं सांनि धप मप । धग ऽम् गरि मृग । परि ऽसा, ऽ, गरि[१]

मृग पम धप निध । सां,[२] गरि मृग पम । धप निध सां,[३] गरि । मृग पम धप निध

सां ऽ ऽ ऽ ।

गौडसारंग – आडचौताल. (विलंबित)

तेरो सुमिरन करूं मैं अल्ला जो लो रहे घट में प्रान.
सुख संपत और संतत दीजिये, दीन दुनी की आन.

							मपध निसांऽ	धपम पऽऽ	मृ गम्
							तेऽऽ ऽ	रोऽऽ ऽ	सु मिऽ
							०	४	०

रिग ऽरि	मृ ग	मृग पम	धमपऽ मृ	ग रि	सा रि	सारिसानि सा
रऽ ऽ	न ऽ	करू ऽ रूंऽ	ऽ मैं	ऽ ऽ	अ ऽ	ल्लाऽऽऽ ऽ
=	२	०	३	०	४	०

गगारि सारिऽ	सारिसा निसाऽ	सा मृ	ग मृरि	मृ ग	सा मृग	पम धप
जोऽऽ ऽ	लोऽऽ ऽ	र हे	ऽ ऽ	ऽ ऽ	घ टऽ	मेंऽ ऽ

निध सांनि	रिं निसांरिं	गंरिंसां सांधप	मृगरि मृगऽ	
ऽ ऽ	ऽ प्राऽऽ	ऽऽन ऽ	ऽ ऽ	तेरो सुमि

(अंतरा)

प प	सां ऽ	सां सां	रिं सां	प नि	सां रिं	सां ऽ
सु ख	सं ऽ	प त	औ र	सं ऽ	त त	दी ऽ

ऽ (प)	म् गरि	म् ग	मंगं ऽ	मं रिं	सांरिं निसां	सां निसां
ऽ जि	ये ऽ	ऽ ऽ	दीऽ ऽ	ऽ न	दुनी ऽ	की ऽ

मप निध	सांनि रिं	सांरिंसां सांधप	म्गरि म्गऽ
आऽ ऽ	ऽ ऽ	नऽऽ ऽ	ऽ ऽ

बोलतानें.

मपध निसांऽ	धपम प,	साम् गप ‖	मध पप	सां ऽरिं	सां गंरिं
तेऽऽ ऽ	रोऽऽ ऽ,	तेरो सुमि ‖	रन करूं	मैं ऽअ	ल्ला जोलो
०	४	०	=	२	०

सांरिं सां	पध पम्	गग धप	ऽम् गम् ‖	रिग ऽरि	म् ग
ऽर हे	घट मेंप्रा	ऽन तेरो	ऽसु मिऽ ‖	रऽ ऽ	न ऽ
३	०	४	०	=	२

म्ग पम	धमपऽ म्	ग रि,	म्ग ऽप	मऽ धप ‖	ऽरिं ऽसां
कऽ रूंऽ	ऽ मैं	ऽ ऽ,	तेरो ऽसु	मिऽ रन ‖	ऽक रूंऽ
०	३	०	४	०	=

गंमं रिंसां	ऽरिं सांऽ	धप ऽध	मप ऽम्	गग, सांध	पम् गम् ‖
मैंऽ अल्ला	ऽजो लोऽ	रहे ऽघ	टमें ऽप्रा	ऽन, तेरो	ऽसु मिऽ ‖
२	०	३	०	४	०

रिग ऽरि	मंगंमंरिं सांरिंसांसां	पधऽप ऽम्गऽ	गरिम्ग परिसासा
रऽ ऽन	तेरोऽसु मिऽरन	करूंऽमैं ऽअल्लाऽ	जोलोऽर हेऽघट
=	२	०	३

सागरिरि मृगपम | धमपरिं निसांधप | सांऽधम पमृगमृ ||
मैंऽऽप्रा ऽनतेऽ | रोऽऽसु मिऽरन | तेऽरोऽ ऽसुमिऽ ||
० ४ ०

रिग ऽरि | मृ ग | मृगमृ रिसासा | धमप मृगऽ | रिंनिसां धपऽ |
रऽ ऽ | न ऽ | तेरोसु मिरन | करूंमैं अल्लाऽ | जोऽलो रहेऽ |
= २ ० ३ ०

गंमृंरिं सांरिंसां | सांधप मृगमृ || रिग ऽरि | गंमृंरिं सांरिंसां |
घटमें प्राऽन | तेऽरो सुमिऽ || रऽ ऽन | तेऽरो सुऽमि |
४ ० = २

पधप मृगग | मृरिऽ सारिसा | मृगऽ पमम | धऽप सांऽऽ |
रऽन करूंमैं | अल्लाऽ जोऽलो | रहेऽ घटमें | प्राऽन तेऽऽ |
० ३ ० ४

धमप मृगमृ ||
रोऽऽ सुमिऽ || रन करूं मैं अल्ला
०

गऽरिमृ ऽगपम | धऽपसां ऽनिरिंसां | गंऽरिंमृं ऽगंपंरिं |
तेऽरोसु ऽमिरन | कऽरूंमैं ऽअल्लाऽ | जोऽलर ऽहेघट |
= २ ०

सांधऽप सांऽधम | पमृगमृ रिमृगऽसांऽ | धमपमृ गमृरिमृगऽ |
मैंप्राऽन तेऽरोऽ | ऽसुमिऽ रऽनऽतेऽ | रोऽऽसु मिऽरऽनऽ |
३ ० ४

सांऽधम पमृगमृ || रिग ऽरि | मृ ग |
तेऽरोऽ ऽसुमिऽ || रऽ ऽ | न ऽ |
० = २

राग गौंडमल्हार.

रागांग विस्तार.

(१) रि ग रि म्, ग रि सा ऽ, रि ग रि ग ऽ, म् प म् ग ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि सा ऽ; म् ग रि सा ऽ; रि प ऽ म् प ऽ, ध म् ग ऽ म् ग रि सा ऽ ॥

(३) रि ऽ प ऽ, म् प ऽ ध प ऽ; म्प ध ऽ नि् प ऽ; म् प ध सां ऽ, ध ऽ नि् प ऽ; म् रि ऽ प ऽ, म् ग रि सा ऽ ॥

(४) प ऽ प ऽ, नि ऽ धनि ऽ, सां ऽ सां ऽ, (नि) सां रिं सां ऽ; मं मं रिं सां ऽ ध नि् प ऽ; म् रि प ऽ; म् प ध सां ऽ ध प म् ग ऽ; रि ग रि म्, ग रि सा ऽ, रि ग रि ग, म्प धप म्ग म् ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) रिग रिम् गरि सासा ऽ; रिग म्प म्ग रिसा ऽ; रिग म्प धसां धप म्ग रिसा ऽ; रिग म्प धसां रिंसां धप म्प धनि् धप म्ग रिसा (अथवा) रिग म्प धसां रिंसां निध नि्प म्ग रिसा ऽ; रिग म्प धसां रिंगं रिंसां धप म्ग रिसा ऽ; रिग म्प धसां मंमं रिंरिं सांसां निध नि्प म्ग रिसा (अथवा) रिग म्प धसां मंमं रिंसां धप म्म् रिसा ऽ ॥

(२) रिप म्प म्ग रिसा ऽ; रिप म्प धनि् धप म्ग रिसा ऽ; रि म्प धसां धप म्ग रिसा ऽ; रिप म्प धसां रिंसां धप म्ग रिसा नि़सा ऽ; म्रि पम् धप सां मंमं रिंसां निध पम् पध निसां धनि् धप म्ग रिसा ऽ ॥

नोट–यह एक मिश्र राग होनेके कारण इस की आरोहावरोह की स्वर रचना कुछ नियत नहीं.

गौंडमल्लार– त्रिताल.

बलमा बहार आई, दादुर मोरे पपिया पिवन गत छाई.
निस अंधियारी बिजली चमके, कोयल सबद सुनाई.

								ग	ग	सा	ऽ	सा	ग	ऽ	रिग
								ब	ल	मा	ऽ	ब	हा	ऽ	ऽर
								०				३			
म्प	धप	म्	ऽ	ऽ	ऽ	म्ग	रिग	म्प	धप	म्ग	रिग	सा	ग	रि	ग
आऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बऽ	लऽ	माऽ	ऽ	ब	हा	ऽ	र
=				२				०				३			
म्प	धप	म्	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म्	रि	प	म्	प	प	म्	प
आऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दा	द	मो	रे	प	पि	या	पि
ध (सां)	सां	ध	प	म्	प	म्	ऽ,	ग	ग	सा	ऽ	सा	ग	ऽ	रिग
व	न	ग	त	छा	ऽ	ई	ऽ,	ब	ल	मा	ऽ	ब	हा	ऽ	ऽर

(अंतरा)

म्प	धप	म्	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म्	म्	प	प	सां	ध	सां	ऽ
आऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	स	अं	धि	या	ऽ	री	ऽ

सां	सां	सां	ऽ	सां	रिं	सां	ऽ	मं	मं	रिं	सां	ध	प	म्	प
बि	ज	ली	ऽ	च	म	के	ऽ	को	ऽ	य	ल	स	ब	द	सु

ध	सां	ध	प	म्प	धप	म्	ऽ	ग	ग	सा	ऽ	सा	ग	ऽ,	ऩिसा
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ब	ल	मा	ऽ	ब	हा	ऽ,	आऽ

स्थायी.

रिग म्ग रिग म्पं । धप म्प म्ग रिम् । ब ल मा ऽ । ब हा ऽ, ऩिसा

रिग म्प धनि सांसां । धप म्प म्ग रिम् । ब ल मा ऽ । ऽ ऽ, ऩिसा रिग

म्प धनि सांरिं सांसां । धप म्प म्ग रिम् । ब ल मा ऽ । रिप म्प म्ग रिसा,

रिप म्प धऩि धप । म्ग रिसा, रिप म्प । धसां धप म्ग रिसा, । रिप म्प धसां रिंसां

धप म्ग रिसा ऩिसा । रिग म्प धप म् । बलमा बहार

आ ऽ ई ऽ । म्प धसां धप म्, । म्प धसां सांरिं निसां । धप म्, म्प धसां

मंमं रिंसां धप म्म् । रिसा ऩिसा, रिग म् । ब ल मा ऽ । रिग म्प म्ग रिसा,

धप म्प धऩि धप । म्ग रिसा, रिंरिं सांनि । धप म्प धऩि धप । म्ग रिसा, म्रि पम्

धप सां, धप म्ग । रिसा ऩिसा, रिग म् । बलमा बहार

आ ऽ ई ऽ । म्म् रिम् म्रि म्म् । रिरि सासा, धध पध । धप धध पप म्म्

रिरि सासा, रिंरिं सांरिं । रिंसां रिंरिं सांसां धप । म्म् रिसा, साम् रिप । म्ध पसां मंमं रिंमं

मंरिं सांसां धप म्म् । रिरि सासा, रिग म् । बलमा बहार आई

अंतरा. "निस अंधियारी"

बि ज ली ऽ । च म के ऽ । **सां** ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ

सांसां धप म्ग रिसा । म्रि पम् धप **सां** । निस अंधियारी

सांरिं सांनि धप म्ग । रिसा रिप म्प **सां** । निस अंधियारी

सांरिं गंमं रिंसां निसां । धनि् धप म्प **सां** । निस अंधियारी

म्प धसां पध **सां** । रिंगं रिंमं गंरिं **सां** । सांरिं सांनि धप म्प । धनि सांनि धप म्ग

रिसा ऩिसा, रिम् रिप । धनि् पध **सां** ऽ । निस अंधियारी

धनि सांध निसां धनि । सांरिं निसां धनि्म्प । धनि सांरिं गंमं रिंसां । निसां धप म्ग रिसा

सारि गरि गम् गम् । पम् पध पध **सां** । निस अंधियारी

सांरिं सांनि सांनि धनि् । धप धप, म्प म्ग । म्ग रिग रिसा रिसा, । रिग रिप ऽप म्प

म्ध ऽध, पध पनि । ऽनि, धनि धसां ऽसां, । धनि सांरिं पंपं गंमं । रिंसां निसां रिंसां धप

म्ग रिसा, ऩिसा म्रि । पम् धप **सां**[१] **सा**, । म्रि पम् धप **सां**[२] । **सा**,[३] म्रि पम् धप

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । ब ल मा ऽ । ब हा ऽ र

बोलताने.

म्प धप **म्** ऽ	रिग म्प धप म्ग	म्प धनि सांसां धप	म्प धनि सांरिं सांरिं
आऽ ऽ ई ऽ	बऽ ऽ ल्मा ऽ	बऽ हाऽ ऽ ऽर	आऽ ऽ ऽ ईऽ
सांनि सांरिं सांनि धप	म्प धप म्प धप	म्प धप म्ग रिग	**सा ग रि ग**
ऽ ऽ ऽ ऽ	रेऽ ऽ ऽ ऽ	बऽ ऽ ल्माऽ ऽ	ब हा ऽ र

मृप धप मृ ऽ | रिग रिग मृग मृप | मृप मृप धप धनि् | धनि् धनि सांनि सांरिं
आऽ ऽ ई ऽ | बऽ ऽल्मा ऽ बऽ | हाऽ ऽर ऽ आऽ | ईऽ ऽदा ऽ दर

गमं् रिंसां निसां धप | धप मृग रिग मृ | मृ प मृग रिग | सा ग रि ग
मोऽ रप पिया पिऽ | वन गत छाऽ ई | ब ऽ ल्माऽ ऽ | ब हा ऽ र

आई .... बहार

सारि ग रिग मृ | गम् प मृप नि् | धनि सां निसां रिं | सांरिं गमं् रिंसां निसां
बऽ ऽ ल्माऽ ऽ | बऽ ऽ हाऽ ऽ | रऽ ऽ आऽ ऽ | ईऽ ऽ ऽ ऽ

धप मृग रिग, मृ | ग रि, मृ ग | रि, मृ ग रि, | सा ग रि ग
रेऽ ऽ ऽ, ब | ल्मा ऽ, ब ल्मा | ऽ, ब ल्मा ऽ, | ब हा ऽ र

आई ....बहार

निसा रिग मृप धप | मृग रिग गम् गम् | पध निसां ऽ सां | धप मृम् पध निसां
बऽ ऽ ऽ ऽ | ल्माऽ ऽ बऽ हाऽ | ऽ ऽ ऽ र | आऽ ऽ ईऽ ऽ

रिं सांसां धप मृग | रिग मृप धनि सां, | धप मृग, धप मृग, | धप मृग, साग रिग
ऽ रेऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ, | बऽ ल्माऽ, बऽ ल्माऽ, | बऽ ल्माऽ, बहा ऽर

आई ....बहार

ऽ रिग ऽरि गम् | ऽग मृप ऽमृ पध | ऽप धनि् ऽप मृप | धनि सांरिं सांसां धप
ऽ बऽ ऽ ल्माऽ | ऽ बऽ ऽ हा | ऽ रऽ ऽ आऽ | ईऽ ऽ ऽ ऽ

१ २ ३
मृप मृग साग रिग | प मृ, मृप मृग | साग रिग प मृ, | मृप मृग साग रिग
बऽ ल्माऽ बहा ऽर | आ ई, बऽ ल्माऽ | बहा ऽर आ ई, | बऽ ल्माऽ बहा ऽर

मृप धप मृ ऽ | रिग मृरि गम् रिसा | धनि सांध निसां धप | रिंगं मृंरिं गमं् रिंसां
आऽ ऽ ई ऽ | बऽ ऽल्मा ऽ ऽ | बऽ ऽहा ऽ रऽ | आऽ ऽई ऽ ऽ

		१	२	३
सांरिं सांसां धप मृग	मृप मृग साग रिग	प मृ, साग रिग	प मृ, साग रिग
रेऽ ऽ ऽ ऽ	बऽ ल्माऽ बहा ऽर	आ ई, बहा ऽर	आ ई, बहा ऽर

मृप धप मृ ऽ
आऽ ऽ ई ऽ

राग पूरियाधनाश्री.

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ, रि॒ सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ सा ऽ; नि॒ रि॒ ग ऽ, रि॒ग प ऽ; मध॒ प ऽ, म ग मरि॒ ग ऽ; मध॒ मग ऽ, रि॒ सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ सा ऽ; मरि॒ गप ऽ॥

(२) सा ऽ, नि॒ रि॒ नि॒ ध॒ प॒ ऽ; म॒ ध॒ सा ऽ; नि॒ रि॒ ग ऽ मरि॒ ग ऽ; मध॒ मग ऽ, रि॒ग ऽ रि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गप ऽ॥

(३) नि॒रि॒ गप ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒प ऽ; मध॒ निम ध॒प ऽ; रिं॒ नि ध॒ प ऽ, ध॒ म ग ऽ मरि॒ ग ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒म ग ऽ, म ग रि॒ सा ऽ, नि॒ रि॒ ऽ सा ऽ; प ऽ, प ध॒ ऽ प ऽ॥

(४) म ग ऽ, म ध॒ सां ऽ सां ऽ, सां रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ गं, मंरिं॒ गं ऽ, रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ नि ध॒ प ऽ; नि म ग ऽ मरि॒ ग ऽ; मध॒ मग ऽ रि॒ सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ सा ऽ; मरि॒ गप ऽ॥

स्वरविस्तार.

नि॒रि॒ गरि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गम गरि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒म गरि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒नि ध॒म गरि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒नि रिं॒सां निध॒ पम गरि॒ सा (अथवा) नि॒रि॒ गम ध॒नि रिं॒नि ध॒प मग मग रि॒सा (अथवा) मध॒ निसां रिं॒रिं॒ निध॒ मध॒ मग मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒नि रिं॒गं रिं॒सां निध॒ पम गरि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒नि रिं॒गं मंगं रिं॒सां निध॒ पम गरि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒नि रिं॒गं मंपं मंगं रिं॒सां निध॒ पम गरि॒ सा ऽ, मरि॒ गप ऽ ॥

नोट – कईक गुणिजन इस राग को " **दिन की पूरिया** " कहते हैं.

पूरियाधनाश्री – त्रिताल.

करुणा सुनो श्याम मेरी, मैं तो होय रही चेरी तेरी.
दरसन कारण भई बावरी, बिरह-बिथा तन घेरी. ॥ १ ॥
तेरे कारण जोगन हूंगी, दूंगि नगर बिच फेरी. ॥ २ ॥

								:प	ध॒	प	ऽ	म	प	मप	ध॒
								:क	रु	णा	ऽ	ऽ	सु	नोऽ	ऽ
								०				३			

म	रि॒	ग	ग	रि॒	ग	प	ऽ:	म	ध॒	म	ग	म	ग	रि॒	सा
श्या	ऽ	ऽ	म	मे	ऽ	री	ऽ:	मैं	ऽ	तो	हो	ऽ	य	र	ही
=				२			*	०				३			

* ध॒ (अंतरा)

ऽ	नि॒	रि॒	ग	म	रि॒	ग	प:	म	ध॒	सां	सां	सां	रिं॒	सां	सां
ऽ	चे	ऽ	री	ऽ	ते	ऽ	री:	द	र	स	न	का	ऽ	र	ण

सां	सां	नि	ध॒	रिं॒	नि	ध॒	प:	नि	रिं॒	गं	रिं॒	रिं॒नि	रिं॒	सां	सां
भ	ई	ऽ	बा	ऽ	व	री	ऽ:	बि	र	ह	बि	था	ऽ	त	न

मध॒	निसां	रिं॒रिं॒	निध॒	मध॒	मग	मरि॒	ग	प	ध॒	प	ऽ	म	प	मप	ध॒
घेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	क	रु	णा	ऽ	ऽ	सु	नोऽ	ऽ

स्थायी.

श्या ऽ ऽ म । मे ऽ री ऽ । मरि् गप, मध् निध् । प, मध् । निरिं निध्
प, मध् निरिं् गंरिं् । सांनि ध्प, मध् निरिं् । गंमं गंरिं् सांनि ध्प, । मध् निरिं् गंमं पंपं
मंगं रिं्सां निध् पम । गरि् सासा, रि्ग प । करुणा सुनो
श्या ऽ ऽ म । मे ऽ री ऽ । निनि ध्प मग रि्सा, । रिं्रिं् सांनि ध्प मग
रि्सा नि्सा, गंगं रिं्सां । निध् पम गरि् सा, । नि्रि् गम, रि्ग मध् । गम ध्नि, मध् निरिं्
गंमं गंरिं् सांनि ध्प । मग रि्सा, रि्ग प । करुणा सुनो
श्या ऽ ऽ म । मे ऽ री ऽ । नि्रि् गग, रि्ग मम, । गम ध्ध्, मध् निनि,
धनि रिं्रिं्, निरिं् गंगं, । रिं्गं मंमं, गंरिं् सांनि । ध्प मध्, सांनि ध्प, । निध् पम, ध्प मग,
पम गरि्, मग् रि्सा । नि्रि् गम रि्ग प । करुणा सुनो
श्या ऽ ऽ म । मे ऽ री ऽ । नि्रि् गग रि्सा, रि्ग । मम गरि्, गम पप
मग, मध् निनि ध्म, । धनि रिं्रिं् निध्, निरिं् । गंगं रिं्सां, रिं्गं मंमं । गंरिं्, रिं्सां सांनि निध्
ध्प पम मग गरि् । सा ऽ, मरि् गप । करुणा सुनो श्याम मेरी

अंतरा. " दरसन कारण "

सांनि ध्प मग रि्सा, । रिं्रिं् सांनि ध्प मग । रि्सा, गंगं रिं्सां निध् । पम गरि् सा, नि्रि्
गम धनि रिं्गं मंमं । गंरिं् सांनि ध्नि सां । दरसन कारण

मंमं गंमं मंगं रिं्सां । निनि ध्नि निध् पप । मम गम मग रि्सा, । नि्रि् गरि् गम गम

ध्म ध्नि ध्नि रिं्नि । ध्प मग मध् सां । दरसन कारण

गंगं रिं्सां, रिं्रिं् सांनि, ।सांसां निध्, निनि ध्प, ।ध्ध् पम, पप मग। मम गरि्, गग रि्सा,

नि़रि् गम ध्नि रिं्गं । रिं्सां निध् मध् सां । दरसन कारण

मंगं रिं्गं रिं्नि, रिं्नि । ध्नि ध्प, ध्प मप । मग, मग रि्ग रि्सा, । नि़ग रि्म गध् मनि

ध्रिं् निगं रिं्मं गंरिं् । सांनि ध्प मध् सां । दरसन कारण, इ. इ.

बोलतानें. " करुणा सुनो "

नि़	रि्	ग	रि्	ग	म	प	ध्	म	प	म	प	म	रि्	ग	ग
क	रु	णा	सु	नो	श्या	ऽ	म	मे	ऽ	री	मैं	ऽ	तो	हो	य
रि्	ग	प	म	ग	रि्	सा	सा	प	ध्	प	ऽ	म	प	मप	ध्
र	ही	ऽ	चे	ऽ	रि	ते	री	क	रु	णा	ऽ	ऽ	सु	नोऽ	ऽ
म	रि्	ग	ग	रि्	ग्	प	ऽ	नि़	रि्	ग	रि्	ग	ऽ	प	म
श्या	ऽ	ऽ	म	मे	ऽ	री	ऽ	क	रु	णा	ऽ	ऽ	ऽ	सु	नो
प	ऽ	प	म	प	प	म	ध्	प	ध	म	प	म	रि्	ग	रि्
ऽ	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	म	मे	ऽ	री	ऽ	मैं	ऽ	तो	हो	ऽ	य
ग	रि्	ग	प	म	ग	रि्	सा	प	ध्	प	ऽ	म	प	मप	ध्
र	ही	ऽ	चे	ऽ	रि	ते	री	क	रु	णा	ऽ	ऽ	सु	नोऽ	ऽ
म	रि्	ग	ग	रि्	ग	प	ऽ	म	ध्	नि	रिं्	नि	ध्	प	ऽ
श्या	ऽ	ऽ	म	मे	ऽ	री	ऽ	क	रु	णा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध्	प़	म	प	म	रि्	ग	ग	म	ध्	म	ग	म	ग	रि्	सा
सु	नो	ऽ	श्या	ऽ	म	मे	री	मैं	ऽ	तो	हो	ऽ	य	र	ही

नि ध़् प ऽ	रि़् नि ध़् प	प ध़् प ऽ	म प मप ध़्
चे ऽ री ऽ	ते ऽ री ऽ	क रु णा ऽ	ऽ सु नोऽ ऽ
म रि़् ग ग	रि़् ग प ऽ	मध़् निरिं़ निध़् प	पध़् ऽप मरि़् ग
श्या ऽ ऽ म	मे ऽ री ऽ	करु णाऽ ऽसु नो	श्याऽ ऽम मेऽ री
निरि़् ऽनि रि़ऽ गरि़्	गम गम पध़् मप	प ध़् प ऽ	म प मप ध़्
मैंऽ ऽतो होऽ ऽय	रही ऽचे ऽरि तेरी	क रु णा ऽ	ऽ सु नोऽ ऽ
म रि़् ग ग	रि़् ग प ऽ	पध़् पम गरि़् सा	सांरिं़ सांनि ध़प मप
श्या ऽ ऽ म	मे ऽ री ऽ	करु णाऽ ऽसु नो	श्याऽ ऽम मेऽ रीऽ
मग रि़प मग ध़प	निरिं़ ऽनि ध़नि ऽध़्	प ध़् प ऽ	म प मप ध़्
मैंऽ तोहो ऽय रही	चेऽ ऽरि तेऽ ऽरी	क रु णा ऽ	ऽ सु नोऽ ऽ
म रि़् ग ग	रि़् ग प ऽ	निरि़् निग रि़प मध़्	मनि ध़सां निरिं़ निध़्
श्या ऽ ऽ म	मे ऽ री ऽ	करु णासु नोश्या ऽम	मेरी मैंतो होय रही
निध़् पध़् पम पध़्	पम गरि़् गरि़् सा	प ध़् प ऽ	म प मप ध़्
चेऽ रीते ऽरी करु	णाऽ ऽसु नोऽ श्याम	क रु णा ऽ	ऽ सु नोऽ ऽ
म रि़् ग ग	निरि़् ग ऽरि़् ग	रि़ग मरि़् गप पप	मध़् पम परिं़ निध़्
श्या ऽ ऽ म	करु णा ऽसु नो	श्याऽ ममे ऽरी मैंतो	होऽ यर हीचे ऽरी
१	२		३
निध़् प, पध़् प	मप ध़ऽ प, पध़्	प मप ध़ऽ प,	पध़् प मप ध़्
तेऽ री, करु णा	ऽसु नोऽ श्याम, करु	णा ऽसु नोऽ श्याम,	करु णा ऽसु नो
म रि़् ग ग	रि़् ग प ऽ	निरि़नि रि़गरि़् गमग मध़म	
श्या ऽ ऽ म	मे ऽ री ऽ	कऽरु णाऽसु नोऽऽ श्याऽम	
=	२	•	

धृनिधृ	निरिंनि	रिंगरिं	निरिंनि	धृनिधृ	पधृप	मपम	गमग
मेऽरी	मैंऽतो	होऽय	रऽहीं	चेऽऽ	ऽ	रीऽऽ	ऽ
३				=			

	१				२		
रिंऽसा,	पऽधृ	पमप	मपधृ	मरिंग,	पऽधृ	पमप	मपधृ
तेऽरी,	कऽरु	णाऽसु	नोऽऽ	श्याऽम,	कऽरु	णाऽसु	नोऽऽ
२				०			

	३													
मरिंग,	पऽधृ	पमप	मपधृ	म	रिं	ग	ग	रिं	ग	प	ऽ			
श्याऽम,	कऽरु	णाऽसु	नोऽऽ	श्या	ऽ	ऽ	म	मे	ऽ	री	ऽ			
३				=				२						

राग जेतश्री.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, नि (सा) रिं सा ऽ; ग ऽ प ऽ; म धृ (धृ) प ऽ; प ऽ, मधृ मग ऽ; म ग ऽ, रिं सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि (सा) रिं सा ऽ; प नि सा ऽ, रिं सा ऽ; ग रिं सा ऽ; म ग प ऽ; धृ धृ प ऽ; नि धृ प ऽ म ग ऽ; मधृ मग ऽ; म ग ऽ, रिं सा ऽ ॥

(३) सा ऽ, नि रिं सा ऽ; ग रिं सा ऽ; गम पधृ मप मग ऽ, म ग ऽ रिं सा ऽ; नि नि म ग ऽ, म ग रिं ऽ, साऽ; सां नि धृ प म ग ऽ, म ग रिं सा ऽ ॥

(४) म ग ऽ, म ध् प, सां ऽ सां ऽ नि रिं् सां ऽ; गं रिं् सां ऽ;

सां
गं पं मं गं ऽ, मं गं रिं् ऽ, सां ऽ; नि रिं् नि ध् प ऽ,

मध् मग ऽ; म ग ऽ, रि् रि् सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि़रि् सा ऽ; नि़सा गरि् सा ऽ; नि़सा गम गरि् सा ऽ; नि़सा गम पम गरि् सा ऽ; नि़सा गम पध् पम गरि् सा ऽ; नि़सा गम पध् पनि धूप मग मग रि्सा ऽ; नि़सा गम धूप सां, सांनि धूप मग रि्सा (अथवा) रिंनि (निनि) मग मग रि्सा ऽ; मग पम धूप सां, पनि सांरिं् सांनि धूप मग रि्सा ऽ; नि़सा गग पप सां, निरिं् सांगं रिंसां निसां रिंनि धूप मग रि्सा ऽ ॥

जेतश्री – झपताल.

सुमिर हो नाम को मनही के मन में,
दीजिये दान गुरुशाहे माली. – सुमिर
सींचिये बेल तन बाग मेरे को,
अमृत फल लगे हर हर डाली. – सुमिर

सा

नि़ सा	ग प ऽ	म ग	म ध् प	म म	ग म ध्	म ग	रि् ऽ सा
सु मि	र हो ऽ	ना ऽ	म को ऽ	म न	ही ऽ के	म न	में ऽ ऽ
=	२	०	३	=	२	०	३ *

म ग	म ध् प	नि सां	नि ध् प	म ग	प ध् प	म ग	रि् ऽ सा
दी ऽ	जि ये ऽ	दा ऽ	न ऽ गु	रु ऽ	शा ऽ हे	मा ऽ	ली ऽ ऽ

*(अंतरा)

म ग	म ध् प	सां ऽ	नि रिं सां (सां) || नि सां (सां)	गं रिं सां	रिं सां	नि ध् प
सी ऽ	चि ये ऽ	बे ऽ	ल त न || बा ऽ	ग मे ऽ	रे ऽ	को ऽ ऽ

(म) ग ऽ	म ध् प	नि रिं	नि ध् प || नि नि	म ऽ ग	म ग	रि ऽ सा
अ ऽ	मृ ऽ त	फ ल	ल गे ऽ || ह र	ह ऽ र	डा ऽ	ली ऽ ऽ

स्थायी.

निसा गम । गरि, गम पध् । पम, पनि । सांरिं सांनि, निसां

गंमं गंरिं, । सांनि ध्प, निध् । पम, ध्प । मग, मग रिसा ॥ सुमिर हो नाम को

[illegible]प, मप । ध्प सांनि ध्प, । मप ध्प । सांरिं सांनि ध्प,

मप ध्प । सांनि रिंसां गंरिं । सांनि ध्प । मग मग रिसा ॥ सुमिर हो....मन में

मम गम । मग रिसा, निनि । ध्नि निध् । पम गरि सा,

मंमं गंमं । मंगं रिंसां निध् । पम गप । ध्प मग रिसा ॥ सुमिर हो....मन में

निसा मग । पम ध्प सांनि । रिंसां गंरिं । मंगं पंपं गंरिं

सांनि ध्प । मग, मप निरिं । सांनि ध्प । मग मग रिसा ॥ सुमिर हो....मन में

अंतरा. "सींचिये बेल तन"

सांरिं सांनि । ध्प मग निनि । मग मग । रिसा, निसा निसा,

गप गप, । ध्प ध्प, निसां । निसां, रिंरिं । सांनि ध्प सां ॥ सींचिये बेल तन

मंमं गंमं । मंगं रिंसां, निनि । ध्नि निध् । पप, मम गम

मग रिसा, । निसा गम पध् । मप सां, । पध् मप सां ॥ सींचिये बेल तन

गंगं रिं्सां, । रिं्रिं् सांनि, सांसां । निध्, निनि । ध्प, ध्ध् पम,

पप मग, । मम गारि्, गग । रि्सा, मग । पम ध्प **सां** ॥ सींचिये बेल तन

रि्रि् सासा, । मम गग, पप । मम, ध्ध् । पप, सांसां निनि,

रिं्रिं् सांसां, । मंमं गंगं, पंपं । मंमं गंगं । रिं्रिं् सांसां निनि

ध्ध् पप । मम गग रि्रि् । सासा, गम । पध् मप **सां** ॥ सींचिये, इ. इ.

बोलतानें " सुमिर....मन में "

पध् पम	गप मग रि्ग	ऽरि् गप	ऽम ऽग रि्ग	
सुमि रहो	ऽना ऽम कोऽ	ऽम नही	ऽके ऽम नमें	
रि्ग रि्सा	ऽप ध्प पप	निध् प	पम गरि् **सा** ‖	
दीऽ जिये	ऽदा ऽन गुरू	शाऽ हे	माऽ लीऽ ऽ ‖	सुमिर....में
सारि् सासा	गम गम पम	पध् पनि	ध्प मग गम	
सुऽ ऽ	मिऽ ऽर ऽ	होऽ ऽ	नाऽ ऽम कोऽ	
पनि सांरिं्	सांनि ध्प मग	रि्ग ऽप	मग रि्ग रि्सा ‖	
मन हीके	मन मेंऽ दीऽ	जिये ऽदा	ऽन गुरू ऽ ‖	सुमिर....में
सारि् ऽसा,	पध् ऽप, पनि	ऽध्, पप	ऽसां, ऽनि ध्प	
सुमि ऽर,	होना ऽम, कोम	ऽन, हीके	ऽम, ऽन मेंऽ	
सांरिं् ऽसां	पध् ऽप मप	रि्ग ऽरि्	पम गारि् **सा** ‖	
दिजी ऽये	दाऽ ऽन गुरू	शाऽ ऽ	हेऽ माऽ ली ‖	सुमिर....में
रि्सा गरि्	पम ध्प सांनि	रिं्सां गंरिं्	सांरिं् सांनि ऽसां	
सुमि रहो	नाम कोम नही	केम नमें	दीजि येदा ऽन	

पध् पप | मप मग रि॒ग | रि॒सा सांनि | ध॒प मग रि॒सा ||
गुरु शाहे | माली सुमि रहो | नाम कोसु | मिर होना मको || सुमिर....में

निरिं॒ निध् | ऽप ऽप पध् | पम ऽग | रि॒ग पम गरि॒
सुमि रहो | ऽना ऽम कोम | नही ऽके | मन मेदी जिये

सारि॒ ऽसा | पम ध॒प ऽप | सांनि ध॒प | ध॒प मग ऽरि॒ ||
दाऽ ऽन | गुरु ऽशा ऽहे | माऽ लिसु | मिर होना ऽम || सुमिर ...में

१
गारि॒सा पमग | ध॒पम सांनिध् रिं॒सांनि | गंरिं॒सां निसांनि |
सुमिर होनाम | कोमन हीऽके मनमें | दिजिये दाऽन |
= २ ०

२
ध॒पम गमग रि॒ऽसा || गंरिं॒सां निसांनि | ध॒पम गमग रि॒ऽसा |
गुरुऽ शाऽहे माऽली || दिजिये दाऽन | गुरुऽ शाऽहे माऽलि |
३ = २

३
गंरिं॒सां निसांनि | ध॒पम गमग रि॒ऽसा ||
दिजिये दाऽन | गुरुऽ शाऽहे माऽलि || सुमिर हो इ. इ.
० ३

राग बसंत.

रागांग विस्तार.

सा ध् ध्
(१) नि॒ सा ग ऽ, म ग ऽ, म ध् रिं॒ ऽ, सां ऽ; सां नि ध् प ऽ

सा
म ग म ग ऽ; गम नि म ग ऽ, म ग रि॒ ऽ, सा ऽ; नि॒ सा

ग ध्
म॒ म॒ ऽ, म म॒ ग ऽ, मध् रिं॒ ऽ, सां ऽ||

(२) मग रि॒ सा ऽ; नि ध॒ प ऽ, प (प) म ग ऽ, म ग रि॒ सा ऽ;

रि॒ नि ध॒ प ऽ म ग म ग ऽ; गम ध॒ ग म ग रि॒ सा ऽ;

नि॒ सा म॒ म॒ ऽ, म म॒ ग ऽ, मध॒ रि॒ ऽ, सां ऽ ॥

(३) म ग म ध॒ सां ऽ सां ऽ, नि रि॒ ऽ, सां ऽ; नि रि॒ गं रि॒

सां ऽ; नि रि॒ गं ऽ, मं गं रि॒ सां ऽ; रि॒ नि ध॒ प म ग म ग ऽ;

नि नि म ग ऽ, म ग रि॒ सा ऽ; नि॒ सा म॒ ऽ, म॒ ऽ, म ऽ,

म॒ ऽ ग ऽ; म ध॒ रि॒ ऽ, सां ऽ॥

स्वरविस्तार.

नि॒सा गग मग रि॒सा ऽ; नि॒सा म॒म॒ म॒म म॒ग गम ध॒ग मग रि॒सा ऽ; नि॒सा म॒म॒ म॒म म॒ग निनि ध॒प मग रि॒सा (अथवा) निनि ध॒म गरि॒ सा (अथवा) निनि मग मग रि॒सा ऽ; नि॒सा म॒म॒ म॒म म॒ग मध॒ सां (अथवा) साग मध॒ सां(अथवा) नि॒रि॒ गम ध॒सां ऽ, निनि ध॒प मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒सां निध॒ रिं॒नि ध॒प मग रि॒सा (अथवा) मध॒ निरिं॒ निनि ध॒प मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम ध॒नि रिं॒गं मंमं गंरिं सांनि ध॒प मग रि॒सा, नि॒सा म॒म॒ म॒म म॒ग मध॒ सां ऽ ॥

नोट—इस राग में " मध॒ निसां रिं॒सां " ऐसी स्वर रचना करनेसे **परज** राग की छाया उत्पन्न होगी.

बसंत—एकताल.

ऐंडि ऐंडि गैंडि गैंडि फीरत सब नार,
गरवा लाग रंग बरसे, ऋत बसंत मान आई,
जोबन माति बेस थोरि.—ऐंडि
सोला सिंगार कर आ भरन, पायन पेहेर पैंजन,
गूंद गूंद गूंद नार, अबिर गुलाल लिये भर झोरि.—ऐंडि

ध्			म	ग	
सां ऽ	नि ध्	ऽ प	प ऽ	म म	ऽ ग
ऐं ऽ	डि ऐं	ऽ डि	गैं ऽ	डि गैं	ऽ डि
=	०	२	०	३	४

ध्			सां		
म ध्	नि नि	सां सां	रिं ऽ	सां नि	सां सां
फी ऽ	र त	स ब	ना ऽ	ऽ ऽ	ऽ र

*

निसां रिंसां	निध्, ध्नि	सांनि ध्प,	मप ध्प	मग, गम	पम ग
ऐंऽ ऽ	डिऽ ऐंऽ	ऽ डिऽ	गैंऽ ऽ	डिऽ गैंऽ	ऽ डि

सा ऽ	ग ग	म ध्	मध् निसां	रिं सांरिं	निसां सां
फी ऽ	र त	स ब	नाऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ र

			सां		
ध् म	ध् ध्	सां सां	नि सां	नि ध्	प म
ग र	वा ला	ऽ ग	रं ग	ब र	से ऽ

	ध्		म		
ग म	नि म	ध् म	ग ऽ	म ग	रिं सा
ऋ त	ब सं	ऽ त	मा ऽ	न आ	ऽ ई

			ध्		ध्
सा नि़	सा म़	ऽ ग	म ऽ	ध् नि	म ध्
जो ब	न मा	ऽ ति	बे ऽ	स थो	ऽ रि

*(अंतरा)

म म	ध् सां	ऽ सां	सां सां	सां सां	सां सां
सो ला	सिं ग।	ऽ र	क र	आ भ	र न
सां ऽ	सां रिं	ऽ सां	नि सां	नि ध्	नि ध्
पा ऽ	य न	ऽ पे	हे र	पैं ऽ	ज न
म ध्	नि म	ऽ ध्	ग ऽ	म ग	रि् सा
गूं ऽ	द गूं	ऽ द	गूं ऽ	द ना	ऽ र
सां ग	रिं मं	गं रिं	सां सां	सां नि	म ध्
अ बि	र गु	ला ल	लि ये	भ र	झो रि

स्थायी. "ऐंडि ऐंडि गैंडि गैंडि"

मम गरि् । सा, निनि । धूप मग । रि्सा, गंगं । रिं्सां निध् । पम गरि्

सा, मंमं । गंरिं् सांनि । धूप मग । रि्सा, नि़सा । गम धूसां । निध् मध्
ऐंडि ऐंडि गैंडि गैंडि

नि़रि् गरि् । गम गम । धूम धूनि । धूनि रिंनि । रिंगं रिंगं । मंमं गंरिं्

सांनि ध्प । मग रि्सा, । नि़सा म्म् । म्म म्ग । मध् सांसां । निध् मध्
ऐंडि ऐंडि गैंडि गैंडि

नि़रि् मम । गरि्, गम । ध्ध् पम, । धनि रिंरिं् । निध्, निरि् । मंमं गंरिं्

सांनि ध्प । मग रि्सा, । नि़सा म्म् । म्म म्ग । मध् सांसां । निध् मध्
ऐंडि ऐंडि गैंडि गैंडि

नि़रि् गम । ध्नि रिंगं । मंमं गंरिं । सांनि ध्प, । मध् निरिं । गंगं रिंसां

निनि ध्प, । मध् निरिं । निनि ध्प, । मध् निनि । ध्प, मप । ध्ध् पम

पम गरि् । मग रि्सा, । नि़ग रि्म । गध् मानि । ध्रिं निगं । रिंनि मध्
ऐंडि ऐंडि गैंडि गैंडि

अंतरा. " सोला सिंगार कर आ भरन "

रिंरिं सांरिं । रिंसां रिंरिं । सांनि ध्प । मग रि्सा, । गंगं रिंगं। गंरिं गंगं

रिंरिं सांनि । ध्प मग । गम ध्ग । मग रि्सा, । मंमं गंमं ।मंगं मंमं

गंरिं सांनि । ध्प मग । निनि मग । मग रि्सा, । साग मध् । **सां** ऽ
सोला....भरन

गंगं रिंरिं । सांसां निनि । ध्ध् पप । मम गग । रि्रि् सासा, । नि़नि़ रि्रि्

गग मम । ध्ध् निनि । रिंरिं गंगं । मंमं गंरिं । सांनि ध्प । मध् **सां**
सोला....भरन

सांनि ध्प । मग रि्सा, । गंरिं सांनि । ध्प मग । रि्सा ऽ, । मंगं रिंसां

निध् पम । गरि् सा, । नि़सा म़्म़् । म़्म म़्ग । मध् रिं । **सां** ऽ
सोला .... भरन

रिंगं गंरिं । सांरिं रिंसां । निसां सांनि । ध्नि निध् । मध् ध्म । गम मग

रि्ग गरि् । सारि् रि्सा, । नि़रि् रि्ग । गम मध् । ध्नि निरिं । रिंगं गंमं

गंरिं सांनि । ध्प मग । गम ध्ग । मग रि्सा, । गम ध्नि । मध् **सां**

बसंत–त्रिताल (विलंबित)

आई ऋत नवेलरिया अतर सुगौंध लागोरी बिरहा दहन.
जा मोरे कौंथा जा रे पपियरा,
उन बिन लागो री बिरहा दहन.—आई

सां
| ऽ ऽ नि सां
| ऽ ऽ आ ई
३

नि ध् पप पम | पध्ध् पमग् मऽग साग | म॒म् म॒गानि निनिध् पमग |
ऋ त ऽन वेऽ | लरिया ऽ ऽ अत | रसु गौंऽऽ धलाऽ ऽ |
= २ ०

सां
ममग रिंसाऽ, नि सां || नि ध् पप पम | पध्ध् पमग मऽग सासा |
गोऽऽ रीऽऽ, आ ई || ऋ त ऽन वेऽ | लरिया ऽ ऽ अत |
३ = २

म॒म् म॒ (म॒) म॒ग | मध् रिं रिंसां ऽ || निध् निध् प मग |
रसु गौं ध ऽ | लाऽ ऽ गोरी ऽ || ऽ ऽ ऽ ऽ |
० ३ =

ध्
ध्नि नि ध् प | मध्नि निध् प मग | म ग, मध् सां ||
बिर हा ऽ ऽ | दऽह नऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, आऽ ई ||
२ ० ३

नि ध् पप पम | पध्ध् पमग मऽग सासा | म॒म् म॒गानि निनिमग मगरिंसा |
ऋ त ऽन वेऽ | लरिया ऽ ऽ अत | रसु गौंऽऽ धलाऽऽ गोऽऽऽ |
= २ ०

(अंतरा)

ध्
ऽमऽध् सां ऽसां || सां ऽ रिंसां ऽ | ऽध् निसां ऽ | रिंऽसांरिं निंसांऽनि ध्निध्नि ऽध् |
ऽ जाऽऽ मो ऽरे || कौं ऽ थाऽ ऽ | ऽजा ऽरे ऽ | पऽपिऽ ऽ यऽराऽ ऽ |
३ = २ ०

ऽ धृनि सांगं ऽ ‖ मंगं रिं सां ऽ | रिंनिसांऽ ऽ निध् प |
ऽ उन बिन ऽ ‖ लाऽ ऽ गो ऽ | रिऽऽऽ ऽ बिर हा |
३ = २

धृमपऽ ऽ पऽमग मग | म ग मध् सां ‖ नि ध् पप पम |
ऽ ऽ दृऽहऽ नऽ | ऽ ऽ आऽ ई ‖ ऋ त ऽन वेऽ |
० ३ =

बोलतानें.

पधृध् पमग मऽग, मधृनिसां | रिंनिऽध् निध्पऽ मधृमग मगरिंसा |
लरिया ऽ ऽ, आईऋत | नवऽल रिऽयाऽ अतरसु गौंऽधऽ |
२ ०

मृम्ऽग मधृसांनि धृपमग मधृसांऽ | निध् निध् प ऽ |
लागोऽरि बिरहाऽ दहनऽ आऽईऽ | ऋऽ तऽ ऽ ऽ |
३ =

मधृनिसां रिंसांऽरिं निसांनिध् पमगऽ | मधृनिसां मंगंऽमं गंरिंसांऽ रिंनिसांऽ |
आऽईऽ ऋतऽन वेऽलरि याऽऽऽ | अतरऽ सुगौंऽध लाऽगोऽ रीऽऽऽ |
२ ०

निध्पऽ मगमग मग मधृसांऽ ‖ नि ध् पप पम |
बिरहाऽ दहनऽ ऽ आऽईऽ ‖ ऋ त ऽन वेऽ |
३ =

पधृध् पमग मऽग ऽ | सांनिधृप धृपमग मगरिंसा मृम्ऽम् |
लरिया ऽ ऽ ऽ | आईऋत नवेलरि याअतर सुगौंऽध |
२ ०

गमनिनि धृनिसांनि धृपमग मधृसांऽ ‖ नि ध् पप पम |
लागोऽरि बिरहाऽ दहनऽ आऽईऽ ‖ ऋ त ऽन वेऽ |
३ =

पधृध् पमग मऽग सासा | मृम् मृग, सांरिंसांनिसांनि धृनिधृपमग |
लरिया ऽ ऽ अत | रसु गौंऽ, आऽईऋऽत नवेऽलरिया |
२ ०

गमध्निध्म गमगारि्ऽसा सांरिंसांनिध्प मध्निसांनिसां ‖ नि ध् पप पम |
अतरसुगौंऽ धलाऽगोऽरी बिरहादहन आऽऽईऽऽ ‖ ऋ त ऽन वेऽ |
३ =

पध्ध् पमग मऽग साग | मृम् मृग, सांऽऽरिंसांनिध्प मानिऽध्पमगऽ |
लरियां ऽ ऽ अत | रसु गौंऽ, आऽऽईऋऽतऽ नवेऽलरिऽयाऽ |
२ ०

मगमगरि्ऽसाऽ मृऽऽमृऽमृगम् निऽऽनिध्पमग मगमध्सांऽऽऽ ‖
अतरसुगौंऽधऽ लाऽऽगोऽरिबिर हाऽऽदहऽनऽ ऽऽआऽईऽऽऽ ‖
३

नि ध् पप पम | पध्ध् पमग मऽग सासा | मृम् मृ मृ, मृऽगनिऽध्सांनि |
ऋ त ऽन वेऽ | लरियां ऽ ऽ अत | रसु गौं ध, आऽईऋऽतनऽ |
= २ ०

रिंऽसांमंगंरिंसांऽ सांरिंसांनिसांध्निध् पमऽगध्पमानि ध्पमगमध्सांऽ ‖
वेऽलरिऽऽयाऽ अतरसुऽगौंऽध लागोऽरिबिरहद हनऽऽआऽईऽ ‖
३

नि ध् पप पम | पध्ध् पमग मऽग साग |
ऋ त ऽन वेऽ | लरिया ऽ ऽ अत |
= २

मृम् मृग, सामृऽमृमृमृगम् निध्ऽपमध्निसां |
रसु गौंऽ, आईऽऋतनवेल रियाऽअतरसुगौं |
०

१ २ ३
मंगंऽरिंसांनिध्प मगमगमध्सांऽ निध्पऽमध्सांऽ निध्पऽमध्सांऽ ‖
धलाऽगोऽरिबिर हादहनआऽईऽ ऋतऽऽआऽईऽ ऋतऽऽआऽईऽ ‖ ऋत
३

राग परज.

रागांग विस्तार.

(१) ऩि सा ग म् ऽ ग ऽ; म प ध् प ऽ ग म् ग ऽ; गम ध् ग ऽ; म ग रि् सा ऽ ॥

(२) सा ग ऽ, म ध् (ध्) नि सां ऽ; ध्नि सांरि् निसां ऽ; नि ध् प ऽ; म प ध् प ऽ ग म् ग ऽ; म ग रि् सा ऽ ॥

(३) ऩि सा ग ऽ, म् ऽ, प ध् नि सां ऽ; रिं् ऽ, सांरि् निसां ऽ; ध् प ऽ ग म् ग ऽ; रि् ग ऽ, म ग रि् सा ऽ ॥

(४) म ग म (ध्) ध् ऽ नि नि सां ऽ, सां रिं् सां रिं् ऽ नि नि सां ऽ; (सां) नि रिं् गं मं गं रिं् सां ऽ; नि नि सां रिं् ऽ (सां) सां नि ध् प ऽ; ग म् ध् प ऽ ग म् ग ऽ; म् ग रि् सा ऽ; (ऩि) सा ग ऽ, (ध्) म ध् नि सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

ऩिसा गम् गरि् सा ऽ; ऩिसा गग मध् निनि ध्प मग म्ग रि्सा ऽ; ऩिसा गग मध् निसां ध्नि सांनि ध्प मग म्ग रि्सा ऽ; ऩिसा गग मध् निसां रिं्रिं् सांनि ध्प मग म्ग रि्सा ऽ; ऩिसा गग मध् निसां निरिं् गंमं गंरिं् सांनि ध्प मग म्ग रि्सा ऽ ॥

नोट—गायक लोग इस राग को **कालिंगडा** के साथ मिश्र करके बहुधा गाते हैं. यथाः—

नि़सा गम् पध् निसां ऽ, मध् नि ध़नि सां ऽ, निनि ध़प मप ध़प गम् ग ऽ, म़ग रि़सा ऽ ॥

राग परज—दादरा.

राम सुमर राम सुमर, यही तेरो काज है,
सकल जगत के वो स्वामि, सब के सिरताज है.—राम
माया को संग त्याग, प्रभुजी के चरन लाग,
जगत सौख्य मान झूट, मिथ्या सब साज है.—राम

सां			ध्		
।ः नि सां रिं	नि सां सां	ध् सां नि	ध् प प	म ऽ ध्	नि सां नि
रा ऽ म	सु म र	रा ऽ म	सु म र	ये ऽ हि	ते ऽ रो
=	०	=	०	=	०

प				ध्	
ध् प म्	ग ऽ ऽ ः	सा सा सा	ग ग ग	म ऽ ध्	नि सां सां
का ऽ ज	है ऽ ऽ	स क ल	ज ग त	के ऽ वो	स्वा ऽ मि

			ध्
सां रिं सां	रिं नि सां	ध् सां नि	म ऽ ध्
स ब के	ऽ सि र	ता ऽ ज	है ऽ ऽ

राम....काज है

(अंतरा)

म ऽ ग	ऽ म ध्	नि ऽ नि	सां ऽ सां	सां रिं सां	रिं नि सां
मा ऽ या	ऽ को ऽ	सं ऽ ग	त्या ऽ ग	प्र भु जी	ऽ के ऽ

		सां			
नि नि ध्	नि ऽ नि	नि नि रिं	गं ऽ गं	गं मं गं	रिं सां सां
च र न	ला ऽ ग	ज ग त	सौ ऽ ख्य	मा ऽ न	झू ऽ ट

			ध्
सां ऽ रिं	नि सां नि	ध् सां नि	म ऽ ध्
मि ऽ थ्या	ऽ स ब	सा ऽ ज	है ऽ ऽ

राम....काज है

स्थायी.

निनि धूप मग । मूग रि्सा नि़सा, ॥ रिंरिं सांनि धूप । मग मूग रि्सा,

गंगं रिंसां निधू । पम गमू गरि् ॥ सा ऽ, नि़सा । गग मधू निसां

निरिं गंमं गंरिं । सांसां निम ऽधू ॥ राम....काज है

नि़रि् गग रि्सा । रि्ग मम गरि् ॥ गम पप मग । मधू निनि धूप

धूनि रिंरिं निधू । निरिं गंगं रिंसां ॥ रिंरिं निधू, निनि । धूप, धूधू पम,

पप मग, मूमू । गरि्, गग रि्सा, ॥ रि्ग मधू निरिं । निसां निम ऽधू ॥

राम सुमर राम सुमर

मधू निनि धूप, । मधू निरिं सांनि ॥ धूप, मधू निरिं । गंगं रिंसां निधू

प, मधू निरिं । गंमं मंगं रिंसां ॥ निधू पम गमू । गरि सा, निसा

गग मधू निसां । रिंसां निम ऽधू ॥ राम....काज है

अंतरा. " माया को संग त्याग "

सांरिं सांनि धूप । मग मूग रि्सा, ॥ गंगं रिंसां निधू । पम गमू गरि्

सा, मंमं गंरिं । सांनि धूप मग ॥ मूग रि्सा नि़सा । गग मधू निसां ॥ माया....लाग

नि धूनि, मधू । नि, गम धूनि, ॥ रि्ग मधू नि, । धूनि सांनि, धूनि

सांरिं निसां नि, । रिंगं रिंसां निसां ॥ नि, मंमं गंरिं । सां रिंसां नि,

धूप मप गमू । ग मग रि्सा, ॥ रि्ग मधू नि । धूनि सां ऽ ॥ माया....त्याग

रिंसां निधू पम । गमू गरि् सा, ॥ रि्ग मधू नि । गम धूनि सां

मध् निसां रिं । ध्नि सांरिं गं ॥ मंमं गंरिं सांनि । ध्प मग म्ग

रि्सा नि्सा रि्ग । मध् निसां ऽ ॥ माथा....त्याग

सांगं रिंगं रिंसां । निरिं निसां निध् ॥ पनि ध्नि ध्प । मध् पध् पम

गम गम् गरि् । गम पध् पम ॥ ध्नि सांरिं सांनि । सांरिं गंमं गंरिं

सांनि ध्प ध्नि।सांध् निसां, ध्नि॥सां ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ

राग ललित.

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ रि् सा ऽ; नि रि् ग म् ऽ; ग ऽ म् ऽ, म म् ऽ;

म ग रि् ग ऽ, म ग रि् सा ऽ; नि रि् ग ऽ म् ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि् सा ऽ; नि रि् नि ध ऽ, म ध ऽ म म् ऽ; ग,

म ध ऽ, म ध सा ऽ; नि रि् ऽ सा ऽ; नि रि् ग ऽ म् ऽ;

ध म म् ऽ; नि म ध म म् ऽ; म् ग रि् ग ऽ, म ग ऽ

रि् सा ऽ; नि रि् ग ऽ म् ऽ ॥

(३) नि रि् ग ऽ; रि् ग ऽ म् ग ऽ; म ध ऽ, म म् ग ऽ; नि

ध ऽ, मध ऽ म म् ग ऽ; नि रिं नि ध ऽ, मध म म् ग ऽ,

म ग रि् सा ऽ; नि रि् ग म् ऽ ॥

ध सां सां

(४) ग ग म ध सां ऽ सां ऽ, नि रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ गं रिं॒

ध

सां ऽ; सां ऽ, रिं॒ ऽ नि ध ऽ; म ध नि रिं॒ नि ध ऽ;

ध

म ध नि ध ऽ, मध म म॒ ऽ; म ग रि॒ ग ऽ, म ग रि॒ सा ऽ;

सा

नि॒ रि॒ ग ऽ म॒ ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) नि॒रि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गरि॒ सा ऽ; नि॒रि॒ गरि॒ गम॒ मग, मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम धम म॒ग, मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम धनि धम, धम म॒ग, मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम धनि रिंनि धम म॒ग, मग रि॒सा (अथवा) गम धनि रिंनि धम, धम म॒ग, मग रि॒सा ऽ; नि॒रि॒ गम धनि रिंगं मंगं रिंसां निनि धम, धम म॒ग, मग रि॒सा (अथवा) नि॒रि॒ गरि॒ गम॒ गम॒ धम धसां, निरिं गंमं गंरिं सांनि धम म॒ग, मग रि॒सा ॥

नोट – इस राग में तीव्र धैवत के बदले कोमल धैवत का उपयोग कर सकतें हैं.

ललित–त्रिताल.

पियु पियु रटत पपीयरा, उड रे कोयलिया
कवन देस मोरे पियु को मिलना कब होवे.–पियु
झिंगर झिंगार दादुर बोले, मुरवा बोले बन बन के,
अवन सुनी पीतम मनरंग की, मगन भये सब घर के हियरा–पियु

								ग	रि॒	ग	म॒	ग	रि॒	(रि॒) नि॒	रि॒
								पि	यु	पि	यु	र	ट	त	प
								०				३			

ग	म॒	ऽ	म॒	म	गमम	(ग) म॒	ग	ऽ	मध॒	म	ध॒	सां	सां	सां	ऽ
पी	ऽ	ऽ	य	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उड	रे	को	य	लि	या	ऽ
=				२				*०				३			

	ध्								म्		ध्	सां			
सां	रिं	नि	म	ऽ	ध्	म	म्	ग	ग	म	ध्	नि	सां	नि	रिं
क	व	न	दे	ऽ	स	मो	रे	पि	यु	को	मि	ल	ना	ऽ	ऽ

*(अंतरा)

					ग			ध्							
नि	ध्	म	नि	ध्	म	म्	ग	म	ध्	म	ध्	सां	ऽ	ऽ	सां
क	ब	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ	वे	झिं	ग	र	झिं	गा	ऽ	ऽ	र
			नि									सां	रिं	ध्	
सां	ऽ	सां	सां	सां	रिं	सां	ऽ	रिं	नि	ध्	ऽ	नि	नि	म	ध्
दा	ऽ	दु	र	बो	ऽ	ले	ऽ	मु	र	वा	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ
ध्					ग										
म	ध्	रिं	नि	ध	म	म्	ऽ	म्	म्	म्	म्	म्	ऽ	म्	ऽ
ब	न	ब	न	के	ऽ	ऽ	ऽ	अ	व	न	सु	नी	ऽ	पी	ऽ
								नि़				ध्			
ग	रि्	ग	म्	ग	रि्	सा	ऽ	सा	सा	ग	ग	म	ध्	सां	सां
त	म	म	न	रं	ग	की	म	म	ग	न	भ	ये	ऽ	स	ब
	ध्				ग								रि्		
रिं	नि	म	ध्	ध्	म	म्	ऽ	ग	रि्	ग	म्	ग	रि्	नि़	रि्
घ	र	के	ऽ	हि	य	रा	ऽ	पि	यु	यि	यु	र	ट	त	प

स्थायी.

पी ऽ ऽ य । रा ऽ ऽ ऽ । नि़रि् गम्, रि्ग मध्,। गम ध्नि, मध् निरिं,

ध्नि रिंगं, मंमं गंरिं । सांनि ध्म ध्म गम् । पियु पियु रटत प

पी ऽ ऽ य । रा ऽ ऽ ऽ । नि़रि् गारि् गम् गम् । ध्म ध्सां निरिं गंरिं

गंमं गंरिं सांनि सांनि । ध्नि ध्म ध्म गम् । पियु पियु रटत प

गम् मग मग रि्सा, । निनि ध्म ध्म म्ग । मग रि्सा, रिंरिं निध् । निनि ध्म ध्म म्ग ।

मग रि्सा, नि़रि् गम । ध्नि रिंनि ध्म गम् । पियु पियु रटत प

निृरि् गारि् गम गम । ध्म ध्सां ध्नि र्गिंनि । रि्गं रि्गं मंगं मंगं । रि्गं रि्नि रि्नि ध्नि

ध्म ध्म गम् गम।गरि् गरि् सा, गम् । पियु पियु रटत पपीयरा

अंतरा. "झिंगर झिंगार

सांनि ध्नि रिं, निध् । मध् नि, ध्म गम । ध्, मग रि्ग म, ।गरि् निृरि् गम ध्नि

रि्गं मंमं गंरिं सांनि । ध्म म्ग मध् सां । झिंगर झिंगार

मंगं रि्सां, गंरि् सांनि, । रिंनि ध्म, ध्म म्ग, । मग रि्सा, निृरि् रि्ग। गम मध् ध्नि निरिं

रि्गं गंमं गंरिं सांनि । धम म्ग मध् सां । झिंगर झिंगार

ऽ निरिं गंगं रि्नि, । ध्नि रिंरिं निध्, मध् । निनि ध्म, गम ध्ध् । मग, रि्ग मग रि्सा,

निृरि् गम् म्म म्ग । मध् सां, मध् सां । झिंगर झिंगार

मंमं गंमं मंगं रि्सां। रिंरिं सांरिं रिंसां निध्। ममगम मग रि्सा, ।निृग रि्म् गध् मनि

ध्सां निरिं निगं रिंमं । गंरि् सांनि ध्म ध्सां । झिंगर झिंगार, इ. इ.

बोलतानें. " पियु पियु रटत प "

निृरि् ऽग म् मम् पियु ऽपि यु रट	ग मध्सां निध् मम् त पऽपी ऽय राऽ	निरिं निध् मध् ऽध् उड रेको यलि ऽया	मध् ऽध् मऽ म्म् कब ऽन देऽ ऽस
गम् गरि् सा निृरि् मोरे पियु को मिल	म् गम् निध् मम् ना कब होऽ वेऽ	ग रि् ग म् पि यु पि यु	ग रि् निृ रि् र ट त प
निरिं निध् निध् मम् पिऽ युपि ऽयु रट	म्ऽ मम् ऽम् ग तऽ पपी ऽय रा	मऽ गरि् ऽसा सासा उऽ डरे ऽको यलि	म्ऽ म्म् ऽग मध् याऽ कब ऽन देस

सांनि ध्नि ध्म ध्नि | ध्म म्म म्ग रि्ग | ग रि् ग म् | ग रि् नि् रि्
मोऽ रेपि ऽयु कोमि | लऽ नक ऽब होवे | पि यु पि यु | र ट त प

ग म् ऽ म् | साग रि्म् गम म्ध् | मनि ध्सां निरिं निध् | निरिं ऽनि ध्नि ऽध्
पी ऽ ऽ य | पियु पियु रट तप | पीय राउ डरे कोय | लिया ऽक बन ऽदे

मध् ऽम म्म ऽम् | गम् ऽग मम् गम् | ग रि् ग म् | ग रि् नि् रि्
समो ऽरे पियु ऽको | मिल ऽन कब होवे | पि यु पि यु | र ट त प

सांनि ध्नि ध्म मम् | गऽ मग ऽरि् सा | साम् ऽम् म् म्म् | म्नि ऽनि ध्म म्ग
पियु ऽपि युऽ रट | तऽ पपि ऽय रा | उड ऽरे को यलि | याऽ ऽक वन देस

रिंनि ऽध् निध् ऽम | ध्म ऽम् मम् ऽग | ग रि् ग म् | ग रि् नि् रि्
मोरे ऽपि युको ऽमि | लना ऽक बहो ऽवे | पि यु पि यु | र ट त प

ग म् ऽ म् | म गम्म गम् ग | नि्रिंनि् रि्गरि् गम्ग गम्म |
पी ऽ ऽ य | रा ऽ ऽ ऽ | पिऽयु पिऽयु रटत पपिय |
= २ ०

म्ऽऽ, मध्म ध्निध् मम्ऽ || निरिंनि ध्निध् मध्म म्मम् |
राऽऽ, उडरे कोयलि याऽऽ || कवन देऽस मोऽरे पियुको |
३ =

गरि्ग मगरि् नि्रि्ग म्मम् | ग रि् ग म् | ग रि् नि् रि् ||
मिलना ऽकब होऽवे ऽ | पि यु पि यु | र ट त प ||
२ ० ३

नि्रि् नि्ग रि्ग रि्म् | गम् गध् मध् मनि | ध्सां निरिं गंरिं निध् | मम् सांनि ध्नि ध्म
पियु पियु रट तप | पिय राउ डरे कोय | लिया कव नदे ऽस | मोरे पिया कोमि लन
१ २ ३

मम् गम्, गरि् गम् | गरि् नि्रि् म्, गरि् | गम् गरि् नि्रि् म्, | गरि् गम् गरि् नि्रि्
कब होवे, पियु पियु | रट तप पी, पियु | पियु रट तप पी, | पियु पियु रट तप

ग म् ऽ म् | म्म गम् ग ऽ |
पी ऽ ऽ य | राऽ ऽ ऽ ऽ |

राग तोडी.

——×*×——

रागांग विस्तार.

सा सा नि॒
(१) ग॒ ऽ रि॒ ऽ सा ऽ; नि॒ सा रि॒ ,ध॒ ऽ, ,ध॒ ग॒ ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ;

नि॒ रि॒ ऽ, सा

सा ध॒
(२) सा ऽ, नि॒ सा ऽ, रि॒ ऽ नि॒ ,ध॒ ऽ; नि॒ ,ध॒ ऽ, म॒ ,ध॒ ऽ

नि॒ ग॒ ध॒ ग॒
नि॒ सा ऽ; ,ध॒ नि॒ सा रि॒ ग॒ ऽ; रि॒ ग॒ ऽ, म ग॒ ऽ, रि॒ ग॒ ऽ

रि॒ ऽ सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ, सा ऽ॥

नि॒ म ध॒ ध॒
(३) सा ध॒ ऽ प ऽ, ग॒ म ध॒ ऽ, म प ध॒ म ग॒ ऽ मरि॒ ग॒ ऽ;

सा ग॒ म ध॒ नि नि॒ सा सा
नि॒ रि ग॒ म ध॒ ऽ ,ध॒ ऽ, ग॒ ऽ, रि॒ ऽ सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ,

सा ऽ ॥

सा ग॒ म ध॒ नि सां सां
(४) नि॒ रि॒ ग॒ म ध॒ नि सां ऽ; नि ऽ, रिं॒ नि ऽ, ध॒ ऽ, प ऽ;

ध॒ ध॒ म ग॒
म प ध॒ ऽ, म ग॒ ऽ; नि ध॒ म ग॒ ऽ, मरि॒ ग॒ ऽ; रि॒ ग॒

सा नि॒ सा
रि॒ सा ऽ; नि॒ सा रि॒ ,ध॒ ऽ, ग॒ ऽ, रि॒ ऽ, सा ऽ; नि॒ रि॒ ऽ,

सा ऽ ॥

धृ धृ नि गं

(५) म ग् ऽ, म धृ सां ऽ सां ऽ, सां रिं सां ऽ; धृ नि सां रिं

सां

गं ऽ; मं गं ऽ, रिं गं ऽ, रिं ऽ सां ऽ; नि सां रिं धृ ऽ,

म प म नि

प गृम धृ ऽ; नि धृ प ऽ, धृ ग् ऽ, मरि् ग् ऽ; धृ नि

ग् सा

सा रि् ग् ऽ; रि् ग् ऽ, रि् ऽ, सा ऽ; नि ऽ, सा रि् ग् ऽ॥

स्वरविस्तार.

(१) सारि् सा ऽ; सारि् गृरि् सा ऽ; सारि् गृम गृरि् सा ऽ; सारि् गृम पम गृरि् सा ऽ; सारि् गृम पधृ पम गृरि् सा ऽ; सारि् गृम पधृ निधृ पम गृरि सा ऽ; सारि् गृम पधृ निसां निधृ पम गृरि् सा ऽ; इ. इ.

(२) सारि् गृम धृनि सांनि धृप मग् रि्सा नि़सा ऽ; सारि् गृम धृनि सांरिं सांनि धृप मग् रि्सा ऽ; सारि् गृम धृनि सांरिं गृंगृं रिंसां निधृ पम गृरि् सा ऽ; सारि् गृम धृनि सांरिं गृंमं मंगं रिंसां निधृ पम गृरि् सा ऽ॥

(३) नि़रि् गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम मग् रि्सा ऽ; नि़रि् गृम पम गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम पधृ पम गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम धृनि निधृ पम गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम धृनि सांनि धृप मग् रि्सा नि़सा ऽ; नि़रि् गृम धृनि सांरिं सांनि धृप मग् रि्सा ऽ; नि़रि् गृम धृनि सांगं गृंरिं सांनि धृप मग् रि्सा ऽ; नि़रि् गृम धृनि रिंगं मंमं गृंरिं सांनि धृप मग् रि्सा ऽ॥

नोट—पंचम स्वर वर्ज्य करनेसे **गुर्जरी तोडी** राग होगा. यथाः—

नि़रि् सा ऽ; नि़रि् गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम धृम गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम धृनि धृम गृरि् सा ऽ; नि़रि् गृम धृनि सां निनि धृम गृरि् सा, इ. इ.

तोडी – त्रिताल.

धन धन मूरत कृष्ण मुरारी,
सुलच्छन गिरधारी छब सुंदर लागे अत प्यारी.–धन
बाँसीधर मन मोहन सुहावे, बलबल जाऊं मोरे मन भावे,
सबरंग ग्यान बिचारी.–धन

| रि् ग् रि् रि् | ग्रि् ऽ सा सा
| ध न ध न | मूऽ ऽ र त
० ३

सा
नि् ऽ सा रि् | सारि् ग् ग् ऽ | म ग् रि् रि् | ग्रि् ऽ सा सा
कृ ऽ ष्ण मु | राऽ ऽ री ऽ | ध न ध न | मूऽ ऽ र त
= २ *० ३

नि् ध् ध्
ध् नि् सा रि् | ग् ऽ ग् ऽ | म प ऽ ध् | म म ग् ग्
कृ ऽ ष्ण मु | रा ऽ री ऽ | सु ल ऽ च्छ | ऽ न गि र

ग् ध्
रि् ऽ रि् ग् | रि् रि् सा ऽ | रि् रि् ग् म | प ऽ ध् ध्
धा ऽ री ऽ | छ ब सूं ऽ | द र ला ऽ | गे ऽ अ त

*(अंतरा)

ध् ध्
निनि ध्नि सांरिं् सांनि | ध्प मग् रिग् रिसा | म ऽ ग् ऽ | म म ध् ध्
प्याऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ रीऽ ऽ | बाँ ऽ सी ऽ | ध र म न

सां रिं्
नि नि सां सां | रिं् ऽ सां ऽ | रिं् रिं् गं् रिं् | गं् रिं् सां ऽ
मो ह न सु | हा ऽ वे ऽ | ब ल ब ल | जा ऽ ऊं ऽ

सां रिं् ध् नि
नि नि सां रिं् | नि ऽ ध् ऽ | म ध् नि सां | ध् नि ध् प
मो रे म न | भा ऽ वे ऽ | स ब रं ग | ग्या ऽ न बि

मध् निसां रिंगं् गंरिं् | सांनि ध्प मग् रिग् | म ग् रि् रि् | ग्रि् ऽ सा सा
चाऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ रीऽ ऽ | ध न ध न | मूऽ ऽ र त

स्थायी.

नि़सा ग्म ध्नि सांनि । ध्प मग् रि्सा नि़सा । धन धन मूरत

नि़सा ग्म ध्नि सांरिं् । सांनि ध्प मग् रि्सा । धन धन मूरत

ग्म ध्नि सांरिं् गंरिं् । सांनि ध्प मग् रि्सा । ध न ध न । मू ऽ, ग्म ध्नि

सांरिं् गंमं पंमं गंरिं् । सांनि ध्प मग् रि्सा । धन धन मूरत

नि़
ध़् नि़ सा रि् | ग् ऽ ग् ऽ | सारि् ग् रि्ग् मग्, | रि्ग् मप ध्प मग्,
कृ ऽ ष्ण मु | रा ऽ री ऽ | आऽ ऽ, आऽ ऽ, | आऽ ऽ ऽ ऽ,

रि्ग् मप ध्नि सांनि । ध्प मग्, रि्ग् मप । ध्नि सांरिं् गंरिं् सांनि ।ध्प मग्, रि्ग् मप

ध्नि सांरिं् गंमं गंरिं् । सांनि ध्प मग् रि्सा । धन धन मूरत

सारि् सासा, रि्ग् रि्रि्, । गम ग्ग्, मध् मम, । ध्नि ध्ध्, निसां निनि, । सांरिं् सांसां, रिंगं रिंरिं्

सांसां निनि ध्ध् पप । मम ग्ग् रि्रि् सासा । धन धन मूरत

सारि् ग्ग् रि्सा, रि्ग्।मम ग्रि्, गम ध्ध्।मग्, मध् निनि ध्म,।ध्नि सांसां निध्, निसां

रिंरिं् सांनि, सांरिं् गंगं् । रिंसां निध् पम ग्रि् । धन....मुरारी

अंतरा. "बौंसीधर मन"

मो ह न सु । हा ऽ वे ऽ । सांरिं् गंगं् रिंसां निध् । पम ग्म ध्नि सांरिं्

सांनि ध्प मग् रि्सा, । नि़सा ग्म ध्नि सां । बौंसीधर मन

मो ह न सु । हा ऽ वे ऽ । गंगं् रिंसां, रिंरिं् निध्, । निनि ध्म, ध्ध् मग्,

मम ग्रि्, ग्ग् रि्सा, । सारि् ग्म ध्नि सां । बौंसीधर मन

मो ह न सु । हा ऽ वे ऽ । गंगं रिंगं रिंसां, रिंरिं । निरिं निध्, निनि ध्नि

ध्म,ध्ध् मध् मग्,।मम ग्म ग्रि, ग्ग् । रिग् रिसा, साग् रिम । ग्ध् मनि ध्सां निरिं

सांगं रिंमं गंरिं सांनि । ध्प मग् रिसा निसा । बौंसीधर मन

ध्नि सांध् निसां ध्नि।सांनि ध्प मग् रिसा,।मग् रिग्,ध्म ग्म,।निध् मध्,सांनि ध्नि

रिंसां निसां, गंरिं सांरिं,। मंमं गंरिं सांनि ध्प । मग् मध् **सां**, मग् । मध् **सां**, मग् मध्

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । बौंसीधर मन, इ.

तोडी–त्रिताल.

बर सरस्वती से मांगत हूं विद्या अधिक सरस निरतन कीजें,
सब जगत के गुनिजन को दीजे.–बर
सांचे सुर और राग सेहत
बकस दीजे देवि दया दयानी अपने कर.–बर

								सा	रि	ग्	ग्	रि	सा	ऽ	रि
								ब	र	स	र	स्व	ती	ऽ	से
								०				३			
								(ध्)				(ध्)			
सा	ऽ	ऽ	ऽ	रि	रि	ग्	ऽ	म	ऽ	ध्	ऽ	म	ध्	नि	ध्
मां	ऽ	ऽ	ऽ	ग	त	हूं	ऽ	वि	ऽ	द्या	ऽ	अ	धि	क	स
=				२				०				३			
									(सा)						
प	प	म	ध्	म	ग्	रि	ग्	रि	सा	नि	सा	ग्	म	प	ध्
र	स	नि	र	त	न	की	ऽ	जे	ऽ	स	ब	ज	ग	त	के
म	ग्	म	प	ध्	म	ऽ	ग्	रि	रि	ग्	ग्	रि	सा	ऽ	रि
गु	नि	ज	न	को	दी	ऽ	जे	ब	र	स	र	स्व	ती	ऽ	से

ध् (अंतरा)

		नि	
म ऽ ध् सां	सां सां सां सां	ध् नि सांरिं गुं	रिं रिं सां ऽ
सां ऽ चे ऽ	सु र औ र	रा ऽ गऽ से	ह त है ऽ
ध् म ग् रि्	ग् रि् सा रिं	ऽ गुं ऽ रिं	गुं ऽ मं गुं
ब क स र्दा	ऽ जे ऽ दे	ऽ वि ऽ द	या ऽ द या
ऽ सां ऽ ध् (नि)	नि ध रि् रि्	सा रि् ग् ग्	रि् सा ऽ रि्
ऽ नी ऽ अ	प न क र	ब र स र	स्व ती ऽ से

बोलतानें.

नि़ रि् ग् रि्	ग् म ग् म	प ध् नि ध्	ऽ प म प
ब र स र	स ती से मां	ग त हूं वि	ऽ द्या अ धि
ऽ ध् म ग्	म ग् रि् ग्	रि् सा ऽ सा	नि़ रि् ऽ नि़
ऽ क स र	स नि र त	न की ऽ जे	स ब ऽ ज
रि् ग् ऽ रि्	ग् म ऽ ग्	म प ऽ ध्	ऽ प, म ध्
ग त ऽ के	गु नि ऽ ज	न को ऽ दी	ऽ जे, ब र
ऽ रि् नि ध्	प म ग् रि्	सा रि् ग् ग्	रि् सा ऽ रि्
ऽ स र स्व	ती ऽ ऽ से	ब र स र	स्व ती ऽ से
निध् ऽनि धप मप	धम ऽध् मग् रिग्	रिग् ऽम रिग् रिसा	रिसा ऽनि़ धनि़ सारि्
बर ऽस रस तीसे	मांग ऽन हूंवि ऽद्या	अधि ऽक सर सनि	रत ऽन कीजे सब
ग्रि् ऽसा ध्ऽ मग्	निध् ऽप मग् रिग्	रि् रि् ग् ग्	रि् सा ऽ रि्
जग ऽत केऽ गुनि	जन ऽको दीऽ जेऽ	ब र स र	स्व ती ऽ से
सा ऽ ऽ ऽ	रि् रि् ग् ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	नि़रि् नि़रि् गरि् गम
मां ऽ ऽ ऽ	ग त हूं ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	बऽ रस ऽर सऽ

ग॒म पम पध॒ पध॒	निध॒ निरि॒ निध॒ निध॒	पऽ ध॒म ऽग॒ रि॒ग॒	मग॒ ऽरि॒ ऽग॒ रि॒सा
तीसे ऽ मांऽ गत	ऽहूं बिऽ द्याअ धिक	सऽ रस ऽनि रऽ	तन ऽकी ऽजे सब

सांऽ निध॒ ऽप मऽ	ग॒रि॒ ऽग॒ रि॒ग॒ रि॒सा	**रि॒ रि॒ ग॒ ग॒**	**रि॒ सा ऽ सा**
जऽ गत ऽके गुऽ	निज ऽन कोदी ऽजे	ब र स र	स्व ती ऽ से

नि॒ ध॒ ऽ ऽ	नि॒रि॒ नि॒ग॒ रि॒ग॒ रि॒म	ग॒म ग॒प मप मध॒	मध॒ मनि ध॒नि ध॒रिं॒
मां ऽ ऽ ऽ	बर सर सती सेमां	गत ऽहूं विद्या ऽअ	धिक सर सनि रत

सांनि ऽध॒ पम ग॒रि॒	ध॒प मग॒ मग॒रि॒ ग॒रि॒सा	**सा रि॒ ग॒ ग॒**	**रि॒ सा ऽ सा**
नकी ऽजे सब जग	तके गुनि जनको दीऽजे	ब र स र	स्व ती ऽ से

रिं॒गं॒ रिं॒रिं॒ गं॒रिं॒ सांनि	ध॒नि ध॒ध॒ निध॒ पम	रि॒ग॒ रि॒रि॒ ग॒रि॒ सानि॒	ध॒ऽ नि॒रि॒ ग॒म पध॒
बऽ रस ऽर सती	सेऽ ऽमां ऽग तहूं	विऽ द्याअ धिक सर	सऽ निर तन कीजे

मग॒ ऽरि॒ ग॒रि॒ सानि॒	निध॒ ऽप मग॒ रि॒सा	सा रि॒ ग॒ ग॒	**रि॒ सा ऽ रि॒**
सब ऽज गत केऽ	गुनि ऽज नको दीजे	ब र स र	स ती ऽ से

सा ऽ ऽ ऽ	नि॒रि॒ग॒ ग॒रि॒सा मपध॒ ध॒मग॒
मां ऽ ऽ ऽ	बऽर सऽर सतीऽ सेऽऽ
=	२

मध॒नि निध॒प नि॒रिं॒गं॒ गं॒रिं॒सां	रिं॒सांनि सांनिध॒ निध॒प ध॒पम ‖
मांऽऽ गतहूं विऽद्या अधिक	सरस निऽर तऽन कीऽजे ‖
०	३

१

पमग॒ मग॒रि॒ ग॒रि॒सा रि॒सानि॒	सारि॒ग॒ मपध॒ मगरि॒, सारि॒ग॒
सऽब जऽग तऽके गुनिऽ	जनको दीऽऽ जेऽऽ, बरस
=	२

२ ३

ग॒रि॒सा ऽऽरि॒, सारि॒ग॒ ग॒रि॒सा	ऽऽरि॒, सारि॒ग॒ ग॒रि॒सा ऽऽरि॒ ‖	**सा**
रसती ऽऽसे, बरस रसती	ऽऽसे, बरस सरती ऽऽसे ‖	मां
	३	=

राग मुलतानी.

रागांग विस्तार.

(१) सा नि॒ ऽ सा ऽ, म ग॒ ऽ; मप ध॒प म ग॒ ऽ; म प ग॒ ऽ, रि॒ सा ऽ; सा नि॒ ऽ, सा ग॒ रि॒ सा ऽ ॥

(२) सा नि॒ सा नि॒ सा ऽ; ग॒ रि॒ सा ऽ, नि॒ ध॒ प ऽ; म प नि॒ ऽ, प नि॒ सा ऽ; म ग॒ ऽ; ध॒ प म ग॒ ऽ; म प ग॒ ऽ, रि॒ सा ऽ; सा नि॒ ऽ, सा ग॒ रि॒ सा ऽ ॥

(३) नि॒सा मग॒ प ऽ, मग॒ प ऽ; ध॒प मग॒ प ऽ; निनि ध॒प मग॒ प ऽ; सांरिं॒ सांनि ध॒प मग॒ प ऽ; ध॒प मग॒ ऽ; म प ग॒ ऽ, रि॒ सा ऽ; सा नि॒ ऽ, सा ग॒ रि॒ सा ऽ ॥

(५) (प) म ग॒ म प नि ऽ सां नि सां ऽ; सां नि ऽ, सां गं॒ रिं॒ सां ऽ; नि सां नि ध॒ प ऽ; सां ऽ, नि ध॒ प ऽ म ग॒ ऽ; ध॒ प म ग॒ ऽ; म प म ग॒ ऽ, रि॒ सा ऽ; सा नि॒ ऽ, सा ग॒ रि॒ सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) नि॒सा ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म पम ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म पध॒ पम ग॒रि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म पनि ध॒प मग॒ रि॒सा ऽ; नि॒सा ग॒म पनि सांनि ध॒प मग॒ रि॒सा नि॒सा ऽ; नि॒सा ग॒म पनि सांरिं॒ सांनि ध॒प मग॒ रि॒सा ऽ; ग॒म पनि सांगं॒ रिं॒सां निध॒ पम ग॒रि॒ सा (अथवा) ग॒म पनि सांगं॒ गं॒रिं॒ सांनि ध॒प मग॒ रि॒सा ऽ; नि॒सा ग॒म पनि सां निसां मंगं॒ रिं॒सां निध॒ पम ग॒रि॒ सानि॒ सा ऽ; नि॒सा ग॒म पनि सां गं॒मं पंपं मंगं॒ रिं॒सां निध॒ पम ग॒रि॒ सा ऽ ॥

(२) ऩिसा मग् रि्सा ऽ; ऩिसा मग् पम ग्रि् सा ऽ; ऩिसा मग् पम ध्प मग् रि्सा ऽ; ऩिसा मग् पम ध्प सांनि ध्प मग् रि्सा ऽ; ऩिसा मग् पम ध्प सांनि रिंसां गंरिं सांनि ध्प मग् रि्सा ऩिसा ऽ; ऩिसा मग् पम ध्प सांनि रिंसां मंगं् पंमं गंरिं सांनि ध्प मग् रि्सा ऩिसा ऽ ॥

मुलतानी – त्रिताल.

सुंदर सुरजनुवा सांई, सांई रे मन भाई.
निसदिन तुमरो ध्यान धरत हूं, आन मिले रब सांई.

			सा
		: मग् पग् रि् सा	ऩि सा ग् म
		सुंऽ ऽ द र	सु र ज नु
		०	३
			प
प ऽ ध् प	निध् पग् मग् रि्सा :	प ऽ प ऽ	ध् प ग् म
वा ऽ सां ऽ	ईऽ ऽ ऽ ऽ	सां ऽ ई ऽ	रे ऽ म न
=	२	* ०	३
		*(अंतरा)	म प
ग्म पनि सांरिं सांनि	सांनि ध्प मग् रि्सा	प म प प	प ग् म प
भाऽ ऽ ईऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	नि स दि न	तु म रो ऽ
		सां	
नि ऽ सां नि	सां सां सां ऽ	नि ऽ सां गं्	रिं ऽ सां सां
ध्या ऽ न ध	र त हूं ऽ	आ ऽ न मि	ले ऽ र ब
			सा
निध् पनि सांगं् रिंसां	निध् पम ग्रि् ऩिसा	मग् पग् रि् सा	ऩि सा ग् म
सांऽ ऽ ईऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सुंऽ ऽ द र	सु र ज नु

स्थायी.

वा ऽ, ऩिसा मग् । रि्सा, ऩिसा मग् पम । ग्रि् सा, ऩिसा मग् । पम ध्प मग् रि्सा,

ऩिसा मग् पम ध्प । सांनि ध्प मग् रि्सा । सुंदर सुरजनु

वा ऽ सां ऽ । ई ऽ ऽ ऽ । निसा मग् पम धूप । सांनि रिंसां गूंरिं मंगूं

रिंसां रिंनि सांनि धूप । मग् मग् रिसा निसा । सुंदर सुरजनु

वा ऽ, पम गूरि । सा, निनि धूप मग् । रिसा, रिंरिं सांनि धूप । मग् रिसा, गूंगूं रिंसां

निनि धूप मग् रिसा,। निसा गूम पनि सांरिं ।सांनि धूप मग् पम |गूरि् सासा निसा मग्
|सुंऽ दर सुर जनु

वा ऽ, मम गूम । मग् मम गूरि् सा, । निनि पनि निप निनि । धूप मग् रिसा निसा,

रिंरिं सांरिं रिंसां रिंरिं ।सांनि धूप मग् रिसा।निसा गूम पनि सांगूं ।मंमं गूंरिं सांनि धूप

मप सांनि धूप, मप । निनि धूप मग् रिसा । सुंन्दर सुरजनु

वा ऽ सां ऽ । ई ऽ ऽ ऽ । निसा गूम पनि **सां** । गूंमं पंपं पंपं पंपं

मंगूं रिंसां निधू पम, । गूम पनि सांगूं गूंगूं । गूंगूं गूंगूं रिंसां निधू । पम, गूम पनि निनि

निनि निधू पम, गूम । पप पप मग् रिसा । सुंदर सुरजनुवा सांई

अंतरा. " निसदिन तुमरो "

ध्या ऽ न ध । र त हूं ऽ । पनि पनि **सां**, मप । मप **नि**, गूम गूम

प,साग् साग् **म**,। निसा गूसा,मग् पम,। निप सांनि,रिंसां गूंरिं।मंगूं पंमं गूंरिं सांनि

धूप मग् रिसा निसा, । गूम पनि **सां** ऽ । निसदिन तुमरो

ध्या ऽ न ध । र त हूं ऽ । सांनि ऽसां पनि **सां** । निप ऽनि मप **नि**

पम ऽप गूम **प** । मग् ऽम साग् **म**, । सासा साग् गूग् मम ।मप पप निनि निसां

सांसां, निनि धूप मग् । रिसा, गूम पनि **सां** । निसदिन तुमरो

पनि सांप निसां पनि। सांरिं सांनि धूप मग्। रि़सा नि़सा, मग् पम। धूप सांनि रिंसां गूंरिं

मंगं पंमं गूंरिं सांनि । धूप मग् मप **सां** । निसदिन तुमरो

ध्या ऽ, गूम पनि । ऽ, धूप मप **नि,** । नि़सा मग् मप **नि,**। **सां नि,** सांगं रिंसां

नि, निसां गूंमं पंगं । रिंसां **नि,** मप **सां** । नि, नि़ साग् मप । **नि** ऽ **सां** ऽ,

गूम पग् रि़सा नि़सा, । गूम पनि **सां** ऽ । निसदिन तुमरो

ध्या ऽ न ध । र त हूं ऽ । नि़सा गूम पनि सांगं । मंगं रिंसां, निसां गूंमं

पंगं ऽमं गूंरिं सांरिं । निसां पनि मप गूम, । नि़सा गूम, गूम पनि, । मप निसा, पनि सांरिं

निसां गूंमं पंमं गूंरिं । सांनि धूप मग् रि़सा, । गूम पनि **सां,** गूम । पनि **सां,** गूम पनि

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । सुंऽ ऽ द र । सु र ज नु

बोलतानें.

सा म ग् प	म ध् प नि	प सां नि रिं	सां नि ध् प
सुं द र सु	र ज नु वा	सां ई ऽ सां	ई रे म न
म ग् ऽ प	म ग् रि़ सा	मग् पग् रि़ सा	नि़ सा ग् म
भा ई ऽ म	न भा ऽ ई	सुंऽ ऽ द र	सु र ज नु
प ऽध् पम गूम	पसां ऽनि ऽध् ऽप	गूंरिं ऽसां निध् पम	गूम गूसा नि़सा गूम
सुं ऽद रऽ सुर	जनु ऽवा ऽसां ऽई	सांई ऽरे मन भाई	ऽसुं दर सुर जनु
प ऽ ध् प	निध् पग् मग् रि़सा	मग् पग् रि़ सा	गूम ऽग् मप ऽम
वा ऽ सां ऽ	ईऽ ऽ ऽ ऽ	सुंऽ ऽ द र	सुंऽ ऽ दऽ ऽ

पध् ऽप निसां ऽनि | सांरिं ऽसां ऽनि ध्प | गंरिं सांनि ध्प मप | मग् ऽनि साग् ऽम
रऽ ऽ सुर ऽ | जनु ऽवा ऽसां ऽई | सांई रेम नभा ईसुं | दर ऽसु रज ऽन

प ऽ ध् प | निध् पग् मग् रिमा | ऽसां ऽनि ध्प मप | ऽम ऽग् ऽरि सासा
वा ऽ सां ऽ | ईऽ ऽ ऽ ऽ | ऽसुं ऽद ऽर सुर | ऽज ऽनु ऽवा सांई

१ २ ३
ऽध् पध् मप ग्म | ऽम ग्सा निसा ग्म | ऽम ग्सा निसा ग्म | ऽम ग्सा निसा ग्म
ऽसां ईरे मन भाई | ऽसुं दर सुर जनु | ऽसुं दर सुर जनु | ऽसुं दर सुर जनु

प ऽ ध् प | साम ग्म पम ग्म | पसां ऽनि ऽध् पम | पगं ऽरिं सांनि ध्प
बा ऽ सां ऽ | सुंऽ ऽद ऽर सुर | जऽ ऽनु ऽवा सांई | सांई ऽरे मन भाई

१ २ ३
ऽप मग् निसा ग्म | प ऽ, ऽप मग् | निसा ग्म प ऽ, | ऽप मग् निसा ग्म
ऽसुं दर सुर जनु | वा ऽ, ऽसुं दर | सुर जनु वा ऽ, | ऽसुं दर सुर जनु

प ऽ ध् प | निध् पग् मग् रिसा | मग् पग् रि सा |
वा ऽ सां ऽ | ईऽ ऽ ऽ ऽ | सुंऽ ऽ द र |

सानिसा मग्म पमप मग्म ‖ पनिसां निसांगं रिंसांनि ध्पम |
सुंऽद रऽसु रऽज नुऽवा ‖ सांऽई सांऽई रेमन भाऽई |
३ =

१ २
पमग् रिसाऽ निसाऽ मग्म | पमग् रिसाऽ निसाऽ मग्म |
ऽसुंऽ दरऽ सुरऽ जनुऽ | वासुंऽ दरऽ सुरऽ जनुऽ |
२ ०

३
पमग् रिसाऽ निसाऽ मग्म ‖ प ऽ ऽ ऽ |
वासुंऽ दरऽ सुरऽ जनुऽ ‖ वा ऽ ऽ ऽ |
३ =

मुलतानी—एकताल.

गोविंद सो प्रीत कीनी तबही मन अटकी.
अबतो बात फैल गई जैसी ब्रिज भटकी.

			म			
।: मध मप	म ग्	ग्म प	ग् म	ग् रि्नि्	सा सा :।
गोऽ ऽ	विं द	सोऽ ऽ	प्री ऽ	त कीऽ	ऽ नि
=	०	२	०	३	४ *

प प	प ऽ	प नि	ध् प	ग्ऽमप निसांरिं्ऽ	निऽसांनि ध्पमप
त ब	ही ऽ	म न	अ ट	कीऽऽऽ ऽ	ऽ ऽ

*(अंतरा)

।: प प	ध्प म	ग् म	प नि	सां रिं्	सां ऽ :।
अ ब	तोऽ बा	ऽ त	फै ऽ	ल ग	ई ऽ

सां

नि ऽ	सां गं्	रिं् नि	ध् प	ग्ऽमप निसांरिं्ऽ	निऽसांनि ध्पमप
जै ऽ	सी ऽ	ब्रि ज	भ ट	कीऽऽऽ ऽ	ऽ ऽ

स्थायी. "गोविंद सो प्रीत कीनी"

पम ग्रि् । **सा,** निनि । ध्प मग् । रि्सा, रिं्रिं् । सांनि ध्प । म्ग् रि्सा,

ग्ं्ग्ं रिं्सां । निध् पम । ग्रि् **सा,** । नि्सा ग्म । पनि सांनि । ध्प मप
गोविंद....कीनी

नि्सा मग् । पम ध्प । मग् रि्सा, । नि्सा मग् । पम ध्प । सांनि ध्प

मग् रि्सा, । नि्सा मग् । पम ध्प । सांनि रिं्सां । गं्रिं् सांनि । ध्प मप
गोविंद....कीनी

निनि ध्प । ध्ध् पम । ग्म पग् । मप ग्म । ग्रि् **सा,** । नि्सा ग्म

गम पनि । सांनि ध्प । मप निसां । गंमं पंमं । गंरिं् सांनि । ध्प मप
गोविंद....कीनी

मम ग्म ।मग् मम । ग्रि् **सा,** । निनि पनि।निप निनि । ध्प मग्

रि्सा नि्सा, । मंमं गं्मं । मंग् मंमं ।गं्रिं् सांनि । ध्प मग् । रि्सा नि्सा,

गृम पम।पनि पनि।सांनि सांगं । सांगं मंमं । गृंरिं सांनि । धृप मप ।
गोविंद....कीनी

अंतरा " अबतो बात फैल गई "

पनि सांप।निसां पनि । सांरिं सांनि । धृप मग् । रि़सा नि़सा, । मग् पम
धृप सांनि । रिं़सां गृंरिं । मंगं पमं । गृंरिं सांनि । धृप मग् । मप सां
अबतो....गई

सांगं ऽरिं । सांनि सांनि । धृप ऽप । धृप मग् । ऽग् मग् । रि़सा ऽसा
साग् मप । ऽप, गृम । पनि ऽनि, । पनि सांगं । ऽगं मंगं । रिं़सां निसां
अबतो....गई

सांनि धृप । मग् रि़सा, । नि़सा साग् । गृम मप । पनि निसां । सांगं गृंमं
गृंरिं सांनि । धृप मप । निनि सांगं । रिं़सां निध् । पम गृम । पनि सां
अबतो....गई

मंगं रिं़सां । निसां गृंमं । पंगं ऽमं । गृंरिं सांरिं । निसां पनि । मप गृम,
नि़सा गृम । गृम पनि । मप निसां । पनि सांरिं । निसां गृंमं । पंमं गृंरिं
सांनि धृप । मग् रि़सा, । नि़सा गृम । १ प, नि़सा । २ गृम प, । ३ नि़सा गृम
अबतो बात, ई. ई.

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तक मालिका
तृतीय भाग समाप्त.

Research Work
ON
INDIAN MUSIC.

(भरतमुनि, सार्ङ्गदेव प्रभृति प्राचीन महर्षियों के मत प्रमाण)

भारतीय श्रुति-स्वर-राग शास्त्र.

इस ग्रन्थ म प्राचीन शुद्ध स्वरों से अर्वाचीन स्वरों का मिलान, प्राचीन
शास्त्रकारों की **सारणा-चतुष्टयी** से प्रचलित वीणे के स्वरों का
मिलान, संगीत रत्नाकर के **"साधारण-प्रकरण"** में
लिखे हुए श्रुति साधारण, स्वर साधारण, ग्राम साधारण
इत्यादि विषयों के परमगौप्य मर्म, प्राचीन मूर्छनाओं
में से आधुनिक थाटों की उत्पत्ति, वह थाटों में
सम्भवते हुए १७० आधुनिक रागों के स्वरों के
श्रुत्यंतर, कम्पनसंख्या, वादी-संवादी स्वर
इत्यादि के पूर्ण विवरण, और श्रुति, स्वर,
ग्राम, मूर्छना, रागादि के सम्बन्ध में
बहुतसे संगीतोपयोगी विषयों का
विस्तारपूर्वक हाल लिखा हैं.

मूल्य ३ रु.

मुद्रक—शंकर नरहर जोशी, मॅनेजर, चित्रशाळा प्रेस, १०२६ सदाशीव पेठ, पूना नं. २
प्रकाशक—पंडित फिरोझ फ्रामजी, ३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पूना.

Text Book on the Practical Study of Indian Music.

(Compiled specially for the use of High Schools & Colleges.)

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका

अर्थात्

तानालापसह गाने बजाने को सहलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रमिक पुस्तक.

भाग ४ था.

इस चतुर्थ भाग में २० प्रचलित आलापयोग्य रागों के २२ चुनीदा हिंदी पदें उन के रागांगविस्तार, स्वरविस्तार, तान और बोलतानों के साथ बहुत गमकदार नोटेशन में दिया है.

लेखक और प्रकाशकः

पंडित फिरोझ फ्रामजी (संगीतशास्त्री).

Research Scholar & Author of 30 Books on Indian Music.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १॥ रुपया.

OPINION

of His Highness SHRI VIJAYADEVJI,
Maharana Saheb of Dharampur,
President, Maharashtra Sangeet Samitee.

Mr. Firoze Framjee has been for years busy examining the tradition and technique of Hindustani Music. He has published several books and articles on Hindustani Music. He has recently published a book entitled 'Bharatiya Shruti-Swara-Raga Shastra'. He has classified 170 Ragas in this volume according to the 'Murchana' system. It is true that he has thus attempted to simplify an important problem of 'Murchana.' He has devoted many years of study and research to prepare himself for the work of which the present volume is the result.

It is indisputable that the problems of the 'Shrutis' in Hindustani Music do require intense study and research. Students and exponents of music would, therefore, feel greatly indebted to Mr. Firoze Framjee for having in some measures smoothed their path. The present volume ought to be read and studied by them. It will be to their advantage.

By order,

Sd/- **B. J. MODY,**

Personal Assistant to

Maharana Saheb of Dharampur State.

12th March 1936.

चतुर्थ पुस्तक के पदों की सूची.

[इति सूचीपत्र समाप्त]

शुद्धिपत्र.

पृष्ठ.	विषय.	लाईन.	अशुद्ध	शुद्ध.
३०१	बोलतानें	१८	सुऽ	ऽसु
३०४	अंतरा	२	। स न ऽ ऽ	। त न ऽ ऽ
३०४	”	६	। रो ऽ ऽ ऽ ।	। री ऽ ऽ ऽ ।
३०४	”	८	मो ऽ ऽ रि ।	भो ऽ ऽ रि ।
३०८	”	९	च प	पं च
३१०	”	११	सा	सां
३२७	स्थायी	४	नि़रिं	नि़रि
३३२	अंतरा	४	ल ब ।	ब ल ।
३३६	”	६	ग्म् रिसां, ।	ग्म् रिसा, ।
३४३	स्थायी	७	। ग्मं सांरिं ।	। ग्मं् सांरिं ।
३६६	नोटेशन	७	मरिसासा, ।	म्रिसासा, ।
३६८	”	९	ग्ऽऽऽम् आऽऽवे	ग्ऽऽम् आऽऽवे
३७०	रागांगविस्तार	(३)	म् नि	म् नि्
३७४	बोलतानें	१८	घेऽा	ऽघो
३७५	रागांगविस्तार	(२)	नि ध् प	नि् ध् प

[इति शुद्धिपत्र समाप्त.]

सशास्त्र

हिंदुस्तानी गायकी

क्रमिक पुस्तक मालिका.

(चतुर्थ पुस्तक)

राग–शुद्ध कल्याण.

——××——

रागांग विस्तार.

(१) ग ऽ, रि ऽ, सा ऽ; नि़ ध़, नि़ ध़, प़ ऽ; सा ऽ, ग रि ऽ;
ग प ग रि ऽ; प रि ऽ, सा ऽ॥

(२) प़ प़ ध़ प़, सा ऽ; रि सा ऽ; ग रि सा ऽ; ग प ग रि
सा ऽ; ध प ग प ऽ, रि ऽ सा ऽ॥

(३) सा नि़ ध़ प़ ऽ नि़ ध़ प़ ऽ; ग ऽ, ग रि ऽ; प ग ऽ ध प
ग रि ऽ; सां ऽ, नि ध प ऽ, ध प ग रि ऽ; सारि गप
रि ऽ; प रि ऽ; सा रि सा ऽ॥

(४) प ग, प सांध सां ऽ सां ऽ, सां रिं सां ऽ; सां रिं गं रिं
सां ऽ; प ध रिं सां ऽ निंध नि, ध प ऽ; ग प रि ऽ;
निनि धध पम गरि ऽ; प रि ऽ, सा ऽ; सा रि सा ऽ॥

स्वरविस्तार.

सारि गरि सा ऽ; गप गरि परि ऽसा ऽ; सारि गप धप गरि परि ऽसा ऽ; सारि गप सांध सांसां धप गरि परि ऽसा ऽ; सारि गप धप सांरिं सांनि धप मग रिसा ऽ; रिग पध सांरिं गंरिं सांनि धप गप गरि परि ऽसा, सानि़ ध़प़ ग गरि सारि गप रि सा ऽ ॥

शुद्ध कल्याण–त्रिताल.

बाजो रे बाजो मंदलरा, सुघर सुघर नर नारि मिलकर ही,
आनौंद रहस रस गावे हुं मंगलरा.–बाजो
एक सम धन संग चौक पुरावो,
एक सम धन गर डारो हि हरवा,
एक सम हस घिस लावो संदलरा.–बाजो

।: ग	रि	गप	ध	प
बा	ऽ	जोऽ	ऽ	रे
	३			

ग				ध़									ध़			
रि	ऽ	सा	ऽ	सा	ध़	सा	सा	ग	रि	सा :।	ऽ		सा	ध़	सा	ग
बा	ऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	ऽ	मं	द	ल	रा	ऽ		सु	घ	र	सु
=				२				०				*	३			

=				प				ग							
ग	ग	ग	ग	ग	ग	ग	रि	प	ग	प	ऽ	सां	ध	प	ध
घ	र	न	र	ना	रि	मि	ल	क	र	ही	ऽ	आ	नौं	द	र

*(अंतरा)

				ग				नि़							
प	ग	गध	प	रि	रि	सा	रि	सा	ध़	प़,	ग	प	ग	ग	ग
ह	स	रऽ	स	गा	वे	हुं	मं	ग	ल	रा,	बा	ए	क	स	म

		ध						नि				ध		नि	नि
प	प	सां	ध	सां	ऽ	सां	सां	सां	रिं	सां	ऽ	सां	ध	ध	ध
ध	न	सं	ग	चौ	ऽ	क	पु	रा	ऽ	बो	ऽ	ए	क	स	म
												ध			
सां	सां	सां	सां	सां	रिं	गं	रिं	सां	रिं	सां	ध	प	ग	ग	ग
ध	न	ग	र	डा	ऽ	रो	हि	ह	र	बा	ऽ	ए	क	स	म
							ग								
प	प	ध	प	ग	ऽ	प	रि	ग	रि	सा,	ग	रि	गप	ध	प
ह	स	धि	स	ला	ऽ	बो	सं	द	ल	रा,	बा	ऽ	जोऽ	ऽ	रे

स्थायी.

रि	ऽ	सा	ऽ	सारि	गप	रि	सा,	निध	पम	गरि	गप	रि	सा,	गंरिं	सांनि
बा	ऽ	जो	ऽ	आऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	आऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	आऽ	ऽ

धप ऽम गरि गप । रि सा, सारि गरि । सानि़ ध़प़ ऽ, बा । जो रे

बा ऽ जो ऽ । ऽ गग रिग रिसा, । पप गप गरि, धध । पध पग, सांसां धसां

निध, रिंरिं सांरिं सांनि, । गंगं रिंगं रिंसां, धप । गरि सानि़ ध़प़, बा । जो रे

बा ऽ जो ऽ । गग रिग पप गरि । धध पध सांसां धप । रिंरिं सांरिं गंगं रिंसां

निध धप पम मग । गरि, धप गरि, गप । गरि सानि़ ध़प़, बा । जो रे

बा ऽ ऽ ऽ । जो ऽ ऽ मं । द ल रा ऽ । गरि सारि साध़ ऽप़

प़ध़ ऽप़ ग ऽ, । ग गरि पग पप । धध ऽप पग पप । सांध ऽसां धप गग

धप ऽध पग रिरि । पग ऽप रिरि सासा । रिसा ऽरि सानि़ ध़प़ | ग रिग ध प
| बा जोऽ ऽ रे

बाजो मंदलरा

अंतरा "एक सम"

ध न सं ग । चौ ऽ क पु । रा ऽ वो ऽ । सांसां धप गरि सा,

सारि गप धसां रिंगं । पंरिं ऽसां धप गरि । गप गरि गप सां । एक सम

ध न सं ग । सांरिं सांनि धप गरि, । गप गरि, परि ऽसा, । सारि गरि गप गप

धप धसां धसां रिंसां।रिंगं रिंगं पंपं गंरिं । सांनि धप गप सां । एक सम

ध न सं ग । गंगं रिंगं गंरिं सांसां । निनि धनि निध पप । गग रिग गरि सासा,

रिग पध, गप धसां, । पध सांरिं सांनि धप । गरि सारि गप सां । एक सम

ध न सं ग । चौ ऽ क पु । रा ऽ वो ऽ । रिंसां ऽरिं सांध सांध

सांध ऽसां धप धप । धप ऽध पग पग । पग ऽप रि सा, । साध़ रिसा गरि पग

धप सांध रिंसां रिंध । सांप धग परि ऽसा, । सारि रिग गप सां । एक सम, इ. इ.

बोलतानें "बाजों रे"

प़	ध़	प़	ग	ग	ग	ग	प	रि	ऽ	ऽ	ग	ग	रि	सा	रि
बा	जो	रे	बा	जो	मं	द	ल	रा	ऽ	ऽ	सु	घ	र	सु	घ
						नि़									
ध़	ऽ	ऽ	सा	ध़	सा	ध़	प़	प़	प़	सा	ध़	सा	ध़	रि	रि
र	ऽ	ऽ	न	र	ना	ऽ	रि	मि	ल	क	र	हि	आ	नीं	द
ग	ध	प	ग	प	सां	ध	प	ग	रि	सा	ध़	ग	रिग	ध	प
र	ह	स	र	स	गा	वे	हुं	मं	ग	ल	रा	बा	जोऽ	ऽ	रे
सा	रि	सा	ग	रि	ग	रि	प	ग	प	ग	ध	प	ध	प	सां
बा	जा	रे	बा	जो	मं	द	ल	रा	सु	घ	र	सु	घ	र	न

ध सां ध सां | गं रिं सां सां | रिंगं रिंरिं गंरिं सांध | सांरिं सांसां रिंसां धप
र ना रि मि | ल क र हि | आऽ ऽनौं ऽ दऽ | रऽ ऽह ऽ सऽ

गप गग पग रि | रिग रिरि गरि सा | सा ध़ प़, ग | रि गप ध प
रऽ ऽस ऽ गा | वेऽ ऽहुं ऽ मं | ग ल रा, बा | ऽ जोऽ ऽ रे

ग
रि ऽ सा ऽ | सा ध़ सा सा | ग रि सा ऽ | सारि गरि गप गप
बा ऽ ऽ ऽ | जो ऽ ऽ मं | द ल रा ऽ | बा ऽ ऽ जोऽ

रि ऽग पध पसां | ध ऽध सांरिं सांरिं | ध ऽप धप गप | रि ऽग परि ऽसा
रे ऽबा ऽ ऽ | जो ऽमं ऽ दल | रा ऽसु घर सुध | र ऽन रना ऽरि

साध़ ऽप़ गरि ऽसा | गप ऽरि पसां ऽध | सांरिं ऽसां पध ऽप | गप रिग रिग धप
मिल ऽक रही ऽआ | नौंद ऽर हस ऽर | सगा ऽवे हुंमं ऽग | लरा ऽबा ऽजो ऽरे

रि ऽ सा ऽ | सा ध़ सा सा | ग रि सा, ग | रि गप ध प
बा ऽ ऽ ऽ | जो ऽ ऽ मं | द ल रा, बा | ऽ जोऽ ऽ रे

सारि गप ऽरि, गप | धसां ऽध, सांरिं सांध | ऽप, पध पग ऽरि, | गरि गग धप, रिरि
बाजो रेबा ऽजो, मंद | लरा ऽसु, घर सुध | ऽर, नऽ रना ऽरि | मिल कर ऽहि, आनौं

ऽसा, साग रिग, रिप | गप, गध पध, गप | गप रिग परि, ग | रि गप ध प
ऽद, रह ऽस, रस | ऽगा, वेहुं ऽमं, गल | ऽ राऽ ऽ, बा | ऽ जोऽ ऽ रे

धसां धरिं सां धप | पध पसां ध प | गप गध प रि | सारि गरि गप गप
बाजो ऽरै बा जोऽ | मंद ऽल रा सु | घर सुऽ घ र | नर ऽना ऽरि मिल

पध ऽप पसां ऽध | धरिं सांध सांध ऽप | रिग ऽप रिरि, ग | रि गप ध प
कर ऽहि आनौं ऽद | रह सर सगा ऽवे | हुंमं ऽग लरा, बा | ऽ जोऽ ऽ रे

रि ऽ सा ऽ | सा ध़ सा ऽ | सारिग रिगप गपरि सा |
बा ऽ ऽ ऽ | जो ऽ ऽ ऽ | बाजोरे बाजोमं दऽल रा |

गपध पधसां पधप रिऽरि ‖ रिंगंरिं सांरिंसां धसांध पधप |
सुघर सुघर नऽर नाऽरि ‖ मिऽल करहि आनँद रहस |
३ =

१ २ ३
गारिग गधप गपरि सा | गरि गधप रिरि, गरि | गधप रिरि, गरि गधप ‖
रसगा वेऽहुं मंगल रा | बाजो ऽरे बाजो, बाजो | ऽरे बाजो, बाजो ऽरे ‖
२ ० ३

रि ऽ सा ऽ |
बा ऽ जो ऽ |

राग जेत कल्याण.

रागांगविस्तार.

(१) सा ऽ रि सा ऽ; ग प रि ऽ सा ऽ; ग प ऽ प ऽ; ध प रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) प़ प़ सा ऽ, रि सा ऽ; ग प ऽ प ऽ; प ध ग ऽ प ऽ; ध प रि ऽ, सा ऽ ॥

(३) सा ऽ रि सा ऽ, प ग प ऽ, ध प ऽ सां ऽ; प ध प ग ऽ; ग प ध प ऽ, रि ऽ सा ऽ ॥

(४) प प सां ऽ सां रिं सां ऽ; सां ऽ रिं सां ऽ, सां प ऽ ध प ऽ; सा ग प सां ऽ, प ऽ ध प ऽ; प ध ग प ऽ, रि ऽ सा ऽ; ग प ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि **सा** ऽ; सासा गप **रि सा** ऽ; सारि सासा गप धप **रि सा** ऽ; सासा गप धप **सां** पध पग परि ऽसा ऽ; सासा गप सांरिं सांसां गप धप **रि सा** ऽ; सासा गप धप **सां** गंसां रिंसां पध पग परि ऽसा ऽ ॥

नोट —इस राग की स्वर रचना बहोत विकृत है. इस को **देशकार**, **भूप**, **शुद्ध कल्याण** इ., रागों से बचाकर गानेमें कुशलता है. तीव्र ऋषभ के जगह मृदु ऋषभ का व्यवहार करने से **पूर्वकल्याण** थाट का **जेत** राग होगा.

जेत कल्याण– त्रिताल.

थोरे थोरे दिनन की सखिया, मैं मिलन करो री बरजोरिया.
बहु भातन के करिलो सिंगरवा, एक गोरी दूजे भोरिया.

								प	ग	पध	प	ग	ऽ	ग	प
								थो	रे	थोऽ	रे	ऽ	ऽ	दि	न
								०				३			
रि	सा	ऽ	ऽ	सा	ग	ग	प	प	ऽ	ऽ	ग	प	धप	सां	ऽ
न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सऽ	खी	ऽ
×				२			*	०				३			
प	ऽ	ध	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गप	धप	पग	ऽ	प	ग	ऽ	ऽ
ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सा	ऽ	ऽ	सा	सा	सा	ग	गप	ग	प	ऽ	ऽ	प	ऽ	प	प
मैं	ऽ	ऽ	मि	ल	न	ऽ	कऽ	रो	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ब	र

*(अंतरा)

प गप ध प	रि सा ऽ ऽ	प प सां ऽ	सां सां ऽ ऽ
जो ऽ ऽ रि	या ऽ ऽ ऽ	ब हु भा ऽ	स न ऽ ऽ

सां ऽ ऽ ऽ	सां ध सां ऽ	सांरिं सांसां ऽ ऽ	प ऽ ध प
के ऽ ऽ ऽ	क रि लो ऽ	सिंऽ गऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र

रि ऽ सा ऽ	सा सा प ग	प ऽ ऽ ऽ	प सां ऽ ऽ
वा ऽ ऽ ऽ	ए क गो ऽ	रो ऽ ऽ ऽ	दू जे ऽ ऽ

प गप ध प	रि सा ऽ ऽ	प ग पध प	ग ऽ ग प
मो ऽ ऽ रि	या ऽ ऽ ऽ	थो रे थोऽ रे	ऽ ऽ दि न

स्थायी.

सासा गप धप सांसां । पध गप रिरि सासा । थो रे थोऽ रे । ऽ ऽ, सासा गप

धप सांसां रिंरिं सांसां । पध पग परि ऽसा । थोरे थोरे दिन

न ऽ ऽ ऽ । सासा गग पप गग । गग पप धध पप । पप सांसां रिंरिं सांसां

सांप धग पप सांसां । गप धप रिरि सासा । थोरे थोरे दिन

न ऽ ऽ ऽ । पं गप पध गप । ध पध धसां पध । सां धसां रिंसां धसां

रिं सांरिं सांप धप । गप धप गरि सा । थोरे थोरे दिन

न ऽ ऽ ऽ । सासा रिसा गप गप । पप धप सांरिं सांरिं । सांध ऽसां पध पग

धप ऽध गप गरि । पग ऽप रिग रिसा । थोरे थोरे दिन न

अंतरा. "बहू भातन"

के ऽ ऽ ऽ । **सां** धसां धप **सां** । पप धप गप **सां** । रिंरिं सांसां पध गप

गप धप रिरि **सा,** । सासा गग पप **सां** । बहु भातन

के ऽ ऽ ऽ । सांरिं सांसां रिंसां धसां । पध पप धप गप । रिरि सारि रिसा धसा,

सासा गग पग पप । पप धप सांध **सां** । बहु भातन

के ऽ ऽ ऽ । गंसां रिंसां सांप धप । पध पग परि सासा, । साग गप पसां सांरिं

सांरिं सांप सांप पध।पग परि, साग पसां । बहु भातन

के ऽ ऽ ऽ । सांरिं ऽसां, पसां ऽप, । गप ऽग, सारि ऽसा, । धसा साग गप पसां

सांगं सांप धप गप । पप गप धप **सां** । बहु भातन, इ. इ.

बोलतानें. "थोरे थोरे दिन"

रि सा ऽ ऽ न ऽ ऽ ऽ	**सा ग ग प,** ऽ ऽ ऽ ऽ,	**सा ग सा, ग** थो ऽ रे, थो	**प ग, प प** ऽ रे, दि न
प सां प, प न की ऽ, स	**ध प, ग प** खी ऽ, मैं ऽ	**ग सा सा सा** मि ल न क	**रि** ऽ **सा** ऽ रो ऽ री ऽ
सा ग सा, ग ब र ऽ, जो	**प ग,** पध पप ऽ रि, याऽ ऽ	**प ग** पध **प** थो रे थोऽ रे	**ग** ऽ **ग प** ऽ ऽ दि न
रि सा ऽ ऽ न ऽ ऽ ऽ	**सा ग ग प** ऽ ऽ ऽ ऽ	पऽ गप ऽग सासा थोऽ रेथो ऽरे दिन	साग पग पसां **प** नकी ऽस खीऽ मैं
सांगं ऽसां पसां ऽप मिल ऽन करो ऽरि	पध पग परि **सा** बर ऽजो ऽरि या	**प ग** पध **प** थो रे थोऽ रे	**ग** ऽ **ग प** ऽ ऽ दि न

रि सा ऽ ऽ | गं ऽसां रिं सां | सां ऽप ध प | ग ऽप रि सासा
न ऽ ऽ ऽ | थो ऽरे थो रे | दि ऽन न की | स ऽखि मैं मिल

साध़ सासा रि सा | प गप धप सां | प ग पध प | ग ऽ ग प
नऽ ऽक रो री | ब रजो ऽरि या | थो रे थोऽ रे | ऽ ऽ दि न

रि सा ऽ ऽ | साग साप गप गसां | सांगं सांप धप गप | ग सारि साध़ सा
न ऽ ऽ ऽ | थेरे थेरे दिन नकी | सखी मैंमि लन करो | री बर जोरि या

१ २ ३
प गप धप गसा ‖ ग ऽ, प गप | धप गसा ग ऽ, | प गप धप गसा
थो रेथो ऽरे दिन ‖ न ऽ, थो रेथो | ऽरे दिन न ऽ, | थो रेथो ऽरे दिन

(अनाघत ग्रह)

ग सा ऽ ऽ | सा ग ग प | प ऽ ऽ ऽ | ऽसां ऽप धप गप
न ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | की ऽ ऽ ऽ | ऽथो ऽरे थेरे दिन

ऽप गप गप रिसा | ऽसा गसा गप प | ऽप धप ऽग प | गंसां रिंसां सांप धप
ऽन ऽकी सखी मैंऽ | ऽमि लन करो री | ऽब रजो ऽरि या | थेरे थेरे दिन नकी

पध पग परि सासा | सा पग धप सां | प ग पध प | ग ऽ ग प
सखी मैंमि लन करो | री बर जोरि या | थो रे थोऽ रे | ऽ ऽ दि न

रि सा ऽ ऽ | सा ग ग प | प ऽ ऽ ऽ |
न ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | की ऽ ऽ ऽ |

सांगंसां सांरिंसां पसांप पधप ‖ पधप गपरि सागसा गपऽ |
थोऽरे थोऽरे दिनन कीसखी ‖ मैंऽऽ मिलन करोऽ रीऽऽ |
३ =

१ २
सांऽप धऽप गऽप रिऽसा | पगध पगसा गऽऽ, पगध |
बऽर जोऽरि याऽऽ हांऽऽ | थोरेथो रेदिन नऽऽ, थोरेथो |
२ ०

३
पगसा गऽऽ, पगध पगसा ‖ ग सा ऽ ऽ |
रेदिन नऽऽ, थोरेथो रेदिन ‖ न ऽ ऽ ऽ |
३ =

राग शंकरा.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, ग प ऽ, (प) ऽ, ग प ग ऽ सा ऽ; सा ग प ऽ,

नि ऽ प ऽ, ग प ऽ, ग ऽ सा ॥

(२) नि़ ध़ सा ऽ, नि़ ध़नि़ प़ ऽ; सा ऽ रि सा ऽ; सा ग प ऽ,

नि ध सां ऽ, नि ऽ प ऽ; ग प ऽ, ग ऽ सा ऽ ॥

(३) सा ग प नि ऽ; निध सां ऽ नि ऽ; गं ऽ सां ऽ, रिंसां नि ऽ;

प ऽ ग प ऽ, ग रि सा ॥

(४) प प सां ऽ, सां ऽ रिं सां ऽ; गं ऽ (सां) ऽ; सां गं ऽ

गं पं ऽ गं ऽ (सां) ऽ; नि ऽ प ऽ ग प सां ऽ; नि धनि

प ग ऽ; प ग ऽ सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सासा गरि सासा ऽ; सासा गप गरि सासा ऽ; सासा गप निप गप गरि सासा ऽ; सासा गप निध **सां**, निप गप गरि सासा ऽ; सासा गप निध **सां**, गंगं रिंसां निप गप गरि सासा ऽ; सासा गग पप निध सांगं गंपं गंरिं सांनि धप गरि, नि़सा गप निध **सां** ऽ ॥

शंकरा—त्रिताल.

राम सखा तब नाव बुलाई, प्रियहि चढाय चढे रघुराई.
लखन धरे धनुबाण बनाई, आप चढे प्रभु आयसु पाई.

ऽ	नि	ध	सां
ऽ	रा	म	स
३			

नि	ऽ	पध	मप	ऽ	गरि	ग	प	ग	ऽ	सा	ऽ	ऽ	निप	नि	सा
बा	ऽ	तऽ	बऽ	ऽ	नाऽ	व	बु	ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	प्रिय	हि	च
×				२				०				३			
ग	ऽ	ग	ग	प	ऽ	नि	ध	सां	ऽ	रिंसां	निध	प,	नि	ध	सां
ढा	ऽ	य	च	ढे	ऽ	र	घु	रा	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ,	रा	म	स

(अंतरा)

नि	ऽ	पध	मप	ऽ	गरि	ग	प	रिग	ऽरि	सा	ऽ	प	प	सां	सां
बा	ऽ	तऽ	बऽ	ऽ	नाऽ	व	बु	लाऽ	ऽ	ई	ऽ	ल	ख	न	ध
सां	ऽ	सां	सां	निसां	रिंसां	नि	प	प	निध	सां	नि	ऽ	सां	गं	च
रे	ऽ	ध	नु	बा	ऽ	ण	ब	ना	ऽ	ई	ऽ	ऽ	आ	प	पं
गं	पं	गं	सां	ऽ	सां	नि	प	पप	निसां	रिंसां	निध	प,	नि	ध	सां
ढे	ऽ	प्र	भु	ऽ	आ	य	सु	पाऽ	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ,	रा	म	स

स्थायी.

बा ऽ ऽ ऽ । साग गप पनि धसां । निप गप गरि सासा । गप, रा म स

बा ऽ तऽ बऽ । ऽ नाऽ व बु । ला ऽ ई ऽ । सानि पनि साग पनि

धसां गंपं गंरिं सांनि । सांगं रिंसां निप गप । पप गप गरि सासा । गप, रा म स

खा ऽ तऽ बऽ । ऽ नाऽ ब बु । नि़सा गग, साग पप, । गप निनि, पनि सांसां।

सांगं पंपं गंरिं सांसां । निनि धप निध सांनि । पप गप गरि सासा । गप, रा म स

खा ऽ ऽ ऽ । पप गप पग पप । गरि सासा, निनि पनि।निप निनि पप गप

गरि सासा, गंगं रिंगं । गंरिं गंगं रिंसां निसां । निप गप गरि सासा । गप, रा म स

खा ऽ तऽ बऽ । ऽ नाऽ ब बु । ला ऽ ई ऽ । सासा गग रिसा, गग

पप गरि, पप निनि। धप, निनि सांसां निध,।सांसां गंगं रिंसां ऽ,। सांरिं निसां धनि पध

गप रिग सारि नि़सा । साग पनि धसां निध । पप गप गरि सा । गप, रा म स

अंतरा. " लखन ध "

रे ऽ ध नु । सांनि धप निध सां, । सांनि धप गप निध । सां, सांनि धप गं

गप निध सां, सांनि । धप गरि नि़सा गप । निध सां ऽ ऽ । लखन ध

रे ऽ ध नु । सांनि सांनि, पध पध, । गप गप, गरि सासा, । गप निध सांनि रिंसा

गंरिं सांनि पग धप । गरि सा, नि़सा गग । पग धप निध सां । लखन ध

रे ऽ ध नु । निध सांनि धप पग । पप गरि सासा, पग । पप गरि सासा, सांनि

धप पसां सांरिं, सांनि । धप पसां सांगं रिंसां । निप गप गरि सासा । लखन ध

रे ऽ ध नु । साग गप पनि धसां । गंरिं रिंसां सांनि निध । धप पग गरि रिसा

नि़सा गग ऽग, साग।पप ऽप,गप निनि। ऽनि,पनि सांसां ऽसां,। सागं रिंसां रिंसां निसां

निध निध पध पग । पग रिग रिसा रिसा,। गप निध सां, गप। निध सां, गप नि

सां ऽ ऽ ऽ ।

शंकरा–झूमरा (विलंबित)

आद महादेव बीन बजाई,
पाई न्यामतखान पिया सदा रंग कर करम दिखाई.—आद
सप्त सुरन की सुर की सप्त तान मनरौंग
ते उनंच्यास कूट तान ले सब गुणियन को समझाई.—आद

| ऽ धनिरिंसां निधनिऽ (प)
| ऽ आऽऽऽ दऽमऽ हा
३

सां ऽनि ऽ | पग गऽगप गप ऽग | पग पधपप ऽ | रिगऽऽ **रि** सासा ऽ
दे ऽव ऽ | बीऽ नऽबऽ जाऽ ऽई | पाऽ ईऽऽऽ ऽ | न्याऽऽऽ ऽ मत ऽ
= २ ० ३

गरिगऽ **रि** **सा** | धनि रिसा सासागग पपनिधनिऽ | सांरिंसांरिंनिसां ऽऽनिध **सां**
खाऽऽऽ ऽ न | पिया ऽ सदारंग करकऽरऽ | मदिखाऽऽऽ ऽऽईऽ ऽ
= २ ०

(अंतरा)

निपऽऽ, धनिरिंसां निधनिऽ प || **सां** ऽनि ऽ | प निध **सां** **सां** | **सां** **सां** **सां** |
ऽ, आऽऽऽ दऽमऽ हा || दे ऽव ऽ | स प्तऽ ऽ सु | र न की |
३ = २ ०

रिं सांसां सांसां गंगं || **गं** **गं** **पं** | पंगंऽऽ पंगंऽऽ **पं** **गं** | **रिं** **सां** **सां** |
ऽ सुर सुर ऽकी || स प्त ता | ऽ ऽ न म | न रौं ग |
३ = २ ०

सा सांऽनिध सांऽऽसां **सां** || गंरिंगंरिं सांरिंनिसां ऽनि | निऽधम **प** ऽ ऽ |
ते उऽनंऽ च्याऽऽस कू || टऽऽऽ ताऽऽऽ ऽन | लेऽऽऽ ऽ ऽ ऽ |
३ = २

प धप **ग** | **ग प प** पनिऽध ‖ **सां** ऽ सांरिं | सांरिंसांनि **सां** ऽ ऽ |
स बऽ गु | णि य न कोऽऽऽ ‖ ऽ ऽ सम | झाऽऽऽ ऽ ऽ ऽ |
० ३ = २

निधऽऽ **सां** ऽ | निपऽऽ, धनिरिंसां निधनिऽ (**प**) ‖ **सां** ऽनि ऽ |
ईऽऽऽ ऽ ऽ | ऽ, आऽऽऽ दऽमऽ हा ‖ दे ऽव ऽ |
० ३ =

बोलतानें.

प गप रिगऽरि सासा | **नि** पऽगप गऽरिसा |
आ दम हाऽऽऽ देव | बी नऽऽब जाऽईऽ |
२ ०

धनिरिंसां **नि प** गप ‖ गंरिं सांरिं सांनि | पग निप सांनि रिंसां |
पाऽऽऽ ई न्या मत ‖ खाऽ नपि ऽया | सदा रंग कर कर |
३ = २

गंसां रिंनि धनिरिंसां | नि, धनिरिंसां निधनिऽ (**प**) ‖ **सां** ऽनि ऽ |
मदि खाऽ ऽ | ई, आऽऽऽ दऽमऽ हा ‖ दे ऽव ऽ |
० ३ =

सागपग पग गपनिध निप | निसांरिंसां रिंसांनिऽ गंरिंसांऽ |
आऽऽऽ दऽ मऽऽऽ हाऽ | देऽऽऽ वऽऽऽ बीऽनऽ |
२ ०

पंगं ऽपं गंरिं **सां** ‖ धनिरिंसां निनि पप | पऽ गप ऽग रिसा |
बजा ऽई पाऽ ई ‖ न्याऽऽऽ मत खान | पिऽ यास ऽदा रंग |
३ = २

साग ऽग गप | पनि सांरिं सांनि पप ‖ **सां** ऽनि ऽ | बीन बजाई पाई
कर ऽक रम | दिखा ऽई आद महा ‖ दे ऽव ऽ |
० ३ =

सागपप गरिसासा, गपनिनि धपगप, ‖ निसांगंगं रिंसांनिऽ, सांऽनिऽ |
आऽऽद ऽऽमहा, देऽऽव ऽऽबीन, ‖ बऽऽजा ऽऽईऽ, पाऽईऽ |
३ =

पपगप पगगऽ गरिसाप पगनिप | सांऽनिरिं ऽसांगंपं गंरिंसांनि |
न्याऽऽम ऽऽतऽ खाऽऽन ऽऽपिया | सऽदारं ऽगकर करमदि |
२ ०

धनिरिंसां निसांसांऽ निधनिप गपनिध || सां ऽनि ऽ |
खाऽऽई ऽऽआऽ दऽऽम ऽऽहाऽ || दे ऽव ऽ |
३ =

ऽ ऽ सागसाप गनिपसां | निरिंसांगं सांरिंनिसां निनिपग |
ऽ ऽ आदमहा देवबीन | बजाईपा ईन्यामत खानपिया |
२ ०

पपगरि सासापनि सांरिंसांनि सांधनिप ||
सदारंग करकर मदिखाई आदमहा || देव.... न्यामत
३

रिंसांऽरिं सांऽनिसां धनिऽरिं | सांसांनिनि पगऽप गरिसासा, गगसासा |
आदऽम हाऽदेव बीनऽब | जाईपाई न्यामऽत खानपिया, सदारंग |
= २

१ २ ३
पपगग निनिपप निरिंसांऽ | धनिपऽ सांऽधनि पऽसांऽ धनिपऽ ||
करकर मदिखाऽ ईऽआऽ | दमहाऽ आऽदम हाऽआऽ दमहाऽ ||
० ३

सां ऽनि ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | सागसा गपग पनिध |
दे ऽव ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | आऽद महाऽ देऽव |
= २ ०

निसांनि रिंनिसां गंरिंसां पंगंपं || गंरिंसां रिंसांरिं सांनिसां |
बीऽन बजाई पाऽई न्यामत || खाऽन पियास दारंग |
३ =

१ २
निधनि पगप निधनि, सांऽध | निपऽ सांऽनि, सांऽध |
करऽ करम दिखाई, आऽद | महाऽ देऽव, आऽद |
२ ०

३
निपऽ सांऽनि, सांऽध निपऽ || सां ऽनि ऽ |
महाऽ देऽव, आऽद महाऽ || दे ऽव ऽ |
३ =

राग देसी.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, नि॒ सा ऽ, रि प ग॒ ऽ, रि नि॒ सा ऽ; रि म॒ प ऽ;
म॒ प ध प ऽ ग॒ रि ऽ; प ग॒ रि ऽ, नि॒ सा ऽ ॥

(२) सा ग॒ रि सा ऽ रि नि॒ सा ऽ; म॒ प सा ऽ; रि म॒ प ऽ
रि म॒ प ध प ऽ, म॒ प ग॒ रि ऽ; नि॒ सा ऽ रि प ग॒ ऽ,
रि नि॒ सा ऽ ॥

(३) नि॒ सा ऽ; प नि॒ सा ऽ; म॒ प नि॒ सा रि सा ऽ; ग॒ रि ऽ
नि॒ सा ऽ; रि प ग॒ ऽ, रि नि॒ सा ऽ; म॒ प सां ऽ, प ध
प ऽ; रि म॒ प ऽ नि॒ ध प ऽ; म॒ प ग॒ ऽ रि ऽ; रि म॒ पध
म॒प ग॒ रि ऽ; प ग॒ रि ऽ, नि॒ सा ऽ ॥

(४) म॒ म॒ ऽ प सां ऽ, सां ऽ नि॒ सां सां ऽ; गं॒ रिं सां ऽ;
रिं सां ऽ, नि॒ ध प ऽ; रि म॒ प ऽ ध प ऽ, म॒ प ग॒ रि ऽ;
प ग॒ रि ऽ, नि॒ सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि ऩिसा ऽ; रिग् रिऩि् सा ऽ; रिप ग् रिऩि् सा ऽ; रिम् पध म्प म्ग् रिऩि् सा ऽ; सारि म्प धप सां पध म्प ग्रि ऩिसा ऽ; सारि म्प धप सां रिंगं् रिंसां पध म्प ग्रि ऩिसा ऽ; सारि म्प नि्नि् धप म्प सां, म्प निसां रिंपं गं् रिंनि् सां, पध म्प रिग् सारि ऩिसा ऽ ॥

नोट—इस राग की चलन टेरी होनेके लिए इस में घुमना फिरना ज्यादा नहीं हो सकता है. यह राग **आसावरी** अंग से भी गाया जाता है. यह प्रकार में लौकिक अतिकोमल धैवत और निषाद स्वर का व्यवहार होता है. बाकी चाल ढाल सब एकसमान ही है.

इस राग में स्वरों की सरल रचना करनेसे **बरवा** या **सिंदुरा** राग की छाया उत्पन्न होगी. यथा—

सारि म्प निसां रिंगं् रिंसां नि्ध पम् ग्रि सा.

इस **देसी** राग के अवरोह में पंचम के जोड में तीव्र ध के जगह मृदु ध् कभी २ लगाते हैं. यथाः—म्प ध्प ग्रि ऩिसा.

देसी – त्रिताल.

गूंढ गूंढ लावो रे मालनिया फूलंदा सहेरा,
आज मोरे घर मोहन आये, रचहूं मैं फूलंदा सबहू सिंगार.

											(ऩि) सा	ग्	रि	ऽ	सा
											गूं	ढ	गूं	ऽ	ढ
												३			
रि	ऽ	ऩि्	ऽ	सा	ऽ	सा	ऽ	सा	ऽ	ऽ	(म्) रि	म्	ऽ	पध	म्प
ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	रे	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	लऽ	निऽ
×				२				०				३			

म्
ग् ऽ ऽ ऽ | रि ऽ ग् ऽ | रि ऽ ऽ म् | म् प ऽ प
या ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ फू | ऽ लूं ऽ दा

सां ऽ ऽ प | नि् ध पम् प | ग् रि ऽ, रि | ग् रि ऽ सा
स ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ हेऽ ऽ | रा ऽ ऽ, गूं | ढ गूं ऽ ढ

(अंतरा) म्
रि ऽ नि़् ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा ऽ ऽ, म् | म् प ऽ प
ला ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ बो ऽ | रे ऽ ऽ, आ | ज मो ऽ रे

सां सां
सां ऽ ऽ ऽ | नि् ऽ सां ऽ | सां ऽ ऽ नि् | ऽ सां ऽ रिं
घ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | र ऽ ऽ मो | ऽ ह ऽ न

सां म्
सां ऽ ऽ ऽ | नि् नि् सां ऽ | प ऽ ऽ पध | म्प ग् ऽ म्
आ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | थे ऽ ऽ रच | हूंऽ ऽ ऽ मैं

प सां
प ऽ सां ऽ | नि् सां प नि् | प ऽ ऽ नि् | म् प ध प
फू ऽ ऽ ऽ | ऽ लूं ऽ ऽ | दा ऽ ऽ स | ब हू ऽ सिं

म्
ग् ऽ ऽ ऽ | रि ऽ ऽ नि़् | सा सा ऽ, सा | ग् रि ऽ सा
गा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ र ऽ, गूं | ढ गूं ऽ ढ

स्थायी.

ला ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ, रिरि सारि । रिसा नि़सा, धध पध । धप म्प, रिंरिं सांरिं

म्
रिंसां नि्सां, पध म्प । ग्रि नि़सा रिप ग् । रिनि़् सा ऽ, गूं । ढ गूंढ

ला ऽ ऽ ऽ । नि़सा रिम् पध म्प । नि्सां रिंगं् रिंसां नि्सां । पध म्प रिम् परि

म्
म्प रिम् पध म्प । ग्रि नि़सा रिप ग् । रिनि़् सा ऽ, गूं । ढ गूंढ

मृं
ला ऽ ऽ ऽ । रिम् पध म्प **सां** । न्सिां रिंसां रिंपं **गृं** । रिंनि् **सां,** पध म्प

मृ
सांरिं न्सिां पध म्प । ग्रि न्सिा रिप **ग्** । रिनि् **सा** ऽ, गूं । ढ गूंढ

ला ऽ ऽ ऽ । ऽ, पध म्प ग्रि । न्सिा, रिंरिं सांसां पध । म्प ग्रि न्सिा, पंधं

मृंपं ग्रिं न्सिां, सांनि् । ऽनि् **ध,** धप ऽम् । **ग्,** ग्रि ऽनि्, गूं । ढ गूंढ लावो रे

अंतरा. "आज मोरे"

ध ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । र ऽ, गृंगृं रिंगृं । गृंरिं न्सिां, पध पप

धप म्प, ग्ग् रिग् । ग्रि न्सिा, रिम् पध । म्प **सां** ऽ, आ । ज मोरे

सां ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ, रिंगृं सांरिं । न्सिां पध म्प रिग् । सारि न्सिा, साम् रिप
ध ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ,

मृं
म्ध पसां न्रिं न्सिां । रिंपं **गृं** रिंनि् **सां,** । पध म्प **सां,** आ । ज मोरे

ध ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ, पनि् सांप । न्सिां पनि् **सां** पध । म्प, रिम् परि म्प

रिम् **प** ग्रि न्सिा, । रिसा म्रि पम् धप । **सां** ऽ ऽ, आ । ज मोरे

ध ऽ, सांरिं सांरिं । न्सिां न्सिां, पध पध, । म्प म्प, रिग् रिग्, । सारि न्सिा, रिम् पध

१ २ ३
म्प **सां,** पनि सांरिं । गृंगृं रिंगृं गृंरिं न्सिां । पध म्प **सां,** पध । म्प **सां,** पध म्प

सां ऽ ऽ ऽ ।

बोलतानें. "गूंढ गूंढ"

रिम् रिम् पम् पम्	पध पम् पम् ग्रि	म्प सांप धप म्प	ग्रि **म्** ग्रि ऽसा
गूंऽ ढगूं ऽढ लाऽ	वोऽ रेमा ऽल निऽ	यांऽ फूलं ऽदा सेहे	राऽ गूं ढगूं ऽ

१ २ ३

साम् रिप म्ध पसां | नि्रिं नि्सां पध म्प | ग्रि, म्ग् रिग् साम् | ग्रि ग्सा म्ग् रिग्
गूंढ गूंढ लावो रिमा | लनि याफू लोंदा सहे | राऽ, गूंढ गूंढ लागूं | ढगूं ढला गूंढ गूंढ

रि ऽ नि् ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | सां ऽरिं नि् सां
ला ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ वो ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | गूं ऽढ गूं ढ

प ऽध म् प | रि ऽनि् सा रिम् | प ऽध म् प | ग्रि म् ग्रि ऽसा
ला ऽवो रे मा | ल ऽनि या फूऽ | लों ऽदा स हे | राऽ गूं ढगूं ऽढ

रि ऽ नि् ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ
ला ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ वो ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

म्ऽ रिप ऽम् धऽ | पसां ऽनि् रिंऽ सांरिं | मंपं गंऽ रिंसां ऽप | धप म् ग्रि ऽसा
गूंऽ ढगूं ऽढ लाऽ | वोरे ऽमा लऽ नियां | ऽफू लोंऽ दास ऽहे | राऽ गूं ढगूं ऽढ

रि ऽ नि् ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | रिम् पध ऽप म्प
ला ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ वो ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | गूंढ गूंढ ऽला वोरे

१ २ ३

पसां नि्सां ऽप धप | म्प म्म् ऽग् रिसा | रि, म्ऽ ग्रि ऽसा | रि, म्ऽ ग्रि ऽसा
माल नियां ऽफू लोंदा | सहे रागूं ऽढ गूंढ | ला, गूंऽ ढगूं ऽढ | ला, गूंऽ ढगूं ऽढ

रि ऽ नि् ऽ | सा ऽ सा ऽ | सा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ
ला ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ वो ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

सांरिंसां नि्सांनि् पधप म्पम् | रिग्रि पम्म् धपप सांऽऽ |
गूंऽढ गूंऽढ लावोरि मालनि | याऽऽ फूलोंदा सऽहे राऽऽ |
= २

१ २ ३

म्ऽग् रिऽसा रिनि्सा, म्ऽग् | रिऽसा रिनि्सा, म्ऽग् रिऽसा || रि
गूंऽढ गूंऽढ लावोरे, गूंऽढ | गूंऽढ लावोरे, गूंऽढ गूंऽढ || ला
० ३ =

राग बरवा.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ; रि ग् रि सा ऽ; रि म् पध म्प ऽ, रि ग् रि सा ऽ रि ऩि सा ऽ ॥

(२) रि म् प ऽ; रि म् प ध प ऽ; रि म् प नि् ध प ऽ; रि म् पध् म्प ऽ; रि ग् रि सा ऽ, रिऩि सा ऽ ॥

(३) म् ऽ प ध, नि सां सां ऽ (अथवा) म् प नि नि, सां ऽ सां सां ऽ; निसां रिंगं् रिं सां, नि् धनि् ध प ऽ; म् प रिं सां, रिं नि् ध प ऽ; सा ऽ, रि म् ऽ, रि म् प नि्, ध प ऽ, पध् म्प रि ग् रिऩि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

(१) ऩिसा रिम् ग्रि ऩिसा ऽ; ऩिसा रिम् पध (अथवा पध्) म्प रिग रिऩि सा ऽ; रिम् पनि् धप म्प रिग् रिऩि सा ऽ; रिम् पध सांनि् धप रिम् पध म्ग् रिग् रिऩि सा ऽ; रिम् पध निसां रिंसां नि्नि् धप पध् म्प रिग् रिऩि सा ऽ; म्प निसां रिंगं् रिंसां रिंनि् धप रिम् पनि् धप म्प रिग् रिऩि सा ऽ ॥

(२) रिग्‌ रिसा रिनि़ **सा** ऽ; रिग्‌ रिम्‌ ग्‌रि सारि नि़नि़ **सा** ऽ; नि़सा रिम्‌ पध म्‌प ग्‌रि सारि नि़नि़ **सा** ऽ, रिम्‌ पनि्‌ धप म्‌ग्‌ रिग्‌ रिसा रिनि़ **सा** ऽ; म्‌प निसां रिंनि्‌ धप म्‌ग्‌ रिसा रिनि़ **सा** ऽ; म्‌प निसां गं्‌रिं गं्‌सां नि्‌ध पम्‌ ग्‌रि नि़सा ऽ; म्‌प निसां रिंगं्‌ रिंमं्‌ गं्‌रिं सांरिं निसां धनि्‌ पध म्‌प ग्‌रि ग्‌सा रिनि़ **सा** ऽ ॥

नोट–काफी, सिंदुर तथा **देसी** राग के संयुक्त रूप है. अताई लोग इस में तीव्र गांधार का भी व्यवहार करते हैं.

बरवा–एकताल (विलंबित)

ऐरी मोहे नाहिं परे चैन, तरपत हूं मैं परी.
विमनरंग पिया अजहु न आये, आंसूं लागी झरी.

		म्‌			
ऽ	रि	रि	ग्‌	सारि	पम्‌पऽ
ऽ	ऐ	री	ऽ	ऽ	मोऽहेऽ
०		३		४	

म्‌		सा					रि				
रि	ऽ	ग्‌	रि	सा	ऽ	ऽ	रि	नि़	सा	ऽ	सा
ना	ऽ	हिं	प	रे	ऽ	ऽ	च	ऽ	ऽ	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

		म्‌	रि								
सा	सा	ऽ	रि	म्‌	म्‌	प	ध	सां	नि्‌	ध	प
त	र	ऽ	प	त	हूं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	प

म्‌	प	ध	नि्‌	म्‌				म्‌			
रि	म्‌	प	ध	ग्‌	रि	ऽ,	रि	रि	ग्‌	सारि	पम्‌पऽ
री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ऐ	री	ऽ	ऽ	मोऽहेऽ

(अंतरा)

म्	सा				
रि ऽ	ग् रि	सा ऽ	ऽ ऽ	म् म्	ऽ पध
ना ऽ	हिं प	रे ऽ	ऽ ऽ	वि म	ऽ नरं
नि सां	सां सां	रिं गं	रिं सां	रिं नि	ध प
ऽ ग	पि या	अ ज	हु न	आ ऽ	ये ऽ
	म्	रि			
सा ऽ	ऽ रि	म् म्	प ध	सां नि	ध प
आं ऽ	ऽ सूं	ऽ ला	ऽ ऽ	गी ऽ	ऽ झ
म् प	ध नि			म्	
रि म्	प ध	म् ग्	रि, रि	रि ग्	सारि पम्पऽ
री ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ, ऐ	री ऽ	ऽ मोऽहेऽ

स्थायी.

ना ऽ । हिं प । रे ऽ । रिम्पध म्पग्रि, । रिम्पध सांनिधप ।
= ० २ ० ३

म्पग्रि, रिम्पनि ॥ सांरिंगंरिं सांनिधप । रिम्पनि धपम्प । ग्रिऽग् रिनिसाऽ ।
४ = ० २

ऐरी मोहे नाहिं परे

रिम्पध म्पनिसां । रिंगंसांरिं निसांधनि । पधम्प रिग्रिनि ॥ सारिम्प रिम्पनि ।
० ३ ४ =

सांरिंसांनि धपम्प । रिग्रिनि सा । ऐरी मोहे नाहिं परे
० २

रिग्रिसा रिनिसाऽ। रिम्पानि सारिंगंरिं । सांसांनिनि धधपप ॥ रिम्पानि धपम्प ।
० ३ ४ =

सांरिंनिसां पधम्प । रिग्रिनि सा । ऐरी मोहे नाहिं परे
० २

रिग्रिरि म्पम्म् । पधपप धनिधध । निसांनिनि सांरिंसांसां ॥ रिंग्रिंरिं सांनिधप ।
० ३ ४ =

रिम्पनि धपम्प । रिग्रिसा रिनिसाऽ । ऐरी मोहे नाहिं परे
० २

अंतरा " विमनरंग पिया "

सांरिंसांगं् रिंसां, निसां। निरिंसांनि्, धानि्धसां। नि्ध, पध पनि्ध^प, । रिग्रिम् ग्रि, सारि॥
२ ० ३ ४

साग्रिसा, नि्सारिम्। पानिसांरिं मंमंगंरिं। सांनि्धप रिम्पध। म्परिग् सारिनि्सा।
= ० २ ०

विमनरंग पिया

रिंमंगंरिं सांगंरिंसां। निरिंसांनि् धसांनि्ध। पनि्धप रिम्ग्रि। साग्रिसा, साम्रिप॥
२ ० ३ ४

म्धपसां निरिंसांगं्। रिंमंगंरिं सांरिंनिसां। रिंनिसांऽ, धनि्पध। म्परिग् सारिनि्सा॥
= ० २ ०

विमनरंग पिया

सांरिंसां निसांनि्। धानि्ध पधप। म्पम् रिग्रि। सारिसा रिनि्सा, ॥
२ ० ३ ४

रिग्रि म्पम्। पधप धानि्ध। निसांनि सांरिंसां। रिंगंसां रिंनिसां।
= ० २ ०

विमनरंग पिया, इ. इ.

राग शुद्ध सारंग.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, नि् सा रि ऽ; म् रि ऽ; प म् रि ऽ; ध प ऽ, मप धप
म् रि ऽ; प रि ऽ, नि् सा ऽ॥

(२) म् प नि् सा ऽ, प नि् सा ऽ; धप मप सा ऽ; नि् सा रि ऽ;
म् म् रि ऽ; प म् रि ऽ; नि् नि् पम् रि ऽ; मप ध ऽ, प म्
रि ऽ; प रि ऽ, नि् सा ऽ॥

(२) सा ऽ, रि ऽ प ऽ; म प ध प ऽ म् रि ऽ; सां ऽ, नि् प ऽ;

म प ऽ ध प ऽ म् रि ऽ; रि ऽ म प ऽ, ध प ऽ म् रि ऽ;

प म् रि ऽ; म् रि ऽ; रि ऽ सा ऽ ॥

(३) म् प सां ऽ सां ऽ, नि सां ऽ रिं रिं सां ऽ; नि सां रिं ऽ,

मं् रिं नि सां ऽ; धप मप सां ऽ; निध ऽ प ऽ; मप धप

म्रि ऽ; रिम् पम् रि ऽ; प रि ऽ; रि ऽ सा ऽ ॥

स्वरविस्तार

सारि नि़सा ऽ; रिम् रिनि़ सा ऽ; रिरि मप धप मप म्रि नि़सा ऽ; रिम् रिप मप धप नि्नि् पम् रिसा नि़सा ऽ; रिम् रिप मप सां निसां नि्प म्रि ऽसा ऽ; म्प निसां रिंसां निसां धप मप धप म्रि परि ऽसा ऽ; रिरि मप निसां रिंमं् रिंरिं सांसां नि्प मप धप म्रि परि ऽसा ऽ ॥

शुद्ध सारंग–एकताल.

माई रि मैं कासे कहूं पीर अपने जिया की, व्याकूल होवत शरीर.
जा को लगी सोहि एकहुं जाने, कहो कैसे रहे अब धीर.

										सा	रि	म्	रि
										मा	ई	रि	मैं
										३		४	
प	ऽ	म	प	ध	प	पध	पम्	पम्	रि	ऽ	सा		
का	ऽ	ऽ	ऽ	से	ऽ	कऽ	हूंऽ	ऽ	पी	ऽ	र		
=		०		२		०		३		४	*		

(सा) नि़ नि़	सा रि	प प	म् रि	ऽ सा	ऽ नि़्
अ प	ऽ ने	ऽ जि	ऽ या	ऽ की	ऽ ऽ

प़ ऽ	ऽ नि़	सा सा	सा रि	म् रि	ऽ सा
ब्या ऽ	ऽ कू	ऽ ल	हो ऽ	ऽ व	ऽ त

प प	रि म्	सा रि	(रि) नि़ सा,	सा रि	म् रि
श री	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ र,	मा ई	रि मैं

*(अंतरा)

म् ऽ	प नि्	प नि	सां सां	नि सां	ऽ सां
जा ऽ	ऽ को	ऽ ऽ	ल गी	ऽ सो	ऽ हि

(सा) नि सां	ऽ रिं	मं रिं	सां नि	सां ध	नि् प
ए ऽ	ऽ क	ऽ हुं	जा ऽ	ऽ ऽ	ने ऽ

प प	म प	ध प	म् रि	सा ऽ	(सा) नि़ सा
क हों	ऽ कै	ऽ से	ऽ र	हे ऽ	अ ब

प रि	म् सा	रि ऽ	(रि) नि़ सा,	सा रि	म् रि
धीं ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ र,	मा ई	रि मैं

स्थायी.

रिम् रिप । मप धप । मप सां । धप मप । म्रि नि़सा | सारि म्रि ॥
माई रिमैं ॥
कासे कहूं पीर

म्प़ नि़सा । रिम् रिसा । रिरि मप । धप मप । निसां रिंमं । रिंसां निसां ॥

निसां रिंसां । नि्प मप । धप म्रि । परि ऽसा । ऽरि नि़सा । माई रिमैं ॥

का ऽ । मप धप । मप धप । मप सां । निध ऽप । मप नि॒नि॒ ॥

पम् रि, । मप धध । पम् रि, । परि ऽसा । ऽरि नि़सा, । माई रिमैं ॥

का ऽ । धध पध । धप मप । सांरिं सांसां । रिंसां निसां । रिंमं रिंरिं ॥

मंरिं सांसां । नि॒नि॒ पनि॒ । नि॒प मप । धप म्रि । परि ऽसा, । माई रिमैं ॥

अंतरा "जा को लगी सोहि"

सांरिं निसां । पध मप । रिम् सारि । नि़सा प़नि़ । सारि नि़सा । रिम ऽप ॥

मप धप । मप सां, । मप धप । मप सां, । मप धप । मप सां ॥
जा को लगी सोहि

रिंरिं सांरिं । रिंसां निसां । धध पध । धप मप । रिरि सारि । रिसा नि़सा ॥

साम् रिप । मध पसां । निरिं सांमं । रिंसां निसां । धप मप । सां ऽ ॥
जा को लगी सोहि

नि॒नि॒ पनि॒ । नि॒प नि॒नि॒ । पम् रि, । पम् ऽरि । म्रि ऽसा । ऽरि नि़सा ॥

म्रि मप । धप मप । निसां रिं । मंमं ऽरिं । सांनि धप । मप सां ॥
जा को लगी सोहि

पनि सांप । निसां पनि । सांरिं निसां । पध मप । रिम् सारि । नि़सा ऽ ॥

निसां रिंनि । सांरिं निसां । रिंमं रिंसां । निसां पत्र । मप रिम् । सारि नि़सा ॥

सारि साम् । रिम् रिप । धप मप [1] । सां, धप [2] । मप सां, [3] । धप मप ॥

सां ऽ ।

राग—मीया का सारंग.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, नि॒सा ऽ; ध॒ ध॒ नि॒ प॒ ऽ; म॒ प॒ ऽ नि॒ध॒ नि॒ध॒ ऽ,

नि॒ सा ऽ; नि॒ सा रि ऽ; म् रि ऽ; प म् रि ऽ सा ऽ ॥

(२) सा रि ऽ, म् रि ऽ, म् प ऽ; ध ध नि् प ऽ; सां ऽ ध ऽ

नि् प ऽ; म् प म् रि ऽ; प रि ऽ सा ऽ ॥

(३) म् प, ध ध, सां ऽ सां ऽ, सां रिं सां ऽ; मं मं रिं सां ऽ,

रिं सां नि् प ऽ; म् प ध ऽ रिं सां ऽ, ध ध नि् प म् प

म् रि ऽ; म् प ऽ, प ऽ, ध प म् रि ऽ; प म् रिऽ; सा ऽ;

ध॒ प॒ ,म् प॒, नि॒ प॒ध॒ सा ऽ, सा रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि॒सा रिसा ऽ; नि॒सा रिम् रिसा ऽ; नि॒सा रिम् पम् रिसा ऽ; नि॒सा रिम् पध पम् रिसा नि॒सा ऽ; नि॒सा रिम् पध नि्प म्रि सा ऽ; नि॒सा रिम् पनि् धनि सां ऽ, नि्ध नि्प म्रि सा ऽ; नि॒सा रिम् पनि् धनि सांरिं निसां धध नि्प म्प म्रि सारि नि॒सा ऽ; नि॒सा रिम् पनि् धनि सांरिं निसां मंमं रिंसां नि्प म्प धप म्रि पम् रिसा नि॒प॒ म॒प॒ नि॒ध॒ नि॒सा ऽ ॥

मियां का सारंग—एकताल

दयानिधि दया करियो अष्टसिधि नवनिधि,
जो सब बिधि सुख पाऊं. — दयानिधि
जीवन मुक्त कर, हर दुख दलिद्र,
पतित पावन तेरो ही जस गाऊं. — दयानिधि

			ऽ सा	नि़ ध़	रि सा
			ऽ द	या ऽ	नि धि
			०	३	४
सा ध़	ऽ नि़	प़ म़	ध़ प़	म़ प़	ध़ ध़
द या	ऽ ऽ	ऽ क	रि यो	अ ष्ट	सि ऽ
=	०	२	०	३	४
सा सा	सा रि	ऽ सा	सा ऽ	सा रि	म् म्
धि न	व नि	ऽ धि	जो ऽ	स ब	वि धि
प ध	प म्	रि सा,	ऽ सा	नि़ ध़	रि सा
ऽ सु	ख पा	ऽ ऊं,	ऽ द	या ऽ	नि धि

(अंतरा)

नि पध	सां रिं	सां ऽ	सां ऽ	सां सां	रिं सां
जी ऽ	व न	मु ऽ	क्त ऽ	क र	ह र
सां सां	सां ऽ	नि् प	प प	प नि	पध सां
दु ख	द ऽ	लि ऽ	द्र प	ति त	ऽ ऽ
सां रिं	सां सां	नि् प	प ऽ	ध रिं	सां ऽ
पा ऽ	व न	ऽ ऽ	ते ऽ	रो ऽ	ही ऽ
नि् प	म् ऽ	रि सा,	ऽ सा	नि़ ध़	रि सा
ज स	गा ऽ	ऽ ऊं,	ऽ द	या ऽ	नि धि

स्थायी.

मृम् रिम् ।मृरि मृम् । रिसा निसा, । निनि् पनि्।नि्प नि्नि् । पप मृम्

रिसा निसा, । रिंरिं सांरिं ।रिंसां रिंरिं । सांसां नि्ध । नि्नि् पम् । रिसा निसा,

नि्ध नि्प । मृप नि्ध । नि्ध निसा । दयानिधि

पनि् धसा । निरि निसा, । पनि् धसा । निरिं साम् । रिसा निसा, । पनि् धसा

निरि साम् । रिप रिम् । सारि निसा, । पनि धसा । निरि साम् । रिप मृनि

मृप रिम् । सारि निसा, । पनि् धसा । निरि साम् । रिप मृनि् । धनि सां

धध नि्प । मृप रिम् । सारि निसा । दयानिधि

रिरि सासा, । पप मृम् । रिरि सासा, । नि्नि् पप । मृप मृम् । रिरि सासा,

रिंरिं सांसां । नि्नि् पप । मृप मृम् । रिरि सासा, । निसा रिम् । पनि् धनि

सांसां नि्ध । नि्प मृम् । रिरि सासा । दयानिधि

निसा रिम् । रिसा, रिम् । पध पम्, । पध निसां । नि्ध, निसां ।रिंमं रिंसां,

रिंमं सांरिं । निसां धनि् । मृप रिम् । सारि निसा, । सारि मृरि।मृप मृप

धप धनि् । धनि सां । रिरि निसा । दयानिधि

अंतरा "जीवन मुक्त कर हर"

धनि सांध।निसां धनि । सांरिं निसां । धध नि्प । मृरि निसा, । निसां रिंनि

सांरिं निसां । रिंमं रिंसां । धध नि्प । मरि निसा, । सांरिं मंसां।रिंमं सांरिं

मंपं मंरिं । सांरिं निसां । धध नि़प । म़रि नि़सा, । रिम़ पनि़ । धनि सां ॥
जीवन मुक्त कर हर

मंमं रिंसां । निनि सांरिं । सां ऽ, । निनि़ पम़ । रिम़ पध । प ऽ ।

म़म़ रिसा । नि़नि़ सारि । सा ऽ, । नि़सा रिम़ । पनि़ धनि । सां ऽ ॥
जीवन मुक्त कर हर

मंसं रिंमं । मंरिं सांसां, । रिंरिं सांरिं । रिंसां नि़प, । म़म़ रिम़ । म़रि सासा,

म़म़ रिसा । पप म़रि । नि़नि़ पम़ । सांसां नि़ध । रिंरिं सांनि़ । मंमं रिंसां

धध नि़प । म़म़ रिसा, । साम़ रिप । म़नि़ धनि । सां, म़नि़ । धनि सां ॥
जीवन मुक्त कर हर

निसां रिंध । निसां पध । नि़म़ पध । रिम़ पसा । रिम़ नि़सा । रिध़ नि़सा

साम़ रिसा । रिप म़रि । म़नि पम़ । पसां नि़प । निरिं सांनि । सांमं रिंसां
१
सांमं रिंपं । रिंमं सांरिं । निसां धनि़ । म़प रिम़ । सारि नि़सा, । साम़ रिप
२ ३
म़नि़ धनि । सां, साम़ । रिप म़नि़ । धनि सां, साम़ रिप । म़नि़ धनि

सां ऽ ।

राग सुहा.

रागांग विस्तार.

(१) नि॒ सा ऽ, ग॒ ऽ म॒ ऽ; प ग॒ ऽ, म॒ रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, नि॒ सा ऽ; नि॒ प॒ ऽ म॒ प॒ सा ऽ; प॒ नि॒ सा ऽ; म॒ रि सा ऽ; प ग॒ ऽ, म॒ रि सा ऽ; नि॒प म॒प ग॒ ऽ; म॒ रि सा ऽ ॥

(३) नि॒ सा ऽ; रि नि॒ सा ऽ म॒ ऽ; प ग॒ म॒ ऽ; नि॒ प ऽ सां ऽ, नि॒प म॒प ग॒ म॒ ऽ; नि॒ प ग॒ ऽ; म॒ रि ऽ सा ऽ ॥

(४) म॒ म॒ प प ऽ नि॒ प सां ऽ; नि॒ सां रिं (किंवा गं॒) मं॒ रिं सां ऽ; नि॒ सां रिं रिं सां ऽ, नि॒ सां नि॒ प; म॒ प ग॒ म॒ ऽ, प सां ऽ; नि॒प म॒प ग॒ म॒ ऽ; रि रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि॒सा ग॒म॒ रिरि सासा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ पप ग॒म॒ रिरि सासा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ पनि॒ म॒प ग॒म॒ रिसा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ पनि॒ पसां नि॒प म॒प ग॒म॒ रिसा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ पनि॒ सांरिं॒ नि॒सां नि॒प ग॒म॒ रिसा ऽ; नि॒सा ग॒म॒ पनि॒ सांरिं मं॒मं॒ रिंसां नि॒प म॒प ग॒म॒ रिसा ऽ ॥

आरोह में गांधार के बदले ऋषभ स्वर भी लगाते हैं.

यथाः— नि़सा रिम् पनि् मृप सांरिं मृंमृं रिंसां नि़्सां नि़्प मृप गम्
रिसा ऽ ॥

कभी २ अवरोह में मृदु धैवत स्वर अल्पसा लगाते हैं. यथाः—
सांरिं नि़्सां नि़्ध् नि़्प गम् रिसा.

आरोह में मृदु धैवत स्वर का व्यवहार करने से **अडाणा** राग की छाया उत्पन्न होगी यह अवश्य ध्यानमें रखे.

सुहा और नायकी ये दोनों समप्रकृति के राग हैं. **सुहा** राग मध्य दिन को गाते हैं और उस का **पूर्वांग** प्रबल है. **नायकी** राग मध्य रात को गाते हैं और उस का **उत्तरांग** प्रबल है, यह दोनों का विशेषतः भेद है. ये दोनों राग के अवरोह में मृदु धैवत का प्रयोग उपरोक्त स्वरविस्तार में लिखे अनुसार अल्पसा होता है. सुहा राग से अलग करने के लिये **नायकी** राग में

म्
कभी २ **"सा रि नि़् सा, रि प ग्, म् रि सा"** ऐसी स्वररचना की जाती है, जो **सुहा** राग में नहीं. बाकी सब **सुहा** राग के तुल्य समझना. ये दोनों राग के स्वरविस्तार, तानादि एकसमान है. सुहा, **सुघराई, नायकी, देवशाख, शहाना, दरबारी, अडाणा, मीयांमल्लार, बहार,** इत्यादि **कानडा** के विविध प्रकारों की **अवरोही** की स्वर रचना एकसमान ही है. यथाः—

(१) मृंमृं रिंसां नि़नि़् पम् गम् रिसा. (२) मृंसृं रिंसां नि़्प मृप गम् रिसा.

(२) मृंमृं रिंसां नि़्ध (अथवा धध) नि़्प गम् रिसा.

(३) सांरिं नि़्सां धनि़् मृप गम् रिसा.

अवरोह में मृदु धैवत भी इसी प्रकार अल्पसा लगाते हैं. अवरोह की स्वर रचना वक्र होनेसे इसमें घुमना फिरना ज्यादा नहीं हो सकता है.

सुहा, सुघराई, देवशाख, नायकी और **शहाना कानडा** के आरोह की स्वर रचना नीचे मुजब:—

(१) नि्सा रिम् पनि् म्प **सां** (२) नि्सा रिम् पनि् **सां**.
(३) साम् रिप म्नि् पसां. (४) म्रि पम् नि्प **सां**. } **सारंग** अंग.

(५) नि्सा गम् पनि् म्प **सां**.

दरबारी, अडाणा, मीयां मल्लार और **बहार** ये चार प्रकारों के आरोह की स्वर रचना का खुलासा आगे दिये हुए उनके गीतों का अभ्यास से होगा.

सुहा—एकताल.

तुवे ममदसा दरबार निझामदीन सुजान.
घवल कलस पर बलबल जैये,
उन पर जैये कुरबान निझामदीन सुजान.

प	ध			म्							
नि्	नि्	पम्	प	ग्	म्	रि	सा	रि	ऽ	सा	सा
तु	ऽ	वेऽ	ऽ	मं	ऽ	म	द	सा	ऽ	द	र
=		०		२		०		३		४	*

		म्									
सा	ऽ	ग्	ऽ	म्	म्	प	ऽ	प	म्	नि्	प
बा	ऽ	र	ऽ	ऽ	नि	झा	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ

								म्			
सां	ऽ	ऽ	नि्	ऽ	प	म्प	नि्प	ग्	ऽ	म्	ऽ
दी	ऽ	ऽ	न	ऽ	सु	जाऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ

* (अंतरा)

म्‌ प	ऽ **नि्‌**	**नि्‌ प**	**सां सां**	ऽ रिंनि्‌	**सां सां**
ध व	ऽ ल	ऽ क	ल स	ऽ पऽ	ऽ र
सां				नि्‌	
नि्‌ सां	ऽ नि्‌रिं	ऽसां सांरिं	**नि्‌ सां**	**ध्‌** ऽ	**नि्‌ प**
ल ब	ऽ ऽब	ऽ लऽ	जै ऽ	ये ऽ	ऽ ऽ
प		मं			
म्‌ प	**नि्‌ सां**	**गं्‌** ऽ	**मं्‌ रिं**	ऽ ऽ	**सां नि्‌**
उ न	प र	जैः ऽ	ऽ ये	ऽ ऽ	कु र
सां ऽ	ऽ **नि्‌**	ऽ **प**	**प** ऽ	**प म्‌**	**नि्‌ प**
बा ऽ	ऽ न	ऽ नि	झा ऽ	म ऽ	ऽ ऽ
				म्‌	
सां ऽ	ऽ **नि्‌**	ऽ **प**	म्‌प नि्‌प	**ग्‌** ऽ	**म्‌** ऽ
दी ऽ	ऽ न	ऽ सु	जाऽ ऽ	न ऽ	ऽ ऽ

स्थायी. " तुवे मंमदसा दर "

ऩि्‌सा ग्‌म्‌ । रिरि सासा, । ऩि्‌सा ग्‌म्‌ । पप ग्‌म्‌ । रिरि सासा, । ऩि्‌सा ग्‌म्‌

नि्‌नि्‌ पम्‌ । ग्‌म्‌ रिसा, । ऩि्‌सा ग्‌म्‌ । पनि्‌ म्‌प । **सां** नि्‌नि्‌ । पम्‌ ग्‌म्‌

तुवे मंमदसा दर

ऩि्‌सा ग्‌म्‌ । पनि्‌ सांरिं । नि्‌सां नि्‌नि्‌ । पम्‌ ग्‌म्‌ । रिरि सासा, । ऩि्‌सा ग्‌म्‌

पनि्‌ सांसां । मंमं रिंसां । नि्‌नि्‌ पम्‌ । ग्‌म्‌ रिसा, । ऩि्‌सा ग्‌म्‌ । नि्‌प ग्‌म्‌

तुवे मंमदसा दर

ऩि्‌सा ग्‌म्‌, । नि्‌ध्‌ नि्‌प । म्‌प ग्‌म्‌, । सांरिं सांध्‌ । नि्‌प ग्‌म्‌,। मंमं रिंसां

नि्‌ध्‌ नि्‌प । म्‌प ग्‌म्‌ । रिरि सासा, । ग्‌म्‌ पनि्‌ । म्‌प **सां** । नि्‌प ग्‌म्‌

तुवे मंदरसा दर

तु ऽ । वे ऽ । मं ऽ । म द । गम् रिसा, । पप गम्

रिसा, नि़नि़ । मप गम । रिसा, रिंरिं । नि़सां धनि़ । मप गम् । रिसा, मंमं

रिंसां धनि़ । मप गम । रिसा ऽ, । नि़सा गम । पग् ऽम् । नि़प गम्
तुवे मंमदसा दर

नि़सा रिसा । ऽ, नि़सा । रिम् ःरिसा, । नि़सा रिम् । पनि़ मप । गम् रिसा,

नि़सा रिम । पनि़ सांरिं । सांनि़ पम् । गम रिसा, । नि़सा रिम । पानि़ सांरिं

गंमं पंग् । मंरिं सांसां । नि़प मप । गम् रिसा, । नि़सा गम् । पग् ऽमं
तुवे मंमदसा दर

अंतरा. "धवल कलस पर"

रिंरिं सांसां । धध् नि़प । मप गम् । रिरि सासा, । मंमं रिंसां । धध् नि़प

मप गम । रिरि सासा, । नि़सा गम । पनि़ मप । **सां**, पनि़ मप **सां**
धवल कलस पर

नि़नि़ पनि़। नि़प नि़नि़ । पम गम् । रिसा नि़सा, । रिंरिं सांरिं।रिंसां रिंरिं

सांनि़ पम् । गम रिसा, । मंमं रिंमं ।मंरिं मंमं । रिंसां नि़सां । नि़प मप

गम रिसा, । नि़सा गम । पानि़ मप । **सां,** नि़सा । गम पनि़ । मप **सां**
धवल कलस पर

रिंरिं नि़सां । धनि़ मप । गम रिसा, । मंमं रिंसां । नि़सां रिंसां । धनि़ मप

गम् रिसा, । पंपं गंमं । रिंसां नि़सां । धनि़ मप । गम् रिसा, । [1] नि़सा गम

पनि़ मप । **सां**, [2] नि़सा गम पनि़ । मप **सां**, [3] नि़सा गम । पानि़ मप

सां ऽ ।

राग सुधराई.

रागांग विस्तार.

(१) ऩि सा ऽ, रि म् ऽ म् प ऽ, ग् म् ऽ रि ऽ, सा ऽ; रि ऩि सा ऽ, रि म् ऽ म् प ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि ग् ग् म् ऽ रि ऽ, सा ऽ; ऩि ध़ ऽ ऩि प़ ऽ; म़् प़ ऽ सा ऽ; रि ऽ सा ऽ; म् ग् ऽ म् रि ऽ, सा ऽ ॥

(३) ऩि सा ऽ, रि म् ऽ म् प ऽ; ध ध नि् प ऽ; प ग् म् रि ऽ, सा रि सा ऽ ॥

(४) म् प ऽ नि् प सां ऽ सां ऽ, रिं रिं सां ऽ; नि् प नि सां ऽ, रिं मं् रिं सां ऽ, नि् ध नि् प ऽ; म् म् ऽ प ऽ सां ऽ, ध नि् प ऽ; ग् म् ध प ऽ, ग् म् रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

ऩिसा रिम् रिसा ऽ; ऩिसा रिम् पनि् म्प ग्म् रिसा ऽ; ऩिसा रिम् पनि् म्प **सां** ऽ नि्ध नि्प ग्म् रिसा ऽ; ऩिसा रिम् पनि् म्प सांरिं निसां नि्ध नि्प ग्म् रिसा ऽ; ऩिसा रिम् पनि् म्प सांरिं मंमं् रिंसां निसां धध नि्प ग्म् रिसा ऽ ॥

सुधराई–झपताल.

मेरी मदद करो या शाह मेरे, दुख दलिद्र दूर करो सुख दो घनेरे.
अलियो नबी तेरी बिनती करत हूं, सदका हसन का छुवत चरण तेरे.

म्‌ म्‌ म्‌
ध प | ऽ म्‌प नि्‌ प म्‌ | रि रि सा ‖ ग्‌ ऽ | ग्‌ ग्‌ म्‌ | रि सा | नि्‌ सा ऽ
मे ऽ | ऽ रीऽ म दृ दृ | क रो ऽ ‖ या ऽ | शा ऽ ह | मे ऽ | रे ऽ ऽ
= २ ० ३ = २ ० ३ *

सा म्‌ सां नि
नि्‌ सा | रि म्‌ म्‌ | प ऽ | ध म्‌ प ‖ प नि | सां ऽ रिं | सां प | नि्‌ म्‌ प
दु ख | द लि द्र | दृ ऽ | कं रो ऽ ‖ सु ख | दो ऽ घ | ने ऽ | रे ऽ ऽ

*(अंतरा)

सां
म्‌ प | नि सां नि | सां नि | सां ऽ सां ‖ नि सां | रिं म्‌ रिं | सां सां | प नि्‌ प
अ लि | यो ऽ न | बी ऽ | ते ऽ री ‖ बि न | ती ऽ क | र त | हूं ऽ ऽ

म्‌ नि
नि्‌नि्‌ पम्‌ | रि म्‌ म्‌ | प प | ध म्‌ प ‖ प रिं | सां निसांरिं सांरिं | सां प | नि्‌ म्‌ प
सऽ दऽ | का ऽ ह | स न | का ऽ छु ‖ व त | च रऽऽ नऽ | ते ऽ | रे ऽ ऽ

स्थायी. "मेरी मदद करो"

नि्‌सा रिसा, । नि्‌सा रिम्‌ रिसा, । नि्‌सा रिम्‌ । पनि्‌ म्‌प गम्‌

रिसा, नि्‌सा । रिम्‌ पनि्‌ पसां । नि्‌प म्‌प । गम्‌ रिसा ऽ,

नि्‌सा रिम्‌ । पनि्‌ म्‌प सांरिं । मंमं रिंसां । नि्‌सां निनि्‌ म्‌प ॥ मेरी मदद करो

नि्‌सा रिम्‌ । प, म्‌प धध । नि्‌प, म्‌प । नि्‌सां धध नि्‌प,

म्‌प नि्‌प । नि्‌सां रिंसां धध । नि्‌प, म्‌प । नि्‌प नि्‌सां रिंमं

रिंसां निसां । धध निप गम् । रिसा, निसा । रिम् पानि मप ॥ मेरी मदद करो

गग् मम् । रिरि सासा, पप । गम् रिरि । सासा, धध निप

मप गम् । रिरि सासा, रिंरिं । सांसां धध । निप मप गम्

रिरि सासा, । मंमं रिंसां धध । निप मप । गम् रिरि सासा,

साम् रिप । मनि पसां निसां । मंमं रिंरिं । सांसां निनि मप ॥ मेरी .... मेरे

अंतरा "अलियो नबी तेरी"

ऽ सांमं । गंमं रिंसां, निसां । निरिं सांनि, । पनि पसां निप,

मप मनि । पम्, गम् रिसा, । निसा रिम् । पनि मप सां ॥ अलियो नबी तेरी

पनि सांप।निसां पानि सांरिं । निसां पनि । मप गम् रिसा,

निसां रिंनि।सांरिं निसां रिंमं । रिंसां पनि । मप गम् रिसा,

सांरिं मंसां।रिंमं सांरिं मंपं । गंमं रिंसां । निसां पनि मप

गम् रिसां, । निसा रिम् पनि । मप सां, । पनि मप सां ॥ अलियो नबी तेरी

निनि पनि।निप मप गम् । रिसा ऽ, । रिंरिं सांरिं रिंसां

निसां निप । मप गम् रिसा, । मंमं रिंमं।मंरिं सांसां निप

मप गम् । रिसा, रिरि रिम्।मम् पप । पनि निप सां ॥ अलियो नबी इ. इ.

राग नायकी.

---*---

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ; रि ऩि सा ऽ, रि प ग्; म् रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा रि प ग् ऽ; म् रि ऽ सा ऽ; ऩि प़ ऽ, म़ प़ सा ऽ; रि ऽ, ग् ग् म् रि ऽ, सा ऽ; मप नि़प मप ग् ऽ; प ग् ऽ, म् रि ऽ सा ऽ ॥

(३) ऩि सा ऽ, रि प ग् म् ऽ, म् प ऽ, प ऽ सां; निप मप सां ऽ; निप मप ग् म् ऽ; प ग् म् ऽ, रि सा ऽ ॥

(४) म् प नि् प सां ऽ सां ऽ, रिं नि् सां ऽ; रिं पं गं् ऽ, मं् रिं ऽ सां ऽ; निप मप सां ऽ, निप मप ग् म् ऽ; प ग् ऽ, म् रि ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

ऩिसा रिसा ऽ; ऩिसा रिम् रिसा ऽ; रिप गम् रिसा ऩिसा ऽ; रिप गम् निनि् पम् गम् रिसा ऽ; रिप गम् मप सां (अथवा) साम् रिप मनि् पसां निनि् पम् गम् रिसा ऽ; मप निसां रिसां निसां निनि् पम् गम् रिसा ऽ; मप निसां रिंमं् (अथवा मंमं्) रिंसां निप मप गम् रिसा ऽ; मप निसां रिंपं गंमं् रिंसां निसां धध् निप मप गम् रिसा ऩिसा, मरि पम् निप सां ऽ ॥

(२) नि्सा रिसा ऽ; नि्सा म्म् रिसा नि्सा ऽ; नि्सा रिप ग्म् रिसा ऽ; नि्सा म्म् नि्नि् पम् ग्म् रिसा ऽ; नि्सा म्ग् पम् नि्प सां नि्नि् पम् ग्म् रिसा ऽ; नि्सा रिप ग् म्, म्प सां, म्प नि्सां रिंसां नि्सां नि्प म्प ग्म् रिसा ऽ; म्रि पम् नि्प सां, म्प नि्सां मंमं रिंसां नि्प म्प ग्म् रिसा ऽ ॥

नायकी–त्रिताल.

सजन बिन भई निरास हूं कहो सखी किस बिध पाऊं दरस.
कहत नायकी अपने जिया की रूज हरके दरस बिन निसदिन तरस.

|: नि्	नि् प प म्	
स	ज न बि न	
	३	

प ग्(म्) ऽ म्	ग्(म्) ग्(म्) म् प	ऽ नि् म् प	सां ऽ ऽ नि्
भ ई ऽ नि	रा ऽ स हूं	ऽ क हो स	खी ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

(अंतरा)

प प ग्(म्) ग्(म्)	ऽ ग्(म्) ऽ म्	रि रि सा :| म्	म् प नि् प
कि स बि ध	ऽ पा ऽ ऊं	द र स :| क	ह त ना ऽ

नि् सां ऽ प	म् प नि् सां	रिं रिं सां नि्	प ग्(म्) ऽ म्
य की ऽ अ	प ने जि या	कि रू ज ह	र के ऽ द

प नि् प सां	नि् प ग्(म्) म्	रि रि सा नि्	नि् प प म्
र स बि न	नि स दि न	त र स, स	ज न बि न

स्थायी.

भ ई ऽ नि । ऩिसा मृ, ऩिप गृम्, । सांसां ऩिप गृम्, रिंरिं । सांसां ऩिप गृम्, मृंमृं

रिंसां ऩिप गृम्, रिंपं । गृंमृं रिंसां ऩिसां ऩिप । गृम् रिरि सासा, स । जन बिन

भ ई ऽ नि । मृम् रिरि, पप मम्, । निनि् पप, सांसां ऩिनि, । रिंरिं सांसां, मृंमृं रिंरिं,

पंपं गृंमृं रिंरिं सांसां । निनि् पप मृप गृम् । रि रि सा, स । जन बिन

भ ई ऽ नि । रा ऽ स हूं । ऽ, मृम् रिरि सासा । ऽ, पप गृम् रिरि

सासा ऽ, निनि् पप । मृप गृम् रिरि सासा । ऽ, रिंरिं सांसां निनि् । पप मृप गृम् रिरि

सासा, साम् रिप मृनि् । पसां मृंमृं रिंसां ऩिप । मृप गृम् रिसा, स । जन.... सखी

पऩि् पसा ऽ, पऩि्।पसा ऩिरि ऩिसा, पऩि्।पसा ऩिरि साम् रिसा। ऩिसा, पऩि् पसा ऩिरि

साम् रिप गृम् रिसा। ऩिसा, पऩि् पसा ऩिरि।साम् रिप मृनि् मृप।गृम् रिसा ऩिसा, पऩि्

म्
पसा ऩिरि साम् रिप । मृनि् पसां ऽ, ग् । मृ रि सा, स । जन .... दरस

अंतरा "कहत ना"

नि् सां ऽ ऽ	ऽ ऽ, सांरिं सांरिं	ऩिसां ऩिसां पनि् मृप	गृम् रिसा, ऩिसा गृम्
य की ऽ ऽ	ऽ ऽ, आऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ, आऽ ऽ

ऽम्, गृम् पप ऽप, । मृप निनि् ऽनि्, पनि् । सांसां ऽसां ऽ, क । हत ना

य की ऽ ऽ । पनि् सांप ऩिसां पनि् । सांरिं ऩिसां ऩिप मृप,। गृम् पंगं् मृप गृम्

पनि् मृप गृम् रिसा, । मृग् पम् ऩिप सां । रिंरिं ऩिसां ऽ, क । हत ना

य की ऽ ऽ । नि॒नि॒ पनि॒ नि॒प नि॒नि॒ । पम॒ ग॒म॒ रिसा नि॒सा, । रिंरिं सांरिं रिंसां रिंरिं

सांनि॒ पम॒ ग॒म॒ रिसा, । मंमं रिंमं मंरिं मंसं । रिंरिं सांसां नि॒नि॒ पम॒ । ग॒म॒ रिसा, नि॒सा म॒म॒

पग॒ ऽम॒, ग॒म॒ पनि॒ । सांप ऽनि॒, पनि॒ सांमं । रिंसां नि॒सां ऽ, क । हत नायकी, इ. इ.

बोलतानें "सजन बिन"

नि॒नि॒ पनि॒ पम॒ पऽ	म॒ग॒ ऽम॒ रिऽ सासा	सासा म॒म॒ पनि॒ म॒प	परिं सांरिं नि॒सां नि॒नि॒पम॒
सज नबि नभ ईऽ	निरा ऽस हूंऽ कहो	सखि किस बिधपाऊं	दर सस जन बिऽनऽ

भई .... दरस

सारि ऽरि सारि म॒ग॒
सज ऽन बिन भई

म॒प ऽम॒ नि॒प म॒प	परिं सांरिं नि॒सां नि॒प	ग॒ऽ म॒सा रिसा, नि॒	नि॒ प प म॒
निरा ऽस हूंऽ कहो	सखी ऽकि सबि ऽध	पाऽ ऊंद रस, स	ज न बि न

म॒ग॒ पम॒ नि॒प सांनि॒	रिंऽ सांरिं नि॒सां नि॒प	नि॒प म॒प ग॒म॒ रिसा	रिसा ऽनि॒ नि॒प पम॒
सज नबि नभ ईनि	राऽ सहूं कहो सखि	किस बिध पाऽ ऊंद	रस ऽस जन बिन

प ग॒ ऽ म॒	ग॒ ग॒ म॒ प	ऽ नि॒ म॒ प	सां ऽ ऽ ऽ
भ ई ऽ नि	रा ऽ स हूं	ऽ क हो स	खी ऽ ऽ ऽ

रिंसां ऽरिं नि॒सां नि॒प	म॒ग॒ ऽम॒ रिसा नि॒सा	साम॒ ग॒प म॒नि पसां	नि॒प पनि॒ नि॒प पम॒
सज ऽन बिन भई	निरा ऽस कहो सखि	किस ऽबि धपा ऽऊं	दर सस जन बिन

प ग॒ ऽ म॒	नि॒प म॒प म॒ग॒ म॒ग॒	म॒ग॒ म॒रि सारि नि॒सा	नि॒सा म॒ग॒ म॒प ग॒म॒
भ ई ऽ ऽ	सऽ ऽज ऽ नऽ	बिऽ ऽन ऽ भऽ	ईऽ ऽनि ऽ राऽ

मप निप निसां निसां | रिंसां ऽरिं सांनि ऽसां | निप ऽनि मप ऽनि | नि प प म
सऽ ऽहूं ऽ कहो | सखि ऽकि सबि ऽध | पाऊं ऽद रस ऽस | ज न बि न

म म म
प ग ऽ म | ग ग म प | ऽ नि म प | सां ऽ ऽ ऽ
भ ई ऽ नि | रा ऽ स हूं | ऽ क हो स | खी ऽ ऽ ऽ

मं म
निसां रिंपं गं ऽ | मं रिं सां ऽ | निप मप सां ऽ | निप मप ग ऽ
सज नबि ना ऽ | ऽ भ ई ऽ | निरा ऽस हूं ऽ | कहो ऽस खि ऽ

म म
गम निनि मप ग | ऽ ग ऽ म | रि रि सा, नि | नि प ऽ, ममरि
किस बिध पाऽ ऊं | ऽ ऽ ऽ ऽ | द र स, स | ज न ऽ, सजन

पऽम निनिप सांऽनि मपनि | सांरिंमं रिंसांरिं सांनिसां निनिप |
बिऽन भईनि राऽस कहोस | खिकिस बिऽध पाऽऊं दरस |
= २

१ २ ३ म
निनिप पऽम पमऽ, निनिप | पऽम पमऽ, निनिप पऽम || प ग ऽ म |
सजन बिऽन भईऽ, सजन | बिऽन भईऽ, सजन बिऽन || भ ई ऽ ऽ | इ. इ.
० ३ =

राग शहाना.

रागांग विस्तार.

म म
(१) नि सा ऽ, रि ऽ ग ऽ, म रि ऽ सा ऽ; प ऽ ग म ऽ;

म
नि प ग म ऽ, रि ऽ सा ऽ ॥

म्
(२) ऩि् सा ऽ, रि म् रि सा ऽ; ऩि् सा म् ऽ; प ग् म् ऽ;

म् म्
नि् प ग् म् ऽ, प सां ऽ; नि् ध नि् प ऽ, म् प ग् ऽ म् ऽ;

नि् म्
ध प ग् ऽ; म् रि ऽ सा ऽ ॥

(३) म् प नि सां ऽ, सां नि सां ऽ; नि सां ऽ, रिं मं रिं सां ऽ,

म्
नि् प ऽ; ध म् प ऽ प सां ऽ; ध ध नि् प ऽ म् प ग् ऽ;

म् रि ऽ सा ऽ; नि् ध नि् प, ध म् प प, सां ऽ ॥

स्वरविस्तार.

ऩिसा गुम् रिरि सासा ऽ; ऩिसा गुम् पग् ऽम् रिरि सासा ऽ, ऩिसा गुम् पग् ऽम् निध निप मप गुम् रिरि सासा ऽ; ऩिसा गुम् पग् ऽम् निध निप धम् पप सां ऽ, निध निप मप गुम् रिरि सासा ऽ; ऩिसा गुम् पनि् पनि सांरिं निसां निध निप मप गुम् रिरि सासा ऽ; ऩिसा गुम् पग् ऽम्, निप गुम् पसां ऽसां, सांरिं निसां रिंमं रिंसां निध निप मप गुम्, धप गुम् रिरि सासा ऽ, ऩिसा गुम् निध निप धम् पप सां ऽ ॥

शहाना–झपताल.

गूंद ला मालन फूलंदा सहेरा,
आज बना बनरी को मुबारक.–गूंद
शाह कुतुबद्दीन ब्याहन चढिया,
बनिजी का बनरा सल्ले अलासलम्.–आज

म्								
।: नि् ध	नि् ऽ प	ध म्	प ऽ प	सां ऽ	नि्ध नि् प	म् प	ग् ऽ म् :।
गूं ऽ	द ऽ ला	मा ऽ	ल ऽ न	फू ऽ	लोंऽ ऽ दा	स हे	रा ऽ ऽ
=	२	०	३	=	२	०	३ *

ध प	म् ग् ऽ म्	रि ऽ	सा ऽ सा	सा म्	म् प प	मूप नि्प	म् ग् ऽ म्
आ ऽ	ज ऽ ब	ना ऽ	ब ऽ न	री ऽ	को ऽ मु	बाऽ ऽ	र ऽ क

*(अंतरा)

।: नि् प	नि सां सां	सां नि	सां ऽ सां	नि सां	निसां रिं सां	नि सां	नि्ध नि् प :।
शा ऽ	ह ऽ कु	तु · ब	ही ऽ न	व्या ऽ	हऽ ऽ न	च ढि	याऽ ऽ ऽ

नि् ध	नि् ऽ प	ध प	ग् म् प	सां ऽ	ध नि् प	म् प	ग् ग् म्
ब नि	जी ऽ का	ब न	रा ऽ ऽ	स ऽ	ले ऽ अ	ला ऽ	स ल ऽमु

आज .... मुबारक

स्थायी "गूंद....सहेरा"

ऩिसा ग्म् । पग् ऽम्, नि्ध । नि्प मूप । ग्म्, सांरिं नि्सां

नि्ध नि्प । मूप ग्म् रिरि । सासा, ऩिसा । गूम् पग् ऽम् ॥ गूंद ला मालन

ऩिसा मूग् । प, धध नि्प, । सां धध । नि्प, रिंरिं सांसां

धध नि्प । मूप गूम् रिरि । सासा, ऩिसा । मूम् पप गूम् ॥ गूंद .... सहेरा

ऩिसा ग्म् । पनि् पनि सांरिं । निसां मूंमूं । रिंसां नि्ध नि्प,

मूप ग्म् । धप ग्म् रिरि । सासा, सांसां । नि्प मूप ग्म् ॥ गूंद .... सहेरा

साम् ग्म् । पनि् पनि सांम् । गूंमं सांरिं । निसां धनि् मूप

ग्म् पग् । मूरि सा, सांरिं । निसां नि्ध । नि्प मूप ग्म् ॥ गूंद .... सहेरा

अंतरा. "शाह कुतुबद्दिन"

सांरिं निसां । धनि् म्प ग्म् । रिसा, म्मं् । रिंसां धनि् म्प

ग्म् रिसा, । नि्सा ग्म् पग् । ऽम्, नि्प । ग्म् म्प सां ॥ शाह कुतुबद्दीन

म्मं् रिंम्ं ।म्रिं सांसां, रिंरिं।सांरिं रिंसां । नि्प, म्म् रिम्

मरि सासा, । साम् ग्म् पानि् । पनि सांरिं । सांमं् रिंसां निसां ॥ शाह कुतुबद्दीन

सांरिं सांनि्।सांनि् पानि् पम् । पम ग्म्।रिसा रिसा, नि्सा

म्ग् म्प।म्प नि्प निसां, । नि्ध नि्प । धम् ऽप सां ॥ शाह कुतुबद्दीन

रिंरिं सांरिं।रिंसां नि्सां धनि्।पध नि्प । म्प, ग्म् रिग्

मरि ग्म, । रिरि सारि रिसा । नि्सा, साम् । रिपं म्नि् पसां ॥ शाह, इ. इ.

बोलतानें.

नि् ध	नि् ऽ प	धप ऽप	धप ऽम् ग्म्
गूं ऽ	द ऽ ला	गूंद ऽला	माल ऽन फूलों

ऽम् रिसा	रिनि् ऽसा रि	पग् ऽम्	म्प नि्प ग्म्
ऽदा सेरा	आज ऽब ना	बन ऽरी	लोमु बाऽ रक

नि् ध	नि् ऽ प	रिप म्ध	म्प सांध नि्प
गूं ऽ	द ऽ ला	गूंद लामा	लन फूलों ऽदा

नि्प म्प	ग्म् ग्म् ग्प	म्प ऽनि्	धनि् पम् ग्म्
सेरा आज	बना ऽब नरी	ऽको ऽमु	बाऽ ऽर ऽक

नि़ ध	नि़ ऽ प	रिंसां ऽरिं	सांनि़ ऽसां नि़ध
गूं ऽ	द ऽ ला	गूंद ऽला	माल ऽन फूऽ

नि़प ऽम्	ऽप ऽग् ऽम्	सांसां नि़ध	गऩप म़प गम़
लोंदा ऽसे	ऽरा ऽआ ऽज	बना बन	रीको मुबा रक

गूंद .... सहेरा

म़ग् म़प	म़प नि़ध नि़प	म़प सांनि़	सांनि़ धनि़ पम़
गूंऽ ऽद	ऽ लाऽ ऽमा	ऽ ल	ऽन ऽ फूऽ

पम़ गम़	सारि साम़ पम़	पनि़ सांमं	गूंमं सांरिं सांनि़
ऽला ऽ	दाऽ ऽसे ऽ	राऽ ऽआ	ऽ जऽ ऽब

सांनि़ धनि़	पम़ पनि़ धनि़	पनि़ पम़	पग् म़रि सासा
ऽ नाऽ	ऽब ऽ नऽ	ऽरी ऽ	कोमु बाऽ रक

नि़ ध	नि़ ऽ प	ध म़	प, सांनि़सां नि़धनि़
गूं ऽ	द ऽ ला	मा ऽ	ल, गूंऽद लाऽऽ

पम़प म़गम़	रिऽसा साऽरि पऽम़	पगम़ नि़धनि़
माऽल नऽफू	लोंऽदा सेऽरा आऽज	बऽना बनरी
=	२	०

पम़प म़गम़ रिऽसा	
कोऽमु बाऽऽ रऽक	गूंद .... सहेरा
३	

मरिरि पमम़	धनि़प सांनि़सां मंगंमं	सांरिंसां नि़सांनि़
गूंदला मालन	फलोंदा सहेरा आऽज	बनाऽ बनरी
=	२	०

२		
धनि॒प म॒पम॒ ग॒ऽम॒	सांरिंसां नि॒सांनि॒	धनि॒प म॒पम॒ ग॒ऽम॒
कोऽऽ मुबाऽ रऽक	बनाऽ बनरी	कोऽऽ मुबाऽ रऽक
३	=	२

३		
सांरिंसां नि॒सांनि॒	धनि॒प म॒पम॒ ग॒ऽम॒	
बनाऽ बनरी	कोऽऽ मुबाऽ रऽक	गूंद ला. इ. इ.
०	३	

राग दरबारी.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ ध॒ ऽ, नि॒ प ऽ; म॒ प ऽ ध॒ ऽ, नि॒ नि॒ सा ऽ; नि॒ सा रि रि ऽ; सा रि ग॒ ग॒ ऽ; रिसा नि॒ध॒ ऽ, नि॒ रि सा ऽ ॥

(२) म॒ ऽ, रिसा नि॒सा रिसा ध॒ ऽ, नि॒ सा ऽ; नि॒ रि ऽ सा ऽ; म॒प ध॒नि॒ सारि ग॒ ऽ; ध॒ ऽ, नि॒ रि ऽ सा ऽ; नि॒ सा रि ऽ रि ऽ; ध॒ ऽ ग॒ ऽ; रिसा नि॒सा रि ऽ, सा ऽ; नि॒ नि॒ रि ऽ सा ऽ ॥

प नि॒ नि॒ नि॒ म॒

(३) म॒ ऽ प ऽ, ध॒ ध॒ ध॒ नि॒ प ऽ; म॒पनि॒म॒प ग॒ ऽ; रि सा रि ऽ,

नि॒ म॒ म॒

सा ऽ; ध॒ ऽ, नि॒ रि ऽ सा ऽ; रि प ग॒ ऽ; ग॒म॒पग॒म॒ रि

सा सा

सा रि रि ऽ सा ऽ; नि॒ नि॒ रि ऽ सा ऽ ॥

नि॒ नि॒ सां

(४) म॒ म॒ प प ध॒ ध॒ नि॒ नि॒ सां सां ऽ नि॒सां सां ऽ; सां ऽ

नि॒ नि॒ सां सां

ध॒ ऽ; ध॒नि॒सांरिं नि॒सांरिंसां ध॒ ऽ, नि॒ नि॒ सां ऽ; म॒पध॒नि॒

नि॒

सांरिंग॒ ऽ; ध॒ ऽ; नि॒ रि ऽ सां ऽ; मं॒ ऽ, रिंसांनि॒सां रिंसांध॒ ऽ,

प सा सा

नि॒ प ऽ; म॒ प सां ऽ; म॒ग॒ ऽ; रिसा रि रि ऽ, सा ऽ; नि॒ नि॒

रि ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार

(१) नि॒सा रिरि सासा ऽ; नि॒सा रिम॒ रिरि सासा ऽ; नि॒सा रिम॒ पप ग॒म॒ रिरि सासा ऽ; नि॒सा रिम॒ पनि॒ म॒प ग॒म॒ रिसा ऽ; नि॒सा रिम॒ पध॒ नि॒सां नि॒प म॒प ग॒म॒ रिसा ऽ; नि॒सा रिम॒ पध॒ नि॒सां रिंरिं नि॒सां ध॒ध॒ नि॒प म॒प ग॒म॒ रिरि सासा ऽ; नि॒सा रिम॒ पध॒ नि॒सां मं॒मं॒ रिंसां नि॒प म॒प ग॒म॒ रिसा, नि॒सा रिरि ध॒ध॒ नि॒प म॒प साध॒ नि॒सा ध॒नि॒ रि रि ऽ सा ऽ ॥

(२) ध॒नि॒ सारि ग॒ग॒ रिसा ऽ; ध॒नि॒ सारि पप ग॒म॒ रिरि सासा ऽ; ध॒नि॒ सारि ग॒ग॒ म॒प सां ऽ, ध॒ध॒ नि॒प म॒प ग॒म॒ रिरि सासा ऽ; ध॒नि॒ सारि ग॒ग॒ म॒प ध॒नि॒ रिंसां नि॒प म॒प ग॒म॒ रिसा ऽ; ध॒नि॒ सारि ग॒ग॒ म॒प ध॒ध॒ नि॒सां रिंरिं ग॒ंग॒ं रिंरिं सांसां ध॒ध॒ नि॒प म॒प ग॒म॒ रिरि सासा ऽ; ध॒नि॒ सारि ग॒ग॒ म॒प

मं

ध॒ध॒ नि॒सां रिंपं ग॒ं मं॒रिं सांसां ध॒ध॒ नि॒प म॒प ग॒म॒ रिरि सासा, ध॒ध॒ नि॒प म॒प

म॒ म॒ सा

सा, ध॒नि॒ सारि ग॒ ग॒ रि रि सा ऽ ॥

दरबारी–त्रिताल.

बंधनवा बांधो रे बांधो सब मिलके मालनियां,
म्हौंमदशाह प्यारे के घर काजे.
सदा रंगीली तानन सों बधावा गावो माई सोप साहब सोहाजे.

| ऽ पनि् म् प |
| ऽ बंऽ ध न |
| ३ |

ध् ऽ नि् ऽ	सा रि ऽ रि	ग् ऽ ग् ऽ	रि ऽ सा ऽ
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ बां ऽ धो	रे ऽ ऽ ऽ	बां ऽ धो ऽ
=	२	०	३

साम् गम् रि रि	सा ऽ नि्सा रिम्	रिसा नि्सा रिसा ध्	नि् पनि् म् प
सऽ बऽ मि ल	के ऽ माऽ ऽ	लऽ निऽ यांऽ ऽ	ऽ बंऽ ध न

ध् ऽ नि् ऽ	सा रि ऽ रि	ग् ऽ ग् ऽ	ऽ रि नि् सा
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ बां ऽ धो	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ म्हौं म द

ग् ऽ म् नि्नि्	पम् प गम् रिसा	रिसा नि्सा रिसा ध्	नि् पनि् म् प
शाह ऽ ऽ प्याऽ	रेऽ के घऽ रऽ	काऽ ऽ ऽ जे.	ऽ बंऽ ध न

(अंतरा)

ध् ऽ नि् ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	म् म् ऽ म्	प ऽ निम् प
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	स दा ऽ रं	गी ऽ लीऽ ऽ

सां ऽ नि्सां नि्र	ग् ऽ म् प	सां ऽ सा ऽ	रि ऽ सा सा
ता ऽ ऽ नन	सों ऽ ब धा	वा ऽ गा ऽ	वो ऽ मा ई

म् मनि् प म्	रि रि सा ऽ	रिसा नि्सा रिसा ध्	नि् पनि् म् प
सो ऽप सा ऽ	ह ब सो ऽ	हाऽ ऽ ऽ जे	ऽ बंऽ ध न

स्थायी. " बंधनवा बांधो रे बांधो "

नि़सा रिरि सासा, नि़सा। रिम् रिरि सासा, नि़सा। रिम् पप गम् रिरि। सासा, नि़सा रिम् पध्

निनि् मप गम् रिरि। सासा, नि़सा रिम् पध्। निसां निप मप गम्। रिसा, बं ध न

वा ऽ ऽ ऽ। ऽ ऽ ऽ ऽ। निनि् सासा रिरि सासा,। मप गम् रिरि सासा,

धध् निप मप गम्। रिरि सासा, रिरिं सांसां। धध् निप मप गम्। रिरि सासा, नि़सा रिम्

पध् निसां गंगं मंमं। रिंरिं सांसां धध् निप। मप गम् रिरि सासा। ध़नि़, बं ध न

वा ऽ, ध़नि़ म़प़। सारि नि़सा, ध़नि़ म़प़। सारि साम् रिसा नि़सा,। ध़नि़ म़प़ सारि साम्

रिप गम् रिसा नि़सा,। ध़नि़ म़प़ सारि साम्। रिप मनि् मप गम्। रिसा नि़सा, ध़नि़ म़प़

सारि साम् रिप मनि्। पसां धनि् मप गम्। रिसा, नि़सा रिसा नि़ध़। नि़, बं ध न

ध़नि़ साध़ नि़सा ध़नि़। सारि नि़सा ध़नि़ रिसा। म़प़ ध़नि़ सारि नि़सा। सारि मप धध् निप

मप धनि् सांरिं निसां। गंगं ऽमं गग् ऽम्। रिसा नि़सा रिसा नि़ध़। नि़, बं ध न
वा बांधो रे बांधो

मम् रिम् मरि सासा। निनि् पनि् निप मप। मंमं रिमं मंरिं सांसां। निप मप गम् रिसा,

नि़सा रिम् पनि् मप। सांरिं गंमं रिंसां निसां। धध् निप गम् रिसा। नि़, बं ध न
वा

अंतरा " सदा रंगीली "

ता ऽ ऽ ऽ। सांसां निप गम् रिसा,। नि़सा रिम् पनि् मप। मप धनि् सांरिं निसां

निसां मंमं रिंरिं सांरिं। निसां पनि मप सां। सदा रंगीली

ता ऽ ऽ ऽ । निसा रिम् पनि् सांरिं । सां, निध् निसां नि, । पम् पनि् प, मग्

मप म्, गरि गम् । ग्, रिसा रिग् रि,।सानि् सारि सा,मरि । पम् निप सांनि् रिंसां

मंरिं पगं मंरिं सांरिं । निसां पनि् मप सां, । सदा रंगीली

ता ऽ ऽ ऽ। सांरिं रिंरिं, निसां सांसां,। पनि् निनि्, मप पप,।गम् मम्, रिरि सासा,

मम् गम्, निनि् धनि्, । सांसां निसां, रिंरिं सांसां । सदा रंगीली

ता ऽ ऽ नन । सां ऽ ब धा । वा ऽ ऽ ऽ । मंमं रिंसां, रिंरिं सांनि्,

सांसां निप, निनि् पग्,।मम् रिसा, निसा रिम्।पनि् सांरिं गंमं पं, । गंमं रिंसां निप मप

१ म् २ म् ३ म्
गम् रिसा, धनि् सारि।ग् मप सां, धनि् ।सारि ग् मप सां,। धनि् सारि ग् मप

सां ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । सदा रंगीली, इ. इ.

बोलतानें. "बंधन"

नि् सा धृ ऽ नि् ऽ वा ऽ ऽ ऽ	प म् प नि् बं ध न वा	ध् सा नि् रि ऽ बां ऽ धो	म् सा ग् ऽ म् रे बां ऽ धो
ग् म् प ग् स ब ऽ मि	म् रि निसा रिम् ल के माऽ ऽ	रिसा निसा रिसा निध् लऽ निऽ ऽ याऽ	नि् पनि् म् प ऽ बंऽ ध न
नि् सा धृ ऽ नि् ऽ वा ऽ ऽ ऽ	रि रि रि रि बं ध न वा	सा नि् सा नि् ऽ ऽ बां ऽ	ध् नि् ध् नि् ऽ धा ऽ ऽ
प म् नि् प रे ऽ स ब	सा नि् रि सा मि ल के ऽ	गम् प गम् रि माऽ ऽ लऽ नि	सा धनि् म् प यां बंऽ ध न

नि़ सा सा
ध़ ऽ नि़ ऽ | सा रि ऽ रि | सारि गम् ऽरि ऽसा | नि़म् ऽप गम् रिसा
वा ऽ ऽ ऽ | ऽ बां ऽ धो | बंध नवा ऽबां ऽधो | रेबां ऽधो सब मिल

मग् मप मप निध् | निसां ऽरिं निसां निप | निम् ऽप गम् रिसा | धनि् पनि् म ऽ प
केऽ ऽमा ऽ लनि | यांऽ ऽमों मद साऽ | प्यारे ऽके घर काऽ | जेऽ बंऽ ध न

नि़ सा सा
ध़ ऽ नि़ ऽ | सा रि ऽ रि | मग् ऽम् पम् ऽप | निध् ऽनि् सांनि् सांसां
वा ऽ ऽ ऽ | ऽ बां ऽ धो | बंध ऽन वाबां ऽधो | रेबां ऽधो सब मिल

रिंनि् ऽसां नि् प | गंमं रिंसां निध् ऽनि् | पनि् मप गम् रिसा | धनि् पनि् म ऽ प
केमा ऽल नि यां | मोंऽ मद साप्या ऽरे | केघ ऽर काऽ ऽ | जेऽ बंऽ ध न

नि़ सा सा
ध़ ऽ नि़ ऽ | सा रि ऽ रि | मग् पम् निप सांनि् | रिंसां मंसां रिंनि् सांध्
वा ऽ ऽ ऽ | ऽ बां ऽ बो | बंध नवा बांधो रेबां | घोस बमि लके माल

१ २ ३
निप निम् पसां ऽनि् | मप गम् रि ऽ | सानि् मप सा, ऽनि् | मप सा, ऽनि् मप
नियां मोंम दसा ऽप्या | रेके घर का ऽ | जेबं धन वा, ऽबं | धन वा, ऽबं धन

सा म् म् सा
सा ऽ ऽ ऽ | ऽ रि ऽ रि | ग् ऽ ग् ऽ | रि ऽ सा ऽ
बा ऽ ऽ ऽ | ऽ बां ऽ धो | रे ऽ ऽ ऽ | बां ऽ धो ऽ

नि्
मंमं रिंसां निप मप | सां ऽ ऽ ऽ | ध् नि् सां ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ
बंऽ ऽ धऽ नऽ | वा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ

नि् नि् सां सां
सां ध् ऽ ऽ | धनि् सांरिं निसां रिंसां | ध् ऽ ऽ ऽ | नि् नि् सां ऽ
बां धो ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ ऽ ऽ | बां ऽ धो ऽ

मं म् म् नि्
ऽ ऽ ऽ ऽ | धनि् सांरिं गं ऽ | ग् ऽ ग् ऽ | ध् ऽ नि् रिं
ऽ ऽ ऽ ऽ | सब मिल के ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | मा ऽ ल नि

सां ऽ ऽ ऽ	मं ऽ रिंसां नि्सां	रिंसां ध् ऽ ऽ (नि्)	नि् प ऽ ऽ
यां ऽ ऽ ऽ	मों ऽ मऽ दऽ	साऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
म् प सां ऽ	ऽ ऽ ग् ऽ (म्)	रिसा रि रि ऽ (सा)	सा, धनि् म् प
प्या ऽ रे ऽ	ऽ ऽ के ऽ	घर का ऽ ऽ	जे, बंऽ ध न
ध् ऽ नि् ऽ (नि्)	सा रि ऽ रि (सा)	ग् ऽ ग् ऽ (म् म्)	रि ऽ सा ऽ (सा)
बा ऽ ऽ ऽ	ऽ बां ऽ धो	रे ऽ ऽ ऽ	बां ऽ घो ऽ

ग्म्रिं सांरिंसां नि्सांनि् धनि्प	नि्म्प ग्ऽम् रिऽसा रिसारि
बंधन वाबांधो रेबांधो सऽब	मिलके माऽल निऽया मोंमद
=	२

१	२ ३	
म्ग्म् नि्म्प ग्म्रिसा, नि्म्प	साऽऽ, नि्म्प साऽऽ, नि्म्प	सा
साप्यारे केघर काऽजेऽ, बंधन	वाऽऽ, बंधन वाऽऽ, बंधन	वा
०	३	=

राग अडाणा.

रागांग विस्तार.

(१) नि् प ग् ऽ, म्प सां ऽ; ध् ऽ नि् प ऽ; म्पनि्म्प ग् ऽ; म् ऽ रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) नि् सा ऽ रि (किंवा ग्) म् प ऽ; ध् ऽ नि् ऽ रिं ऽ सां ऽ; ग्म्प ऽ, म्पनि् ऽ, पनि्सां ऽ, नि्सांरिं ऽ, सांनि् सांनि् प ऽ, नि्प म्प सां ऽ; ग् ऽ, म् रि ऽ, सा ऽ ॥

म् प नि्
(३) म्प नि्प ग् ऽ, म्प सां ऽ; म् ऽ प ऽ ध् ऽ, नि् ऽ रिं सां ऽ;
नि् नि्
नि्सां ध् ऽ, नि् प ऽ; म्प नि्प सां ऽ, ध् ऽ नि् प ऽ; म्प
म् म्
ग् ऽ; म् रि ऽ सा ऽ; नि् प ग् ऽ, म् प सां ऽ ॥

नि् सा सां मं
(४) म् प ध् ऽ, नि् नि् सां ऽ; रिंसां नि्सां गं् मं् रिं सां ऽ;
नि् सां सां म्
नि्सां रिंसां ध् ऽ, नि् नि् सां ऽ; नि्प म्प सां ऽ; ग् ऽ, म्प
नि् सां नि्
सां ऽ; सारि म्प सां ऽ; ध् ऽ, नि्नि् सां ऽ; रिंसां ध् ऽ, नि्रिं
नि् म्
सां ऽ; मं् रिंसां निरिं सां ऽ, ध् ऽ नि्नि् सां ऽ; नि्प ग् ऽ,
म्
म्प सां ऽ; नि् ऽ प ऽ; म्प नि् ग् ऽ; म् रि ऽ सा ऽ; म्प
म्
नि्प ग् ऽ, म्प सां ऽ ॥

रागांग विस्तार.

(१) नि्सा रिसा ऽ; नि्सा रिम् रिरि सासा ऽ; नि्सा रिम् पनि् म्प ग्म् रिसा ऽ; नि्सा रिम् पनि् म्प सां ऽ, नि्प म्प ग्म् रिसा ऽ; नि्सा रिम् पनि् सांरिं सांनि् पम् ग्म् रिसा ऽ; नि्सा रिम् पनि् सांरिं मंमं रिंसां नि्प म्प ग्म् रिसा ऽ; नि्सा रिम् पनि् सांरिं गंमं पंगं् मंरिं सांसां नि्प म्प ग्म् रिसा, नि्सा रिम् पनि् म्प सां ऽ ॥

(२) नि्सा ग्म् रिरि सासा ऽ; नि्सा ग्ग् म्प ग्म् रिरि सासा ऽ; नि्सा ग्ग् म्प ध्ध् नि्प म्प ग्म् रिसा ऽ; नि्सा ग्ग् म्प ध्ध् नि्रिं सांसां (अथवा) नि्सा रिम् पध् नि्रिं सां ऽ, ध्ध् नि्प म्प ग्म् रिरि सासा ऽ; नि्सा ग्ग् म्प ध्ध् नि्नि् सांसां गंमं् (अथवा मंमं्) रिंसां ध्ध् नि्प म्प सां नि्प म्प ग्म् रिसा, नि्सा रिम् पध् नि्रिं सां ऽ ॥

———

अडाणा—त्रिताल.

गगरि मोरि भरन नाहिं देत, ढीट लंगरूवा मतवारो.
जित जाऊं उत आडेहि दोरत, अब न रहूंगी तोरि नगरि.

|: रि॑ नि॒ | सां नि॒ प नि॒ | प म॒ प सां
ग ग | रि मो रि भ | र न न हिं
० ३

नि॒
नि॒सां ऽ ध॒ ऽ | नि॒ प नि॒ ऽनि॒ | प म॒ प म॒ | ग॒ म॒ रि सा
देऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ त ढी ऽट | लं ग रू वा | ऽ ऽ म त
× २ ० ३

(अंतरा) नि॒
रि ऽ ऽ ऽ | सा ऽ :| ऽ ऽ | म॒ प ध॒ नि॒ | सां ऽ सां सां
वा ऽ ऽ ऽ | रो ऽ ऽ ऽ | जि त जा ऽ | ऊं ऽ उ त

नि॒ सां म॑
नि॒ सां रि॑ सांरिं | सां ध॒ नि॒ प | म॒ प नि॒ सां | ग॒ं म॒ं रि॑ सां
आ ऽ डो हिऽ | दो ऽ र त | अ ब न र | हूं ऽ गी ऽ

नि॒सां रिंसां नि॒ध॒ नि॒ध॒ | नि॒ सां, रि॑ नि॒ | सां नि॒ प नि॒ | प म॒ प सां
तोऽ ऽ रिऽ नऽ | ग रि, ग ग | रि मो रि भ | र न न हिं

स्थायी.

देऽत, नि॒सा म॒म॒ | रिरि सासा, नि॒सा रिम॒ | पग॒ ऽम॒ रिरि सासा, | नि॒सा रिम॒ पनि॒ म॒प
ग॒म॒ रिसा, नि॒सा रिम॒ | पध॒ नि॒सां, ग ग | रि मोरि भरन नहिं
देऽऽत | नि॒सा रिम॒ पध॒ नि॒रिं | सांनि॒ पम॒ ग॒म॒ रिसा, | नि॒सा रिम॒ पध॒ नि॒सां
म॒ंम॒ं रिंसां नि॒प म॒प | ध॒नि॒ सां, ग ग | रि मोरि भरन नहिं

दे ऽत, ग॒म् रिसा, ।पनि॒ पम्, नि॒रिं सांनि॒, । ग॒ंम॒ं रिंसां, पंपं ग॒ंम॒ं। रिंसां नि॒सां, रिंरिं सांध॒

नि॒प म॒प ध॒नि॒ सांरिं । नि॒सां नि॒सां, ग ग । रि मोरि भरन नहिं

दे ऽ ऽ त । म॒प नि॒सां रिंग॒ं ऽम॒ं । रिंसां नि॒सां, रिंरिं सांनि॒ । ध॒नि॒ **सां,** नि॒नि॒ पम्

ग॒म् प, म॒म् रिसा । रिरि **सा,** ग ग । रि मोरि भरन नहिं

दे ऽत, म॒प नि॒सां । रिंम॒ं पंम॒ं रिंसां नि॒सां । रिंम॒ं रिंसां नि॒सां रिंरिं। सांनि॒ सांनि॒ पनि॒ पम्

ग॒म् रिसा, नि॒सा रिम् । पध॒ नि॒सां, ग ग । रि मोरि .... मतवारो

अंतरा. " जित जाऊं उत "

आ ऽ डो हिऽ । दो ऽ र त । म॒प ध॒नि॒ सांरिं नि॒सां । म॒ंम॒ं रिंसां रिंध॒ नि॒प

म॒प ग॒म् रिसा नि॒सा, । म॒रि पम् ध॒प **सां** । जित जाऊं उत

आ ऽ डो हिऽ । दो ऽ र त । म॒ंम॒ं रिंरिं सांसां नि॒नि॒ । पप ग॒म् रिरि सासा,

सारि म॒रि म॒प म॒प। ध॒प ध॒नि॒ ध॒नि॒ **सां** । जित जाऊं उत

रिंरिं नि॒सां ध॒नि॒ म॒प । ग॒म् रिसा, म॒ंम॒ं रिंसां। ध॒नि॒ म॒प ग॒म् रिसा, । पंपं म॒ंम॒ं रिंसां नि॒सां

ध॒नि॒ म॒प ग॒म् रिसा, । रिम् पध॒ नि॒रिं **सां** । जित जाऊं उत

आ ऽ डो हिऽ । दो ऽ र त । सांसां नि॒प म॒प नि॒सां । रिंरिं सांनि॒ ध॒नि॒ सांसां

नि॒प म॒प नि॒नि॒ पम्। पम् ग॒म् रिसा नि॒सा, ।मम् रिसा नि॒सा, नि॒नि॒ पम् ग॒म्, सांसां नि॒ध॒,

रिंरिं सांनि॒, म॒ंम॒ं रिंसां, । रिंरिं सांनि॒ ध॒नि॒ **सां** । जित जाऊं, इ. इ.

बोलतानें " गगरि मोरि भरन नाहिं "

नि् (above ध्)			नि् (above ध्)
नि्सां ऽ ध् ऽ	नि् प । ।	सा रि म् प	नि् ध् ध् नि्
देऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ त । ।	ग ग रि मो	ऽ रि भ र
	नि् (above ध्)		
सां रिं नि् सां	ध् नि्, रिं नि्	सां नि् प नि्	प म् प सां
न न हिं दे	ऽ त, ग ग	रि मो रि भ	र न न हिं
नि् (above ध्)			
नि्सां ऽ ध् ऽ	नि् प । ।	म् म् म् नि्	ऽ नि् ध् नि्
देऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ त । ।	ग ग रि मो	ऽ रि भ र
सां नि् ध् नि्	ऽनि् ध् नि् सां	मं् गं् मं् रिं	सां रिं ऽ सां
न न हिं दे	ऽत ढी ऽ ट	लं ग रू वा	ऽ म ऽ त
नि् (above ध्)			
ध् नि् रिं नि्	सां नि्, रिं नि्	सां नि् प नि्	प म् प सां
वा रो ग ग	रि मो, ग ग	रि मो रि भ	र न न हिं
नि्सां ऽ ऽ सां	गं्मं्रिं सांरिंसां	नि्सांनि् ध्नि्प	म्ग्म् रेऽसा
देऽ ऽ ऽ त	गगरि मोऽरि	भरन नाऽहिं	देऽत ढीऽत
सारिम् पनि्ध्	नि्सांनि्, रिं नि्	सां नि् प नि्	प म् प सां
लंगरू वामत	वाऽरो, ग ग	रि मो रि भ	र न न हिं
			म् (above ग्)
म्म् रिरि, पप म्म्,	नि्नि् पप, सांनि् ध्नि्	सांरिं नि्सां नि् प	ग् म् प सां
गऽ गऽ, रिऽ मोऽ,	रिऽ भऽ रऽ नऽ	नऽ हिंऽ दे भ	र न न हिं
नि् (above ध्)			
नि्सां ऽ ध् ऽ	नि् प । ।	ध्नि् ध्नि् नि्ऽ नि्नि्	ध्नि् ध्सां सांसां सांसां
देऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ त । ।	गऽ ऽग रिऽ मोरि	भर ऽन नहिं देत
	१ (above रिंनि्)	२ (above परिं), ३ (above रिंनि्)	
गं्मं् रिंसां रिंनि् सां	ध्नि् सांसां रिंनि् सांनि्	परिं नि्सां नि्प रिंनि्	सांनि् पनि् पम् पसां
ढीऽ टलं गरू वा	मत वारो गग रिमो	रिग गरि मोरि गग	रिमो रिभ रन नहिं

नि्सां ऽ प ऽ | नि् प, रिं नि् | सां नि् प नि् | प म् प सां
देऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ त, ग गं | रि मो रि भ | र न न हिं

१ म्
मंमं् गंमं् रिंसां, रिंरिं | सांरिं सांनि्, धनि् सांरिं | नि्सां ऽ नि् प | ग् म् प सां
गऽ गऽ रिऽ, भऽ | रऽ नऽ, नऽ हिंऽ | देऽ ऽ त भ | र न न हिं

२ म् ३ म्
नि्सां ऽ नि् प | ग् म् प सां | नि्सां ऽ नि् पं | ग् म् प सां
देऽ ऽ त भ | र न न हिं | देऽ ऽ त भ | र न न हिं

नि्सां ऽ ऽ सां | म्प नि्सां रिंऽ रिंरिं | रिंसां नि्सां नि्ध् ऽनि् | गंमं् ऽरिं सांरिं ऽसां
देऽ ऽ ऽ त | गग रीऽ ऽ मोरि | भर नन हिंदे ऽत | ढीऽ ऽट लंग ऽरू

नि्सां ऽनि् धनि् रिंनि् | सांनि् पनि् पम् पसां | सां, पनि् पम् पसां | सां, पनि् पम् पसां
वाम ऽत वारो गग | रिमो रिभ रन नहिं | दे, तम रन नहिं | दे, तम रन नहिं

नि्
नि्सां ऽ ध् ऽ | नि् प । । | ऽमं् गंमं् रिंऽ सांसां | ऽसां ऽरिं नि्सां धनि्
देऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ त । । | ऽग ऽग रीऽ मोरि | ऽभ ऽर नऽ नहिं

ऽम् नि्नि् नि्नि् नि्नि् | ऽसां पनि् ऽप पप | रिंनि् सांरिं नि्सां रिंनि् | सांनि् पनि् पम् पसां
ऽदे तढी टलं गरू | ऽवा ऽम ऽत वारो | गग रिग गरि गग | रिमो रिभ रन नहिं

नि्सां ऽ प ऽ | नि् प नि् ऽनि् | धनि् नि्नि् नि्ऽ नि्ऽ,। धनि् नि्नि्, धनि् नि्नि्,
देऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ त ढी ऽट |

म् म्
धनि् सांरिं रिंरिं रिंरिं। रिंरिं रिंरिं सांरिं नि्सां। धनि् सांऽ, पनि् म्प। ग्ऽ ग्ऽ, ग्म् रिसा

नि्
रिऽ साऽ, रिरि म्म्। पप धध् नि्नि् सां,। धध् नि्नि् सां, धध्। नि्नि् सां, ध् नि्
न हिं

सां ऽ ऽ ऽ |
दे ऽत ऽ ऽ |

राग बहार.

रागांग विस्तार.

(१) नि़ सा म् ऽ; म् प ग् म् ऽ; नि़प म्प ग् म् ऽ; प ग् ऽ, म् रि सा ऽ॥

(२) नि़सा रिसा नि़सा म् ऽ; ग्म् पग् म् ऽ; नि़प मप ग्म् ऽ; नि़ध निसां नि़ध नि़प म्प ग्म् ऽ; प ग् म् ऽ, रि सा ऽ॥

(३) सा म् ऽ; म् प ग् म् ध ऽ, नि सां ऽ; सांरिं निसां ऽ, नि़प म्प ग् म् ऽ; प ग् ऽ, म् रि ऽ, सा ऽ॥

(४) ग् म् ध नि सां ऽ सां ऽ; मं मं रिं सां ऽ, रिंसां निसां नि़ ध ऽ; म् म् प ग् ऽ म् नि़ ध नि सां ऽ, नि़प म्प ग् ऽ; ग् म् ऽ, रि सा॥

स्वरविस्तार.

नि़सा रिसा ऽ; नि़सा ग्म् रिसा नि़सा ऽ; नि़सा ग्म् पग् ऽम् रिसा नि़सा ऽ; नि़सा ग्म् पग् ऽम् नि़प म्प ग्म् रिसा ऽ; नि़सा ग्म् पग् ऽम् नि़ध निसां नि़प म्प ग्म् रिसा ऽ; ग्म् धनि सांरिं निसां नि़प म्प ग्म् रिसा ऽ; नि़सा ग्म् धनि सांसां मंमं रिंसां नि़नि़ पम् ग्म् रिसा ऽ; नि़सा ग्म् धनि सांसां गंमं पंपं गंमं रिंसां नि़नि़ पम् ग्म् रिसा ऽ॥

बहार—झूमरा (विलंबित)

बहार आई सकल बन फूलन लागी कलियां बेलरियां.
टेसवा अंबुवा सब फूल रहीला, और अगंना बेलरियां,
महुंमदसाह से लरियां.— बहार

| मप ऽम् निनिपम् गम्
| बहा ऽ ऽ ऽर
३

म्
नि ऽ ऽध | नि सां ऽ ऽ | रिंरिंसांनि सांऽनिसां ऽऽनिप | ग् ऽ म् ग्
आ ऽ ऽ | ई ऽ ऽ ऽ | सऽकऽ लऽऽऽ ऽऽबऽ | न ऽ ऽ ऽ
= २ ० ३

म्
मग् म् ग् | मप ग् म् रिसा | रि सा ऽ | सानिसानि साम् ऽ ऽग्
फूऽ ऽ ऽ | लन ला ऽ ऽ | गी ऽ ऽ | कऽलिऽ यांऽ ऽ ऽ

म् नि ऽध | निसां ऽनि रिं सां | निसां निध निप | मप ऽम् निनिपम् गम्
बे ऽ ऽ | लरि ऽ ऽ ऽ | यांऽ ऽ ऽ | बहा ऽ ऽ ऽर

(अंतरा)
नि ऽ ऽध | नि सां ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | गम् नि ध निनि
आ ऽ ऽ | ई ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | टेसु वा ऽ अंबु

सां
सां (सां) सांसां | सां रिंसां रिं सां | निसां नि ध | म् म् निध ऽ
वा ऽ सब | फू लर ही ऽ | ऽ ला ऽ | ऽ औ रऽ ऽ

म्
नि सां निरिं | सां सां मं रिं | सां ऽ निरिं | सां निप ग् म्
अ गं ऽ | ना बे ऽ ल | रि ऽ ऽ | यां ऽ ऽ म

निध निसां निरिं | सां सां मं रिंसां | निरिं सांनि पम् | मप ऽम् निनिपम् गम्
हुंऽ मद ऽ | सा से ऽ लरि | ऽ यांऽ ऽ | बहा ऽ ऽ ऽर

स्थायी.

नि़ ऽ ऽध | निसां, नि़पम़प ग़म़रिसा, रिंरिंनिसां
आ ऽ ऽ | ईऽ, आऽऽऽ ऽ, आऽऽऽ
= २

नि़पम़प ग़म़रिसा, मंमंगंमं । रिंसांनिसां नि़पम़प ग़म़रिसा, नि़साग़म़ ॥
० ३

पग़ऽम़, ग़म़धनि सांधऽनि़, । निसांगंमं रिंसांऽसां नि़पम़प ग़म़रिसा, ।
= २

नि़साग़म़ धनिसांरिं निसांनि़प । बहार आई
०

नि़नि़पनि़ नि़पनि़नि़ पम़ग़म़ । रिरिसासा, रिंरिंसांरिं रिंसांरिंरिं सांनि़पम़ ॥
० ३

ग़म़रिसा, मंमंगंमं मंगंमंमं । रिंरिंसांसां नि़नि़पम़ ग़म़रिसा, नि़साग़म़ ।
= २

पग़ऽम़ धनिसांरिं सांनि़पम़ । बहार
०

आ, धनिसांरिं निसांनि़नि़ । पम़ग़म़, ग़म़पग़ म़पग़म़ रिसानि़सा, ।
= २

साम़म़ऽ ग़म़ग़म़, ग़म़नि़ऽ । धनि़धनि़, धनिसांऽ निसांनिसां, मंमंरिंसां ॥
० ३

नि़ऽनिसां सांऽ,नि़प म़पग़ऽ । ग़म़म़ऽ, ग़म़रिसा नि़ऽनि़सा सा, ।
= २

नि़साग़म़ धनिसांसां नि़नि़पम़ । बहार आई
०

धनि़म़प ग़म़रिसा, रिंरिंनिसां । धनि़म़प ग़म़रिसा, गंमंगंमं सांरिंरिंनिसां ॥
० ३

धनि़म़प ग़म़रिसा, पंपंगंमं । सांरिंनिसां धनि़म़प ग़म़रिसा, नि़साग़म़ ।
= २

पग़ऽम़ धनिसांसां नि़धनि़प । बहार आई
०

अंतरा. " टेसुवा....रहीला "

ग़्म़्धऽ नि़धऽऽ, ग़्म़्धनि सांऽनि़ऽ ॥ निसांनि़ध, ग़्म़्धनि सारिंनि़ऽ ।
३ =

निसांनि़ध, ग़्म़्धनि सांऽमं़मं़ रिंसांनि़ऽ । निसांनि़ध, ग़्म़्धनि सां ।
२ ० टेसुवा ...रहीला

सांमं़गं़मं़ रिंगं़सांरिं निसांधानि़ म़्पग़्म़् ॥ रिग़्सारि नि़साध़नि़ म़्नि़ध़नि़ ।
३ =

धनि़सारि सानि़रिसा ग़्रिम़्ग़् पम़्नि़प । नि़धसांनि रिंसांमं़रिं सांरिंनिसां ।
२ ० टेसुवा अंबुवा सब

मं़मं़रिंसां नि़नि़पम़् पग़्ऽम़् रिसानि़सा । साम़्ऽम़् म़्म़्,म़्नि़ ऽनि़नि़नि़, ।
२ ०

निसांऽसां सांसां,सांरिं ऽरिंरिंरिं, सांगं़ऽमं़ ॥ रिंसांनिसां नि़पम़्प ग़्म़्रिसा, ।
३ =

नि़साग़्म़् पग़्ऽम़्, ग़्म़्धनि सांधऽनि, । धनिसांरिं निसांऽसां ऽ ।
२ ० टेसुवा अंबुवा, इ. इ.

बोलतानें.

म़्प ऽम़् नि़नि़पम़् ग़्म़् ‖ नि़ ऽ ऽध	नि सां, म़्ग़्ऽम़् रिसा
बहा ऽ ऽ ऽर ‖ आ ऽ ऽ	ई ऽ, बहाऽर आई
३ = २

पम़्पग़् म़्ऽनि़ध सांनिरिंऽ	सांऽगं़मं़ रिंसां निसांनि़प म़्पग़्म़् ‖
सकलब नऽफूऽ लनलाऽ	गीऽकलि यांबे लरियांऽ बहाऽर ‖
० ३

नि़ ऽ ऽध	निसां ऽ, साम़्ग़्म़् म़्नि़धनि़	धसांनिसां निसांरिंनि ऽसांनि़ध
आ ऽ ऽ	ईऽ ऽ, बहाऽर आईऽस	कलऽब नऽफूल ऽनलागी
= २ ०

ऽनिसांनि ऽमं़गं़मं़ रिंसां नि़पग़्म़् ‖ नि़ ऽ, सांगं़ऽमं़
ऽकलियां ऽबेऽल रियां बहाऽर ‖ आ ऽ, बहाऽर
३ =

गंमंरिंसां रिंसांऽनि् धनिसांरिं निसांऽनि् | मपगम् पग्ऽम् रिरिसासा |
आऽईऽ सकऽल बनफूऽ लनऽरे | लाऽगीऽ कलिऽयां बेलरियां ||
२ ०

नि्सागम् धनिसांरिं निसांनि्प मपगम् || नि् ऽ ऽध |
आऽऽऽ ऽ ऽ बहाऽर || आ ऽ ऽ |
३ =

निसां ऽ, मग्नि्ध सांनिरिंसां | मंगंमंरिं ऽसांनिसां नि्धनि्प |
ईऽ ऽ, बहारआ ईसकल | बनफूल ऽनलाऽ ऽगीकलि |
२ ०

गम्मंगं मंरिंसांरिं निसांनि्प मगमम् || नि् ऽ ऽध |
यांऽबेऽ ऽलरिऽ यांऽबहा ऽऽऽर || आ ऽ ऽ |
३ =

निसां ऽ, गंमंऽरिं सांरिंऽसां | निसांऽनि् धनि्ऽप मपऽम् |
ईऽ ऽ, बहाऽर आईऽस | कलऽब नफूऽल नलाऽगी |
२ ०

गम्ऽरि साऽमग् नि्धनि्प मपगम् || नि् ऽ ऽध | नि सां ऽ ऽ |
कलिऽयां ऽऽबेऽ लरिऽयां बहाऽर || आ ऽ ऽ | ई ऽ ऽ ऽ |
३ = २

ऽऽसाम् गपमनि् धसांनिरिं | सांमंगंमं सांरिंनिसां धनि्मप गमगम् ||
ऽऽबहा रआईस कलबन | फूलनला गीकलियां बेलरियां बहाऽर ||
० ३

नि् ऽ ऽध | मगम् रिऽसा नि्धनि् पऽम् | मंगंमं रिंऽसां निसांनि् |
आ ऽ ऽ | बहार आऽई सकल बऽन | फूलन लाऽगी कलियां |
= २ ०

धनि्प मपम् नि्पम् पगम् | नि् ऽ ऽध | नि सां ऽ ऽ |
बेऽल रिऽयां बहाऽ ऽऽर | आ ऽ ऽ | ई ऽ ऽ ऽ |
३ = २

राग-मीयांमल्लार.

रागांग विस्तार.

(१) नि़ सा ऽ रि सा ऽ, नि़् ध़ ऽ नि़् प़ ऽ; म़् प़ ऽ ध़ ऽ, नि़ सा ऽ; सा रि ऽ प ग् ऽ; म् ऽ रि सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि ऽ नि़ सा ऽ; नि़् ध़ नि़ सा ऽ; म़् प़ ऽ नि़् नि़् ऽ, ध़नि़ सा ऽ; म् रि ऽ सा ऽ; म् रि प ऽ, नि् म् प ग् ऽ; म् ऽ रि सा ऽ ॥

(३) सा ऽ; रिनि़ सा ऽ; नि़प़ म़प़ ध़ ऽ, नि़ सा ऽ; म् रि प ऽ; नि्ध ऽ नि सां ऽ; ध नि् मप ऽ, पध मप ग् ऽ; ग् म् रि ऽ सा ऽ; सा रि सा ऽ ॥

(४) म् प ऽ ध ऽ नि सां ऽ; नि्ध ऽ सांरिंनिसां ऽ; मं मं रिं सां ऽ रिं नि सां ऽ; नि् प ऽ; मपनि्मप नि् ग् ऽ; ग् म् ऽ रि सा ऽ; सा रि सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि़सा म्म् रिसा ऽ; नि़सा रिप ग्म् रिसा ऽ; नि़सा रिप म्नि् म्प ग्म् रिसा ऽ; नि़सा रिम् पनि् धनि सांसां नि्प ग्म् रिसा ऽ; नि़सा रिम् पनि् धनि सांरिं निसां नि्प म्प ग्म् रिसा ऽ; नि़सा रिम् पनि् धनि सांरिं निसां म्ंम्ं रिंसां नि्प म्प ग्म् रिसा ऽ; नि़सा रिम् पनि् धनि सांरिं निसां रिंपं ग्ंम्ं रिंसां निसां धनि् म्प ग्म् रिसा ऽ ॥

नोट—गांधार स्वर को वर्ज्य करनेसे **मीयां का सारंग** राग होगा. यथाः—

रिम् पध नि्प **सां**, पध निसां म्ंम्ं रिंसां धध नि्प म्प म्रि परि ऽसा ऽ ॥

मीयांमल्लार—एकताल (विलंबित).

चमके ठौर ठौर रे बीजलियां,
पियु बिन देखे चैन न आवे, कछु ना सुहावे.—चमके
पापी पपीहार पियु पियु रटत जोर,
बरस बरस चहूं ओर, जित तित तें दादुर चात्रक मोर शोर.—चमके

प					
नि्	प	प	नि्	म्	प
च	म	के	ठौ	ऽ	र
०		३		४	

					म्		म्					
सां	ऽ	ऽ	नि्प	ग्	ऽ	ग्	म्	रि	रि	सा	ऽ	
ठौ	ऽ	ऽ	रऽ	रे	ऽ	बी	ऽ	ज	लि	यां	ऽ	
=		०		२		०		३		४		*

सा								सा			
नि्	सा	म्	म्	रि	ऽ	सा	ऽ	नि्	सा	म्	रि
पि	यु	बि	न	दे	ऽ	खे	ऽ	चै	ऽ	न	न

प ऽ	म॒ प	प प	नि॒ध नि॒ध	नि॒ प	म॒प धनि
आ ऽ	वे ऽ	क छु	नाऽ ऽ	ऽ सु	हाऽ ऽ

सांरिं सांनि	सां सां	ऽ निसां,	नि॒ प	प नि॒	म॒ प
ऽ ऽ	ऽ वे	ऽ ऽ,	च म	के ठौ	ऽ र

*(अंतरा)

म॒ रि	प प	नि॒ध नि	सां ऽ	ऽ नि (सां)	सां सां
पा ऽ	ऽ पी	ऽ प	पी ऽ	ऽ हा	ऽ र

(सां) नि सां	ऽ सांनि	रिं सां	रिं सां	सां ध (नि॒)	नि॒ प
पि यू	ऽ पीऽ	ऽ यु	र ट	त जो	ऽ र

म॒ प	सां सां	नि॒ प	(म॒) ग॒ (म॒) ग॒	म॒ रि	ऽ सा
ब र	स ब	र स	च हूं	ऽ ओ	ऽ र

(सां) नि सां	(मं॒) गं॒ गं॒मं॒	रिं सां	(सां) नि सां	(रिं) रिं नि	सां ध
जि त	ति तऽ	तें ऽ	दा दु	र चा	ल क

नि॒ प	म॒ प	नि॒ध नि,	सां रिं	सां नि॒	म॒ प ‖
मो ऽ	र शो	ऽ र,	च म	के ठौ	ऽ र ‖

ठौर बीजलियां

स्थायी.

नि॒सारिप ग॒म॒रिसा, । नि॒सारिम॒ पनि॒म॒प । ग॒म॒रिसा, नि॒सारिम॒ ।
= ० २

पनि॒धनि सां । नि॒पम॒प ग॒म॒रिसा | नि॒पप नि॒म॒प ‖ ठौर बीजलियां
• ३ | चमकें ठौऽर ‖
४

निसारिम् पनिधनि । सांरिंनिसां निपमप । गमरिसा, निसारिम् ।
= ० २

पनिधनि सांरिंमंमं । रिंसांनिसां निधनिसां | निपप निमप ‖ ठौर बीजलियां
चमके ठौऽर
० ३ ४

पनिधसा निरिनिसा, । पनिधसा निरिसाम् । रिसानिसा, पनिधसा ।
= ० २

निरिसाम् रिपगम् । रिसानिसा, पनिधसा । निरिसाम् रिपमनि ॥
० ३ ४

मपगम् रिसानिसा, । पनिधसा निरिसाम् । रिपमनि धसांऽऽ ।
= ० २
चमके ठौर ठौर बीजलियां

सारिसासा मरिसासा, । मरिपग् मरिसासा, । निधानिप निमपग् ।
= ० २

मरिसासा, रिंरिंसांसां । निधानिप निमपग् । मरिसासा, मंमंरिंसां ॥
० ३ ४

निधनिप निमपग् । मरिसासा, सामरिप । मनिधनि सां । चमके....बीजलियां
= ० २

रिरिसासा ममरिरि । पपगम् निनिधध । सांसांनिनि रिंरिंसांसां ।
= ० २

मंमंरिंरिं सांसांनिनि । पपगम् रिरिसासा | निपप निमप ‖ ठौर बीजलियां
चमके ठौऽर
० ३ ४

अंतरा. "पापी पपीहार"

सांसांनिप गमरिसा, । रिंरिंसांसां निपमप । गमरिसा, मंमंरिंसां ।
= ० २

निपमप गमरिसा, । निसारेर् पनिधनि । सां ऽ ॥ पापी पपीहार
० ३ ४

नि़नि़पनि़ नि़पनि़नि़ । मृपगृम् रिसानि़सा, । रिंरिंसांरिं रिंसांरिंरिं ।
= ० २

सांनि़धनि़ मृपगृम् । रिसानि़सा, मृंमृंरिंमृं। मृंरिंमृंमृं रिंसांनिसां ॥
० ३ ४

धनि़मृप गृमृरिसा, । नि़सारिम् पनि़धनि । सांऽरिंरिं पंपंगृंमृं ।
= ० २

रिंसांनिसां धनि़मृप । गृमृरिसा, मृऽरिप । ऽमृनि़ऽ धसांऽऽ ॥ पापी पपीहार
० ३ ४

धनिसांध निसांधनि । सांरिंनिसां नि़पमृप । गृमृरिसा, निसांरिंनि ।
= ० २

सांरिंनिसां मंमंरिंसा । नि़पमृप गृमृरिसा, । सांरिंमृंसां रिंमृंसांरिं ॥
० ३ ४

१
पंपंगृंमृं रिंसांनिसां । नि़पमृप गृमृरिसा, । सामृरिप मृनि़धनि ।
= ० २

२ ३
सां, सामृरिप । मृनि़धनि सां, । सामृरिप मृनि़धनि ‖
० ३ ४ चम केठौऽर ‖

सां ऽ	ऽ नि़प	मृ गृ ऽ	गृ मृ	रि रि	सा ऽ
ठौ ऽ	ऽ रऽ	रे ऽ	बी ऽ	ज लि	यां ऽ

बोलतानें.

रिनि़ साम्	ऽरि पऽ	पध नि़प	मृप धनिसांऽ	सांरिं निसां	धनि़पऽ मृपधनि
चम केठौ	ऽर ठौऽ	रेरे ऽबि	जलि यांऽऽऽ	पियु बिन	देऽखेऽ चैऽऽऽ

सां धनि़पऽ	मृ गृम् मृप	मृ गम् रिसा	नि़ प	प नि़	मृ प
ऽ नऽनऽ	आवे कछु	नसु हावे	च म	के ठौ	ऽ र

सां ऽ | । । | । । | साम्ऽम् रिपऽप | पनि्ऽध निसांनिरिं
ठौ ऽर | । । | । । | चमऽके ठौंऽऽर | ठौंऽऽर रेऽऽबि
= ० २ ० ३

सांनिसांऽ धानि्पप || गंमंरिंसां सांरिंनिसां | धानिसांऽ मृपधनि |
जलियांऽ पियुबिन || देऽऽखे चैऽनन | आऽवेऽ कछुनाऽ |
४ = ०

प
सांऽमृऽ रिऽसाऽ | नि् प | प नि् | मृ प || सां ऽ | । । | । । |
ऽऽसुऽ हाऽवेऽ | च म | के ठौ | ऽ र || ठौ ऽर | । । | । । |
२ ० ३ ४ = ० २

साम्रिम् रिऽपऽ | मृपमृप पमृनि्ऽ | ध.नि्धनि धानिसांरिं ||
चमऽके ·ठौंऽरऽ | ठौंऽऽर रेऽबिऽ | जलीऽयां पियुबिन ||
० ३ ४

मृ
निसांऽसां धनि्पप | गृऽऽऽमृ रिरिसासा | रिंऽऽसां धनि्ऽप |
देऽऽखे चैऽनन | आऽऽवे कछुनसु | हाऽऽवे चमऽके |
= ० २

नि् प | प नि् | मृ प || सां ऽऽनि्ध | निसांऽऽ ऽ |
च म | के ठौ | ऽ र || ठौ ऽ | ऽ ऽ |
० ३ ४ = ०

निसांऽऽ ऽऽसांऽ | निसां रिंनिसांऽ | ऽध नि्प | मृ प ||
ररेऽऽ ऽऽबिऽ | जलि यांऽऽऽ | ऽ ऽ | पि यु ||
० ० ३ ४

मृ
धनिसांऽ ऽनि्पऽ | गृमृ रिसा | सामृ रिप | नि्प मृप |
ऽ ऽबिनऽ | देऽ खेऽ | चैऽ नऽ | ऽ ऽ |
= ० २ ०

मं
ऽनि्धऽ निसां | ऽसां गृंमृं || (सां)रिं ऽऽसांऽ | पंगृंमृंऽ (सां)रिं |
ऽ ऽ | ऽन आऽ || वेऽ ऽ | कछुऽऽ ऽना |
३ ४ = ०

म्
सांनि़म़प धनिसांऽ | नि़प ग् | म़रि सा | नि़प पनि़म़प ||
ऽ ऽ | सुऽ हा | ऽ बे | चम केठोऽर ||
२ ० ३ ४

म्
सां ऽ | ऽ नि़प | ग् ऽ | म़ऽरिरि साऽम़म् | रिऽपप म़ऽनि़नि़ |
ठो ऽ | ऽ रऽ | रे ऽ | ऽऽचम केऽठौऽ | रऽठौऽ रऽरेऽ |
= ० २ ० ३

धऽनिनि सांऽरिंरिं || निसांधनि़ पऽमंमं | रिंसांधनि सांऽम़प |
बिऽजलि यांऽपियु || बिनदेऽ खेऽचैऽ | ननआऽ बेऽकछु |
४ = ०

धनिसांम् रिसा | नि़ प | प नि़ | म़ प || सां ऽ | । । | । । |
नाऽऽखु हवे | च म | के ठौ | ऽ र || ठौ ऽर | । । | । । |
२ ० ३ ४ = ० २

साम़रि रिपम़ | म़नि़ध धसांनि | निरिंसां मंऽरिं || सांनिसां नि़धनि़ |
चमके ठौऽर | ठौऽर रेऽबि | जऽलि यांऽपि || युबिन देऽखे |
० ३ ४ =

१ २
पम़प म़गम़ | रिसारि सानि़सा | नि़पप नि़म़प | नि़पप नि़म़प |
चैऽन नआवे | कछुन सुहावे | चमके ठौऽर | चमके ठौऽर |
० २ ० ३

३
नि़पप नि़म़प | सांऽऽसां, नि़साम़रि | पम़नि़ध सां | ऽ नि़पम़प |
चमके ठौऽर || ठौऽऽर, एऽऽऽ | ऽऽचऽ म | ऽ केठौऽर |
४ = ० २

नि़ मं
ध निसां | रिंनिसांऽ ऽ | मं रिंसां || पं गं | मं रिं |
ठौ ऽ | ऽ ऽ | र रेबि || ज लि | ऽ यां |
० ३ ४ = ०

म् म्
सां नि़प | पनि़म़प नि़ग् | गम़ रिसा | नि़प पानि़म़प ||
ऽ पियु | ऽ बिन | देऽ खेऽ | चम कठौऽर ||
२ ० ३ ४

		म्	म्		
सां ऽ	ऽ धप	ग् ऽ	ग् म्	रि रि	सा ऽ
ठौ ऽ	ऽ रऽ	रे ऽ	बी ऽ	ज लि	यां ऽ
=	०	२	०	३	४

नि् म्		
निसांनिसां धनि्म्प	गम्ऽम् रिरिसासा	साम्रिम् रिपम्प
चमऽके ठौरठौर	रेबीऽज लियांपियु	बिनऽदे खेचैनन
=	०	२

	१ २	३	
पनि्धानि सांरिंनिसां	सांनि्पनि् म्पानि्ध	नि्म्पनि् धनि्म्प	सां ऽ
आवेऽक छुनसुहा	वेचमके ठौरचम	केठौरच मकेठौर	ठौ ऽर
०	३	४	=

राग सूरमल्लार.

———*———

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि म् ऽ म् प ऽ, नि् ध प ऽ; म् प म् रि ऽ; नि् नि् प म् रि ऽ; प ऽ म् रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ; नि़ सा ऽ; प़ नि़ सा; रि ऽ; म् रि ऽ; प म् रि ऽ; नि् नि् म् प ध प म् रि ऽ, सा ऽ ॥

(३) सा रि म् प नि् ध प ऽ नि सां ऽ; रिं सां ऽ नि् ऽ, म् नि ध प ऽ; ध प म् रि ऽ, सा ऽ ॥

(४) म् म् प ऽ, नि ऽ नि सां ऽ; सां ऽ रिं नि सां ऽ; नि सां रिं मं रिं सां ऽ; रिं नि् ऽ, म् प ऽ नि् ध प ऽ; ध प म् रि ऽ सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

निसा रिम् रिसा ऽ; निसा रिम् पम् रिसा ऽ; निसा रिम् नि्ध पम् रिसा निसा ऽ; निसा रिम् पनि सां नि्नि मप नि्ध पम् रिसा निसा ऽ; निसा रिम् पनि सांरिं सांनि् धप मम् रिसा ऽ; निसा रिम् पनि सांरिं मंमं रिंसां नि्ध पम् रिसा निसा ऽ ॥

सूरमल्लार झपताल.

गरजत घटा घन कारे कारे, बरखा ऋत आई, जिया तरसावे.
कारी कारी रतियां, बिजरियां चमके,
पलछिन पिया बिन कछु ना सुहावे.—गरजत

				म्	म्		
सां सां	नि् म् प	नि् ध	प ऽ घ	रि ऽ	रि ऽ म्	रि ऽ	सा ऽ ऽ
ग र	ज त घ	टा ऽ	घ ऽ न	का ऽ	रे ऽ ऽ	का ऽ	रे ऽ ऽ
=	२	०	३	=	२	०	३ *
सा	म्						
नि सा	रि म् ऽ	प प	नि् नि् प	नि सां	रिं सां नि्	म् प	नि् ध प
ब र	खा ऽ ऽ	ऋ त	आ ऽ ई	जि या	ऽ त र	सा ऽ	वे ऽ ऽ

*(अंतरा)

	सां			सां			प
म् प	सां ऽ सां	नि सां	सां ऽ ऽ	नि सां	रिं सां ऽ	नि् ध	म् प ऽ
का री	का ऽ री	र ति	यां ऽ ऽ	बि ज	रि यां ऽ	च म	के ऽ ऽ
प म्	नि् ध प	म् रि	सा ऽ सा	नि सां	मं रिं सां	नि् म्	नि् ध प
प ल	छि ऽ न	पि या	बि ऽ न	क छु	ना ऽ सु	हा ऽ	वे ऽ ऽ

स्थायी. “ गरजत....कारे ”

मप निसा । रिम् रिसा, रिम् । पनि् पम् । पनि सांरिं मंरिं

सांनि सां, । मनि् धम् पम् । रिसा, निसा । रिम् पनि् मप ॥ गरजत....कारे

निसा रिसा । रिम् रिम्, रिम् । पम् पनि् । पनि्, पनि् सांनि्

सांरिं सांरिं, । निनि ऽरिं सांरिं । निसां नि् । प, पप ऽनि्

पध मृप । रि मृ, मृम् । ऽप मृप । रिम् रि सा,

निसा रिम्, । रिम् पनि, पनि । सांरिं मृंमं । रिंसां नि्ध मृप ॥ गरजत....कारे

मृरि पम् । नि्प सांनि रिंसां । मृंरिं सांरिं । निसां पनि् मृप

नि्नि् धप । धम् रिसा, निसा । रिम् पनि । सांरिं नि्नि् मृप ॥ गरजत....कारे

रिम् रिप, । मृप मृनि, पनि । पसां, निरिं । सांमृं, रिंसां निसां,

रिंनि् मृप । नि्नि् धप, धप । मृरि, पम् । रिसा, पनि साप

निसा पनि । सारि मृप निसां । रिंमं रिंसां । निसां नि्नि् मृप ॥ गरजत....कारे

अंतरा. "कारी कारी रतियां"

मृप निसां । मृंमृं रिंसां नि्नि् । मृप, नि्ध । पम्, धप मृरि,

पम् रिसा, । रिम् रिप नि्नि् । धप मृप । सां, मृप सां ॥ कारी कारी रतियां

पनि सांप । निसां पनि सांरिं । निसां नि्ध । मृप मृम् रिसा,

साम् ऽरि, । रिप ऽम्, मृनि् । ऽप, पसां । ऽनि्, नि्रिं ऽसां ॥ कारी कारी रतियां

सांरिं सांरिं, । निसां निसां, नित्र । मृप रिम् । रिसा, रिम् रिप

मृनि् पसां । निरिं सांम् रिंसां । निसां रिंसां । नि्ध मृप सां ॥ कारी कारी रतियां

निसांनि रिंसांनि्, । पनिप सांनि्ध, मृपम् । नि्धप, रिम्रि । पम्रि, सारिसा मरिनि

सा, मृरिम् । पमृप नि्पनि सां,[१] । पमृप नि्रनि । सां,[२] पमृप नि्पनि

सां[३] ऽ ॥

सूरमल्लार – त्रिताल.

घोर घोर घोर घोर बरसे मेहरवा,
बिजरियां चमकत अनत गाम जि न जावो मेरे पियरवा.—घोर
मघवा पिलावो राग सुनावो भरभर शरवा हां.—घोर

म्	प नि् म् प
घो	र घो ऽ र
	३

सां ऽ ऽ सां	सां ऽ ऽ रिं	नि् नि् म् प	नि् ध प ऽ
घो ऽ ऽ र	घो ऽ ऽ र	ब र से मे	ह र वा ऽ
=	२	०	३

म् म् म्

रि रि रि म्	रि रि सा सा	प़ नि़् प़ नि़	सा सा नि़ सा
बि ज रि यां	च म क त	अ न त गा	ऽ म जि न

रिम् पनि् पनि सांरिं	नि् नि् म् प	नि् ध् प, म्	प नि् म् प
जाऽ ऽ वोऽ ऽ	मे रे ऽ पि	य र वा, घो	र घो ऽ र

(अंतरा)

सां ऽ ऽ सां	। । । ।	म् म् प प	सां ऽ सां ऽ
घो ऽ ऽ र	। । । ।	म घ वा पि	ला ऽ वो ऽ

सां

नि सां रिं रिं	नि् ध म् प	म् प नि सां	म् मं् रिं सां
रा ऽ ग सु	ना ऽ वो ऽ	भ र भ र	श र वा ऽ

नि सां रिं सां	नि् नि् म् प	नि् ध प, म्	प नि् म् प
हां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, घो	र घो ऽ र

बोलतानें.

सां ऽ, रिम् ऽरि | म्प ऽम् पनि् ऽप | निसां ऽनि सांरिं ऽसां | सांमं् ऽरिं सांरिं ऽसां
घो ऽर, घोऽ ऽर | घोऽ ऽर घोऽ ऽर | घोऽ ऽर बर ऽस | तमे ऽह रवा ऽबि

निसां ऽनि् ऽध म्प | रिम् ऽरि ऽसा ऽसा | सारि म्प नि्ध पम् | प नि् म् प
जरि ऽयां ऽच मके | अन ऽत ऽगा ऽम | जिऽ ऽन जाऽ बोवो | र घो ऽ र

सां ऽ ऽ सां | सां ऽ, साम् ऽरि | म्प प, म्प सांनि् | धम् प, म्प निसां
घो ऽ ऽ र | घो ऽर, घोऽ ऽर | घोऽ र, घोऽ ऽर | घोऽ र, बर सत

मंमं् रिंसां नि्ध म्प | रिम् रिसा, नि्सा म्रि | पम् नि्ध म्प ऽरिं | निसां नि्म् पनि् म्प
मेह रवा बिज रियां | चम केअ, नत गाम | जिन जावो मेरे ऽपि | यर वावो रघो ऽर

सां ऽ ऽ सां | सां ऽ ऽ रिं | नि् नि् म् प | सांरिं सांरिं निसां निसां
घो ऽ ऽ र | घो ऽ ऽ र | ब र से ऽ | घोर घोर घोर घोर

नि्ध म्प रिम् रिसा | साम् रिरि पम म्नि् | धप म्प म्प निसां | नि्ध पम् पनि् म्प
बर सत मेह रवा | बिज रियां चम केअ | नत गाम जिन जावो | पिय वावो रघो ऽर

घोर....मेहरवा

म्ऽ रिप ऽम् नि्ऽ | धम् ऽप मंऽ रिंसां | रिंसां निसां नि्ध म्प | म्ऽ सारि ऽसा, पम्
घोऽ रघो ऽर घोऽ | रघो ऽर बऽ रस | ऽत मेऽ हर ऽवा | बिऽ जरि ऽयां, चम

रिंनि् धम् पनि सांप | निसां रिंऽ सांसां ऽनि् | नि्ऽ धम् ऽप म्प | निसां रिंरिं नि्नि् म्प
केअ नत गाऽ मजि | ऽन जाऽ वोमे ऽरे | पिऽ यर ऽवा मेरे | पिय वावो रघो ऽर

घोर....मेहरवा

ऽसां ऽरिं सां नि् | म्प ऽनि् धम् प | म्रि ऽम् रि सा | ऽम् ऽप नि्ध म्प
घेऽ ऽर घो र | ऽघो ऽर घोऽ र | ऽब ऽर स त | ऽमे ऽह रऽ वाऽ

ऽम् ऽप निसां रिं | रिंमं ऽरिं सांरिं ऽसां | निसां ऽनि् नि्ध म्प | निसां रिंरिं नि्नि् म्प
ऽबि ऽज रिऽ यां | चम ऽके अन ऽत | गाऽ ऽम जिन जावो | पिय रवा घोर घोर
घोर घोर बरसे.

रिम्रि म्पम् पनि्ध पम्प || म्पनि सांरिंमं रिंसांरिं सांनिसां |
घोऽर घोऽर घोऽर घोऽर || बरस तमेऽ हरवा बिजरि |

३ =

नि्ऽऽ मंरिंसां रिंसांनि् सांनि्ध | मऽप रिऽम् रिऽसा म्म्प |
यांऽऽ चमके अनत गाऽम | जिऽन जाऽवो मेऽरे पिऽय |

२ ०

निसांरिं रिंसांनि् म्म्प नि्म्प | सां ऽ ऽ ऽ |
रूऽऽ वाऽऽ घोऽर घोऽर | घो ऽ ऽ ऽ |

३ =

राग देवगांधार (औडव—संपूर्ण प्रकार)

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, प प ऽ, ध् ऽ, ध् प ऽ; नि् ध् प ऽ; ध् म् प ग् ऽ;
रि रि ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, ध् ध् प ऽ; नि् ध् ऽ, प ध् प ऽ; सां नि् ध् ऽ, प ऽ;
ग् ऽ म् प ऽ, रिं सां ऽ नि् ध् ऽ, प ध् प ऽ; म् प, नि ध् प
ग् ऽ, रि रि ऽ, सा ऽ ॥

सां सां सां
(३) म् प, नि् ध् प, सां ऽ, नि् सां ऽ; नि् नि् सां रिं ऽ सां नि्
प
ध् ऽ, प ऽ; प गं् रिं ऽ सां ऽ, रिं नि् ध् ऽ, प ऽ; म् प,
म् ग् सा
नि् ध् ऽ, पध् म्प ग् ऽ, रि रि ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

नि्सा ग्रि सा ऽ; नि्सा ग्म् ग्रि सा ऽ; नि्सा ग्म् पम् ग्रि सा ऽ; नि्सा ग्म् पध् पम् ग्रि सा ऽ; नि्सा ग्म् पनि् ध्प म्ग् रिसा ऽ; नि्सा ग्म् पनि् सां निध् पम् ग्रि सा ऽ; नि्सा ग्म् पनि् सांरिं सांनि् ध्प म्ग् रिसा ऽ; ग्म् पनि् सांगं् रिंसां निध् पम् ग्रि सा ऽ ॥

नोट – इस राग का और एक संपूर्ण प्रकार है जिस के आरोह में दोनों गांधार का प्रयोग किया जाता हैं.

देवगांधार – त्रिताल.

परिये वाके पायन सजनी, जो न माने गुनियन की सिखियां.
ऐसो ही बिघनारोही आवे, ऐसे मानस के पास न जइये,
दूरश कहे वासो लरिये.—परिए

								प							म्
								:प	सां	नि्	ध्	प	म्	प	ग्
								प	रि	ये	ऽ	बा	ऽ	के	ऽ
								०				३			
			म्					म्		ग्		ग्	सा		
रि	सा	ग्	म्	प	म्	प	ऽ:	ग्	ऽ	रि	सा	रि	रि	सा	सा
पा	ऽ	य	न	स	ज	नी	ऽ	जो	ऽ	न	मा	ऽ	ने	गु	नि
×				२				*०				३			

*(अंतरा)

म्								प							
ग्	म्	प	सां	रिं	नि्	ध्	प	म्	प	ध्	प	सां	ऽ	सां	सां
य	न	की	ऽ	सि	खि	यां	ऽ	ऐ	ऽ	सो	ऽ	ही	ऽ	बि	च
सां सां								म् प							
नि्	नि्	सां	रिं	सां	नि्	ध्	प	प	गं्	रिं	सां	रिं	नि्	ध्	प
ना	ऽ	री	हि	आ	ऽ	वे	ऽ	ऐ	ऽ	से	मा	न	स	के	ऽ
प	नि्			म् म्										सां	
म्	प	ध्	प	ग्	ग्	रि	सा	म्	म्	प	प	सां	ऽ	नि्	सां
पा	ऽ	स	न	ज	इ	ये	ऽ	द	रं	श	क	हे	ऽ	वा	सो
नि्									प				म्		
सां	गं्	रिं	सां	नि्सां	रिंसां	नि्ध्	पम्	प	सां	नि्	ध्	प	म्	प	ग्
ल	रि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	रि	ये	ऽ	वा	ऽ	के	ऽ

स्थायी.

ऽ पप म्ग् रिसा, । नि्नि् ध्प म्ग् रिसा, । रिंरिं सांरिं रिंसां रिंरिं । सांनि् ध्प म्ग् रिसा,

म्ंम्ं गं्रिं सांनि् ध्प । म्ग् रिसा ग्म् प । परिये वाके

पा ऽ य न । स ज नी ऽ । ग्म् प, ग्ग् म्म् । पप नि्नि् ध्ध् प,

ग्ग् म्म् पप नि्नि् । सांसां नि्नि् ध्ध् प, । ग्ग् म्म् पप नि्नि् । सांसां गं्गं् रिंरिं सांसां

नि्नि् ध्ध् पप म्म् । ग्ग् रिसा, ग्म् प । परिये वाके

पा ऽ य न । स ज नी ऽ । साग् म्प म्ग् रिसा । म्प नि्सां नि्ध् पम्

पनि् सांगं् रिंसां नि्सां । म्ंगं् ऽरिं सां ऽ । रिंसां ऽनि् ध् ऽ । सांनि् ऽध् प ऽ,

ग्म् पसां रिंनि् ध्प । म्ग् रिसा, ग्म् प । परिये वाके

ग्म् पग् म्प म्ग् । रिसा, नि्सां रिंनि् सांरिं । सांनि् ध्प म्ग् रिसा, । गं्म्ं पंगं् म्ंपं म्ंगं्

रिंसां नि्ध् पम् ग्रि । सारि नि्सा ग्म् प । परिये ....सजनी

अंतरा. "ऐसो ही बिघ्र"

गुंगुं रिंसां, रिंरिं सांनि, ।सांसां निध, निनि धप, ।धध पम, पप मग, ।मम गरि, गग रिसा,

साग मम, गम पप, । मप निनि, पनि सां । ऐसो ही बित्र

पनि सांप निसां पनि। सांरिं सांनि धप मग। रिसा निसा, गम प, ।मप नि, पनि सां,

निसां गुंगुं रिंसां निध । पम पग मप सां । ऐसो ही बिघ

गुंरिं गुंरिं सांनि, रिंसां। रिंसां निध, सांनि सांनि। धप, निध निध पम, ।धप धप मग, पम

पम गरि, मग मग। रिसा, गम पनि सां । ऐसो ही बित्र

गंरिं सांरिं सांनि सांनि।धनि धप धप मप। मग मग रिग रिसा,। साग मग मप मप

१ २ ३

निप निसां निसां गुंगुं । रिंसां निध पम गरि ।साग मप सां, साग ।मप सां, साग मप

सां ऽ ऽ ऽ ।

राग बिभास.

रागांग विस्तार.

(१) ध ऽ प ऽ, ग प ध प, ग रि सा ऽ; ध ध ऽ प ऽ ॥

(२) ध ऽ प प ऽ, ध प ध सा ऽ प ध सा ऽ, रि रि सा ऽ;

ग प ध प ग रि सा ऽ; ध ध ऽ प ऽ ॥

(३) सा ऽ; ग प ऽ, ध़् ध़् प ऽ; प ध़् ग प ऽ सां ऽ ध़् प ऽ;
ग प ध़् प ऽ ग रि़् सा ऽ; ध़् ध़् ऽ प ऽ ॥

(४) प ग प प, ध़् ध़् सां ऽ, सां रि़ं सां ऽ; सां रि़ं गं रि़ं सां ऽ;
सां रि़ं गं पं गं रि़ं सां ऽ; सां रि़ं सां ऽ, ध़् ऽ प ऽ; ग प
ध़् ऽ, सां ऽ ध़् प ऽ; रि़् ग प ऽ ध़् ध़् प ऽ; ग प ध़् प
ग रि़् सा ऽ; ध़् ऽ ध़् ऽ प ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि़् सा ऽ; सारि़् गरि़् सा ऽ; सारि़् गप गरि़् सा ऽ; सासा गप ध़्ध़् पप गप ध़्प गरि़् सा ऽ; गप ध़्सां पध़् सां ध़्प गप गरि़् सा ऽ; गप ध़्सां पध़् सां रि़ंसां ध़्प गरि़् सा ऽ; सासा गप गप ध़्सां गंगं रि़ंसां ध़्प ध़्प गरि़् सा ऽ; गप ध़्सां पध़् सां गंगं रि़ंगं पंपं गंरि़ं सांसां ध़्प गरि़् सा ऽ; ध़् ऽ, ध़् ऽ, प ऽ ॥

नोट– यह एक उत्तरांगप्राधान्य राग है, अतएव इस में पंचम, धैवत और तार सप्तक के षड्ज स्वर का प्रावल्य रखना अवश्य है. आरोह में ऋषभ स्वर को कमजोर रखना चाहिये. आरोह में ऋषभ स्वर का ज्यादा व्यवहार से और पूर्वांग प्रबल करनेसे **रेवा** राग होगा. यथाः—

सारि़् ग ऽ; सारि़् गप ग ऽ; सारि़् गप ध़्प ग ऽ, इ. इ.

———

बिभास – झपताल.

प्रात समये नंदलाल दरस को, सब मिले व्रिजबासि आनंद द्वारे.
वंदी जन सब हरिगुण गाये, जागो यदुपते तुम मन मुरारे.

ध् ऽ	प ध् प	ग प	ग रि् सा ‖	रि् रि्	सा ग प	ध् ध्	प ध् प
प्रा ऽ	ऽ ऽ त	स म	ये ऽ ऽ ‖	नं द	ला ऽ ल	द र	स को ऽ
=	२	०	३	*+	२	०	३

प ग	प ध् ऽ	सां सां	सां रिं् सां ‖	सां रिं्	सां ध् प	ध् प	ग रि् सा
स ब	मि ले ऽ	व्रि ज	बा ऽ सि ‖	आ ऽ	नं ऽ द	द्वा ऽ	रे ऽ ऽ

*(अंतरा)

प ग	प ध् ऽ	सां सां	सां रिं् सां ‖	रिं् रिं्	सां गं रिं्	सां रिं्	सां ध् प
वं ऽ	दी ऽ ऽ	ज न	स ऽ ब ‖	ह रि	गु ऽ ण	गा ऽ	ये ऽ ऽ

प ध्	ग प ध्	रिं् रिं्	सां ध् प ‖	सां रिं्	सां ध् प	ध् प	ग रि् सा
जा ऽ	गो ऽ य	दु प	ते ऽ ऽ ‖	तु म	म न मु	रा ऽ	रे ऽ ऽ

स्थायी. " प्रात समये "

ध्ध् पप । गप ध्प गरि् । सा ऽ, । गप पध् ध्सां

सांरिं् रिं्गं । पंपं गंरिं् सांध् । ऽप गप । ध्प गरि् सा ॥ प्रात समये

ध्ध् पध् । ध्प ध्ध् पप । गप गरि् । सा, रिं्रिं् सांरिं्

रिं्सां रिं्रिं् । सांसां ध्प गप । ध्प गरि् । सा, सारि् गप

ध्सां रिं्रिं् । पंपं गंरिं् सांसां । ध्प गप । ध्प गरि् सा ॥ प्रात समये

ध्ध् पध् । ध्प ध्ध् पप । गरि्, रिं्रिं् । सांरिं् रिं्सां रिं्रिं्

सांसां धूप, । गंगं रिंगं गंरिं । गंगं रिंरिं । सांसां, गंरिं ऽसां

धू, रिंसां । ऽधू प, धूप । ऽग रि, । पग ऽरि सा ॥ प्रात समये

सारि गप । गरि सा, धूऽ । पधू ऽप । धूप गप धूप

गरि सा, । सारि गप धू, । रिग पधू । सां, पधू सांरिं

गंपं गंरिं । सांसां धूप, धूधू । पग, पप । गरि, गग रिसा ॥ प्रात समये

अंतरा. " वंदी जन सब "

सांरिं सांसां । रिंसां धूप, पधू । पप धूप । गरि, गग रिग

गरि सासा, । सारि गप धूसां । रिंगं रिंसां । धूप गप धूसां ॥ वंदी जन सब

रिंगं सांरिं । धूसां पधू गप । रिग सारि । धूसा, साग गप

पधू धूसां, । गंगं रिंसां धूधू । पप, गप । धूसां पधू सां ॥ वंदी जन सब

गंगं रिंसां, । रिंरिं सांधू, सांसां । धूप, धूधू । पग, पप गरि,

गग रिसा, । सारि गग, रिग । पप, गप । धूधू, पधू सांसां,

धूसां रिंरिं, । सांरिं गंगं, पंपं । गंरिं सांसां । धूप गप धूसां ॥ वंदी जन सब

सांधू सांसां, । धूप धूधू, पग । पप, गरि । सासा, गंरिं गंगं,

रिंधू सांसां, । धूप धूधू, पग । पप, गरि । सासा, पंगं पंपं,

गंरिं सांसां, । रिंधू सांसां, धूप । धूधू, पग । पप, गरि गप [1]

धूसां पधू । सां, गप धूसां । पधू सां, । गप धूसां पधू ॥ सां [2] [3]

राग त्रिवेणी (तिरवन).

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ, रि॒ रि॒ सा ऽ; ऩि रि॒ ग रि॒ ऽ, ग प ग रि॒ ऽ, ग रि॒ ऽ, सा ऽ; ऩि रि॒ ऽ सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि॒ ऩि ध॒ प ऽ, ऩि ध॒ प ऽ; ध॒ ऩि रि॒ सा ऽ; रि॒ रि॒ प प ऽ, प ध॒ प म ग रि॒ ऽ; ग प ऽ नि ध॒ प म ग रि॒ ऽ; ग प ग रि॒ ऽ, ग रि॒ सा ऽ; ऩि रि॒ ऽ सा ऽ ॥

(३) ऩि सा रि॒ सा ऽ; रि॒ ग रि॒ सा ऽ; रि॒ रि॒ प ऽ, ध॒ ध॒ प ऽ; नि ध॒ प ऽ; सां नि ध॒ प ऽ; नि ध॒ प म ग रि॒ ऽ; ग प ग रि॒ सा ऽ; ऩि रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

(४) प ऽ ग ऽ, प ऽ ध॒ प, सां ऽ सां ऽ, नि रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ गं रिं॒ सां ऽ; नि रिं॒ नि ध॒, नि ध॒ प; प म ग रि॒ ऽ; ग प ग रि॒ ऽ, ग रि॒ सा ऽ; ऩि रि॒ ऽ सा ऽ ॥

स्वरविस्तार

ऩिरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गरि॒ गप गरि॒ गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गप ध॒प गरि॒ सा (अथवा) रि॒रि॒ पप पध॒ पम गरि॒ गप गरि॒ सा ऽ, ऩिरि॒ गरि॒ गप निध॒ पम गरि॒ गरि॒ सा ऽ; ऩिरि॒ गरि॒ गप गरि॒ गप सां रिं॒नि ध॒नि ध॒प गरि॒ रि॒ग रि॒प गरि॒ सा ऽ; पप गरि॒ गप सां, निरिं॒ गंरिं॒ गंरिं॒ सां, निरिं॒ निध॒ पम गरि॒, गप गरि॒, गरि॒ सा, रि॒ऩि ध॒प ध॒ऩि रि॒सा, ऩिरि॒ गप गरि॒ सा ऽ ॥

त्रिवेणी – एकताल.

माया मय सकल जगत, तूंहि रचत संहारत,
तेरी विभु अवटित क्राति, सुरमुनि बुध सब मोहत.–माया
काम दुखद क्रोध मूल, लोभ बढत पडत भूल,
समझे भी मोहशूल, मनमति को विकल करत.

						सा					
प	ऽ	ग	रि॒	रि॒	सा	नि़	रि॒	ग	रि॒	सा	सा
मा	ऽ	या	ऽ	म	य	स	क	ल	ज	ग	त
=		०		२		०		३		४	*

सा											
नि़	रि॒	ग	रि॒	ग	प	ग	रि॒	ग	रि॒	सा	सा
तूं	ऽ	हि	र	च	त	सं	ऽ	हा	ऽ	र	त

सा	ग										
रि॒	रि॒	प	ऽ	प	ध॒	नि	ध॒	प	प	सां	सां
ते	ऽ	री	ऽ	वि	भु	अ	व	टि	त	क्रा	ति

नि	ध॒	प	म	ग	रि॒	ग	प	ग	रि॒	सा	सा
सु	र	मु	नि	बु	ध	स	ब	मो	ऽ	ह	त

*(अंतरा)

प	ऽ	ग	रि॒	ग	प	सां	ऽ	रिं॒	रिं॒	ऽ	सां
का	ऽ	म	दु	ख	द	क्रो	ऽ	ध	मू	ऽ	ल

सां											
नि	ऽ	रिं॒	गं	रिं॒	सां	रिं॒	नि	ध॒	नि	ध॒	प
लो	ऽ	भ	ब	ढ	त	प	ड	त	भू	ऽ	ल

						सां					
प	प	ध॒	ऽ	प	ऽ	नि	सां	रिं॒	नि	ध॒	प
स	म	झ	ऽ	भी	ऽ	मो	ऽ	ह	शु	ऽ	ल

प	म	ग	रि॒	ग	प	ग	रि॒	ग	रि॒	सा	सा
म	न	म	ति	को	ऽ	वि	क	ल	क	र	त

स्थायी. "माया मय सकल जगत"

रि॒रि॒ सासा, । नि॒रि॒ गरि॒ । गप गरि॒ । गरि॒ सासा, । पम गरि॒ । गप गरि॒

गरि॒ सासा, । गप निध॒ । पम गरि॒ । गप गरि॒ । गरि॒ सासा । नि॒रि॒ सा ॥

माया मय सकल जगत.

पप गप। पग रि॒सा, । निनि ध॒नि।निध॒ पम । गरि॒ गप । गरि॒ सा,

रिं॒रिं॒ सांरिं॒।रिं॒सां निध॒ । पम गरि॒ । गरि॒ सा, । रि॒नि॒ ध॒प॒ । ध॒नि॒ रि॒सा

माया मय सकल जगत.

नि॒रि॒ गरि॒, । गप गरि॒, । गप ध॒ध॒ । पम गरि॒, । गप ध॒नि । निनि ध॒ध॒

पम गरि॒, । गप ध॒नि । रिं॒रिं॒ निध॒ । पम गरि॒, । गप गरि॒, । गरि॒ सा ॥

माया मय सकल जगत

रि॒रि॒ सासा । गग रि॒रि॒ । पप गग । ध॒ध॒ पप । सांसां निनि । रिं॒रिं॒ सांसां

गंगं रिं॒रिं॒ । सांसां निनि । ध॒ध॒ पप । मम गरि॒ । गप गरि॒ । गरि॒ सासा ॥

माया मय सकल जगत.

अंतरा. "काम दुखद क्रोध मूल"

सांरिं॒ सां, । निरिं॒ गंरिं॒ । गंरिं॒ सां, । निरिं॒ गंपं । गंरिं॒ सां, । निरिं॒ निध॒

पम गरि॒ । गप गरि॒ । गरि॒ सा, । रि॒ग रि॒प । पप गरि॒ । गप सां ॥

काम दुखद क्रोध मूल.

सांरिं॒ निसां । ध॒नि पध॒ । गप रि॒ग । सारि॒ नि॒सा, । रि॒रि॒ पप । गग ध॒ध॒

पप सांसां । ध्ध् रिंरिं । रिंसां सांनि । निध् ध्प । पग गरि् । गप सां ॥
काम दुखद क्रोध मूल

निरिं गंगं । रिंसां निध् । पम गरि् । गप गरि् । गरि् सा, । पप गरि्

गप सां, । रिंगं रिंसां । रिंनि ध्नि । ध्प गरि् । रि्ग रि्प । ध्प सां ॥
काम दुखद क्रोध मूल

रिंरिं सांरिं । रिंसां रिंरिं । सांनि ध्प । मग रि्, । ध्ध् पध् । ध्प ध्ध्

पम गरि् । गरि् सा, । रि्रि् पप । ध्प सां । निरिं गंरिं । सांरिं निसां ॥
काम दुखद, इ. इ.

राग बिलासखानी तोडी.

रागांग विस्तार.

(१) सा ऽ; रि् नि् ऽ, सा ऽ, रि् ग् ऽ; रि् ऽ रि् ऽ, सा ऽ;
रि् ध् ऽ ग् ऽ; म् ग् ऽ, रि् ऽ रि् ऽ, सा ऽ ॥

(२) सा ऽ, रि् ऽ, सा ऽ; ग् रि् ऽ, सा ऽ; रि् नि् ध् ऽ; म् ऽ,
नि् ध् ऽ सा ऽ; ग् ऽ, म् ग् ऽ; प ध् ऽ म् ग् ऽ; म् ग्
रि् ग् ऽ; रि् ऽ सा ऽ ॥

(३) सा ऽ; रि॒ रि॒, म॒ ग॒ ऽ, ध॒ ध॒ ऽ प ऽ; नि॒ ध॒ प ऽ; नि॒ ध॒ सां ऽ, नि॒ ध॒ ऽ प ऽ; ध॒ ध॒ ऽ, पध॒ मग॒ रि॒ ऽ; गम॒ ग॒रि॒ ऽ; रि॒ ऽ सा ऽ; सा ध॒ ऽ; रि॒ सा ध॒ ऽ; ध॒ ग॒ ऽ; रि॒ ग॒ ऽ, म॒ ग॒ रि॒ ऽ, सा ऽ; रि॒ नि॒ ऽ, सा रि॒ ग॒ ऽ ॥

(४) म॒ प ध॒ ध॒ सां ऽ, नि॒ सां ऽ; रिं॒ नि॒ सां रिं॒ गं॒ ऽ; मं॒ गं॒ रिं॒ सां ऽ; रिं॒ नि॒ ध॒ ऽ; ग॒ म॒ ऽ, नि॒ ध॒ म॒ ग॒ रि॒ ऽ; ग॒ म॒ ग॒ रि॒ ऽ; रि॒ ऽ, सा ऽ ॥

स्वरविस्तार.

सारि॒ सा ऽ; सारि॒ ग॒रि॒ सा ऽ; सारि॒ ग॒ग॒ म॒ग॒ रि॒सा ऽ; सारि॒ ग॒म॒ पप ग॒ग॒ म॒ग॒ रि॒सा ऽ; सारि॒ ग॒ग॒ म॒प ध॒म॒ पप ग॒ग॒ म॒ग॒ रि॒रि॒ ग॒रि॒ सासा ऽ; सारि॒ ग॒ग॒ म॒प ध॒ध॒ पनि॒ ध॒प ध॒म॒ पग॒ म॒ग॒ रि॒सा ऽ; सारि॒ ग॒ग॒ म॒प ध॒ध॒ पध॒ सांध॒ नि॒ध॒ पप म॒प ग॒ग॒ रि॒ग॒ रि॒सा (अथवा) सारि॒ ग॒ग॒ म॒प ध॒ध॒ पध॒ सांसां नि॒ध॒ ऽप ध॒म॒ ग॒रि॒, ग॒म॒ ग॒रि॒, ग॒रि॒ सासा ऽ; सारि॒ ग॒ग॒ म॒प ध॒ध॒ पध॒ सांरिं॒ गं॒गं॒ रिं॒गं॒ रिं॒रिं॒ सांसां ध॒नि॒ ध॒प म॒प ग॒ग॒ रि॒ग॒ रि॒सा, रि॒नि॒ सारि॒ ध॒ग॒ रि॒ग॒ म॒म॒ ग॒रि॒, ग॒रि॒ सासा ऽ ॥

बिलासखानी तोडी—एकताल.

नीके घुंगरिया ठुमकत चाल चलत है.

सुनत साथ जिया बेकल होत, सदारंग ले हो बलैयां.

				सा रि़नि़	सा रि़
				नी ऽ	के ऽ
				३	४
ग़ ऽ	ऽ ऽ	ग़ रि़	ग़ रि़	सा ऽ	सा रि़नि़
घुं ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ग रि	या ऽ	ठु ऽ
=	०	२	०	३	४
सा रि़	ध़ ऽ	ध़ ग़	ग़ ऽ	ग़रि़ ऽ	ग़ ऽ
म क	त ऽ	ऽ ऽ	चा ऽ	लऽ ऽ	च ऽ
				(अंतरा)	
म़ ऽ	ग़ रि़	ग़ रि़	सा ऽ	प ऽ	ध़ ध़
ल ऽ	ऽ ऽ	ऽ त	है ऽ	सु ऽ	न त
सां ऽ	ऽ सां	सां सां	रिं़ ऽ	नि़ सांरिं़	गं़ ऽ
सा ऽ	ऽ थ	जि या	बे ऽ	क लऽ	हो ऽ
रिं़ नि़	ध़ म़	ग़ रि़	ग़ रि़	सा रि़नि़	सारि़ ग़ग़
त ऽ	स दा	ऽ ऽ	रं ऽ	ग ऽ	लेऽ होऽ
म़ म़	ग़ रि़	ग़ रि़	सा ऽ,	सा रि़नि़	सा रि़
ब लै	ऽ ऽ	ऽ ऽ	या ऽ,	नी ऽ	के ऽ

स्थायी.

घुं ऽ । ऽ ऽ । ऽ ऽ । ग रि, । ग़ग़ रि़ग़ । ग़रि़ सासा,

नि़नि़ ध़नि़ । नि़ध़ नि़नि़ । ध़ध़ पप । ध़म़ ग़रि़ । ग़रि़ सासा, । गं़गं़ रिं़गं़

गं़रिं़ सांसां । ध़नि़ ध़प । ध़म़ ग़रि़ । ग़रि़ सासा । नी ऽ । के ऽ

घुं ऽ । ऽ ऽ । ऽ ऽ । ग रि । या ऽ, । सारि़ ग़,

रि॒ग॒ म॒ग॒ । ध॒म॒ ग॒, । नि॒नि॒ ध॒प । ध॒म॒ ग॒, । रिं॒रिं॒ नि॒नि॒ । ध॒म॒ ग॒,

गं॒गं॒ रिं॒सां । रिं॒नि॒ ध॒प । ध॒म॒ ग॒ । रि॒ग॒ रि॒सा । नी ऽ । के ऽ

घुं ऽ । ऽ ऽ । ऽ ऽ । ग रि, । म॒म॒ ग॒ग॒ । रि॒रि॒ सासा,

नि॒नि॒ ध॒ध॒ । म॒म॒ ग॒ग॒ । रि॒रि॒ सासा, । गं॒गं॒ रिं॒रिं॒ । नि॒नि॒ ध॒ध॒ । म॒म॒ ग॒ग॒

रि॒रि॒ सासा, । रि॒रि॒ नि॒ध॒ । ध॒ग॒ रि॒ग॒ । रि॒रि॒ सासा । नी ऽ । के ऽ

घुं ऽ । ऽ ऽ । ऽ ऽ । ग रि, । म॒म॒ ग॒रि॒ । ग॒ग॒ रि॒सा,

नि॒नि॒ ध॒म॒ । ध॒ध॒ म॒ग॒ । म॒म॒ ग॒रि॒ । ग॒ग॒ रि॒सा, । रिं॒रिं॒ नि॒ध॒ । नि॒नि॒ ध॒म॒

ध॒ध॒ म॒ग॒ । म॒म॒ ग॒रि॒ । ग॒ग॒ रि॒सा, । ग॒रि॒ म॒ग॒ । ध॒म॒ नि॒ध॒ । सांनि॒ रिं॒सां

गं॒गं॒ रिं॒सां । ध॒नि॒ ध॒प । म॒प ग॒ग॒ । रि॒ग॒ रि॒सा । नी ऽ । के ऽ ॥

घुंगरिया....है

अंतरा. "सुनत"

सा ऽ । ऽ थ । रिं॒नि॒ नि॒ध॒ । ध॒म॒ म॒ग॒ । ग॒रि॒ सा, । गं॒रिं॒ रिं॒नि॒

ध॒म॒ म॒ग॒ । ग॒रि॒ सा, । मं॒गं॒ गं॒रिं॒ । रिं॒नि॒ नि॒ध॒ । ध॒म॒ म॒ग॒ । ग॒रि॒ सा,

ग॒रि॒ म॒ग॒ । ध॒म॒ नि॒ध॒ । सां, ध॒म॒ । नि॒ध॒ सां । सु ऽ । न त

सा ऽ । ऽ थ । गं॒गं॒ रिं॒गं॒ । रिं॒सां, रिं॒रिं॒ । नि॒रिं॒ नि॒ध॒, । नि॒नि॒ ध॒नि॒

ध॒म॒, ध॒ध॒ । म॒ध॒ म॒ग॒, । म॒म॒ ग॒म॒ । ग॒रि॒, ग॒ग॒ । रि॒ग॒ रि॒सा, । रि॒रि॒ नि॒ध॒

नि॒ध॒ सा । ध॒ग॒ रि॒ग॒ । ध॒गं॒ रिं॒गं॒ । रिं॒सां नि॒सां । सु ऽ । न त

सा ऽ । ऽ थ । सांरिं सांरिं । निंसां निंसां । धनि धनि । पध पध

मप मप । गरि गरि । सारि गग । मप धध । पध सांसां । रिंरिं गंगं

मंमं गंरिं । गंगं रिंसां । रिंरिं निध । पध सां । सुनत साथ, इ. इ.

बोलतानें. " नीके "

सारि निध	गग ऽप	गरि ऽरि	मग ऽरि	सारि ग	सानि सारि
नीके घुंग	रिया ऽठु	मक ऽत	चाल ऽच	लत है	नीऽ केऽ

ग ऽ	ऽ ऽ	ग रि	ग रि	सा ऽ	ऽ ऽ
घुं ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ग रि	या ऽ	ऽ ऽ

पध पग	पग रिसा	सारि ऽग	मग रिग	सारि सानि	सानि सारि
नीऽ केघुं	ऽग रिया	ठुम ऽक	तचा ऽल	चल तहै	नीऽ केऽ

घुंगरिया

गऽ रिम	गग पऽ	पध पप	निध पग	मग गरि	सानि सारि
नीऽ केघुं	ऽग रिऽ	याठु ऽम	कऽ तचा	ऽल ·चल	तहै नीके

घुंगरिया

रि' सांध	निध प	गप ऽग	रिग ऽरि	मग रिसा	निसा ऽरि
नी केघुं	गारि या	ठुम ऽक	तचा ऽल	चल तहै	ऽनी ऽके

घुंगरिया

ऽगं ऽरिं	सांरिं सांध	ऽप धप	गम गरि	ऽग ऽरि	सानि सारि
ऽनी ऽके	घुंग रिया	ऽठु ऽम	कत चाल	ऽच ऽल	तहैं नीके

ग् ऽ	सारिग् मग्रि्	ग्ऽप ध्ऽप	नि्ध्प सांऽरिं्
घुं ऽ	नीऽके घुंऽग	रिऽया ठुऽम	कऽत चाऽल
=	०	२	०

ग्ंरिं्सां नि्ध्प	ग्म्ग् रि्सारि्
चलत हैऽऽ	नीऽके नीऽके
३	४

ग् ऽ	ऽ ऽ	ग् रि्	ग् रि्	सा ऽ	ऽ ऽ
घुं ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ग रि	या ऽ	ऽ ऽ

रि्ग् म्ग्	ध्प ग्	नि्ध् सां	रिं्नि् रिं्सां	ग्ंरिं् ग्ंरिं्	सां नि्सां
नीऽ ऽ	ऽ के	ऽ घुं	ऽ ऽ	गऽ रीऽ	या ऽ

रिं्रिं् नि्ध्	नि्ध् ऽप	पध् म्ग्	रि्ग् म्ग्	रि्रि् सा	रि्नि् सारि्
ठुऽ मऽ	कऽ ऽत	चाऽ ऽ	लऽ चऽ	लत है	नीऽ केऽ

ग् ऽ	ऽ ऽ	ग् रि्	ग् रि्	सा ऽ	ऽ ऽ
घुं ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ग रि	या ऽ	ऽ ऽ

सा रि्नि्	सारि् ग्	म्प ध्ध्	पध् सां	ऽ नि्ध्	सां ऽ
नी ऽ	केऽ घुं	ऽ ऽ	गरि या	ऽ ऽ	ऽ ऽ

रिं् ग्ं	ग्ं म्ं	ग्ं रिं्	सां सां	रिं् रिं्	नि् ध्
ठु म	क त	चा ऽ	ऽ ल	च ऽ	ल त

पध् म्ग्	रि्ग् म्ग्	रि्ग् रि्सा	रि्नि् सारि्	रि्नि् सारि्	रि्नि् सारि्	ग्
हैऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	नीऽ केऽ	नीऽ केऽ	नीऽ केऽ	घुं

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका
चतुर्थ भाग समाप्त.

हिंदुस्तानी संगीत की एनसाइक्लोपीडिया

(भाग १ से ६)

यह बड़ा ग्रंथ के छे भागों में प्रचलित १६० रागों के प्रत्येक के सुप्रसिद्ध सरगम, धृपद, धमार, तराणा, ख्याल, ठुमरियां, इ. नोटेशन के साथ दिये हैं। इस ग्रन्थ में भारी खान्दानी चीजों का अपूर्व संग्रह निम्न-लिखितानुसार किया है:—

१ **कल्याण** थाट के १७ रागों के पदों का संग्रह, रु. २॥

२ **बिलावल** थाट के २२ ,, ,, रु. २

३ **भैरव, पूर्वी, इ. संधिप्रकाश** थाटों के ४५ रागों के पदों का संग्रह, रु. ३

४ **काफी** थाट के ४० रागों के पदों का संग्रह, रु. ३॥

५ **आसावरी, भैरवी और तोडी** थाट के २० रागों के पदों का संग्रह, रु. २

६ **खमाज** थाट के १२ रागों के पदों का संग्रह, रु. १।

नोट—छे पुस्तक के ओरडर पर २५ टका वलतर दिया जायगा.